

अध्ययन शैलीच्या संदर्भात विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीचा अभ्यास

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे शिक्षणशास्त्र विद्याशाखेतील
पीएच.डी. पदवीसाठी सादर करावयाचा शोधप्रबंध

शाखा – शिक्षणशास्त्र

संशोधक
संदीप यशवंत निकम

मार्गदर्शक
डॉ. दत्तात्रेय तापकीर

नोव्हेंबर – 2017

प्रतिज्ञापत्र

मी, श्री. संदीप यशवंत निकम, असे घोषित करतो की, अध्ययन शैलीच्या संदर्भात विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीचा अभ्यास या विषयावर संशोधन कार्य पूर्ण करून त्यावर आधारित शोधप्रबंध लिहिला आहे. हा शोधप्रबंध मी यापूर्वी कोणत्याही विद्यापीठास किंवा इतर कोणत्याही परीक्षेच्या संदर्भात सादर केलेला नाही.

ठिकाण : पुणे
दिनांक :

संशोधक
(श्री. संदीप यशवंत निकम)

प्रमाणपत्र

प्रमाणित करण्यात येते की, **श्री. संदीप यशवंत निकम**, यांनी माझ्या मार्गदर्शन व परीक्षणाखाली अध्ययन शैलीच्या संदर्भात विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादनकृतीचा अभ्यास या विषयावर संशोधन कार्य पूर्ण करून त्यावर आधारित शोधप्रबंध लिहिला असून तो शोधप्रबंध टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठाच्या शिक्षणशास्त्र शाखेतील पीएच.डी. पदवीसाठी सादर केलेला आहे. माझ्या माहिती व धारणेनुसार हे शोध कार्य त्यांनी यापूर्वी कोणत्याही विद्यापीठास किंवा इतर कोणत्याही परीक्षेच्या संदर्भात सादर केलेले नाही.

ठिकाण : पुणे
दिनांक :

मार्गदर्शक
(डॉ. दत्तात्रेय तापकीर)

ऋणनिर्देश

शिक्षणक्षेत्राला सध्या अनेक बदलांना सामोरे जावे लागत आहे. या बदलांना जर आपल्या देशातील संशोधनाचा आधार मिळत गेला तर या बदलामुळे मिळणाऱ्या यशाची शक्यता अधिक वाढेल. परदेशातील शैक्षणिक संकल्पना आयात करून त्या जशाच्या तशा राबवल्या तर त्या यशस्वी होण्याची शक्यता कमी आहे. परंतु येथील संशोधनाचा, येथील परिस्थितीचा आधार घेतल्यास त्या या ठिकाणी यशस्वी होतील. प्रस्तुत संशोधनात याबाबीचा विचार करून संशोधकाने हे संशोधन कार्य आपल्यासमोर मांडले आहे.

अध्ययन शैलीच्या संदर्भात विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीचा अभ्यास या विषयावरील संशोधन आपल्यासमोर मांडत असताना सदर संशोधन कार्याची सुरुवात ते अंतिम टप्प्यापर्यंत ज्यांनी प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्षपणे सहकार्य केले त्यांचे ऋणनिर्देश व्यक्त करणे हे संशोधकाचे प्रथम कर्तव्य आहे. ऋणनिर्देश व्यक्त करणे म्हणजे ऋणातून मुक्त होणे असा अर्थ मला याठिकाणी अभिप्रेत नाही, तर मला सहकार्य केलेल्या सर्वांच्या ऋणात राहणे असा आहे.

सर्वप्रथम प्रस्तुत विषयावर आधारित संशोधनकार्य करण्यासाठी अनुमती दिल्याबद्दल मी टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठाचा मनापासून ऋणी आहे.

कोणत्याही विषयाचे अध्ययन करत असताना त्याला मार्गदर्शनाची आवश्यकता असते. प्रस्तुत संशोधनासाठी विषय निवडल्यापासून ते अंतिम टप्प्यापर्यंत नेण्यापर्यंत महत्वाची आणि मध्यवर्ती भूमिका पार पाडणारे माझे मार्गदर्शक आदरणीय डॉ. दत्तात्रेय तापकीर सर यांचा मी अत्यंत ऋणी आहे.

सदर संशोधनकार्य करण्यास प्रोत्साहन देणारे तसेच संशोधनातील आवश्यक बाब म्हणजे संख्याशास्त्रीय विश्लेषण यासाठी डॉ. प्रवीण मोहिते सर यांची मदत, मार्गदर्शन सदैव स्मरणात राहील. मी त्याचा अत्यंत ऋणी आहे.

संशोधन कार्यामध्ये संदर्भ साहित्यास फार महत्व आहे. यासाठी ग्रंथालयीन सहकार्य देणारे श्री. प्रशांत धामापूरकर, श्रीमती निवेदिता भिडे यांची मदत फार मोलाची आणि महत्वपूर्ण आहे. याबद्दल मी त्यांचा अत्यंत आभारी आहे.

प्रस्तुत संशोधन कार्यासाठी उपयोगात आणलेली शोधिका तयार करण्याच्या दृष्टीने ज्या विद्यार्थ्यांनी प्रश्नावली सोडवून दिल्या तसेच ज्या तज्ज्ञांनी याकामाबाबत मार्गदर्शन व सूचना केल्या त्या सर्वांचा मी अत्यंत ऋणी आहे.

प्रस्तुत संशोधन कार्यातील महत्वपूर्ण टप्पा म्हणजे माहिती संकलन प्रक्रिया होय. या प्रक्रियेसाठी महत्वपूर्ण व मोलाची मदत करणारे श्री. सुर्यकांत कुळ्हाडे सर व डॉ. शुभांगी कुळ्हाडे यांचे ऋण व्यक्त करणे मला महत्वपूर्ण वाटते. त्याचप्रमाणे माझे सहकारी शिक्षक मित्र श्री. उमेश देशमुख व श्री. अभिमन्यू कौले यांचे याकामासाठी जे सहकार्य मिळाले यासाठी मी त्यांचाही आभारी आहे.

प्रस्तुत संशोधन कार्याबद्दल सतत विचारणा व मार्गदर्शन करणाऱ्या तसेच आवश्यक संदर्भ साहित्य उपलब्ध करून दिल्याबद्दल प्रा. सौ. सारिका बहिरट यांचे आभार व्यक्त करणे मला गरजेचे आहे. प्रस्तुत संशोधन विषयाबद्दल नियमित चर्चा करणारे व आवश्यक मार्गदर्शन करणारे प्रा. श्री. सुनिल कालेकर, प्रा. श्री. अजयकुमार फुंदे, प्रा. श्री. योगेश पाटील यांनी केलेल्या सहकार्याबद्दल त्या सर्वांचे आभार व्यक्त करणे मला आवश्यक वाटते.

वेळोवेळी मला मार्गदर्शन करणारे, मला प्रोत्साहन देणारे माझे आई-वडील यांच्या ऋणातच राहणे मला आवडेल. इच्छा असूनही परंतु बदलीची नोकरी आणि प्रशासकीय जबाबदारी यामुळे ज्यांना पीएच.डी. पदवी प्राप्त करता आली नाही परंतु मला या कामासाठी सतत प्रेरणा देणारे माझे वडील त्यांचाही मी मनःपूर्वक आभारी आहे.

माझी पत्नी, मुलगा यांचे विनातक्रार सहकार्य, मदत याबद्दल मी त्यांचा खूप आभारी आहे. आजच्या काळात संशोधनाच्या प्रत्येक टप्प्यावर संगणकाची आवश्यकता निर्माण झालेली आहे. सांख्यिकीय विश्लेषण, टंकलेखन या कामासाठी संगणक साह्य उपलब्ध करून देणारे श्री. दिलीप माने, सौ. नंदा माने, श्री. वैभव धुमाळ, श्री. निलेश मिठारे, कु. सारिका गुळवे यांचे ऋण व्यक्त करणे मला महत्वपूर्ण वाटते.

शिक्षणक्षेत्रात कार्यरत असणारे माझे नातेवाईक, मित्र, सहकारी यांनी वेळोवेळी दिलेले सहकार्य, प्रेरणा यामुळे संशोधनकार्याचा अंतिम टप्पा गाठणे सहज शक्य झालेले आहे. या सर्वांचे मनापासून आभार.

प्रस्तुत संशोधनाकार्यात प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्षपणे ज्या ज्या व्यक्तींचे सहकार्य मला लाभले त्यांचे मी आभार मानतो.

ठिकाण : पुणे

संशोधक
(श्री. संदीप यशवंत निकम)

अनुक्रमणिका

| क्रमांक | तपशील | पृष्ठ क्रमांक |
|----------------------------------|--|---------------|
| I | शीर्षक पृष्ठ | I |
| II | प्रतिज्ञापत्र | II |
| III | प्रमाणपत्र | III |
| IV | ऋणनिर्देश | IV |
| V | अनुक्रमणिका | VI |
| VI | सारणीसूची | XI |
| VII | आलेखसूची | XIV |
| प्रकरण पहिले – प्रस्तावना | | 1-39 |
| 1.1 | शिक्षण | 4 |
| 1.2 | अध्ययन | 8 |
| 1.3 | अध्ययन प्रक्रिया | 10 |
| | 1.3.1 अध्ययन प्रक्रियेचे स्वरूप | 11 |
| 1.4 | अध्ययन शैली | 13 |
| 1.5 | अध्ययन शैलीची विविध प्रतिमाने | 15 |
| | 1.5.1 कोबे यांचे अध्ययन शैली प्रतिमान | 15 |
| | 1.5.2 हनी.पी. आणि ममफोर्ड ए. यांचे अध्ययन शैली प्रतिमान | 16 |
| | 1.5.3 मनु.पी. यांचे अध्ययन शैली प्रतिमान | 16 |
| | 1.5.4 पांडे आणि अग्रवाल यांचे अध्ययन शैली प्रतिमान | 17 |
| | 1.5.5 गिल्ड आणि गार्गर यांचे अध्ययन शैली प्रतिमान | 18 |
| | 1.5.6 डॉ.रसेल फ्रेंच, डेरिल गिली, एड चेरी यांचे अध्ययन शैली प्रतिमान | 19 |
| | 1.5.7 पास्क यांचे अध्ययन शैली प्रतिमान | 19 |
| | 1.5.8 ग्रीगार्क यांचे अध्ययन शैली प्रतिमान | 20 |
| | 1.5.9 बहुविध बुद्धिमत्ता | 20 |
| 1.6 | नील फ्लेमिंग यांचे अध्ययन शैलीचे प्रतिमान | 22 |
| | 1.6.1 दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली | 24 |
| | 1.6.2 श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली | 25 |
| | 1.6.3 स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली | 26 |
| 1.7 | अध्ययन शैली जाणून घेण्याचे फायदे | 27 |
| 1.8 | संशोधनाचे महत्त्व व आवश्यकता | 28 |

| | | |
|--|---|---------------|
| 1.9 | संशोधन समस्येचे शीर्षक | 31 |
| 1.10 | समस्या विधान | 31 |
| 1.11 | पदांच्या व्याख्या | 31 |
| | 1.11.1 संकल्पनात्मक व्याख्या | 31 |
| | 1.11.2 कार्यात्मक व्याख्या | 31 |
| 1.12 | संशोधनाची उद्दिष्टे | 32 |
| 1.13 | गृहीतके | 32 |
| 1.14 | परिकल्पना | 32 |
| 1.15 | संशोधनातील चले | 35 |
| 1.16 | व्याप्ती, मर्यादा आणि परिमर्यादा | 35 |
| | 1.16.1 व्याप्ती | 35 |
| | 1.16.2 मर्यादा | 35 |
| | 1.16.3 परिमर्यादा | 35 |
| संदर्भ | | 37 |
| प्रकरण दुसरे - संबंधित साहित्य व पूर्व संशोधनाचा अभ्यास | | 40-79 |
| 2.1 | प्रस्तावना | 42 |
| 2.2 | संबंधित साहित्य व पूर्व संशोधनाच्या अभ्यासाचे महत्त्व | 42 |
| 2.3 | पुस्तके | 44 |
| 2.4 | नियतकालिके | 46 |
| | 2.4.1 लेख | 46 |
| | 2.4.2 शोधनिबंध | 54 |
| 2.5 | पीएच.डी. स्तरावरील संशोधने | 63 |
| 2.6 | सदर संशोधनाचे वेगळेपण | 73 |
| संदर्भ | | 75 |
| प्रकरण तिसरे - संशोधन कार्यपद्धती | | 80-112 |
| 3.1 | प्रस्तावना | 83 |
| 3.2 | शैक्षणिक संशोधन | 84 |
| | 3.2.1 शैक्षणिक संशोधनाची वैशिष्ट्ये | 85 |
| 3.3 | शैक्षणिक संशोधनाचे प्रकार | 85 |
| | 3.3.1 मूलभूत संशोधन | 85 |
| | 3.3.2 उपयोजित संशोधन | 86 |
| | 3.3.3 कृती संशोधन | 86 |
| 3.4 | संशोधन पद्धती | 86 |
| | 3.4.1 सर्वेक्षण पद्धत | 87 |

| | | |
|------|---|----------------|
| | 3.4.1.1 प्रस्तावना | 87 |
| | 3.4.1.2 सर्वेक्षण पद्धतीची वैशिष्ट्ये | 88 |
| | 3.4.1.3 सर्वेक्षण पद्धतीचा हेतू | 88 |
| 3.5 | संशोधन अभिकल्प | 89 |
| | 3.5.1 परिणामोत्तर कारणमीमांसा अभिकल्प | 90 |
| 3.6 | जनसंख्या | 90 |
| 3.7 | नमुना निवड | 91 |
| | 3.7.1 प्रस्तावना | 91 |
| | 3.7.2 नमुना घटक | 91 |
| | 3.7.3 नमुना निवडीची वैशिष्ट्ये | 92 |
| | 3.7.4 नमुना निवडीच्या पद्धती | 92 |
| | 3.7.4.1 संभाव्यता पद्धत | 92 |
| | 3.7.4.2 असंभाव्यता पद्धत | 95 |
| | 3.7.5 नमुना निवडीचे फायदे | 95 |
| | 3.7.6 नमुना निवडीचे तोटे | 96 |
| | 3.7.7 नमुना निवडीची परिस्थिती | 96 |
| 3.8 | माहिती संकलनाची साधने | 99 |
| | 3.8.1 माहिती संकलन साधनांचे निकष | 99 |
| | 3.8.2 माहिती संकलन साधनाची विश्वसनीयता | 100 |
| | 3.8.3 माहिती संकलन साधनाची सप्रमाणता | 101 |
| 3.9 | माहिती संकलन प्रक्रिया | 103 |
| | 3.9.1 उद्दिष्ट क्रमांक 1 अनुसार | 103 |
| | 3.9.2 उद्दिष्ट क्रमांक 2 अनुसार | 105 |
| | 3.9.3 उद्दिष्ट क्रमांक 3 अनुसार | 108 |
| | 3.9.4 उद्दिष्ट क्रमांक 4 अनुसार | 109 |
| 3.10 | संशोधन कार्यवाहीचे वेळापत्रक | 110 |
| | संदर्भ | 111 |
| | प्रकरण चौथे – संकलित माहितीचे विश्लेषण व अर्थनिर्वचन | 113-171 |
| 4.1 | प्रस्तावना | 115 |
| 4.2 | उद्दिष्ट क्रमांक 1 अनुसार | 116 |
| 4.3 | उद्दिष्ट क्रमांक 2 अनुसार | 120 |
| 4.4 | उद्दिष्ट क्रमांक 3 अनुसार | 134 |
| 4.5 | उद्दिष्ट क्रमांक 4 अनुसार | 139 |

| प्रकरण पाचवे – सारांश, निष्कर्ष व शिफारशी | | 172-210 |
|--|---|----------------|
| 5.1 | प्रस्तावना | 175 |
| 5.2 | सारांश | 175 |
| | 5.2.1 प्रस्तावना | 175 |
| | 5.2.2 संशोधनाची आवश्यकता | 176 |
| | 5.2.3 संबंधित साहित्याचा आढावा | 178 |
| | 5.2.4 संशोधन समस्येचे शीर्षक | 178 |
| | 5.2.5 समस्या विधान | 178 |
| | 5.2.6 पदांच्या संकल्पनात्मक व्याख्या | 178 |
| | 5.2.7 पदांच्या कार्यात्मक व्याख्या | 179 |
| | 5.2.8 संशोधनाची उद्दिष्टे | 179 |
| | 5.2.9 गृहीतके | 179 |
| | 5.2.10 परिकल्पना | 179 |
| | 5.2.11 संशोधनातील चले | 182 |
| | 5.2.12 व्यापी, मर्यादा आणि परिमर्यादा | 182 |
| | 5.2.12.1 व्यापी | 182 |
| | 5.2.12.2 मर्यादा | 182 |
| | 5.2.12.3 परिमर्यादा | 182 |
| | 5.2.13 संशोधन पद्धती | 182 |
| | 5.2.14 संशोधन अभिकल्प | 183 |
| | 5.2.15 जनसंख्या | 183 |
| | 5.2.16 नमुना निवड | 183 |
| | 5.2.17 माहिती संकलनाची साधने | 183 |
| | 5.2.17.1 अध्ययन शैली शोधिका | 184 |
| | 5.2.17.2 प्रगतिपुस्तक | 184 |
| | 5.2.18 माहिती संकलन प्रक्रिया | 184 |
| | 5.2.18.1 उद्दिष्ट क्रमांक 1 अनुसार | 185 |
| | 5.2.18.2 उद्दिष्ट क्रमांक 2 अनुसार | 186 |
| | 5.2.18.3 उद्दिष्ट क्रमांक 3 अनुसार | 186 |
| | 5.2.18.4 उद्दिष्ट क्रमांक 4 अनुसार | 187 |
| | 5.2.19 माहितीचे सांख्यिकीय विश्लेषण व अर्थनिर्वचन | 187 |
| | 5.2.19.1 उद्दिष्ट क्रमांक 1 अनुसार | 187 |
| | 5.2.19.2 उद्दिष्ट क्रमांक 2 अनुसार | 191 |

| | | |
|-------------------------|--|----------------|
| | 5.2.19.3 उद्दिष्ट क्रमांक 3 अनुसार | 196 |
| | 5.2.19.4 उद्दिष्ट क्रमांक 4 अनुसार | 197 |
| 5.3 | उद्दिष्टानुसार निष्कर्ष | 204 |
| | 5.3.1 उद्दिष्ट क्रमांक 1 नुसार निष्कर्ष | 204 |
| | 5.3.2 उद्दिष्ट क्रमांक 2 नुसार निष्कर्ष | 204 |
| | 5.3.3 उद्दिष्ट क्रमांक 3 नुसार निष्कर्ष | 205 |
| | 5.3.4 उद्दिष्ट क्रमांक 4 नुसार निष्कर्ष | 205 |
| 5.4 | प्रस्तुत व पूर्व संशोधन यांतील निष्कर्षाची चर्चा | 207 |
| 5.5 | शिफारशी | 209 |
| | 5.5.1 मुख्याध्यापकांसाठी | 209 |
| | 5.5.2 शिक्षकांसाठी | 209 |
| | 5.5.3 पालकांसाठी | 210 |
| | 5.5.4 भावी संशोधकांसाठी | 210 |
| संदर्भ ग्रंथसूची | | 211 |
| परिशिष्टे | | 218-285 |
| परिशिष्ट “A” | अध्ययन शैली शोधिका | 220 |
| परिशिष्ट “B” | प्रश्न पृथक्करणासाठी निवडलेल्या विद्यार्थ्यांच्या शाळांची नावे | 223 |
| परिशिष्ट “C” | अध्ययन शैली शोधिका | 224 |
| परिशिष्ट “D” | विश्वसनीयता गुणांक काढण्यासाठीचे प्राप्त गुण | 227 |
| परिशिष्ट “E” | विद्यार्थ्यांना अध्ययन शैली शोधिकेतून मिळालेले गुण | 228 |
| परिशिष्ट “F” | विद्यार्थ्यांना अंतिम परीक्षेत मिळालेले गुण | 262 |
| परिशिष्ट “G” | सारणी t-मूल्य | 283 |
| परिशिष्ट “H” | सारणी F-मूल्य | 285 |

सारणीसूची

| प्रकरण क्रमांक | सारणी क्रमांक | तपशील | पृष्ठ क्रमांक |
|----------------|---------------|--|---------------|
| दुसरे | 2.1 | संबंधित साहित्य संख्या दर्शवणारी सारणी | 44 |
| तिसरे | 3.1 | परिणामोत्तर कारणमीमांसा अभिकल्प | 90 |
| | 3.2 | नमुना दर्शवणारी सारणी | 97 |
| | 3.3 | शाळानिहाय विद्यार्थी संख्या दर्शवणारी सारणी | 106 |
| | 3.4 | संशोधन कार्यवाहीचे वेळापत्रक दर्शवणारी सारणी | 110 |
| | 4.1 | t- मूल्य दर्शविणारी सारणी | 117 |
| चौथे | 4.2 | घटकांनुसार विधानांची संख्या दर्शविणारी सारणी | 118 |
| | 4.3 | गुणांकन दर्शविणारी सारणी | 118 |
| | 4.4 | विश्वसनीयता गुणांक दर्शविणारी सारणी | 119 |
| | 4.5 | अध्ययन शैलीनुसार विद्यार्थ्यांची संख्या व शेकडेवारी दर्शवणारी सारणी | 120 |
| | 4.6 | अध्ययन शैलीच्या संदर्भात शाळानिहाय एकूण मुलांची संख्या व शेकडेवारी दर्शवणारी सारणी | 125 |
| | 4.7 | अध्ययन शैलीच्या संदर्भात शाळानिहाय मुलांची संख्या व शेकडेवारी दर्शवणारी सारणी | 128 |
| | 4.8 | अध्ययन शैलीच्या संदर्भात शाळानिहाय एकूण विद्यार्थ्यांची संख्या व शेकडेवारी दर्शवणारी सारणी | 131 |
| | 4.9 | w/s test for Normality | 134 |
| | 4.10 | संपादणूक पातळीनुसार विद्यार्थ्यांची संख्या व शेकडेवारी दर्शवणारी सारणी | 135 |
| | 4.11 | MS-Excel च्या साहाय्याने काढलेली वर्णनात्मक सांख्यिकी | 139 |
| | 4.12 | MS-Excel च्या साहाय्याने काढलेले t- मूल्य | 140 |
| | 4.13 | मध्यमान, प्रमाण विचलन व t- मूल्य दर्शवणारी सारणी | 140 |
| | 4.14 | परिकल्पना परीक्षण | 140 |
| | 4.15 | MS-Excel च्या साहाय्याने काढलेली वर्णनात्मक सांख्यिकी | 142 |
| | 4.16 | MS-Excel च्या साहाय्याने काढलेले t- मूल्य | 143 |
| | 4.17 | मध्यमान, प्रमाण विचलन व t- मूल्य दर्शवणारी सारणी | 143 |
| | 4.18 | परिकल्पना परीक्षण | 143 |
| | 4.19 | MS-Excel च्या साहाय्याने काढलेली वर्णनात्मक सांख्यिकी | 145 |
| | 4.20 | MS-Excel च्या साहाय्याने काढलेले t- मूल्य | 146 |

| | | | |
|--|------|--|-----|
| | 4.21 | मध्यमान, प्रमाण विचलन व t- मूल्य दर्शवणारी सारणी | 146 |
| | 4.22 | परिकल्पना परीक्षण | 146 |
| | 4.23 | MS-Excel च्या साहाय्याने काढलेली वर्णनात्मक सांख्यिकी माहिती | 148 |
| | 4.24 | MS-Excel च्या साहाय्याने काढलेले F - मूल्य | 148 |
| | 4.25 | MS-Excel च्या साहाय्याने काढलेली वर्णनात्मक सांख्यिकी | 150 |
| | 4.26 | MS-Excel च्या साहाय्याने काढलेले t- मूल्य | 151 |
| | 4.27 | मध्यमान, प्रमाण विचलन व t- मूल्य दर्शवणारी सारणी | 151 |
| | 4.28 | परिकल्पना परीक्षण | 151 |
| | 4.29 | MS-Excel च्या साहाय्याने काढलेली वर्णनात्मक सांख्यिकी | 153 |
| | 4.30 | MS-Excel च्या साहाय्याने काढलेले t- मूल्य | 154 |
| | 4.31 | मध्यमान, प्रमाण विचलन व t- मूल्य दर्शवणारी सारणी | 154 |
| | 4.32 | परिकल्पना परीक्षण | 154 |
| | 4.33 | MS-Excel च्या साहाय्याने काढलेली वर्णनात्मक सांख्यिकी | 156 |
| | 4.34 | MS-Excel च्या साहाय्याने काढलेले t- मूल्य | 157 |
| | 4.35 | मध्यमान, प्रमाण विचलन व t- मूल्य दर्शवणारी सारणी | 157 |
| | 4.36 | परिकल्पना परीक्षण | 157 |
| | 4.37 | MS-Excel च्या साहाय्याने काढलेली वर्णनात्मक सांख्यिकी माहिती | 159 |
| | 4.38 | MS-Excel च्या साहाय्याने काढलेले F - मूल्य | 159 |
| | 4.39 | MS-Excel च्या साहाय्याने काढलेली वर्णनात्मक सांख्यिकी | 161 |
| | 4.40 | MS-Excel च्या साहाय्याने काढलेले t- मूल्य | 162 |
| | 4.41 | मध्यमान, प्रमाण विचलन व t- मूल्य दर्शवणारी सारणी | 162 |
| | 4.42 | परिकल्पना परीक्षण | 162 |
| | 4.43 | MS-Excel च्या साहाय्याने काढलेली वर्णनात्मक सांख्यिकी | 164 |
| | 4.44 | MS-Excel च्या साहाय्याने काढलेले t- मूल्य | 165 |
| | 4.45 | मध्यमान, प्रमाण विचलन व t- मूल्य दर्शवणारी सारणी | 165 |
| | 4.46 | परिकल्पना परीक्षण | 165 |
| | 4.47 | MS-Excel च्या साहाय्याने काढलेली वर्णनात्मक सांख्यिकी | 167 |
| | 4.48 | MS-Excel च्या साहाय्याने काढलेले t- मूल्य | 168 |
| | 4.49 | मध्यमान, प्रमाण विचलन व t- मूल्य दर्शवणारी सारणी | 168 |
| | 4.50 | परिकल्पना परीक्षण | 168 |

| | | | |
|--|------|--|-----|
| | 4.51 | MS-Excel च्या साहाय्याने काढलेली वर्णनात्मक सांख्यिकी माहिती | 170 |
| | 4.52 | MS-Excel च्या साहाय्याने काढलेले F - मूल्य | 170 |

आलेखसूची

| प्रकरण क्रमांक | आलेख क्रमांक | तपशील | पृष्ठ क्रमांक |
|----------------|--------------|---|---------------|
| चौथे | 1 | अध्ययन शैलीनुसार मुलांची माहिती दर्शवणारा वृत्तालेख | 121 |
| | 2 | अध्ययन शैलीनुसार मुलींची माहिती दर्शवणारा वृत्तालेख | 122 |
| | 3 | अध्ययन शैलीनुसार एकूण विद्यार्थ्यांची माहिती दर्शवणारा वृत्तालेख | 123 |
| | 4 | अध्ययन शैलीनुसार मुले व मुलींची शेकडेवारी दर्शवणारा स्तंभालेख | 124 |
| | 5 | अध्ययन शैलीच्या संदर्भात शाळानिहाय एकूण मुलांची शेकडेवारी दर्शवणारा स्तंभालेख | 127 |
| | 6 | अध्ययन शैलीच्या संदर्भात शाळानिहाय एकूण मुलींची शेकडेवारी दर्शवणारा स्तंभालेख | 130 |
| | 7 | अध्ययन शैलीच्या संदर्भात शाळानिहाय एकूण विद्यार्थ्यांची शेकडेवारी दर्शवणारा स्तंभालेख | 133 |
| | 8 | संपादणूक पातळीनुसार मुलांची माहिती दर्शवणारा वृत्तालेख | 136 |
| | 9 | संपादणूक पातळीनुसार मुलींची माहिती दर्शवणारा वृत्तालेख | 137 |
| | 10 | संपादणूक पातळीनुसार एकूण विद्यार्थ्यांची माहिती दर्शवणारा वृत्तालेख | 137 |
| | 11 | संपादणूक पातळीनुसार एकूण विद्यार्थ्यांची शेकडेवारी दर्शवणारा स्तंभालेख | 138 |
| | 12 | दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीतील गुणांचे मध्यमान दर्शवणारा स्तंभालेख | 141 |
| | 13 | दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीतील गुणांचे मध्यमान दर्शवणारा स्तंभालेख | 144 |
| | 14 | श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैलीअसणाऱ्या विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीतील गुणांचे मध्यमान दर्शवणारा स्तंभालेख | 147 |
| | 15 | दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली, स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीतील गुणांचे मध्यमान दर्शवणारा स्तंभालेख | 149 |

प्रकरण पहिले

प्रस्तावना

प्रकरण पहिले

प्रस्तावना

अनुक्रमणिका

| क्रमांक | तपशील | पृष्ठ क्रमांक |
|----------------|---|----------------------|
| 1.1 | शिक्षण | 4 |
| 1.2 | अध्ययन | 8 |
| 1.3 | अध्ययन प्रक्रिया | 10 |
| | 1.3.1 अध्ययन प्रक्रियेचे स्वरूप | 11 |
| 1.4 | अध्ययन शैली | 13 |
| 1.5 | अध्ययन शैलीची विविध प्रतिमाने | 15 |
| | 1.5.1 कोबे यांचे अध्ययन शैली प्रतिमान | 15 |
| | 1.5.2 हनी.पी. आणि ममफोर्ड ए. यांचे अध्ययन शैली प्रतिमान | 16 |
| | 1.5.3 मनु.पी. यांचे अध्ययन शैली प्रतिमान | 16 |
| | 1.5.4 पांडे आणि अग्रवाल यांचे अध्ययन शैली प्रतिमान | 17 |
| | 1.5.5 गिल्ड आणि गार्गर यांचे अध्ययन शैली प्रतिमान | 18 |
| | 1.5.6 डॉ. रसेल फ्रेंच, डेरिल गिली, एड चेरी यांचे अध्ययन शैली प्रतिमान | 19 |
| | 1.5.7 पास्क यांचे अध्ययन शैली प्रतिमान | 19 |
| | 1.5.8 ग्रीगार्क यांचे अध्ययन शैली प्रतिमान | 20 |
| | 1.5.9 बहुविध बुद्धिमत्ता | 20 |
| 1.6 | नील फ्लेमिंग यांचे अध्ययन शैलीचे प्रतिमान | 22 |
| | 1.6.1 दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली | 24 |
| | 1.6.2 श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली | 25 |
| | 1.6.3 स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली | 26 |
| 1.7 | अध्ययन शैली जाणून घेण्याचे फायदे | 27 |
| 1.8 | संशोधनाचे महत्त्व व आवश्यकता | 28 |
| 1.9 | संशोधन समस्येचे शीर्षक | 31 |
| 1.10 | समस्या विधान | 31 |
| 1.11 | पदांच्या व्याख्या | 31 |
| | 1.11.1 संकल्पनात्मक व्याख्या | 31 |
| | 1.11.2 कार्यात्मक व्याख्या | 31 |
| 1.12 | संशोधनाची उद्दिष्टे | 32 |
| 1.13 | गृहीतके | 32 |
| 1.14 | परिकल्पना | 32 |
| 1.15 | संशोधनातील चले | 35 |

| | | |
|--------|----------------------------------|----|
| 1.16 | व्याप्ती, मर्यादा आणि परिमर्यादा | 35 |
| | 1.16.1 व्याप्ती | 35 |
| | 1.16.2 मर्यादा | 35 |
| | 1.16.3 परिमर्यादा | 35 |
| संदर्भ | | 37 |

प्रकरण पहिले

प्रस्तावना

1.1 शिक्षण

शालेय जीवन अथवा महाविद्यालयीन जीवन म्हणजेच शिक्षण असा अर्थ बन्याच ठिकाणी गृहीत धरला जातो. शाळेत जाणे म्हणजे शिक्षण असा अगदी मूलभूत अर्थ शिक्षणाचा काढला जातो. जणू काही मनुष्याचे शिक्षण होण्यासाठी शाळा कॉलेज हे अविभाज्य घटक आहेत. परंतु शाळापूर्व जीवनातही भाषा, दैनंदिन व्यवहाराला उपयुक्त अशी अनेक प्रकारची कौशल्ये व ज्ञान प्रत्येक मूल आत्मसात करीतच असते. शालेय जीवनाच्या समासीनंतर व्यक्तीचा शैक्षणिक विकास कुंठित होतो असे म्हणता येणार नाही.

शिक्षण म्हणजे ज्ञान किंवा विद्वत्ता हा विचार बराच मान्यता पावला आहे, आणि मर्यादित स्वरूपात तो खराही आहे. परंतु ज्ञान म्हणजे केवळ शब्दज्ञान किंवा पुस्तकी पांडित्य नव्हे. ज्या ज्ञानाला अनुभूतीचा आधार नाही ते ज्ञानच नाही किंवा जे ज्ञान व्यवहारात उपयुक्त नाही ते ज्ञानच नव्हे. त्याला फक्त माहिती म्हणता येईल. त्यामुळे खन्या अर्थाने शिक्षण म्हणजे बदल, विकास होय. ज्यामुळे व्यक्तीमध्ये बदल घडून येतो, व्यक्तीचा विकास होतो ते म्हणजे शिक्षण होय. शिक्षण या शब्दाचा इंग्रजी प्रतिशब्द Education. असा आहे. याच्याही लॅटिन भाषेनुसार दोन व्युत्पत्ती आहेत.

1. Educare – to rear, to nourish, to bring up – पालनपोषन करणे, वाढवणे, संवर्धन करणे.
2. Educere – to lead out, to draw out व्यक्तीच्या जन्मजात सुस गुणांना जागृत करून, चालना देऊन त्यांचा अविष्कार करणे, विकास करणे.

काही शिक्षणतज्ज्ञांनी शिक्षणाबाबत आपली मते खालीलप्रमाणे मांडली आहेत.

मर्फी – “वर्तन व अवबोध या दोन्हीतील सुधारणा म्हणजे शिक्षण होय.”¹

गीलफर्ड – “अनुभूतीद्वारा व्यक्तीच्या वर्तनात हळूहळू घडून येणारे बदल म्हणजे शिक्षण.”²

बुडवर्थ – “शिक्षण म्हणजे प्राण्यांचा कोणत्याही प्रकारे विकास घडवून आणणारी व त्याचे अनुभव आणि परिस्थिती यांचे स्वरूप पूर्वीपेक्षा निराळे करणारी क्रिया होय.”³

Mahatma Gandhi – “ By education, I mean, all round drawing out of the best in man–body, mind & spirit.”⁴

शिक्षण म्हणजे माणसात होणारा बदल, होणारे परिवर्तन! मनुष्य हा जन्मापासून मृत्युपर्यंत काही ना काहीतरी शिकत असतो. एखादी व्यक्ती जेव्हा सभोवतालच्या परिसराचा उपयोग करून स्वतःच्या वर्तनात बदल करते तेव्हा ते शिक्षणच असते.

शिक्षणतज्ज्ञांनी शिक्षणाचे तीन प्रमुख प्रकार सांगितले आहेत. शाळा, महाविद्यालय, विद्यापीठ याठिकाणी ठराविक अभ्यासक्रमानुसार जे शिक्षण मिळते त्याला औपचारिक शिक्षण असे म्हणतात. या संस्थांच्या बाहेर जे शिक्षण मानवास प्राप्त होते ते म्हणजे अनौपचारिक शिक्षण होय. त्याचप्रमाणे ज्या शिक्षणात कोणताच साचेबंदपणा नसतो, व्यक्तीला ते आपोआप मिळते त्याला सहज शिक्षण असे म्हणतात.

मानवी जीवनाचा तात्त्विक आधार, चारित्र्याची जडणघडण आणि उपजीविकेचे साधन यासाठी शिक्षणाची उपयोगिता सर्वमान्य आहे. शिक्षणामुळे माणसातील सुस क्षमतांचा विकास होतो, ऐतिहासिक व सांस्कृतिक वारसा जतन होतो. मानवाच्या आजपर्यंतच्या वैज्ञानिक, सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, राजकीय इत्यादी सर्व प्रकारच्या प्रगतीमध्ये शिक्षण प्रक्रियेचा खूप मोलाचा वाटा आहे.

प्राण्यांमध्ये घडून येणाऱ्या प्रत्येक बदलाचा समावेश शिक्षणात होत नाही. हे आपण येथे लक्षात घेतले पाहिजे. प्राण्यांची नैसर्गिक वाढ होते, वजन वाढते, उंची वाढते. हेदेखील त्यांच्यात होणारे बदल नैसर्गिकरीत्या घडून येत असतात. पण या बदलाचा शिक्षणात समावेश होत नाही. शिक्षणाचा शास्त्रीय अर्थ केवळ लिहिता, वाचता येणे, परीक्षा उत्तीर्ण होणे किंवा ज्ञान संपादन करणे म्हणजे शिक्षण नव्हे तर आपण स्वीकारलेल्या ध्येयाला अनुसरून आपल्या नैसर्गिक वागणुकीत योग्य प्रकारचे परिवर्तन घडवून आणणे हा शिक्षणाचा खरा अर्थ आहे. व्यक्तीला येत असलेल्या अनुभवानुसार तो आपल्या वर्तनामध्ये सतत जो बदल किंवा विकास करत असतो त्याला शिक्षण असे म्हणतात.

शिक्षण ही व्यापक संज्ञा असल्यामुळे अध्ययन हे त्यामध्ये समाविष्ट आहे. अनुभवातून संभवणाऱ्या वर्तनातील बदलास अध्ययन असे म्हणता येईल. शिक्षण म्हणजे व्यक्तीने आपल्या

वर्तनामध्ये परिस्थितीचा उपयोग करून प्रयत्नपूर्वक घडवून आणलेले टिकाऊ स्वरूपाचे बदल होत.

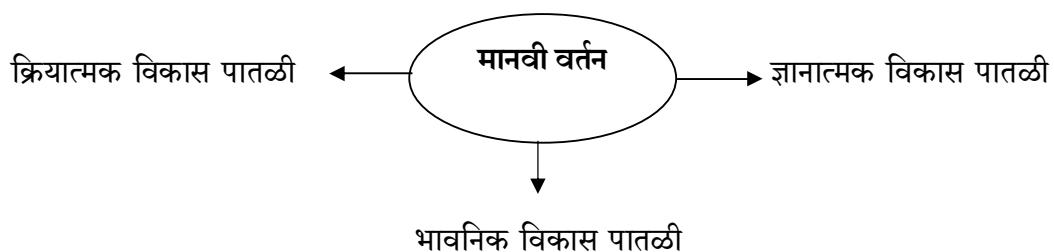
वैयक्तिक आणि सामाजिक अशा दोन्ही स्तरांवर मानवी जीवन सतत विकासाच्या अवस्थांमधून जात असते. हा विकास शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक, आत्मिक, सामाजिक अशा अनेक पातळ्यांवर होत असतो. शिक्षण या सर्व प्रकारच्या विकासाला रास्त दिशा दाखवण्याचे काम करते, किंबहुना तो विकास घडवून आणण्यासाठी महत्त्वाची भूमिका बजावते. त्यामुळे शिक्षणाला विकासाचे महत्त्वपूर्ण साधन मानले जाते. विचार करणारा प्राणी अशी मानवाची व्याख्या थोडी बदलून मानव म्हणजे शिक्षण घेणारा प्राणी अशी सुदृढा करता येऊ शकते. मानवाने आपले सगळे अनुभव व ज्ञान पुढील पिढीकडे संक्रमित करण्याची परंपरा रूढ केली. यातूनच शिक्षण प्रक्रियेचा विकास होत गेला.

शिक्षण ही आजन्म चालणारी प्रक्रिया आहे. ज्या ज्या गोष्टींमुळे आपल्या अनुभव विश्वात भर पडते, आपली क्षितिजे विस्तार पावतात, विचारांना चालना मिळते ते सर्व शिक्षणाच्या असते. आपल्याला जाणीव असो वा नसो आपण सदैव शिकतच असतो. शिक्षणाच्या या प्रक्रियेत कौटुंबिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, राजकीय, भौगोलिक, पर्यावरणीय, धार्मिक, आध्यात्मिक असे अनेक अनुभव आपणास प्राप्त होतात. वयाने मोठ्या व्यक्तीकडूनच आपणास शिक्षण मिळते असे नाही तर, काही प्रसंगी लहान मुलांकडूनही आपण बरेच काही शिकत असतो. लहान मूळ पालकांना शिकवत असते, विद्यार्थीं शिक्षकांना शिकवत असतात. आपण जे जे बोलतो व विचार करतो हे सर्व शिक्षणच असते. व्यापक अर्थाने पाहता जीवन हे शिक्षण होय व शिक्षण हे जीवन होय.

शिक्षण आणि अध्ययन (Education and Learning) हे दोन्ही शब्द आपण नेहमीच्या संभाषणात एकाच अर्थाने वापरतो. पण त्या दोन शब्दांत फरक आहे. शिक्षण म्हणजे विकास, शिक्षण म्हणजे अभिव्यक्ती, शिक्षण म्हणजे सुसंस्कार यावरून आपणास लक्षात येते की, शिक्षण या संकल्पनेत व्यापकता आहे. शिक्षण हा शब्द व्यापक अर्थाने वापरला जातो. या तुलनेत अध्ययन हा शब्द मर्यादित अर्थाने वापरला जातो. सर्कशीतील अस्वल सायकल चालवते, हत्ती घंटा वाजवतो याला शिक्षण म्हणता येत नाही. ही कौशल्ये प्राण्यांनी संपादित केलेली असतात.

माणसाचा सर्वांगीण विकास घडून येतो, मनुष्य विविध मूळे जोपासतो याला आपण शिक्षण म्हणतो.

गेटस यांच्या मते “Education means progressive change in behaviour”⁵ यावरून मानवाच्या ज्या काही विविध कृती घडून येतात त्यांचा समावेश मानवी वर्तनात होत असतो. याद्वारे घडून येणाऱ्या बदलांना विशेष महत्त्व आहे. मानवी वर्तन तीन पातळींवर घडून येत असते. त्या म्हणजे –



स्वामी विवेकानंद – “शिक्षण म्हणजे माणसाचा सर्वांगीण विकास. शिक्षण म्हणजे व्यक्तिमत्त्वाचा संपूर्ण विकास होय. शिक्षण म्हणजे व्यक्तीत बदल घडवून आणणे. माणसात अगोदरपासून विराजमान असलेल्या निसर्गशक्ती जागृत करून त्यांना पूर्णत्वाकडे नेणे म्हणजे शिक्षण होय.”⁶

स्वामी विवेकानंद – “We want that education by which character is formed, strength of mind is increased, the intellect is expanded and by which one can stand on one's feet ”⁷

Cardinal Principles of secondary education, U.S. Bureau of Education – “प्रत्येक व्यक्तीमध्ये ज्ञान, आस्था, ध्येये, सवयी आणि सामर्थ्य यांचा असा विकास घडवून आणावयाचा की त्यायोगे त्याला आपले (समाजातील) स्थान घेता येईल आणि त्या स्थानाचा त्याला स्वतःचे व समाजाचे जीवन अधिकाधिक उदात्त उद्दिष्टाकडे नेण्याला उपयोग करता येईल.”⁸

या सर्व विवेचनावरून शिक्षणासंबंधीच्या पारंपरिक कल्पनांचा अर्थ लक्षात येतो. परंतु शिक्षण हे जर शास्त्र मानले तर शिक्षणाचा शास्त्रशुद्ध अर्थ विचारात घेणे तितकेच महत्त्वाचे आहे. यानुसार शिकणे अथवा शिक्षण म्हणजे अध्ययन. शिक्षण प्रक्रियेचे प्राथमिक व मूलभूत अंग म्हणजे अध्ययन होय. अध्ययन ही एक मानसिक प्रक्रिया असून तिच्यावर मानसशास्त्रात

अनेक संशोधने झाली आहेत. अनेक प्रकारच्या प्रयोगांद्वारे या प्रक्रियेचे विश्लेषण करून त्यासंबंधी सिद्धांत, उपपत्ती मांडल्या गेल्या आहेत.

1.2 अध्ययन

अध्ययन प्रक्रियेत अनुभव घेण्याच्या व त्या अनुभवातून वर्तन सुधारण्याच्या प्रक्रियेला विशेष महत्त्व आहे. जन्म ते मृत्यु प्रत्येक व्यक्तीला आपल्या भोवतालच्या परिस्थितीशी जुळवून घ्यावे लागते. मानसशास्त्रीय भाषेत सांगायचे झाल्यास व्यक्तीला सभोवतालच्या परिस्थितीशी समायोजन साधावे लागते. याप्रकारे परिस्थितीशी जुळवून घेणे हे सुदूर अध्ययन आहे. परंतु केवळ परिस्थितीशी जुळवून घेणे अथवा समायोजन साधणे म्हणजेच अध्ययन नाही तर अध्ययन म्हणजे परिस्थितीनुरूप आपल्या वर्तनात, कृतीमध्ये हेतूपूर्ण व टिकाऊ स्वरूपाचा बदल घडवून आणणे होय. अध्ययनात वर्तन बदलांबरोबर सवयी, ज्ञान व वृत्ती यांच्या संपादनावरदेखील भर दिलेला दिसून येतो.

Garrett – “Learning is that activity by virtue of which we organize our response with new situation.”⁹

Hilgard – “Learning is the process by which behaviour is originated or changed through practice or training.”¹⁰

Crow and Crow – “Learning involves the acquisition of habits, knowledge and attitude.”¹¹

वरील विवेचनावरून एक गोष्ट नेमकी सांगता येईल ती म्हणजे अध्ययन हे वर्तन बदलाशी निगडित आहे. मात्र यामध्ये शारीरिक बदलांचा समावेश नाही. यात तात्पुरत्या बदलांना स्थान नाही. हे बदल भोवतालच्या वातावरणाला, परिस्थितीला अनुसरून होत असतात. जाणीपूर्वक हे बदल घडून येतात.

शिक्षण ही व्यापक संज्ञा असल्यामुळे अध्ययन हे शिक्षणात समाविष्ट आहे. अनुभवातून संभवणाऱ्या वर्तनातील बदलास अध्ययन असे म्हणता येईल. शिक्षण म्हणजे व्यक्तीने आपल्या वर्तनामध्ये परिस्थितीचा उपयोग करून प्रयत्नपूर्वक घडवून आणलेले टिकाऊ स्वरूपाचे बदल होय. शिक्षण या शब्दाची व्यापी अध्ययन या शब्दापेक्षा मोठी आणि व्यापकही आहे. अभ्यास करणे, शिकणे असा आपण अध्ययनाचा दररोजचा अर्थ सांगतो. ज्या बाबी आपणास माहीत

नाहीत त्या माहीत करून घेण्याची प्रक्रिया म्हणजे अध्ययन होय. व्यवहारातील अध्ययन हे शाळेतच करता येते अशी आपली धारणा असते. परंतु मानसशास्त्राच्या मते अध्ययन ही सहज चालणारी आणि आजीवन घडत राहणारी प्रक्रिया आहे. याबाबत खाली काही तज्ज्ञांच्या अध्ययनाबाबतच्या व्याख्या दिलेल्या आहेत.

कार्ल रॉजस – “अध्ययन म्हणजे स्वःचा विकास होय.”¹²

Woodworth – “Learning is any relatively permanent change in an individual which results from experience.”¹³

Norman L. Mann – “It’s a permanent change in a person’s behaviour.”¹⁴

वरील व्याख्यांवरून आपणास अध्ययनातील खालील काही घटकांचा शोध घेता येतो.

- (1) अध्ययन हे पूर्णपणे वर्तनाशी संबंधित आहे.
- (2) अध्ययनात शारीरिक, सहज आणि नैसर्गिक बदलांचा समावेश नाही.
- (3) अध्ययनात तात्पुरत्या बदलांना स्थान नाही.
- (4) होणारे बदल भोवतालच्या वातावरणाला अनुसरून होतात.
- (5) हे बदल जाणीवपूर्वक केलेले असतात.

अध्ययन म्हणजे वर्तनात घडून येणारे अपेक्षित कायमस्वरूपी बदल होय. अध्ययन प्रक्रियेत आणखी एका गोष्टीला विशेष महत्व आहे. ती गोष्ट म्हणजे अनुभवातून वर्तन सुधारण्याची प्रक्रिया होय. या प्रक्रियेत भाषिक, संकल्पनात्मक, भावात्मक आणि क्रियात्मक या सर्वांचा समावेश आहे. एकूणच अध्ययन ही विविध अंगी प्रक्रिया आहे.

अध्ययन म्हणजे अनुभव व वर्तन यामधील सुधारणा होय. अध्ययन म्हणजे एका वर्तनामुळे दुसऱ्या वर्तनात घडून येणारे परिवर्तन होय. अध्ययन ही जन्मभर चालणारी प्रक्रिया आहे. लहानपणी क्रिया या प्रतिक्षिप्त स्वरूपाच्या असतात. अनुभवाच्या साहचर्याने पुढे त्या अभिसंधित होतात. याच काळात बालक काही कारक कौशल्ये मिळवते. पुढे भाषिक कौशल्य आत्मसात केली जातात. निरीक्षण, अनुकरणाची मदत घेतली जाते. त्यापुढे ज्ञान व अनुभवाच्या माध्यमातून उच्च कौशल्य संपादित केली जातात. सामाजिक व सांस्कृतिक क्षेत्रे विकसित

होतात. जीवन जगत असताना व्यक्तीला व्यावहारिक अनुभव मिळतात. त्यातून वृत्ती व संस्कार घडतात. अगदी सामान्य अनुभवातून जीवनविषयक समस्या सोडविण्यापर्यंत व्यक्ती सतत, जन्मभर अध्ययन करत राहतो.

अध्ययन हे गरजेतून निर्माण होत असते. अगदी सुरुवातीस जिज्ञासा ही तृप्त करण्यासाठी अध्ययन आणि नंतर वयाबरोबर गरजांच्या पूर्तीसाठी अध्ययन केले जाते. पूर्वीच्या अनुभवाचा आधार घेऊन जीवनातल्या समस्या सोडवल्या जातात.

व्यक्ती आणि परिस्थिती यांच्या आंतरक्रियेतून अध्ययन घडत असते. आपण हे समजावून घेतले पाहिजे की अध्ययनासाठी शाळेत विशिष्ट वातावरण निर्माण करावे लागते. शालेय अभ्यासक्रम, पाठ्यक्रम, पाठ्यपुस्तके, अध्यापन पद्धती, परिसर, सामाजिक व सांस्कृतिक वातावरण याआधारे हे करता येते. अध्ययन होत असताना योग्य प्रतिक्रियांची निवड होत असते. अनावश्यक क्रिया बाजूला सारून आवश्यक क्रिया पुन्हा पुन्हा केल्या जातात. सराव वाढवला की कृतीचा दर्जा सुधारतो.

अध्ययनात कृतीस फार महत्त्व आहे. त्याचप्रमाणे नवीन गोष्टी शोधण्यास फार महत्त्व आहे. नवीन गोष्टी शोधण्यासाठी वेगवेगळे मार्ग हाताळावे लागतात. चुका टाळून नेमक्या मार्गाचा शोध घ्यावा लागतो. अचूक मार्गाने मार्गक्रमण करावे लागते.

ज्ञान मिळवणे ही एक शिक्षणाची निष्पत्ती आहे. विज्ञान आणि तंत्रज्ञानाचा चार ते पाच दशकांत झालेल्या बदलामुळे अध्ययन-अध्यापन या संकल्पनामध्येही बदल होत आहेत. मानसशास्त्रज्ञ, शिक्षणशास्त्रज्ञ आणि संशोधक यांनी अनुभवांदवारे, प्रयोगादवारे नवनवीन शैक्षणिक संकल्पना, अध्ययन तंत्रे, कार्यनीती विकसित केल्या आहेत. त्याचप्रमाणे शिक्षण क्षेत्रातील तज्ज्ञांनी विविध अभ्यासातून सांगितलेल्या विद्यार्थ्यांच्या अध्ययन शैलींचा शोध घेणे, त्यांचा अभ्यास करणे क्रमप्राप्त ठरते. त्यापूर्वी अध्ययन प्रक्रियेचे स्वरूप समजून घेणे आवश्यक आहे.

1.3 अध्ययन प्रक्रिया

अध्ययन प्रक्रियेत ज्ञानेंद्रियांकडून समायोजन केले जाते. विशिष्ट वातावरणाशी समायोजन साधण्याचे कार्य अध्ययन करणाऱ्या घटकांना करावे लागत असल्यामुळे अध्ययन ही एक प्रक्रिया आहे. अध्ययन प्रक्रिया गरजेतून निर्माण होते. अगदी सुरुवातीला जिज्ञासेपेटी अध्ययन

केले जाते आणि नंतर वयाबरोबर वाढत्या गरजा आणि जबाबदारी यांच्या पूर्तेसाठी अध्ययन केले जाते. दैनंदिन जीवनात भेडसावत असलेल्या समस्या दूर करण्यासाठी पूर्वीच्या अनुभवांचा आधार घेतला जातो. कोणतीही गोष्ट आपल्याकडून विनाकारण केली जात नाही, ती गोष्ट करण्यामागे विशिष्ट दृष्टिकोन असतो. बी.एड. अभ्यासक्रम पूर्ण करणे, स्पर्धा परीक्षेला बसणे याबाबी विशिष्ट उद्दिष्ट समोर ठेवून केल्या जातात. प्रस्तुत अभ्यासक्रम पूर्ण करणे, परीक्षा पास होणे हे उद्दिष्ट असते. अध्ययन प्रक्रियेचे स्वरूप हे विशिष्ट ध्येयाशी संबंधित असते. एखादे ध्येय प्राप्त करण्यासाठी अध्ययन प्रक्रिया उपयुक्त ठरत असते.या प्रक्रियेद्वारे विद्यार्थ्यांच्या वर्तनात बदल घडून येतात, परंतु नेमके कोणते बदल होतात हे समजण्यासाठी अध्ययन प्रक्रियेचे स्वरूप लक्षात घेणे महत्वाचे आहे.

1.3.1 अध्ययन प्रक्रियेचे स्वरूप

वरील सर्व विवेचनावरून एक बाब ध्यानात येते की, अध्ययनाची निश्चित व पूर्ण अर्थ देऊ शकणारी एकमेव व्याख्या करणे कठीण आहे. त्यामुळे वरील माहितीचा सर्वकष विचार करून अध्ययन प्रक्रियेचे स्वरूप खालीलप्रमाणे सांगता येते.

- (1) अध्ययन प्रक्रियेत मानवी प्रयत्न आणि वातावरणाचा प्रभाव या दोन्हींचा संबंध असतो.
- (2) अध्ययन व परिपक्व यात भेद आहे. निसर्गनियमानुसार घडून येणाऱ्या विकसनाला परिपक्व म्हटले जाते.
- (3) वर्तनात होणाऱ्या सर्वच बदलांना अध्ययन म्हणता येत नाही. तसेच काहीवेळा वर्तनात अगदी क्षणिक वा तात्पुरत्या स्वरूपाचे बदल होतात तेदेखील अध्ययन प्रकारात येत नाही.
- (4) अध्ययन प्रक्रियेवर संवेदनशीलता, प्रेरणा, परिपक्व, अवधान, अभिरूची, थकवा इत्यादी व्यक्तीनिष्ठ गोष्टींचा परिणाम होत असतो.
- (5) अध्ययन प्रक्रियेत ज्ञाता, ज्ञेय आणि ज्ञान या तिघांची गरज असते.

अध्ययन प्रक्रियेचे स्वरूप अधिक स्पष्ट होण्यासाठी खालील माहितीचा विचार करूयात.

- (1) **उद्दिष्टान्वेषण (Goal) :** मानवाचे कोणतेही वर्तन हे गरजेतून प्रेरित असते. मानवाच्या वर्तनामागे उद्दिष्ट ही प्रथम प्रेरणा असते. भूक, तहान, झोप या नैसर्गिक बाबी आहेत. तहान लागली की, ती भागवण्याच्या दृष्टीने पाण्याचा शोध घेतला जातो. त्याचप्रमाणे विशिष्ट उद्दिष्ट

ठेवूनच आपले वर्तन होत असते. अध्ययनातदेखील विशिष्ट उद्दिष्टांच्या प्राप्तीसाठी आपली धडपड सुरु असते. आपणासमोर उद्दिष्ट असेल तर अध्ययन होणे असंभव आहे.

(2) **प्रेरणा (Motivation)** : डोळ्यासमोर एखादे उद्दिष्ट असूनसुदूरा प्रत्येकवेळी अध्ययन होईलच असे नाही. दैनंदिन जीवनातील अनेक उदाहरणांमधून आपणास प्रेरणेचे महत्व दिसून येईल. शिक्षणामुळे आपल्या आयुष्याचे कल्याण होणार आहे या प्रेरणेने शिक्षण घेतले जाते. विद्यार्थ्यांनासुदूरा पारितोषिक देऊन आपण त्यांना अध्ययनासाठी प्रेरित करत असतो.

(3) **शोधनात्मक हालचाल (Exploration)** : सहजासहजी उद्दिष्ट प्राप्त झाले असे होत नाही. त्यासाठी विविध मार्ग, वेगवेगळे पर्याय हाताळावे लागतात. प्रत्येक पर्याय बरोबर असतोच असे नाही. चुकीच्या पर्यायाचा त्याग करून शेवटी योग्य पर्यायाचा स्वीकार केला जातो. यालाच शोधनात्मक हालचाल असे म्हणतात.

(4) **आवर्तन (Revision)** : उद्दिष्ट प्राप्तीसाठी कराव्या लागणाऱ्या हालचाली अनेक असू शकतात. केवळ एखादी हालचाल केली आणि उद्दिष्ट प्राप्ती झाली असे सहसा होत नाही. आपणास हालचालींची वारंवार आवर्तने करावी लागतात.

(5) **मर्मदर्शन (Insight)** : आपण ज्या हालचालींची वारंवार आवर्तने करत असतो ती आवर्तने करतानाच उद्दिष्ट प्राप्तीच्या दृष्टीने अचानक एखादे मर्म समजते.

(6) **वर्तनाची पुनर्रचना (Modification of Behaviour)** : एकदा का मर्मभेद झाला की, व्यक्तीच्या वर्तनामध्ये मोठ्या प्रमाणात बदल झालेला दिसून येतो. उद्दिष्ट प्राप्तीच्या दृष्टीने प्रयत्न करत असताना योग्य प्रतिक्रियांची निवड केली जाते व अनावश्यक प्रतिक्रिया टाळण्याचा प्रयत्न केला जातो.

(7) **समायोजन (Adjustment)** : समायोजन म्हणजे परिस्थितीशी जुळवून घेणे होय. कोणतेही नवीन कौशल्य आत्मसात करताना परिस्थितीशी मिळतेजुळते घ्यावे लागते.

विद्यार्थी एखादे उदाहरण सोडवताना मध्येच अडला तर तो सोडवलेले उदाहरण पुन्हा तपासतो, फेरविचार करतो, नको असलेली पायरी खोडून टाकतो, पुन्हा आकडेमोड करतो, एखादी पायरी अपूर्ण असेल तर पूर्ण करतो. हे सर्व एक प्रकारचे समायोजन असते.

वरीलप्रमाणे अध्ययन आणि अध्ययन प्रक्रियेबद्दल जाणून घेतल्यानंतर साहजिकच सदर संशोधन विषयातील मुख्य घटक म्हणजे अध्ययन शैली याबाबत माहिती घेणे आवश्यक ठरते.

1.4 अध्ययन शैली

अध्ययन शैली हा शब्द अध्ययन आणि शैली या दोन शब्दांपासून बनलेला आहे. अध्ययन ही निरंतर चालणारी प्रक्रिया आहे. अध्ययन हे औपचारिक आणि अनौपचारिक मार्गाने घडून येते. व्यक्तिमध्ये जन्मापासून मृत्युपर्यंत घडून येणारा वर्तनबदल अध्ययनाचा परिणाम आहे. अध्ययन शैली म्हणजे अभ्यासातून किंवा अनुभवातून ज्ञान, कौशल्ये आणि वृत्ती प्राप्त करण्याची वैशिष्ट्यपूर्ण सवय होय. काही तज्ज्ञांनी अध्ययन शैलीसंबंधी केलेल्या व्याख्या खालीलप्रमाणे आहेत.

स्मिथ - “A distinctive and habitual manner of acquiring knowledge, skills, attitude through study or experience.”¹⁵

लेकॉक - “अध्ययन शैली म्हणजे अध्ययनकर्त्याचे असे वैशिष्ट्य की कोणत्याही अनुदेशन परिस्थितीत तो विशिष्ट प्रतिसाद देतो.”¹⁶

सिगल आणि कुप - “अध्ययन शैली ही एक एकात्मिक संकल्पना आहे की ज्यातून व्यक्तिमत्त्व आणि बोधात्मक रचनेची जोडणी केली जाते.”¹⁷

अध्ययन शैली म्हणजे व्यक्ती आपले अध्ययन करताना भोवतालच्या भौतिक, सामाजिक, भावनिक पर्यावरणाचा एकनित विचार करून ज्ञान, कौशल्ये, अभिवृत्तीची प्राप्ती करतो.

McCarthy - “Learning styles as the individual’s perception and use of the knowledge.”¹⁸

Grasha - “Learning style as the collective experience of learning during the process of gaining knowledge.”¹⁹

Allport - “Learning style is defined as Perception, thought, remembering or problem-solving of the individual in the way that s/he is used to do .”²⁰

Keefe - “Learning styles are cognitive, affective and psychological characteristics that learners use as constant determinants to some extent in their perception, interaction and reaction styles .”²¹

Kaplan and Kies - “The learning style is an inborn characteristic which does not change during the lifetime but can change and be developed during the life of the individual through the experience .”²²

तापकीर व लोंडे यांच्या मते, “अनुभूती, परिस्थिती आणि कृती यांच्या मदतीने ज्ञान, कौशल्य आणि वृत्ती संपादन करण्याची पद्धती म्हणजे ‘अध्ययन शैली’ होय.”²³

अध्ययन शैली या संकल्पनेचा अभ्यास करता प्रथम यामध्ये कोणकोणात्या बाबींचा समावेश होता याचा विचार करणे आवश्यक आहे. शैली म्हणजे काय? याचा संबंध कला, पोशाख वा केशरचना, खेळ याच्याशी नाही ना! कारण शैली हा शब्द या क्षेत्राशी जास्त परिचित आहे. परंतु जेव्हा ही संकल्पना शिक्षण क्षेत्रात विचारात घेण्यात आली तेव्हा असे लक्षात आले की, प्रत्येक व्यक्तीची स्वतंत्र अशी अध्ययन शैली असते. प्रत्येक व्यक्तिमत्त्व भिन्न आहे आणि त्याचा परिणाम त्याच्या प्रेरणा आणि अभिवृत्तीवर होत असतो. प्रेरणा, अभिवृत्ती, बुद्धिमत्ता आणि वैयक्तिक गुणवैशिष्ट्ये व्यक्तीची अध्ययन शैली निश्चित करत असताना महत्त्वपूर्ण भूमिका बजावत असतात. अध्ययन शैलीचा संबंध व्यक्तीच्या गुणवैशिष्ट्यांशी असल्याने त्याचा परिणाम व्यक्ती सभोवतालच्या परिस्थितीतून माहिती कशी संकलित करते अथवा त्याच्याशी कशा पद्धतीने समायोजन करते यावर होत असतो. अध्ययन प्रक्रियेमध्ये ही बाब समजून घेणे आवश्यक आहे. एकदा का विद्यार्थ्यांची अध्ययन शैली कोणती आहे हे समजले की त्याप्रमाणे वर्गरचना, वर्गातील वातावरण, अनुभवरचना यांचा विचार शिक्षकाला करता येतो.

अध्ययन प्रक्रियेतील महत्त्वाचा मुद्दा आहे, अध्ययन कसे करावे किंवा या प्रक्रियेत परिणामकारक अध्ययन कसे घडून येईल, आणखी महत्त्वपूर्ण बाब म्हणजे स्वतःच्या अध्ययनाची जबाबदारी आपण स्वतः घेणे आवश्यक आहे आणि यासाठी प्रत्येक व्यक्तीने स्वतःची अध्ययन शैली समजावून घेणे आवश्यक आहे. त्याचबरोबर आपल्या अध्ययन शैलीची गुणवैशिष्ट्ये कोणती आहेत. हे माहीत असणे खूपच आवश्यक आहे. अध्ययन शैलीशी संबंधित गुणवैशिष्ट्ये जन्मतःच प्रत्येक व्यक्तीमध्ये असतात आणि ती सहजासहजी बदलत नाहीत. परंतु येणारे शैक्षणिक अनुभव, व्यक्तीस लाभणारे वातावरण यामुळे अध्ययन शैली बदलू शकते. याचा परिणाम व्यक्तीच्या चालणे, बोलणे, बसणे, खेळणे आणि लिहिणे याबाबींवर होऊ शकतो.

अध्ययन शैलीचा संबंध बोधात्मक, भावात्मक आणि कार्यात्मक या पैलूंशी येतो. त्यामुळे प्रत्येकाने स्वतःची अध्ययन शैली जाणून घेणे आवश्यक आहे. त्यामुळे अध्ययन

प्रक्रियेशी एकरूप होण्यासाठी त्याची मदत होते. यामुळे अध्ययन जलदीत्या व यशस्वी होईल.

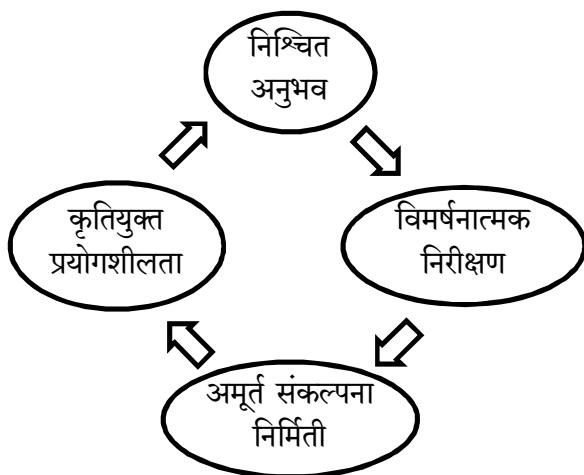
अध्ययन शैली जाणून घेण्याचा महत्वपूर्ण फायदा म्हणजे त्याची मदत समस्या निराकरण करण्यासाठी व्यक्तीला होते. योग्य समस्या निराकरण म्हणजे योग्य अध्ययन होय.

1.5 अध्ययन शैलीची विविध प्रतिमाने

अध्ययन शैलीविषयक प्रतिमानामध्ये प्रामुख्याने कोबे, गील्ड आणि गार्गर, गार्डनर, नील फ्लेमिंग, हनी आणि ममफोर्ड, डॉ.रसेल फ्रेंच, पास्क, ग्रीगोरी, कार्ल जंग आणि मेर्स ब्रीज यांच्या प्रतिमानांचा समावेश होतो.

1.5.1 कोबे यांचे अध्ययन शैली प्रतिमान

जॉन डयूझ, कर्ट लेविन आणि जीन पियाजे यांच्या अभ्यासाचा आधार घेत कोबे यांनी त्यांचे अध्ययन शैली विषयक प्रतिमान मांडले आहे. कोबे यांचे अध्ययन शैली प्रतिमान खालीलप्रमाणे



कोबे यांनी चार अध्ययन शैलींची मांडणी दोन दिशांनी केलेली आहे. निश्चित अनुभव ते अमूर्त संकल्पना निर्मिती आणि विमर्षनात्मक निरीक्षण ते कृतियुक्त प्रयोगशीलता. बोधात्मक विकास आणि अध्ययनासाठी मूर्त ते अमूर्त दिशा प्राथमिक दिशा आहे. अनुभवाधिष्ठित अध्ययनामध्ये 1. प्रत्यक्ष अनुभव 2. माहितीचे एकत्रीकरण आणि अनुभवाचे निरीक्षण 3. विश्लेषण, यातून निष्कर्ष आणि पुढील कार्यासाठी प्रत्याभरण 4. वर्तनात बदल आणि नवीन

अनुभवासाठी सिद्ध होणे हे वर्तुळाकार प्रक्रियेतून एकात्मिक प्रक्रियेची सुरुवात होते अशा वर्तुळाकार रचनेतून प्रत्येक व्यक्ती जात असते. याच प्रक्रियेचा वापर त्यांनी अध्ययन शैली शोधिकेचा विकास केला आहे.

1.5.2 हनी.पी. आणि ममफोर्ड ए. यांचे अध्ययन शैली प्रतिमान

भारतीय परिस्थितीत कोबे यांनी विकसित केलेली अध्ययन शैली शोधिका विद्यार्थींना अचूक पद्धतीने सोडविता येत नव्हती. हनी.पी. आणि ममफोर्ड ए. यांनी पुन्हा कार्य करून या शब्द अध्ययन शोधिकेचे वाक्यात रूपातंर केले आहे. त्यांनी सांगितलेले अध्ययन शैलीचे प्रकार कोबे यांनी सांगितलेल्या अध्ययन शैलीशी जुळतात. त्या अध्ययन शैली अशा

- | | |
|------------|----------------|
| 1. कृतिशील | 3. तत्त्ववादी |
| 2. विर्षक | 4. व्यवहारवादी |

ममफोर्ड आणि हनी यांनी प्रत्येक अध्ययन शैली प्रभावी असणाऱ्या विद्यार्थींची वैशिष्ट्ये, त्यांच्या जमेच्या बाजू आणि कमकुवतपणाबाबत विवेचन केले आहे. प्रभावी अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थींचे उत्कृष्ट आणि निकृष्ट अध्ययन कोणत्या परिस्थितीत होते याबाबतही विवेचन केलेले आहे.

1.5.3 मनु.पी. यांचे अध्ययन शैली प्रतिमान

मनु.पी. यांनी अध्ययन शैलीनुसार विद्यार्थ्यांचे चार गट सांगितलेल आहेत.

- | | |
|-----------------------------|-----------------------------|
| 1. नावीन्यपूर्ण अध्ययनार्थी | 3. सर्वसामान्य अध्ययनार्थी |
| 2. विश्लेषण अध्ययनार्थी | 4. वैविध्यपूर्ण अध्ययनार्थी |

1. नावीन्यपूर्ण अध्ययनार्थी

हा अध्ययनार्थी अर्थाचा शोध घेतो. नवीन साहित्य शिकवण्यापूर्वी त्याला कारण लागते. त्याला स्वतःला व्यक्तिगतरीत्या अध्ययन प्रक्रियेत सहभागी होण्याची गरज भासते. त्याला इतरांबोरोबर काम करायला आवडते. त्याची कल्पकता उच्च दर्जाची असते. त्याचे विचार कौशल्य विविध मार्गी असतात. तो माहिती मूर्त स्वरूपात घेण्याचा प्रयत्न करतो. परंतु या माहितीवर विर्षनात्मक पद्धतीने प्रक्रिया करतो.

2. विश्लेषणात्मक अध्ययनार्थी

या विद्यार्थ्यांची अध्ययनशैली विश्लेषणात्मक असते. ते तथ्य समजावून घेण्यास उत्सुक असतात. ते माहिती अमूर्तरीत्या स्वीकारतात आणि त्यावर विमर्शनात्मक प्रक्रिया करतात. ते स्वतः संकल्पना तयार करतात आणि प्रतिमानांचे विकसन करतात. त्यांना माहिती एकत्र करताना आनंद होतो. त्यावर तज्ज्ञ कोणता विचार करतात हे जाणून घ्यावयास त्यांना आवडते. त्यांना क्रमबद्ध पद्धतीने विचार करायलाही आवडते.

3. सर्वसामान्य अध्ययनार्थी

या प्रकारच्या विद्यार्थ्यांना कोणतेही कार्य कसे चालते हे प्रत्यक्ष अनुभवातून जाणून घ्यायला आवडते. परिस्थिती आणि घटनांच्या उपयुक्ततेबाबत ते पाहणी करतात. प्रश्न सोडविणे यांचा त्यांना आनंद होतो. प्रत्यक्ष जीवनात जगत असताना कल्पना कशा उपयुक्त ठरतील याबाबत ते जास्त विचार करतात.

4. वैविध्यपूर्ण अध्ययनार्थी

या प्रकारचे विद्यार्थी स्वयंशोधन पद्धतीचा वापर करतात. ते जबाबदारी घेतात परंतु लवचीक असतात. ते बदलाचा आस्वाद घेतात आणि कृतींचा शोध घेतात. नियोजनाप्रमाणे टिकून राहण्याची क्षमता त्यांच्याजवळ असते. ते प्रयत्न-प्रमाद पद्धतीने आनंद मिळवितात. ते माहिती मूर्त स्वरूपात मिळवितात आणि त्यावर कृतियुक्त प्रक्रिया करतात.

1.5.4 पांडे आणि अग्रवाल यांचे अध्ययन शैली प्रतिमान

पांडे आणि अग्रवाल यांनी अध्ययन शैलीच्या विविध प्रकारांचा अभ्यास करून अध्ययन शैलींचे प्रकार, अध्ययन-अध्यापन प्रक्रिया, भारतीय संदर्भ आणि अध्ययन शैलीच्या व्याख्येनुसार पुढील आठ प्रकार सांगितलेले आहेत.

| वैयक्तिक | अवैयक्तिक |
|---|--|
| शैक्षणिक कृती स्वतः स्वतंत्रपणे करतो. | शैक्षणिक कृती गटात करण्यास आनंद मानतो. |
| क्षेत्र स्वतंत्र निर्धारित केलेल्या अध्ययन परिस्थितीत कार्य करायला आवडत नाही. | क्षेत्र पारतंत्र निर्धारित केलेल्या अध्ययन परिस्थितीत कार्य करायला आवडते. |
| केंद्रस्थानी प्रेरणा असते. अध्ययन परिस्थितून जास्तीत जास्त कसे शिकता येईल तसेच सादरीकरण उच्च दर्जाचे होऊन चांगली श्रेणी कशी मिळेल ह्याचा विचार करतो. | केंद्रस्थानी प्रेरणा नसते. अध्ययन परिस्थितीचा अध्ययनासाठी वापर करण्यास अनास्था दर्शवितो. |
| श्राव्य प्रत्यक्ष समोरच्या व्यक्तीच्या आवाजातून शिकतो. | दृक् लिखित साहित्य किंवा चित्रांमधून अध्ययन चांगले होते. |
| पर्यावरणमुक्त पर्यावरणाच्या प्रकारांचा विद्यार्थांच्या अध्ययनावर कोणताही परिणाम होत नाही. | पर्यावरणवादी भौतिक पर्यावरणातील उष्णता, आवाज, प्रकाश यांचा परिणाम विद्यार्थांच्या अध्ययनावर होतो. |
| लवचीक अध्ययन प्रश्नासाठी पारंपरिक उत्तरांचा विचार न करता नेहमीच नावीन्यपूर्ण प्रतिसादांचा आणि उत्तरांचा विचार करतो. | अलवचीक अध्ययन प्रश्नासाठी पारंपरिक उत्तर आणि प्रतिसादावरच समाधानी राहतो. |
| लक्ष केंद्रीकरण क्षमता कमी एकाग्रतेने एकाच विषयाची अध्ययन करण्याची क्षमता कमी असते. | लक्ष केंद्रीकरण क्षमता जास्त एकाग्रतेने एकाच विषयाची अध्ययन करण्याची क्षमता जास्त असते. |
| एकमार्गी पर्यवेक्षण असेल तरच अध्ययन जबाबदारीने पूर्ण करतो. | द्विमार्गी पर्यवेक्षण नसताना विद्यार्थी जबाबदारीने अध्ययन पूर्ण करतो. |

1.5.5 गिल्ड आणि गार्गर यांचे अध्ययन शैली प्रतिमान

गिल्ड आणि गार्गर यांचे अध्ययन शैलीची चार प्रकारांमध्ये वर्गीकरण केलेले आहे.

- 1. बोधनात्मक
- 2. संकल्पनात्मक
- 3. भावनात्मक
- 4. वर्तनात्मक

बोधनात्मक प्रकारातील विद्यार्थी माहिती मिळवितात आणि त्याचे आकलन करून घेतात. संकल्पनात्मक प्रकारातील विद्यार्थी संकल्पना निर्मिती करतात. भावनात्मक प्रकारातील विद्यार्थी माहितीचा अनुभव वेगवेगळ्या प्रकारे घेतात. वर्तनात्मक प्रकारातील विद्यार्थी माहिती मिळविण्यासाठी कृती करतात.

1.5.6 डॉ. रसेल फ्रेंच, डेरिल गिली, एड चेरी यांचे अध्ययन शैली प्रतिमान

डॉ. रसेल फ्रेंच, डेरिल गिली, एड चेरी यांनी पूर्वी झालेल्या संशोधनावर आधारित सात प्रत्यक्ष बोधात्मक या अध्ययन शैलीची मांडणी केलेली आहे. प्रस्तुत संशोधकाच्या मते, प्रत्यक्ष बोधात्मक अध्ययन शैलीनुसार विद्यार्थी बाह्य वातावरणातील माहिती त्याच्या इट्रियांच्या मदतीने प्राप्त करत असतो. प्रस्तुत अध्ययन शैलीचे प्रतिमान खालीलप्रमाणे –
लिखित- या प्रकारातील विद्यार्थी लिखित स्वरूपात माहिती संकलित करतो.
तोंडी- या प्रकारातील विद्यार्थी माहितीचे श्रवण करतो.

आंतरक्रियात्मक मार्ग- या प्रकारात पाठांतर करून आशय लक्षात ठेवला जातो.

दृश्य- या प्रकारातील विद्यार्थी माहिती चित्र, आलेख, नकाशा यादवारे लक्षात ठेवतो.

स्पर्श- या प्रकारातील विद्यार्थी स्पर्शज्ञानादवारे माहिती संकलित करतो.

कृती- संपूर्ण शरीर आणि त्याच्या हालचालींचा उपयोग माहिती संकलित करण्यासाठी केला जातो.

गंधसंवेदनीय- चव आणि वास या ज्ञानेट्रियादवारे माहिती संकलित केली जाते.

1.5.7 पास्क यांचे अध्ययन शैली प्रतिमान

पास्क यांनी अध्ययन शैलीचे वर्गीकरण दोन प्रकारात केले आहे. क्रमशः अध्ययनार्थी आणि समग्र अध्ययनार्थी. पास्क यांच्या मते क्रमशः अध्ययन शैली असणारा अध्ययनार्थी एखादा घटक ध्यानात ठेवण्यासाठी त्यांचे क्रमशः वाचन करतो. समग्र अध्ययन शैली असणारा अध्ययनार्थी एखाद्या घटकाचे चढत्या किंवा उत्तरत्या क्रमाने अध्ययन करतो.

1.5.8 ग्रीगार्क यांचे अध्ययन शैली प्रतिमान

समग्र अध्ययनार्थ्याना वैश्विक अध्ययनार्थी असेही म्हटले जाते. ग्रीगार्क त्यांना यादृच्छिक अध्ययनार्थी असे संबोधतात. क्रमशः अध्ययनार्थ्याना ते विश्लेषणात्मक अध्ययनार्थी असे संबोधतात. त्यांच्या मते, यादृच्छिक अध्ययनार्थी सामान्य ते विशिष्ट असे अध्ययन करतात. या अध्ययनार्थ्यांचे अध्ययन हे संकल्पनात्मक पातळीवर होत असते. विश्लेषणात्मक अध्ययनार्थी विशिष्टाकडून सामान्याकडे अशा पद्धतीने अध्ययन करतात.

1.5.9 बहुविध बुद्धिमत्ता

बुद्धिमत्ता ही उपजत असते. ती नैसर्गिक देणगी असते. गार्डनरच्या मते, शालेय संपादनाच्या आधारावर विद्यार्थी जास्त बुद्धिमान, कमी बुद्धिमान किंवा सामान्य बुद्धीचे असे वर्गीकरण करणे चुकीचे आहे. त्यांनी आठ प्रकारच्या बुद्धिमत्ता सांगितल्या आहेत. त्यांच्या मते व्यक्तीच्या मेंदूत ही बुद्धीची आठ वेगवेगळी केंद्रे असतात. प्रत्येक व्यक्ती आठ प्रकारच्या बुद्धिमत्ता पैकी दोन किंवा तीन बुद्धिमत्तांच्या बाबतीत पुढे असतो. कारण प्रत्यक्षात मेंदूतील या बुद्धिमत्तांची दोन किंवा तीन केंद्रे एकत्र येवून काम करत असतात. अशा वेगवेगळ्या बुद्धिमत्तांचे पट प्रत्येकालाच प्राप्त झालेले असतात. या बुद्धिमत्तांपैकी एकही बुद्धिमत्ता नाही अशी व्यक्ती क्वचितच असते. जन्माला येताना प्रत्येक व्यक्ती ही एखादी बुद्धिमत्ता तीव्र स्वरूपात घेऊन जन्माला आलेली असते तर एखादी कमी स्वरूपात जन्माला घेऊन आलेली असते. प्रत्येक जण या आठ बुद्धिमत्तांचा वेगवेगळा पट घेऊन जन्माला आलेला असला तरी संधी आणि अनुभव यांच्या आधारे बुद्धिमत्ता वाढू शकते.

गार्डनर यांनी आठ प्रकारच्या बुद्धिमत्ता सांगितल्या आहेत त्या पुढीलप्रमाणे

1. भाषिक/वाचिक बुद्धिमत्ता

कथाकथन, चर्चा, संवाद, भाषेवरील प्रभूत्व निर्मितीतून ही बुद्धिमत्ता प्रकट होते. साहित्यिक, वक्ते, कवी, लेखक, नाटककार यांच्यामध्ये भाषिक बुद्धिमत्ता चांगली असते. उदा. पु.ल.देशपांडे, प्र.के.अंते, कुसुमाग्रज इत्यादी

2. तार्किक/गणिती बुधिमत्ता

घटनांचे विश्लेषण करणे, निष्कर्ष काढणे, अमूर्त गोष्टींचा विचार करणे, तर्कशुद्ध विचार करणे, यातून ही बुधिमत्ता व्यक्त होते. अशा व्यक्ती गणित, शास्त्रीय समस्या निराकरणात आणि संशोधनात पुढे असतात. उदा. आईनस्टाईन, डॉ. होमी भाभा, डॉ. जयंत नारळीकर इत्यादी

3. अवकाशीय बुधिमत्ता

वस्तूने व्यापलेल्या जागेचा अंदाज करता येणे, विशिष्ट आकार लक्षात येणे, पाहिलेल्या रचना, आकार यांचे मानसचित्र तयार करता येणे, नवीन रचना करता येणे यामधून अवकाशीय बुधिमत्ता व्यक्त होते. चित्रकार, शिल्पकार, वास्तुरचनाकार यांच्याकडे अवकाशीय बुधिमत्ता मोठ्या प्रमाणावर असते.

4. सांगीतिक बुधिमत्ता

आवाजातील संवेदनशीलता, लय, ताल, आलाप, गाण्याची आवड यातून बुधिमत्ता व्यक्त होते. गायक, वादक, संगीतकार यांच्याकडे ही बुधिमत्ता अधिक असते. उदा. लता मंगेशकर, ए.आर.रेहमान, जावेद अख्तर इत्यादी

5. शारीरिक स्नायूविषयक बुधिमत्ता

अवयवांचे संघटन, हावभावातून भावना व्यक्त करणे, शारीरिक नियंत्रण यातून ही बुधिमत्ता व्यक्त होते. नर्तक, नट, खेळाडू, उत्तम पोहणारे यांच्याकडे शारीरिक स्नायूविषयक बुधिमत्ता अधिक असते.

6. व्यक्तिअंतर्गत बुधिमत्ता

स्वतः च्या भावना ओळखता येणे, भावनांवर नियंत्रण असणे, ध्यानधारणा करणे, संयम राखणे यामधून व्यक्तिअंतर्गत बुधिमत्ता व्यक्त होते. संत, आध्यात्मिक गुरु यांच्याकडे ही बुधिमत्ता अधिक प्रमाणात असते.

7. आंतर-व्यक्ती बुद्धिमत्ता

इतरांशी संवाद साधता येणे, मिळून मिसळून वागता येणे, दुसऱ्यांच्या भावना समजणे, सहानुभूती असणे, दुसऱ्यावर प्रभाव पाडता येणे यामधून आंतर-व्यक्ती बुद्धिमत्ता स्पष्ट होते. नेते, शिक्षक, सामाजिक कार्यकर्ते यांच्याकडे ती बुद्धिमत्ता असते.

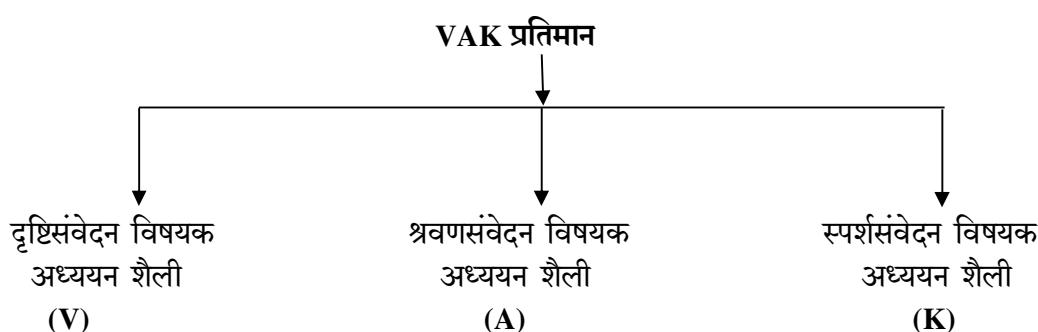
8. निसर्गविषयक बुद्धिमत्ता

पशु, प्राणी, पक्षी, डोंगर, नक्या, झाडे अशा निसर्गाची ओढ असणे, निसर्गविषयी जवळीक वाटणे, निसर्गाच्या सानिध्यात रमणे यामधून निसर्गविषयक बुद्धिमत्ता व्यक्त होते. उदा. पक्षी निरीक्षक, पर्यटक यांच्याकडे ही बुद्धिमत्ता अधिक प्रमाणावर असते.

1.6 नील फ्लेमिंग यांचे अध्ययन शैलीचे प्रतिमान

प्रस्तुत संशोधनात विचारात घेतलेले अध्ययन शैलीचे प्रतिमान नील फ्लेमिंग यांचे आहे. नील फ्लेमिंग यांचे VAK प्रतिमान –

विद्यार्थीं पंचज्ञानेंद्रियांपैकी प्रमुख तीन ज्ञानेंद्रिये प्रामुख्याने माहिती ग्रहण, माहिती प्रक्रिया, अध्ययन यासाठी वापरत असतो. डोळे, कान आणि स्पर्श संवेदन जागृत करून देणारी ज्ञानेंद्रिये इतरांशी होणारी आंतरक्रिया, माहितीचे आदानप्रदान यामध्ये प्रमुख भूमिका बजावत असतात. अध्ययन शैलीमध्ये सर्वश्रुत आणि प्रामुख्याने वापरले जाणारे VAK प्रतिमान नील फ्लेमिंग यांचे आहे.



V- Visual (दृष्टिसंवेदन)

A- Auditory (श्रवणसंवेदन)

K- Kinesthetic (स्पर्शसंवेदन)



नील फ्लेमिंग यांनी अध्ययन शैली तीन गटामध्ये वर्गीकरण केले आहे. 1. दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली 2. श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली 3. स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली. फ्लेमिंग यांच्या मतानुसार दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांचे प्राधान्य नकाशा, आलेख, चित्रे, टृक साधने यांद्वारे अध्ययन करणे याच्याकडे असते. श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांचे प्राधान्य व्याख्यान, चर्चा, टेपरेकार्ड यादवारे माहिती प्राप्त करणे असे असते. स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांचे प्राधान्य प्रकल्प, कृती, दिग्दर्शन, स्पर्शादवारे माहिती घेणे असे असते. नील फ्लेमिंग यांच्या मतानुसार प्रत्यक्षात या अध्ययन शैली नसून आपली ज्ञानेंद्रिये सभोवतालच्या वातावरणाशी कशा पद्धतीने समायोजन साधतात याबाबींशी निगडित आहे. कारण, संगीत शिकणे हे श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांसाठी योग्य आहे. परंतु परिणामकारक संगीत अभ्यासण्यासाठी या तीनही अध्ययन शैलीचा एकत्रित वापर करणे गरजेचे आहे.

1.6.1 दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली (V)

दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांचे तोंडी सूचनांपेक्षा लिखित सूचना अथवा आलेखात्मक माहिती यादवारे अधिक चांगल्या प्रकारे अध्ययन होत असते. प्रस्तुत अध्ययन शैली असणारे विद्यार्थी स्वतःच्या मनात एखाद्या घटकाबाबत चित्र निर्माण करतात आणि त्याद्वारे त्या घटकाचे त्यांना आकलन होण्यास मदत होत असते. ही अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांना वाचन, लेखन, नोटस काढणे, चित्र काढणे याबाबींमध्ये विशेष अभिरूची असते. अध्ययनकर्ता प्रकट वाचन आणि निरीक्षण करून ज्ञानग्रहण करत असतो. तक्ते, चित्रे, नकाशे, प्रतिकृती, संदर्भ ग्रंथ इत्यादीच्या मदतीने माहिती मिळवित असतो. बन्याचदा आंतरजालाचा वापर करून माहिती संचय करण्याचा प्रयत्न करत असतो. स्वप्रयत्नाने मिळविलेली माहिती व त्यासाठी केलेली मेहनत यामुळे प्राप्त माहिती स्मरणात राहते.

दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैलीची वैशिष्ट्ये

- (1) बोलणे अथवा कृती करणे यापेक्षा निरीक्षणावर अधिक भर असतो.
- (2) वाचन अधिक आवडते.
- (3) निरीक्षणाद्वारे एखादा घटक स्मरणात ठेवतात.
- (4) तोंडी सूचना समजण्यास अवघड जाते.
- (5) चेहन्यांवरून व्यक्तींना लक्षात ठेवतात.
- (6) एखाद्या कामाबाबत नियोजन चांगल्या प्रकारे करतात.
- (7) चिकित्सक असतात.
- (8) अभ्यास करताना शांत ठिकाणाची निवड करतात.
- (9) लिखित सूचना अधिक चांगल्या प्रकारे ध्यानात ठेवतात.
- (10) घटना लक्षता राहण्यासाठी मनामध्ये चित्र स्वरूपात रूपांतर करतो.
- (11) एखादी गोष्ट कशी करावी हे इतर कुणीतरी दाखवतो त्यानंतर त्या व्यक्तीबरोबर ते काम जास्त चांगल्या पद्धतीने करू शकतो.
- (12) दोन गोष्टी पूर्णतः सारख्या नाहीत हे पटकन सांगू शकतो.

(13) फळ्यावर किंवा वहीत ज्या वेळेला वर्गात सांगितलेली माहिती लिहिली जाते त्या वेळेला ती जास्त लक्षात राहते.

(14) शब्दाचे स्पेलिंग पुन्हा पुन्हा पाहिल्यानंतर त्यांचे अध्ययन अधिक चांगल्या पद्धतीने होते.

1.6.2 श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली (A)

श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांचे व्याख्यान, तोंडी सूचना, ध्वनिमुद्रित माध्यम यादवारे अध्ययन अधिक सुलभरीत्या होत असते. ही अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांना मोठ्याने वाचन करण्यास व एखाद्या घटकांवर स्वतःशी चर्चा करणे, बोलणे आवडते. एखादा घटक स्मरणात ठेवण्यासाठी इतरांबरोबर चर्चा करणे अथवा त्यांना समजावून सांगणे याबाबीस ते प्राधान्य देतात. विद्यार्थी वर्गातील अध्यापनात सांगितलेल्या माहितीचे श्रवण करून ज्ञानप्राप्त करतो. माहिती ही ज्ञानात्मक स्वरूपाची असते. रेडिओवरील गाणी पुन्हा पुन्हा ऐकून तोंडपाठ होतात, त्यानुसार विद्यार्थ्यांने प्राप्त केलेल्या माहितीचे पुन्हा पुन्हा प्रकट वाचन करून, आंतरक्रिया घडवून स्मरणात ठेवण्याचा प्रयत्न केल्यास माहिती लक्षात राहते.

श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैलीची वैशिष्ट्ये

- (1) मोठ्याने बोलणे आवडते.
- (2) लेखी सूचना समजण्यास अवघड जाते.
- (3) संगीत आवडते.
- (4) गोंधळाच्या परिस्थितीत सहजपणे विचलित होतात.
- (5) वाचन करत असताना स्वतःशी कुजबुजत असतात.
- (6) चर्चा आणि वादविवाद करणे आवडते.
- (7) नकाशे, आकृती किंवा आलेख समजण्यास कठीण जाते.
- (8) एकत्र अभ्यास करणे आवडते.
- (9) माहितीचे तोंडी सादरीकरण करण्यास आवडते.
- (10) वर्गात शिक्षकाने सांगितलेली माहिती ऐकून लक्षात राहते.

- (11) शब्दाचे स्पेलिंग पाठ करताना त्यांची पुन्हा पुन्हा तोंडी पुनरावृत्ती केल्यास चांगल्या पध्दतीने पाठांतर होते.
- (12) गटात काम करताना संकल्पना ऐकून त्यावर बोलणे आवडते.
- (13) दोन आवाज पूर्णतः सारखे नाहीत हे सहज सांगू शकतो.
- (14) एखादी गोष्ट कशी करावी हे इतरांनी दाखविल्यानंतर त्यानंतरच्या तोंडी सूचनानुसार चांगले काम करू शकतो.

1.6.3 स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली (K)

स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणारे विद्यार्थी कृतीस अधिक महत्त्व देतात. प्रत्यक्ष अनुभव, उदाहरणे, शैक्षणिक सहली, कृतियुक्त हालचाली, प्रयोग इत्यादीद्वारे त्यांचे अध्ययन चांगल्या प्रकारे होत असते. खेळ आणि नृत्य त्यांना आवडतात. विद्यार्थी कृती, हालचाली व स्पर्शाद्वारे अध्ययन करत असतो. विद्यार्थी कृती करून, प्रयोग करून माहिती मिळविण्यासाठी प्रयत्न करत असतात. ज्ञानेंद्रिये व कारक इंद्रियाचा वापर करून ग्रहण केले जाते.

स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैलीची वैशिष्ट्ये

- (1) कृतीद्वारे समस्या सोडवण्यास आवडते.
- (2) नवीन उद्दिष्टे समोर ठेवल्यास त्यावर काम करण्यास आवडते.
- (3) बोलताना हातवारे करतात.
- (4) वस्तू हाताळण्यास आवडतात.
- (5) व्यक्तींशी बोलताना त्यांना स्पर्श करणे आवडते.
- (6) वाचनास प्राधान्य नसते.
- (7) अभ्यासाच्यावेळी पेन्सिल, पेन किंवा पाय हलवण्याची सवय असते.
- (8) हस्ताक्षर चांगले असते.
- (9) एखाद्या विषयातील आपली मते ठामपणे मांडण्यासाठी मुद्देसूद माहितीचे विवेचन लेखातून व्यक्त करतात.

(10) सुप्त गुणांचा वापर करून कल्पकतेने विविध कलात्मक वस्तू/ साधने तयार करतात.

(11) मुद्राभिनय, आशयानुरूप हावभाव यांच्या मदतीने संकल्पना स्पष्ट करण्याचा प्रयत्न करतात.

(12) चर्चेत सहभागी होऊन एखाद्या घटनेचे समर्थन प्रभावी/परिणामकारक पद्धतीने अभिव्यक्त करतात.

(13) विविध स्पर्धामध्ये सहभागी होऊन आपल्या नेतृत्वगुणांची जोपासना करतात.

1.7 अध्ययन शैली जाणून घेण्याचे फायदे

- विविध शैक्षणिक स्तरावर यश प्राप्तीसाठी
- परिणामकारक अध्ययनासाठी
- अभ्यास चांगल्या प्रकारे कसा करता येईल आणि परीक्षेत उत्तम गुण कसे प्राप्त करता येतील यासाठी
- वर्गातील मर्यादांवर मात करण्यासाठी
- निराशा, ताण-तणाव कमी करण्यासाठी
- सद्यःपरिस्थितीतील अध्ययन कार्यनीती ठरवण्यासाठी तसेच विस्तार करण्यासाठी
- स्व-आत्मविश्वास बाढवण्यासाठी
- स्वतःची बलस्थाने आणि कमकुवत बाजू जाणून घेण्यासाठी
- अध्यापनाद्वारे प्रत्यक्ष अनुभूती देण्यासाठी योजना तयार करण्यासाठी
- शैक्षणिक साहित्य निर्मिती करण्यास मार्गदर्शन करण्यासाठी
- विविध प्रकल्पांचे आयोजन करून विद्यार्थ्यांना मार्गदर्शन करण्यासाठी
- अभ्यासक्रमातील पाठ्यांशावर आधारित नाट्यप्रवेशाचे लेखन करून सादरीकरण करण्यास प्रवृत्त करण्यासाठी
- पाठ्यांशावर आधारित स्लार्ड शो तयार करण्यासाठी

- विद्यार्थ्यांमध्ये संगणक हाताळण्याचे कौशल्य निर्माण करण्यासाठी
- विद्यार्थ्यांना लेखी सूचना देऊन प्रत्याभरण झाले किंवा नाही याचा आढावा घेण्यासाठी
- गटचर्चेत नियोजन करून विद्यार्थ्यांना गटचर्चेत सहभागी होण्यास प्रवृत्त करण्यासाठी.
- फुरसदीच्या बेळेत ध्वनिमुद्रीत साहित्य ऐकण्याबाबत प्रवृत्त करण्यासाठी.
- वाक्यातील उच्चारानुसार अन्वयार्थ, संकेतार्थ, भावार्थ यांबद्दल अध्यापनातून माहिती जाणून घेण्यासाठी

1.8 संशोधनाचे महत्त्व व आवश्यकता

शैक्षणिक गुणवत्ता वाढवण्याच्या दृष्टीने विद्यार्थ्यांच्या सर्जनशीलतेला वाव देणारी, कल्पनाशक्ती जोपासणारी, अभिव्यक्ती स्वातंत्र्य देणारी, नावीन्याची कास धरणारी अध्ययन प्रक्रिया जोपासण्याचे आव्हान स्वीकारावे लागणार आहे. बदलती आव्हाने स्वीकारण्यास सक्षम असा उद्याचा नागरिक घडवणे ही जबाबदारी शिक्षण व्यवस्थेने पेलणे आवश्यक आहे. यासाठी अध्ययन प्रक्रियेचे महत्त्व वाढातीत आहे. अध्ययन प्रक्रिया ही विद्यार्थ्यांना विचारप्रवण व कृतिप्रवण बनवणारी असणे आवश्यक आहे. अध्ययन प्रक्रियेत केवळ माहिती संक्रमण न घडता मिळालेल्या माहितीचा वापर करून समजपूर्वक पुनर्मांडणी करण्यास विद्यार्थ्यांना उद्युक्त करणे आवश्यक आहे.

इयत्ता दहावीचे वर्ष हा विद्यार्थ्यांच्या आयुष्यातील निर्णायिक टप्पा असतो. या टप्प्यावरच विद्यार्थ्यांच्या भावी आयुष्याची दिशा निश्चित होत असते. विशिष्ट अभ्यासक्रम, विशिष्ट कौशल्य असलेल्या क्षेत्राची निवड करणे शैक्षणिक संपादणूकीवर अवलंबून असते. परंतु याची सुरुवात इयत्ता नववीपासूनच होत असते. शैक्षणिक संपादनाचा संबंध अध्ययन प्रक्रियेशी येतो आणि अध्ययनाचा संबंध अध्ययन शैलीशी निगडित आहे. याठिकाणी ही बाब लक्षात घेतली पाहिजे की, प्रत्येक विद्यार्थ्यांची अध्ययन शैली भिन्न असते.

अध्ययन शैली महत्त्वाची का?

अध्ययन प्रक्रियेतील सर्वात महत्त्वाचा विषय म्हणजे, अध्ययन कसे करायचे किंवा ते प्रभावी कसे होईल. कारण आपल्या अध्ययनाची जबाबदारी आपली असते. त्यामुळे प्रत्येक व्यक्तीने स्वतःची अध्ययन शैली त्या अध्ययन शैलीची वैशिष्ट्ये जाणून घेणे महत्त्वपूर्ण आहे.

प्रत्येक व्यक्तीने स्वतःची अध्ययन शैली जाणून घेणे आवश्यक आहे. त्याचप्रमाणे पालकांबरोबर शिक्षकांनी आपल्या विद्यार्थ्यांची अध्ययन शैली जाणून घेणे महत्वपूर्ण आहे. कारण ती जाणून न घेता पालकांकडून विद्यार्थ्यावर चांगल्या शैक्षणिक संपादण्यासाठी विविध कौटुंबिक बंधने लादली जातात.

आज आपण अन्न, वस्त्र, निवारा आणि शिक्षण या चार मूलभूत गरजा मानतो. पूर्वीपासून आजपर्यंत या गरजा महत्वपूर्ण असल्या तरी या सर्वच गरजांच्या स्वरूपामध्ये बदल, प्रगती झालेली आहे. विशेषत: शिक्षण क्षेत्रात तर खूप बदल आणि विकास झालेला आहे आणि त्याचे कारण म्हणजे शिक्षणात सुधारणा घडवून आणण्यासाठी सातत्याने होणारे संशोधनात्मक प्रयत्न होय. आपले प्रयत्नदेखील यादृष्टीने कसे उपयुक्त ठरतील या जाणिवेतून सदर संशोधन कार्य संशोधकाने हाती घेतले आहे. शिक्षण क्षेत्रात अध्यापन कार्य चांगले व्हावे तसेच विद्यार्थ्यांचे अध्ययन चांगले व्हावे यासाठी अनेक प्रयत्न केले गेले. अध्ययनावर परिणाम करणाऱ्या विविध घटकांचा म्हणजेच अवधान, अभिरूची, थकवा, ताणतणाव, भौतिक वा आर्थिक परिस्थिती याबाबत शोध घेऊन त्यावर नियंत्रण मिळविण्याचा विविध प्रकारे प्रयत्न केला गेला. विविध प्रकारच्या वर्गरचना करून जवळपास समान संपादन असणाऱ्या विद्यार्थ्यांचा समावेश एका वर्गात केल्याने शिक्षकाला अध्यापन कार्य करणे सोईचे जाईल. समावेशक शिक्षणाचा पुरस्कार केला गेला. परंतु अध्ययन शैलीनुसार वर्गरचना करणे शक्य आहे. याचा विचार करून त्याचप्रमाणे नियोजन करणे तितकेच महत्वाचे आहे. असा विचार शिक्षणक्षेत्रात रूढ करणे या संशोधनातून शक्य होईल का ? या भूमिकेतून संशोधकाने प्रस्तुत संशोधन कार्य हाती घेतले होते.

सद्यःस्थितीत समावेशक शिक्षणाला महत्व प्राप्त झाले आहे. समावेशक शिक्षणात प्रत्येक बालकाला त्याची गरज लक्षात घेऊन शिकवणे यावर भर दिला जातो. खेरे पाहता वर्गातील प्रत्येक बालक हे विशेष बालक असते. प्रत्येकाची आपली गरज असते. त्याप्रमाणे प्रत्येक बालकाची अध्ययन शैली भिन्न असते. मुले कशी शिकतात, कोणकोणत्या पद्धतीने शिकतात, त्याची अध्ययन शैली जाणून घेतली. त्यासाठी कशा प्रकारे अध्ययन करावे हे जाणून

घेतले आणि त्यानुसार आपले अध्ययन कार्य केले तर समावेशक शिक्षणातून काही विद्यार्थ्यांना न्याय मिळत नाही असे जे म्हटले जाते त्यावर मात करता येईल. वर्गातील सर्वच विद्यार्थी विविध क्षमता, गुण, वैशिष्ट्ये यांनी युक्त असतात. त्यांच्या क्षमता, त्यांच्यातील वैशिष्ट्ये जाणून त्यांना अध्यापन करणे हे जर आपण गरजेचे मानतो तर प्रत्येक विद्यार्थ्यांची अध्ययन शैली वेगवेगळी आहे, हे सत्य स्वीकारून त्याप्रमाणे अध्यापन करणे गरजेचे आहे. प्रत्येक विद्यार्थ्याला त्याच्या अध्ययन शैलीनुसार न्याय मिळाला तर त्याचा परिणाम कसा घडून येईल, त्याचे शैक्षणिक संपादणकीतील गुण कसे असतील या सर्व विचार प्रक्रियेतून सदर संशोधन आकारास आले आहे.

प्रत्येक व्यक्तीची अध्ययन शैली भिन्न असते. परंतु इयत्ता नववीतील विद्यार्थ्यांची अध्ययन शैली कशी आहे? त्याचा त्यांच्या शैक्षणिक संपादनावर काय परिणाम होतो? यासारखे प्रश्न तसेच वरील विचारमंथनातून संशोधकाच्या मनात काही प्रश्न उपस्थित झाले त्या प्रश्नांचा विचार करण्यासाठी संशोधकाने प्रस्तुत संशोधन समस्येची निवड केली आहे. संशोधकाच्या मनात सदर समस्येच्या अनुषंगाने उपस्थित झालेले प्रश्न खालीलप्रमाणे आहेत.

संशोधन प्रश्न

- (1) नववीच्या वर्गातील विद्यार्थ्यांची अध्ययन शैली कशी आहे?
- (2) अध्ययन शैलीच्या वर्गीकरणानुसार अध्ययन शैलीचे प्रमाण काय आहे?
- (3) प्रत्येक विद्यार्थ्यांच्या अध्ययन शैलीला वाव मिळेल अशी वर्गातील आंतरक्रिया आहे का?
- (4) अशी आंतरक्रिया नसल्यास, वर्गात आंतरक्रिया घडून येण्यासाठी काय करावे?
- (5) शालेय वेळापत्रकाचे नियोजन करताना अध्ययन शैलीचा विचार कशा पद्धतीने करावा?
- (6) पालकांनीदेखील आपल्या पाल्याची अध्ययन शैली ओळखून त्याप्रमाणे त्याला सोईसुविधांची उपलब्धता करून देण्यासाठी काय करावे?
- (7) अध्ययन शैलीनुसार विद्यार्थ्यांची शैक्षणिक संपादणूक कशी आहे?
- (8) अध्ययन शैलीनुसार विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीत काही फरक आहे का?

यासारखे प्रश्न उपस्थित झाल्यामुळे संशोधकाला सदर संशोधनाची आवश्यकता भासली. तसेच पूर्व संशोधनाचा अभ्यास केला असता असे लक्षात आले की प्रस्तुत विषयावर फारशी संशोधने झालेली नाहीत. त्यामुळे संशोधकाने संशोधनासाठी सदर विषयाची निबड केलेली आहे.

1.9 संशोधन समस्येचे शीर्षक

अध्ययन शैलीच्या संदर्भात विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीचा अभ्यास

1.10 समस्या विधान

माध्यमिक स्तरावरील विद्यार्थ्यांच्या अध्ययन शैलीचा शोध घेवून शोधलेल्या अध्ययन शैलीच्या संदर्भात शैक्षणिक संपादणूकीचा अभ्यास करणे.

1.11 पदांच्या व्याख्या

1.11.1 संकल्पनात्मक व्याख्या

(1) **माध्यमिक स्तर :** :“इतता 9वी ते 10वी पर्यंतचे शिक्षण माध्यमिक स्तरावरील शिक्षण म्हणून संबोधण्यात येईल.”²⁴

(2) **विद्यार्थी :**“विद्यार्थी म्हणजे कोणत्याही विषयाचा सखोल अभ्यास करणारी व्यक्ती होय.”²⁵

(3) **अध्ययन शैली :** “Learning style is a complex manner in which, and conditions under which, learners most efficiently and most effectively perceive, process, store and recall what they are attempting to learn.”²⁶

(4) **शैक्षणिक संपादणूक :** “The Knowledge obtained or skills developed in the school subjects usually designed by test scores or marks assigned by the teacher.”²⁷

1.11.2 कार्यात्मक व्याख्या

(1) **माध्यमिक स्तर :** माध्यमिक स्तर म्हणजे ज्या स्तराशी इतता 9वीचे वर्ग संबंधित आहेत.

(2) **विद्यार्थी :** विद्यार्थी म्हणजे इतता 9वीतील अभ्यासक्रमाचा अभ्यास करणारी व्यक्ती होय.

- (3) **अध्ययन शैली :** अध्ययन शैली म्हणजे नील फ्लेमिंग यांच्या VAK प्रतिमानानुसार विद्यार्थ्याची अध्ययन करण्याची विशिष्ट पद्धत होय.
- (4) **शैक्षणिक संपादणूक :** शैक्षणिक संपादणूक म्हणजे इयत्ता नववीच्या विद्यार्थ्यांना शातेय वर्षाच्या शेवटी अंतिम परीक्षेत प्राप्त होणारे गुण होय.

1.12 संशोधनाची उद्दिष्टे

- (1) अध्ययन शैली शोधिका तयार करणे.
- (2) विद्यार्थ्यांच्या अध्ययन शैलीचा अभ्यास करणे.
- (3) विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीचा अभ्यास करणे.
- (4) अध्ययन शैलीच्या संदर्भात विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीचा अभ्यास करणे.

1.13 गृहीतके

- (1) प्रत्येक विद्यार्थ्याची अध्ययन शैली वेगवेगळी असते.²⁸
- (2) शैक्षणिक संपादणूक मापनक्षम असून गुणांचे वितरण प्रसामान्य आहे.

1.14 परिकल्पना

परिकल्पना म्हणजे समस्येचे संभाव्य उत्तर होय. परिकल्पना हे एक असे आनुमानिक विधान आहे की ज्यात दोन किंवा दोनपेक्षा अधिक चलांचा संबंध दर्शवला जातो. परिकल्पना मांडल्यामुळे संशोधन प्रक्रियेला एक निश्चित दिशा प्राप्त होते.

ग्रीनेल यांच्या मतानुसार, “ A hypothesis is written in such way that can be proven or disproven by valid and reliable data – it is in order to obtain these data that we perform our study.”²⁹

या सर्व बाबींचा विचार करून संशोधकाने पुढीलप्रमाणे त्याच्या संशोधन समस्येशी संबंधित परिकल्पनांची मांडणी केलेली आहे.

- (1) **H₀ :** दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीच्या मध्यमान गुणांकांत सार्थ फरक नाही.

H₁ : दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीच्या मध्यमान गुणांकांत सार्थ फरक आहे.

1.15 संशोधनातील चले

संशोधक जर एखाद्या चलावर पूर्णपणे नियंत्रण करू शकला व त्याचे अचूकपणे स्पष्टीकरण करू शकला अशा चलांना स्वाश्रयी चल असे म्हणतात. उलटपक्षी संशोधकाचे चलावर अगदीच अल्पसे नियंत्रण असेल आणि स्वाश्रयी चलाच्या प्रभावामुळे त्यामध्ये बदल घडून येत असेल तर अशा प्रकारच्या चलाला आश्रयी चल असे म्हणतात.³⁰

थोडक्यात, ज्या घटकाचा परिणाम अभ्यासला जातो त्या घटकाला स्वाश्रयी चल असे म्हणतात. ज्या घटकावर हा परिणाम अभ्यासला जातो त्यास आश्रयी चल असे म्हणतात.

प्रस्तुत संशोधनात अध्ययन शैली हे स्वाश्रयी तर शैक्षणिक संपादणूक हे आश्रयी चल आहे.

1.16 व्याप्ती, मर्यादा आणि परिमर्यादा

संशोधन कोणत्या भौगोलिक घटकांशी संबंधित आहे, त्यातील कोणत्या लोकांशी संबंधित आहे, त्यांच्या कोणकोणत्या घटकांशी संबंधित आहे याबाबीचे स्पष्टीकरण केल्याने संशोधनाची व्याप्ती ध्यानात येते. तसेच संशोधनामध्ये ज्या घटकांवर नियंत्रण नसते त्यांचा उल्लेख मर्यादा व परिमर्यादा स्वरूपात करणे आवश्यक असते. प्रस्तुत संशोधनाची व्याप्ती, मर्यादा आणि परिमर्यादा पुढीलप्रमाणे आहे.

1.16.1 व्याप्ती – सदर संशोधनाची व्याप्ती महाराष्ट्रातील सर्व खासगी अनुदानित मराठी माध्यमाच्या महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडळाशी संलग्न असलेल्या शाळांतील इयत्ता नववीच्या वर्गात शिकणारे सर्व विद्यार्थी अशी आहे.

1.16.2 मर्यादा – प्रस्तुत संशोधनाची मर्यादा खालीलप्रमाणे आहे.

(1) सदर संशोधनाचे निष्कर्ष प्रतिसादकांनी दिलेल्या माहितीवर अवलंबून आहेत.

(2) संपादनावर परिणाम करू शकणाऱ्या अन्य घटकांवर नियंत्रण शक्य नाही.

(3) काही विद्यार्थ्यांची अध्ययन शैली संमिश्र असण्याची शक्यता नाकारता येत नाही.

1.16.3 परिमर्यादा – प्रस्तुत संशोधनाची परिमर्यादा खालीलप्रमाणे आहे.

(1) प्रस्तुत संशोधन पुणे जिल्ह्यापुरतेच परिमर्यादित आहे.

- (2) प्रस्तुत संशोधन महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडळाशी संलग्न असलेल्या खासगी अनुदानित मराठी माध्यमाच्या शाळांपुरतेच परिमर्यादित आहे.
- (3) प्रस्तुत संशोधन इयत्ता नववीच्या विद्यार्थ्यांपुरतेच परिमर्यादित आहे.
- (4) प्रस्तुत संशोधन नील फ्लेमिंग प्रणीत अध्ययन शैलीच्या अभ्यासापुरतेच परिमर्यादित आहे.

संदर्भ

1. कुलकर्णी, के. वि. (1982). शैक्षणिक मानसशास्त्र. पुणे : श्री विद्या प्रकाशन. पृष्ठ क्रमांक 124.
2. कुलकर्णी, के. वि. (1982). शैक्षणिक मानसशास्त्र. पुणे : श्री विद्या प्रकाशन. पृष्ठ क्रमांक 124.
3. कुलकर्णी, के. वि. (1982). शैक्षणिक मानसशास्त्र. पुणे : श्री विद्या प्रकाशन. पृष्ठ क्रमांक 124.
4. कुंडले, म. बा. (1977). शैक्षणिक तत्त्वज्ञान व शैक्षणिक समाजशास्त्र. पुणे : श्रीविद्या प्रकाशन. पृष्ठ क्रमांक 8.
5. करंदीकर, सुरेश. (2009). अध्ययन अध्यापनाचे मानसशास्त्र. कोल्हापूर : फडके प्रकाशन. पृष्ठ क्रमांक 168.
6. करंदीकर, सुरेश. (2009). अध्ययन अध्यापनाचे मानसशास्त्र. कोल्हापूर : फडके प्रकाशन. पृष्ठ क्रमांक 169.
7. Pani, S.P. & Pattnaik, S.K. (2006). *Vivekananda, Aurobindo and Gandhi on Education*. New Delhi: Anmol publication Pvt. Ltd. P. 59.
8. अकोलकर, ग. वि. (1990). शैक्षणिक तत्त्वज्ञानाची रूपरेषा. पुणे : श्रीविद्या प्रकाशन. पृष्ठ क्रमांक 11.
9. करंदीकर, सुरेश. (2009). अध्ययन अध्यापनाचे मानसशास्त्र. कोल्हापूर : फडके प्रकाशन. पृष्ठ क्रमांक 170.
10. पोक्षे, द. बा. (2003). शैक्षणिक मानसशास्त्र आणि प्रायोगिक कार्य. पुणे : नूतन प्रकाशन. पृष्ठ क्रमांक 14.
11. करंदीकर, सुरेश. (2009). अध्ययन अध्यापनाचे मानसशास्त्र. कोल्हापूर : फडके प्रकाशन. पृष्ठ क्रमांक 170.
12. पाटील-कायंदे, गंगाधर. (2007). शैक्षणिक मानसशास्त्र. नाशिक : चैतन्य पब्लिकेशन. पृष्ठ क्रमांक 11.1.

13. Dandapani, S. (2000). *A Textbook Of Advanced Educational Psychology*. New Delhi: Anmol publication Pvt. Ltd. P. 123.
14. Alehgaonkar, P.M. (2008). *Psychology of learning And teaching*. Pune: Dilipraj prakashan Pvt.Ltd. P. 13.
15. महाले, संजीवनी. (2008). अध्यापन प्रतिमाने आणि अध्ययन शैली. नाशिक : इनसाईट पब्लिकेशन. पृष्ठ क्रमांक 110.
16. महाले, संजीवनी. (2008). अध्यापन प्रतिमाने आणि अध्ययन शैली. नाशिक : इनसाईट पब्लिकेशन. पृष्ठ क्रमांक 111.
17. महाले, संजीवनी. (2008). अध्यापन प्रतिमाने आणि अध्ययन शैली. नाशिक : इनसाईट पब्लिकेशन. पृष्ठ क्रमांक 111.
18. Ibrahim, Y. K. (2009). The effect of learning styles on education and the teaching process.*Journal of social science*. Retrived from <http://www.thescipub.com/PDF/jssp>.
19. Ibrahim, Y. K. (2009). The effect of learning styles on education and the teaching process.*Journal of social science*. Retrived from <http://www.thescipub.com/PDF/jssp>.
20. Ibrahim, Y. K. (2009). The effect of learning styles on education and the teaching process.*Journal of social science*. Retrived from <http://www.thescipub.com/PDF/jssp>.
21. Ibrahim, Y. K. (2009). The effect of learning styles on education and the teaching process.*Journal of social science*. Retrived from <http://www.thescipub.com/PDF/jssp>.
22. Ibrahim, Y. K. (2009). The effect of learning styles on education and the teaching process.*Journal of social science*. Retrived from <http://www.thescipub.com/PDF/jssp>.
23. तापकीर दत्तात्रेय, तापकीर निर्मला व लोंदे गौतम. (2011). अध्ययनकर्त्याचे आकलन व विकसन. मिरज : संघमित्रा प्रकाशन. पृष्ठ क्रमांक 78.
24. महाराष्ट्र शासन शालेय शिक्षण व क्रीडा विभाग. प्राथमिक शिक्षणाची व्याख्या व स्तरमध्ये सुधारणा. शासन निर्णय क्रमांक : प्राशातु-1112(258/2012)/प्राशि-3 दिनांक 13 फेब्रुवारी 2013.
25. Navneet Advanced Dictionary, (2003). Navneet Publications (India) Limited. Gujrat : P. 808.

26. Zajacova, B. (2013). Learning Styles an Overview of Concepts and Research Tools and Introduction of Our Research Design in Physics Education Field. *WDS'13 Proceedings of Contributed Papers*. Retrieved from http://www.mff.cuni.cz/vedakonference/wds/proc/pdf13/WDS13_316_f12_Zajacova.pdf
27. Mimrot, B.H. (2016). A study of academic achievement to home environment of secondary school students. *The International Journal Indian Psychology*. Vol. 4, Issue 1, No.79. P. 32.
28. महाले, संजीवनी. (2008). अध्यापन प्रतिमाने आणि अध्ययन शैली. नाशिक : इनसाईट पब्लिकेशन. पृष्ठ क्रमांक 124.
29. Kumar, Ranjit. (2015). *Research Methodology A step by step Guide for Beginners*. New Delhi: SAGE Publications India Pvt. Ltd. P. 100.
30. देशपांडे, प्रकाश आणि पाटोळे, एन.के.(2003). संशोधन पद्धती. नाशिक : यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ. पृष्ठ क्रमांक 77.

प्रकरण दुसरे

संबंधित साहित्य व
पूर्व संशोधनाचा अभ्यास

प्रकरण दुसरे
संबंधित साहित्य व पूर्व संशोधनाचा अभ्यास
अनुक्रमणिका

| क्रमांक | तपशील | पृष्ठ क्रमांक |
|---------|---|---------------|
| 2.1 | प्रस्तावना | 42 |
| 2.2 | संबंधित साहित्य व पूर्व संशोधनाच्या अभ्यासाचे महत्त्व | 42 |
| 2.3 | पुस्तके | 44 |
| 2.4 | नियतकालिके | 46 |
| | 2.4.1 लेख | 46 |
| | 2.4.2 शोधनिबंध | 54 |
| 2.5 | पीएच.डी. स्तरावरील संशोधने | 63 |
| 2.6 | सदर संशोधनाचे वेगळेपण | 73 |
| | संदर्भ | 75 |

प्रकरण दुसरे

संबंधित साहित्याचा व पूर्व संशोधनाचा अभ्यास

2.1 प्रस्तावना

आपल्या देशाच्या तुलनेत अमेरिका व इंग्लंड यासारख्या प्रगत देशांत अधिकाधिक शैक्षणिक संशोधने झाली असली तरी आपल्या देशात स्वातंत्र्योत्तर काळात शैक्षणिक संशोधनाला प्रोत्साहन व वाव मिळाला आणि या काळातच शिक्षण क्षेत्रातील अनेक विभागांवर अनेक संशोधने झाली आहेत, त्यामुळे नवीन संशोधकाला संशोधनासाठी नवीन विषय निवडणे आता सहज शक्य नाही, म्हणून संशोधकाला संबंधित साहित्याचा व पूर्व संशोधनाचा अभ्यास करणे गरजेचे आहे.

संशोधक जेव्हा संशोधन करावयाचे असे ठरवतो तेव्हा कोणत्या शैक्षणिक विषयावर आधारित संशोधन करावे हा सर्वात मोठा प्रश्न त्याच्यासमोर उभा राहतो. कोणती समस्या निवडावी? निवडलेल्या समस्येवर आजपर्यंत संशोधन झाले आहे की, नाही? झाले असले तरी कोणकोणत्या क्षेत्रात? कोणती अभ्यासपद्धती वापरली आहे? त्यातून काढलेले निष्कर्ष कितपत उपयुक्त आहेत? त्या समस्येवर आता कसे संशोधन होऊ शकेल? वरील सर्व प्रश्नांची उत्तरे मिळविण्यासाठी संशोधकाला संबंधित साहित्याचा व पूर्व संशोधनाचा आढावा घेणे आवश्यक आहे.

संबंधित साहित्य म्हणजे आपल्या संशोधन विषयासंबंधीची माहिती ज्यात आहे असे सर्व साहित्य होय. उदा. पुस्तके, ज्ञानकोश, संशोधनकोश, प्रकाशित-अप्रकाशित शोधग्रंथ, शिक्षणासंबंधी प्रकाशने, एनसायक्लोपिडीया इत्यादी. आपल्या विषयासंबंधीची सैधार्दांतिक व पूर्वसंशोधित माहिती वरीलपैकी कशाकशात आहे याचा अभ्यास करणे म्हणजेच संबंधित साहित्याचा अभ्यास करणे होय.

2.2 संबंधित साहित्य व पूर्व संशोधनाच्या अभ्यासाचे महत्त्व

संबंधित साहित्याचा व पूर्व संशोधनाचा अभ्यास केल्याने पुढील फायदे होतात.

1. संशोधनाची अनावश्यक पुनरावृत्ती टाळता येते.
2. संशोधनाची कार्यपद्धती समजते.

3. संशोधकाला त्याने निवडलेल्या संशोधन क्षेत्रात आजपर्यंत झालेल्या संशोधनाची माहिती मिळते.
4. संशोधन समस्येची निवड करण्यात उपयोगी आहे.
5. संशोधनाची उद्दिष्टे, मर्यादा, व्यासी, जनसंख्या, न्यादर्श ठरविणे सोपे जाते.
6. संशोधनाचा आराखडा तयार करण्यासाठी उपयुक्त आहे.
7. संशोधकास आपल्या संशोधनाची गृहीतके, परिकल्पना करण्यास मदत होते.
8. संशोधकास आपल्या संशोधनासाठी उपयुक्त असलेल्या साधनांचा व संख्याशास्त्रीय साधनांचा उपयोग समजतो.
9. संख्याशास्त्रीय पृष्ठतींच्या विशदीकरणात उपयोगी तसेच निष्कर्ष काढण्यास उपयोगी आहे.

थोडक्यात, संबंधित साहित्य व पूर्व संशोधनाचा अभ्यास हा नूतन संशोधनास योग्य मार्ग दाखवितो. यापूर्वी आपण निवडलेल्या विषयाच्या संदर्भात किती संशोधकांनी कोणते कार्य केले याचा अभ्यास पूर्व संशोधनाच्या आढाव्यात केला जातो. समस्या निश्चित झाल्यावर त्या समस्येवर किंवा त्या समस्येशी निगडित काही संशोधने झाली आहेत का? जर निवडलेल्या समस्येशी संबंधित संशोधने झाली असतील तर त्या संशोधनात नेमक्या कोणत्या गोष्टींवर भर दिला आहे. संशोधनातील चले कोणती? संशोधनाची उद्दिष्टे कोणती? संशोधनात परिकल्पना कशा लिहिल्या आहेत. माहिती संकलनासाठी नेमकी कोणती साधने वापरली. सांख्यिकीय विश्लेषणासाठी कोणती तंत्रे वापरली. याची सविस्तर माहिती पूर्व संशोधनाच्या अभ्यासातून प्राप्त होते.

प्रस्तुत संशोधनाला योग्य दिशा देण्याकरिता आतापर्यंत झालेले संशोधन तेवढेच महत्त्वाचे आहे, कारण संशोधकाला प्रत्यक्ष कार्य करताना कोणत्या अडचणी येऊ शकतात याचा अंदाज बांधता येतो. पूर्व संशोधनाचा अभ्यास केल्याने आपल्या संशोधनाची दिशा निश्चित होते. या गोष्टी पूर्व संशोधनातून साध्य होत असल्यामुळे संशोधकाने खालील काही निवडक संशोधनाचे अवलोकन केलेले आहे. तसेच काही निवडक संबंधित साहित्याचे अवलोकन केलेले आहे.

सारणी क्रमांक 2.1 संबंधित साहित्य संख्या दर्शवणारी सारणी

| अ. क्र. | तपशील | संख्या |
|-------------|----------------------------|-----------|
| 1 | पुस्तके | 5 |
| 2 | नियतकालिके | लेख |
| | | शोधनिबंध |
| 3 | पीएच.डी. स्तरावरील संशोधने | 14 |
| एकूण | | 43 |

2.3 पुस्तके

- शैली (style) हे नाम असून त्याचा लेखनशैली, ठेवण, ढब, धाटणी, नाव देणे, शैली असा अर्थ होतो. शैली म्हणजे एखादे कार्य करण्याचे खास मार्ग किंवा एखादी कृती करण्याची सातत्याने दिसणारी पद्धती होय. शैलीचा संदर्भ अनेकदा व्यक्ती भिन्नतेशी जोडला जातो. इतरांपासून वेगळेपण असा त्यातून अर्थ सूचित होतो. प्रत्येक शैली हा वस्तुःत अनेक गुणवैशिष्ट्यांचा समुच्चय असतो. त्यामुळे एकाच उद्दिष्टासाठी केल्या जाणाऱ्या कृतीमध्ये व्यक्तीपरत्वे भिन्न शैली येऊ शकतात. मूलत: शैली हा शब्द साहित्यशास्त्र, समीक्षाशास्त्र, संगीत, कला, चित्रकला, नृत्यकला यांच्या संदर्भाने प्रामुख्याने वापरला जात असे. राजपुताना, कांग्रा यासारख्या चित्रशैली आणि शास्त्रीय गायनातील विविध घराणी ही शैलीचीच उदाहरणे होत.¹
- मुलांच्या व्यक्तिमत्त्वात असणारी गुंतागुंत, बंध समजून घेतले तर शिक्षकांना आपल्या अध्यापनाची पद्धती ठरवता येईल. यासाठी शिक्षकांना व्यक्तिमत्त्वाच्या विविध विचारधारा आणि त्यांचे विश्लेषण, व्यक्तिगत cognitive आणि अध्ययनाच्या शैली यांचा अंदाज बांधण्यासाठी नवीन तंत्रज्ञान आत्मसात करण्याची गरज आहे. वर्गात शिकवताना याची अंमलबजावणी/कार्यवाही कशी करायची? शिक्षकांना मानसशास्त्रातली ही नवीन तंत्रे माहीत नसतात आणि तंत्रे माहीत असलेल्यांना प्रत्यक्ष वर्गात शिकवायची वेळ येत नाही. हे वर्गात शिकवणेही वेगवेगळ्या पातळीवरचे असते ही वेगळी गोष्ट. शिकवण्याची पद्धत/सिद्धांत शिकवण्याच्या पद्धतीत परावर्तित करणे ही खूप कठीण गोष्ट आहे. ही गोष्ट कोणत्या पद्धतीने घडली पाहिजे याचा विचार 1997 मध्ये किनॉन आणि स्कार्फ सेटफर यांनी मांडला. यात मुख्यत: शिक्षकांना काय माहीत असण्याची गरज आहे

आणि त्यांनी काय केले पाहिजे हाही विचार होता. शिकणारा हा नेहमी त्याच्या त्याच्या शिकण्याच्या पद्धती शोधून काढून शिकतो. शिकवणारा शिक्षक एक असतो. त्याची शिकवण्याची पद्धत एक असते. वर्गरचनेत शिकणारे अनेक असतात नि जो तो आपापल्या पद्धतीने शिकत असतो. त्यामुळे परिणामही वेगवेगळे दिसतात. म्हणूनच आपण एखाद्याची शिकण्याची पद्धत समजून म्हणजे एखाद्याचे शक्तिस्थान/ताकद/बलस्थान आपण समजून घेणे आवश्यक आहे तसेच शिकण्याच्या अनुभवातील कमकुवतपणा/अशक्तपणा/अपुरेपणा समजून घ्यायच्या असतात. मुलांमधल्या उणिवा/कमकुवतपणा आपल्याला मार्गदर्शन करतील. एका क्षेत्रात मुलगा/मुलगी कमकुवत असले म्हणजे सर्वच क्षेत्रात असतात असे नाही. कोणत्या क्षेत्रात मुलांचे नैपुण्य/कुशलता आहे हे आपल्याला समजेल. कोणत्या क्षेत्रात मुलांमध्ये शक्ती आहे हे आपल्याला त्याचे पुढील आयुष्य ठरवण्यास मदत करेल.²

➤ अध्ययन प्रक्रिया ही विद्यार्थ्यांना विचारप्रवण व कृतिप्रवण बनवणारी व ज्ञानरचनावादी असणे आवश्यक आहे. अध्ययन प्रक्रियेद्वारे बदलती आव्हाने स्वीकारण्यास सक्षम असा उद्याचा नागरिक घडवणे ही जबाबदारी शिक्षण व्यवस्थेने पेलणे आवश्यक आहे. शैक्षणिक गुणवत्ता वाढवण्याच्या दृष्टीने विद्यार्थ्यांच्या सर्जनशीलतेला वाव देणारी कल्पनाशक्ती जोपासणारी, मुक्तपणे अभिव्यक्ती स्वातंत्र्य देणारी, नावीन्याची कास धरणारी अध्ययन प्रक्रिया जोपासण्याचे आव्हान स्वीकारावे लागणार आहे. अध्ययन प्रक्रियेत केवळ माहिती संक्रमण न घडता, मिळालेल्या माहितीचा वापर करून समजपूर्वक पुनर्मार्डणी करण्यास विद्यार्थ्यांना उद्युक्त करणे आवश्यक आहे. शिक्षकाची भूमिका केवळ माहिती पुरवणारा अशी न ठेवता अध्ययनास प्रेरक, मार्गदर्शक, दिशादर्शक, कृती घडवून आणणारा योजक अशी बनवणे आवश्यक आहे. बहुवर्ग आणि बहुस्तर अध्ययनाला पूरक अशी वर्गरचना असावी. प्रत्येक विद्यार्थ्यांच्या अध्ययन शैलीला आणि गतीला वाव मिळेल अशी वर्गातील आंतरक्रिया असावी. त्यामुळे प्रत्येक विद्यार्थ्याला यशाची समान संधी मिळू शकेल.³

➤ चांगल्या शिक्षकाला आपले विद्यार्थी वेगवेगळ्या पद्धतीने शिकतात याची जाणीव असते. उदाहरणार्थ, काही विद्यार्थ्यांना प्रत्यक्ष अनुभव किंवा कृतीतून शिकायला आवडते तर काही

विद्यार्थ्यांना वादविवादात भाग घ्यायला आवडते तर काही विद्यार्थ्यांना शांतपणे विचार करायला आवडते. विद्यार्थ्यांमधील या फरकाचा विचार करून शिक्षकाला अध्यापनासाठी विविध कार्यनीती, स्वाध्याय प्रकार आणि अध्ययन कृतीचे नियोजन करावे लागते. छोट्या गटात किंवा वैयक्तिक कार्य करण्यासाठी शाब्दिक किंवा लिखित स्वाध्याय देता येतात. वर्गात आशयाची मांडणी व्याख्यान, चर्चा, प्रयोग, टृक-श्राव्य फीत, वाचन अशा विविध पद्धतींनी करता येते. अशा विविध पद्धतींनी शिक्षकाने अध्यापन कार्य केल्यास विविध अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांना चेतना देण्यासाठी वातावरण उपलब्ध होते, त्यातूनच त्यांचे चांगले अध्ययन होते. विद्यार्थी सुरुवातीस इंद्रियांच्या साहऱ्याने नवनवीन ज्ञान घेतो. त्यासाठी तो वेगवेगळ्या ज्ञानेंद्रियांचा वापर करतो.⁴

➤ This is about teaching maths to pupils with learning differences, not learning difficulties. Teaching and learning in our schools is, and always has been, print based. Literacy is all. Other ways of thinking – Visual, Kinesthetic, practical – are discounted in the classroom. To become teachers, students must jump long series of hurdles, formal and informal, at school, at college and at university. These hurdles consist of print – based activities and assessments that demand a high level of linguistic and symbolic thought but take little account of other ways of thinking and learning. As a result, teachers are rarely selected for their visual or kinesthetic abilities as these have little impact on their academic achievement. It is their verbal and numerical skills that have opened the doors to success, not their spatial skills. This may make it difficult for teachers to recognize spatial ability in their pupils, so real strengths and aptitude are neglected as pupils are forced to struggle with a curriculum which is largely presented through printed materials that they find hard to succeed.⁵

2.4 नियतकालिके

2.4.1 लेख

➤ 1986 च्या राष्ट्रीय शिक्षण धोरणात विज्ञान अध्ययन अध्यापनाबाबत असे म्हटले आहे की प्रत्येक विद्यार्थी वेगळ्या मार्गाने शिकतो आणि प्रत्येक विद्यार्थ्याला शिकण्याचा हक्क आहे त्यामुळे त्याच्या मूलभूत हक्काचे रक्षण होईल अशा पद्धतीने विज्ञानाच्या अध्ययन अध्यापनाचे नियोजन करावयास हवे. हाच नियम प्रत्येक शालेय विषयाला लागू केल्यास प्रत्येक विद्यार्थ्याला त्याच्या

वेगळ्या मार्गाने शिकण्यासाठी मदत करायला हवी. प्रत्येक बालक हे वेगळ्या पद्धतीने शिकते म्हणून आपण प्रत्येक बालकाला वेगळ्या पद्धतीने शिकवू म्हटले तर प्रत्यक्षात ते केवळ अशक्य आहे हे आपणा सर्वांनाच ठाऊक आहे. मात्र मुले कोणकोणत्या पद्धतीने शिकतात, त्यांच्या अध्ययन शैली कोणत्या याची माहिती करून घेतली, त्यासाठी कशाप्रकारे अध्यापन करावे हे जाणून घेतले आणि त्यानुसार अध्यापन केले तर समावेशक शिक्षणातील अगदी वेगळे काही थोडे विद्यार्थी वगळता अन्य सर्व विद्यार्थ्यांना न्याय मिळेल असे वाटते. अध्ययन शैली ठरवताना मुलाला एखाद्या बाबीचे संवेदन कसे होते, ते बाबीमध्ये कसे गुंतून राहते, प्रतिसाद कसा देते, त्याची माहिती प्रक्रियाकरणाची पद्धती कशी आहे आणि ते आपल्या परिसरातील बाबींना कशा प्रतिक्रिया देते याचा विचार केला जातो त्यामुळे शैलीनुसार अध्यापन करताना अध्ययन चांगले होण्याची आवश्यकता असते. शक्यता हा शब्द यासाठी की अध्ययन होण्यासाठी विद्यार्थ्यांचे प्रयत्न इतर सर्व गोष्टींच्या जोडीला असावेच लागतात. बेलच्या मते विद्यार्थी त्यांच्या पसंतीच्या शैलीनुसार शिकतात त्यांचे निकाल चांगले असतात, ते अध्ययन साहित्यामध्ये रुची दाखवतात, शिकण्यात आनंद घेतात आणि तशाच पद्धतीने अधिक काही शिकण्यास तयार असतात. ग्रेगोरी जी.एच यांच्या मते अध्ययन शैली हे एक असे भिंग आहे जे विविध गरजा असलेल्या मुलांना अध्ययन सोपे जावे म्हणून त्यांना आवडेल अशा पद्धतीने अध्ययनात गुंतवून ठेवण्यासाठी अध्यापक वापरु शकेल. यावरुन विद्यार्थ्यांना अध्ययन शैलीनुसार शिकण्याचे महत्त्व लक्षात येते. तसेच अध्ययन शैलीनुसार अध्यापन करायला हवे असे म्हणण्यामागे आणखीही एक कारण आहे ते म्हणजे अध्ययन अक्षमता, मानसिक दुर्बलता, शारीरिक अपंगत्व असलेल्या, प्रतिभावंत आणि इतरही अनेक प्रकारच्या विशेष विद्यार्थ्यांना त्यांच्या गरजेनुसार शिकवणे जर आपण आवश्यक मानतो तर मग विविध अध्ययन शैली असलेल्या विद्यार्थ्यांना अध्यापन का करायला नको. वर्गामध्ये विविध अध्ययन शैली असणारे विद्यार्थी असतात आणि त्यांना अध्ययन शैलीनुसार वर्गअध्यापनाची आवश्यकता असते हे एकदा पटल्यानंतरचे पुढचे पाऊल म्हणजे अध्ययन शैली या शब्दाचा अर्थ लक्षात घेणे होय. ‘अध्ययन शैली’ हा शब्द ‘अध्ययन’ व ‘शैली’ या दोन शब्दांपासून बनलेला आहे. अध्ययन शैलीसाठी ‘learning style’ हा इंग्रजी प्रतिशब्द वापरला जातो. ‘अध्ययन’ म्हणजे ज्ञान मिळणे, त्याचा अर्थ

समजणे त्या ज्ञानाचा वापर नवीन परिस्थितीत, कुशलतेने करता येते, विशिष्ट पद्धतीने करता येणे आणि मूल्यप्रणाली विकसित होणे होय. ‘शैली’ म्हणजे एखाद्या व्यक्तीची विशिष्ट प्रकाराने सातत्याने प्रतिसाद देण्याची पद्धती होय. यावरुन असे म्हणता येईल की अध्ययन करत असताना एखाद्या अध्ययनसंबंधी चेतकाप्रती विद्यार्थ्याची विशिष्ट प्रकाराने सातत्याने प्रतिसाद देण्याची पद्धती म्हणजे अध्ययन शैली होय. थोडक्यात अध्ययन शैली म्हणजे परिस्थितीप्रती किंवा अध्ययन पद्धतीप्रती विद्यार्थ्यांनी दर्शविलेली पसंती होय असेही म्हणता येईल किंवा अध्ययनशैली म्हणजे अभ्यासातून किंवा अनुभवातून ज्ञान, कौशल्ये आत्मसात करण्याची व त्याचा वापर करण्याची विशिष्ट सवय असेही म्हणता येईल.⁶

- In this article classification made by analyzing the variables used by different authors in defining learning styles.

| Person | Year | Description |
|---------------|-------------|---|
| Keefe | 1979 | Learning styles are cognitive, affective and psychological characteristics that learners use as constant determinants to some extent in their perception, interaction and reaction styles |
| Dunn and Dunn | 1993 | Learning style is a way of getting and processing the knowledge starting with the learners' dealing with new and difficult information |
| Dunn and Dunn | 1978 | Learning style is comprised of eighteen elements which are designed according to four basic stimuli having relations with the person's adequacy in assimilating and acquiring a subject. The coherence and variation of these components show that few people learn in the same way |
| Keefe | 1987 | Learning style is all of the cognitive, affective and psychological characteristics which reflect the individual's perceptions on his/her environment |
| Reinert | 1976 | The learning style of an individual is the style s/he aims at learning actively, it is the style which the individual uses and develops ways to take in, retain the new Information, put it for later use. |

| | | |
|--------------------------|------|--|
| Entwistle | 1981 | Learning style is the tendency to absorb a special Strategy. |
| Kolb | 1984 | Learning styles are measured by a self-announced scale, known as LSI and LSI. Differences in learning ways are based on the four kinds of learning processes in relation to each other. |
| Schmeck | 1983 | Learning style is a student's own tendency to absorb a special learning strategy independent from the environment. |
| Della-Dora and Blanchard | 1979 | Learning style is a personal and preferred way in and assimilating the knowledge and the experience in the Learning situation independent from the context. |
| Jonassen and Grabowski | 1993 | Learning styles consist of the learner's preferences in different educational and instructional activities. These are the general tendencies which are preferred in Processing data in different ways. |
| Legendre | 1998 | Learning style is the person's style in learning, solving a problem, thinking and the style s/he likes reacting in Within an educational situation. |
| Felder and Silverman | 1988 | Learning style is the characteristic difficulties and Silverman preferences in the process of an individual's acquiring knowledge, holding and processing it. |

According to Kaplan and Kies the learning style is an inborn characteristic which does not easily change during the lifetime, but can change and be developed during the life of the individual through the experiences.⁷

➤ A number of learning style theories exist. Learning style theorists have identified specific characteristics of learning and have organized these characteristics into specific classifications of learners. Sarasin's synthesis of these theories is designed to provide an approach that can be easily translated into strategies in a college or university classroom setting.

| Theorist | Characteristics of Learners | | |
|----------------|-----------------------------|-----------------|---------------------|
| Sarasin | Auditory | Visual | Tactile/Kinesthetic |
| Gregorc/Butler | Abstract/ Sequential | Random/Concrete | Concrete |

| | | | |
|-----------------------|-------------------------|-------------|----------------------|
| Sims & Sims | Cognitive | Perceptual | Behavioral/Affective |
| McCarthy | Analytic | Imaginative | Dynamic |
| Harb, Durrant & Terry | Abstract/ Reflective | Concrete | Active/Concrete |

According to Sarasin, teaching cannot be successful without knowledge of learning styles and a commitment to matching them with teaching styles and strategies.⁸

➤ Learning Style – “a distinctive and habitual manner of acquiring knowledge, skills or attitudes through study or experience; an individual learner’s style tends to be more stable across different learning tasks and contexts.” In this report author point out many issues that plague research into learning styles: 1. The endlessly expanding body of theoretical and empirical research on learning style 2. Learning style researchers from diverse fields of psychology, sociology, business studies, management and education; they value and interpret their research in different ways and from different perspectives. 3. No direct or easy comparability between approaches and no agreed core technical vocabulary. 4. The increasing number of learning style models of variable quality. 5. A lack of dialogue between the leading proponents of individual models. 6. The overblown claims of same learning style developers. 7. The commercial industry that has grown around particular models has inhibited independent critical analysis of these models.⁹

➤ Learning Styles define the ways how people learn and how they approach information. It is interesting to note that sometimes we feel like we can’t learn something important even if we use the same method, which has been suggested by our parents, colleagues or teachers. But we may learn and process information in our own special way, though we all share some leaning patterns, preferences or approaches. Thus we may have different learning styles. Knowing our learning styles can help us realize that other people may approach the same situation in a way that’s different from our own. Learning Style is thus various approaches or ways of learning on which the education researchers are working for decades. Learning Styles involve educating methods particular to an individual that are presumed to allow that individual to learn best. The idea of individualized “learning styles” originated in the 1970s and acquired enormous popularity. Proponents say that teachers should asses the learning styles of their students

and adapt their classroom method to best fit each student's learning styles which is called the "meshing hypothesis" Meshing hypothesis means a student learns better if taught in a method deemed appropriate for him. Though there are a lot of controversies regarding this "meshing hypothesis", this does not mean that individuals don't have learning styles or preferences or not have impact on the teaching –learning process. Models of Learning Styles Researchers have developed different models of learning styles. Some of them are: 1. David Kolb's Model, 2. Honey and Mum Ford's Model. 3. Anthony Gregory's Model, 4. Sudbury Model of Democratic Education. 5. Fleming's VAK/VARK Model (neuro-linguistic programming, visual, auditory and kinesthetic learners), 6. Chris. J. Jackson's, (neuropsychological hybrid model of learning in personality) 7. R.M Felder and R. Bronte's Model.¹⁰

➤ Students learn in many ways – by seeing and hearing: reflecting and acting; reasoning logically and intuitively; memorizing and visualizing. Teaching methods also vary. Some instructors lecture, others demonstrate or discuss; some focus on rules and others on examples; some emphasize memory and others understanding. How much a given student learns in class is governed in part by that student's native ability and prior preparation but also by the compatibility of his or her characteristic approach to learning and the instructor's characteristic approach to teaching. The ways in which an individual characteristically acquires, retains and retrieves information are collectively termed the individual's leaning style. Learning styles have been extensively discussed in the educational psychology literature and over 30 learning style assessment instrument have developed in the past three decades. Serious mismatches may occur between the learning styles of students in a class and teaching style of the instructor with unfortunate potential consequence. The student tends to be bored and inattentive in class, do poorly on tests, get discouraged about the course, and may conclude that they are no good at the subject of the course give up Instructors confronted by low test grade, unresponsive or hostile classes, poor attendance, and dropouts may become overly critical of their students (making things even worse) or begin to question their own competence as teachers.¹¹

➤ Today's teachers know that the ways in which students learn vary greatly. Individual students have particular strengths and weakness which can be built upon and enhanced through effective instruction. Project- based learning with technology is a powerful way to use student's strengths to help them become better thinkers and more independent learners. Project tasks that allow students to use their individual learning styles are not a direct path to higher –order thinking, however. It is possible to create product that reflect shallow and superficial though. Nevertheless, the motivating factors associated with choice when individual learning styles are addressed in projects, suggest that teaching thinking skills in the context of individual learning styles increases the likelihood that students will learn them. The use of technology in project also provides opportunities for students to make choices about how they learn, allowing them to take advantage of the strengths of their learning styles. Using software and hardware to create videos, slideshows, publications, and musical compositions can help students learn thinking skills and subject matter content in ways that acknowledge their talents and interests. The simplest and most common way of identifying different learning styles is based on the senses. Commonly called the VAK model, this framework describes learners as visual, auditory, or kinesthetic. Visual learners most effectively process visual information; auditory learners understand best through hearing; and kinesthetic/tactile learners learn through touch and movement. A study conducted by Specific Diagnostic Studies found that 29 percent of all students in elementary and secondary schools are visual learners, 34 percent learn through auditory means and 37 percent learn best through kinesthetic/tactile modes.

VAK Learning Styles

| | |
|-------------|---|
| Visual | Pictures, videos, graphics, diagrams, charts, models |
| Auditory | Lecture, recording, storytelling, music, verbalization, questioning |
| Kinesthetic | Acting, role-play, clay, modeling |

Many online inventories and questionnaires are available to help people determine their preferred learning style. Although most are not scientifically reliable, they provide insight into learning preferences. Teachers must exercise caution, however, in relying on student's self-assessment of their learning styles. Researchers Barbe, Milone, and Swassing argue that learner's preferences are not necessarily the area in which they are

strongest. In addition, all learning styles are not necessarily appropriate for all content. While it may be possible to learn something about driving a car by watching or hearing someone discuss it, few of us would want to be on the road with people who haven't had considerable hands-on learning experiences in an automobile. Choosing teaching methods based on sensory learning styles requires deep subject matter knowledge and good teacher judgment.¹²

➤ The eyes of the trainee show learning style. Visual learners access information by looking up, either right or left, or keep their eyes unfocused and straight ahead, explains Genie Z. Laborde, in her book Influencing with Integrity. Auditory learners style looks directly right or left, or down left. Kinesthetic learners look down and to the right. Laborde has identified another category: cerebral. These people can be visual, auditory or kinesthetic in how they prefer to receive sensory input, but they differ in that they prefer to name their raw perceptions and then respond to those perceptions. These learning preferences influence communication style, which provides another method of determining the individual's preference. For example, people who are visual tend to reveal themselves by using expressions like, "I see," or "I get the picture." Auditory learners may say "I hear you," or "That doesn't ring a bell." Kinesthetic learners talk about "getting a grasp" on things, or "feeling" one way or another.¹³

➤ Learning Styles Explained: Too many theories about unique learning styles exist to summarize here, but they almost always share the same core principle: Individuals respond to and use different types of information and approaches when engaged in learning. The most common terms that describe these language styles, along with their underlying assumptions and characteristics, are: Auditory (linguistic). Spoken language is a preferred way of absorbing and responding to information. Visual (spatial). The individual needs visual information, such as printed words, maps, charts, and environmental cues, for ease of learning. Kinesthetic. Engaging in hands-on activity and getting feedback from physical sensations are important and helpful in facilitating learning and demonstrating skills mastery.¹⁴

2.4.2 शोध निबंध

➤ **Researcher:** Cherry, C. E.

Title: The measurement of adult learning styles: perceptual modality (1981).

Objectives: (1) This study focused on the measurement of individual perception learning styles. The seven styles under investigation were originally conceptualized by Dr. Russell L. French in 1975; six of those styles were first measured by Dr. Daryl V. Gilley in the same year. The seven measured styles were: print, aural, interactive, visual, haptic, kinesthetic, and olfactory.

Methodology: Descriptive survey.

Tools: Multi-Modal Paired Associates Learning Test (MMPALT) and Perceptual Modality Preference Survey (PMPS)

Conclusions: (1) The seven perceptual styles conceptualized by French did exist as perceptual learning styles in this adult population. (2) There were measurable variations in perceptual learning styles of individual adult learners in this study. (3) Overall, the most dominant perceptual style found empirically in these adults was the visual; the second most dominant style was the haptic. (4) Patterns found in these adult subjects were comparable to those found by Gilley in third grade children; however; variations apparently influenced by differences in age, experience, maturity, and education did appear. (5) Correlations between self-report data and empirical test data increased with subjects' years of formal education and knowledge of learning styles concepts.¹⁵

➤ **Researcher:** Harden, L.

Title: A correlation study of learning style and standard achievement levels of adult vocational students in an area technical center (1992).

Objectives: The purposes of this study were to explore the correlation between subtests of two learning style instruments being used to assess learning styles of adult vocational students and to estimate the correlations between these learning styles and achievement levels

Methodology: Correlation survey.

Tools: (1) Multi-Modal Paired Associates Learning Test-Revised (MMPALT II) (2) Center for Innovative Teaching Experiences (CITE) Learning Styles Inventory (3) The Tests of Adult Basic Education (TABE).

Conclusions: (1) The major implication was that the use of the CITE learning style instrument, which is now being administered in the System for Applied Individualized Learning (SAIL) lab at Ridge Technical Center should be discontinued since no positive correlations were found with this instrument. (2) Another implication was that students who possess high basic skill levels assessed by the TABE will most likely receive notable scores in one or more of the MMPALT II learning style subtests. Even though a few of the MMPALT II subtests are difficult and inconvenient to administer, knowledge of a student's predominant learning style may be acquired by administering only the print, visual, and aural subtests of the MMPALT II which are group administered.¹⁶

➤ **Researcher:** Hemalatha G.

Title: Learning style and their influence on academic achievement (2013).

Objectives: (1) To present the frequency distribution of the various levels of learning styles. (2) To find out the learning style of college students with respect to course and gender. (3) To find out the academic achievement of college students. (4) To find out the academic achievements of college students with reference to course and gender. (5) To find out the relationship between learning style and academic achievement.

Methodology: Descriptive Survey.

Tools: Learning style inventory constructed and validated by Venkataraman (1999).

Conclusions: (1) It is quite natural that the chemistry student adopt analytical and commonsense learning style. (2) By selecting suitable teaching strategy for the learners, the teachers can help the students to enhance their overall academic proficiency. (3) Better performance in both theory and practical by applying suitable learning style may improve their professional efficiency. (4) The undergraduate students may be encouraged, motivated to read chemistry and to do the practical willingly and systematically to achieve academically better results.¹⁷

➤ **Researcher:** Oluwatomi M. A. & Angela C. O.

Title: A comparative study of chemistry students' learning styles preferences in selected public and private schools in Lagos Metropolis (2014).

Objectives: (1) To find out whether, will there be any significant relationship between the learning style preferences of students in public schools and their performance in chemistry achievement test (CAT)? (2) Will there be any significant relationship between learning style preferences of students in private schools and their performance in chemistry achievement test? (3) Will learning style preferences of students significantly differ between public and private schools? (4) Will there be any significant gender difference in students" learning style preferences between the two school types?

Methodology: Descriptive Survey.

Tools: Research instruments used for this study are chemistry achievement test (CAT); Neil Flemming"s VAK learning style Test (VLST).

Conclusions: (1) Learning style preferences chosen by the students whether in the private or public school went a long way to determine their performances in chemistry achievement test. (2) Learning styles, school environment and test anxiety jointly predicted learning outcome of students in Iseyin Local Government Area of Osun State, Nigeria. The results showed that there is significant difference in the learning style preferences between the two school types. (3) Majority of the students in public school preferred the visual learning style to auditory and kinaesthetic. (4) Majority of the female students preferred visual learning to auditory and kinaesthetic styles of learning.¹⁸

➤ **Researcher:** Sara, S.S.

Title: The effects of learning styles on career preferences of senior secondary school students in jigawa state Nigeria (2010).

Objectives: (1) Determine if there is any relationship between learning styles and career preference (2) Determine if there is any gender difference in learning style (3) Determine whether there is gender difference in career preference.

Methodology: Descriptive Survey.

Tools: Kazembe Sorting Test (KST) to test learning styles and Vocational Interest Inventory (VII) to test career preference.

Conclusions: (1) There is significant difference in career preference between field dependent and field independent students in Jigawa State senior secondary schools. (2) There is difference among male and female subjects were found. Males are more of field independent while females are more of field dependents. (3) The findings revealed that significant difference in career preference do exist between male and female students of Jigawa State senior secondary schools. As male students are more of field independents therefore prefer scientific careers, the females are more of field dependents preferring mostly artistic careers.¹⁹

➤ **Researcher:** Yount, J.

Title: Measuring and comparing cognitive learning styles by academic discipline, class, and gender (1988).

Objectives: To measure and compare cognitive learning styles by academic discipline, class, and gender.

Methodology: Descriptive survey.

Tools: Multi-Modal Paired Associates Learning Test (MMPALT)

Conclusions: (1) Male and female students in higher education, as groups, have the same perceptual learning strengths and weaknesses. (2) Academic maturity does not have an effect on perceptual learning strengths and weaknesses. (3) Perceptual learning styles are very personalized and vary greatly for each individual. (4) Five perceptual learning styles, print, aural, visual, kinesthetic, and interactive, are equally effective for group instruction. (5) Students in all academic disciplines, as groups, have the same perceptual learning strengths and weaknesses.²⁰

➤ **Researcher:** Verma, B. P. and Sharma, J. P.

Title: A study of Academic Achievement in Relation to Learning Styles of Adolescents. (1987).

Objectives: (1) To compare academic achievement of adolescent students possessing independent and dependent learning styles in respect of Hindi, English, Math's, General Science, Social Studies and total area of study. (2) To ascertain the effects of competitive and collaborative learning styles on academic achievement of adolescent students in Hindi, English, Maths, General Science, Social Studies and total area of study. (3) To

analyze the effects of avoidant and participate learning styles on academic achievement of adolescent students in Hindi English, Maths, General Science Social Studies and total area of study.

Methodology: Descriptive survey.

Tools: Learning Styles Questionnaire: Gresha Anthony and Sheryl Riechmann

Conclusions: (1) The group of dependent learning style's students is significantly better than the group of independent learning style's students so far achievement in Social Studies is concerned. (2) There is no significant difference between mean scores of achievement in Hindi, English, Math's, General Science, Social Studies and total area of study in respect of competitive and collaborative learning style group. (3) Participant learning style group appears to be superior to avoidant learning style group with regard to achievement in various school subjects such as Hindi, English, Maths, General Science, Social Studies and in total area of study.²¹

➤ **Researcher:** Verma, B. P. and Tiku, Asha.

Title: Effects of Socio-economic status and General Intelligence on Learning Styles of High School Students. (1990).

Objectives: (1) To study the effect of socio-economic status on independent, dependent, participant, avoidance, collaborative and competitive learning style of high school students. (2) To ascertain the effect of intelligence on independent, dependent, participant, avoidance, collaborative and competitive learning style of high school students. (3) To analyze the interaction effect of socioeconomic status and intelligence on the learning styles of high school students.

Methodology: Descriptive survey.

Tools: Student Learning Style Questionnaire.

Conclusions: (1) The results indicate that avoidance learning style is not influenced by change in the socio economic status of the subjects. But variation in intelligence definitely affects the avoidance learning style. The calculated means of the learning style for high and low intelligence group tell us that low intelligent students prefer avoidance learning style significantly more than high intelligent students. The competitive learning style of high school students is not affected at all by their socio-economic status, intelligence and both in joint form. (2) The study pertaining to the main effect of general

intelligence on learning styles revealed no significant difference between high and low intelligence students on independent, dependent, participant, collaborative and competitive learning styles. Only in case of avoidance learning style did significant difference emerge due to variation in intelligence level. The interaction effect of socio-economic status and intelligence was not significant on any of the learning style of high school students.²²

➤ **Researcher:** Stutsky, B.J. and Laschinger, H.K.S.

Title: The changes in students learning styles and adaptive learning competencies following a senior preceptorship experience. (1994).

The Research Hypotheses were : (1) Fourth year baccalaureate nursing students have pre-dominantly concrete style of learning (2) Students will rate their own concrete adaptive competencies higher after completion of the preceptorship experience (3) Students will rate the importance of concrete adoptive competencies in the work situation higher after completion of the preceptorship experience (4) The preceptorship experience will have contributed more to the students' development of adaptive competences than previous clinical experience in their nursing programme.

Methodology: An exploratory pre-post comparison design was used for this study.

Tools: The Kolb learning style inventory was used to measure learning style.

Conclusions: (1) Fourth year baccalaureate nursing students have predominantly concrete learning style (2) As predicted in the second hypotheses, students rated their own concrete adaptive competences higher after completion of the preceptorship experience. Student's rated their own skill level on all subscales (divergent, convergent, accommodative and assimilative) significantly higher after completing the preceptorship experience (3) Contrary to predictions, students did not rate the importance of concrete adaptive competencies in the work situation higher after completion of the preceptorship experience (4) There was no significant difference between pre-post test EPQ scores, for the convergent press score.²³

➤ **Researcher:** Kumar, P. and Sudheesh, K.

Title: The effect of learning style on achievement in secondary school biology. (1997).

Objectives: (1) To construct and standardize a multidimensional learning style inventory.
(2) To assess the effect of learning style on achievement in biology.

Methodology: Descriptive survey.

Tools: Learning Style Inventory by Kumar.

Conclusions: (1) It was found the learning style had significant main effect on achievement in biology of secondary school students (Total girls rural and urban samples). (2) But in the case of the sub sample boys, no significant main effect of learning style on achievement in biology was found.²⁴

➤ **Researcher:** Sreevinda, Nair. N.

Title: Analysis of the effectiveness of self-questioning on the academic achievement of students having varied learning styles. (2016).

Objectives: (1) To identify the learning styles based on the secondary modalities of students for the study. (2) To identify the effectiveness of self-questioning on Visual students. (3) To identify the effectiveness of self-questioning on Auditory students. (4) To identify the effectiveness of self-questioning on Kinesthetic students.

Methodology: Mixed method of research.

Tools: Learning Style Inventory by researcher.

Conclusions: (1) The study reveals that this type of classroom practice will enable the students to recall the content in a well worthy manner and the power of retention will be increased. (2) It supports the rationale behind the positive impact strategy instruction on the academic achievement of students and this highly participative and interactive instructional methodology allows the learner to build a mental state with confidence by utilizing guided practice and timely feedback. (3) The practice on developing quality questions help to build a collaborative work culture among the students towards strengthening and invigorating their efforts to become responsible learners.²⁵

➤ **Researcher:** Verma, B. P.

Title: Learning styles of In-service teachers: A study of disciplinary differences. (1999).

Objectives: (1) The objectives of the study was to find out the differences in learning styles of in-service secondary school teachers when categorized by discipline area taught viz., science/math, language and social studies.

Methodology: Descriptive survey.

Tools: Inventory of Learning Processes (ILP) by Schmeck, Ribich and Ramanath.

Conclusions: (1) It was found that science or maths teachers exhibited higher level of deep processing than social studies teachers but lower level of elaborative processing than language teachers. (2) On fact retention, all the three groups of teachers were found to be alike. (3) Further, science/math teachers and social studies teachers were found to be significantly higher than language teachers on methodical study. Thus, some disciplinary differences were noticed in learning styles of secondary school teachers.²⁶

➤ **Researcher:** Vyas, A.

Title: A study of Learning Style, Mental Ability, Academic performance and other ecological correlates of under graduate Adolescent Girls of Rajasthan. (2006).

Objectives: (1) To compare the academic performance of the students in respect of different learning styles (2) To study the interactive effect of mental ability and learning styles on academic performance of girl's students (3) To study the interactive effect of ecological correlates and learning style on academic performance of girls

Methodology: Descriptive survey.

Tools: Learning Style Inventory by K.K. Rai and K.S.Narual

Conclusions: (1) The environment, emotional, sociological dimension of learning style does not effect significantly the academic performance of girls. (2) The environment dimension of learning style performance does not affect the academic performance whereas mental ability influences the academic performance of students. (3) An ecological factor namely residence and its interaction with environmental has found significant contributing towards the better learning style of academic performance.²⁷

➤ **Researcher:** Farks, R. D.

Title: Effects of traditional versus Learning Styles Instructional methods on middle school students. (2003).

The Research questions: (1) Will there be significantly higher student achievement test gains when Holocaust is taught using the MIP as opposed to when it is taught traditionally? (2) Will there be significantly higher student attitude test score toward instructional method when the Holocaust is taught with MIP as opposed to when it is

taught traditionally? (3) Will there be significantly higher student empathy toward people test scores among students taught the Holocaust with the MIP as opposed to those taught traditionally? (4) Will there be significantly higher student transfer task scores among students taught the Holocaust through the MIP as opposed to those taught traditionally?

Methodology: The experimental research

Tools: Learning style inventory by Dunn.

Conclusions: (1) Learning Styles based approaches to the Holocaust a curriculum of emotionally charged issues result in achievement, attitude, empathy and transfer level significantly greater than those realize with traditional approaches (2)The effectiveness of learning style method for increasing achievement attitudes toward learning and successfully initiate the exploration of the empathy toward people approach and transfer of knowledge using learning style methodology (3) The advantages of learning style instructional resources had a practically and statistically significant influence on seventh-grade student's achievement, attitudes, empathy and transfer of knowledge.²⁸

➤ **Researcher:** Chauhan, R. S.

Title: Learning-style of High School Students in the Context of their Adjustment, Extroversion and Introversion. (2006).

Objectives: (1) To know the various learning style preferences of high school pupils. (2) To compare the learning style preferences of male and female pupils. (3) To analyze the learning style preferences of the urban and rural male/female pupils. (4) To find out the learning style preferences of the pupils of better and poor status of adjustment. (5) To compare the learning style preferences of extrovert and introvert pupils. (6) To investigate the learning style preferences of better and poor adjusted introvert pupils. (7) To compare the learning style preferences of better adjusted extrovert and introvert pupils. (8) To find out the learning style preferences of the poor adjusted extrovert and introvert pupils.

Methodology: Descriptive survey.

Tools: Learning style inventory (LSI)

Conclusions: (1) The urban/rural influenced the degree of preferences for various learning styles. The adjustment status has significant impact on the preference for short attention span vs long-attention span, in case of the urban male, rural male and female

except of urban female pupils. (2) There appeared no positive and significant linkage between the learning style preferences of extrovert pupils with their adjustment status in general. There might be a positive linkage between the introvert pupil's adjustment status and their preferences for learning style but it may not be up to the extroversion or introversion personality type of poor adjusted pupils with their various learning style preferences but it is significant.²⁹

2.5 पीएच.डी. स्तरावरील संशोधने

➤ **Researcher:** Bhagyawant, S. R.

Title: A study of achievement of secondary school students in science in relation to learning styles and attitude towards learning science (2008).

Objectives: (1) To identify learning styles of 9th std. students (2) To find out if there is any gender difference in terms of learning style of the 9th std. students (3) To compare achievement in science of 9th std. students of two opposite learning style (4) To compare the achievement in science of 9th std. boys and girls having same learning style.

Methodology: Descriptive research.

Tools: Kolb's learning style inventory.

Conclusions: (1) Distribution of 9th std. students were found uneven on all four learning style, however, the prominent learning style of the boys was diverging learning style, and the prominent learning style of the girls was assimilating learning style. (2) Gender difference was susceptible only in diverging learning style. (3) In case of opposite learning styles, converging and assimilating learning style were contributory for achievement in science. Converging learning style was a contributory factor for achievement in science of 9th std. students in comparison to diverging learning style. Assimilating learning style was a contributory factor for achievement in science of 9th std. students in comparison to accommodating learning style. (4) In case of girls, diverging learning style promoted achievement in science, but it was not so in case of boys. Except the diverging learning style all remaining three learning styles promoted equally to achievement in science in case of boys & girls.³⁰

➤ **Researcher:** Mehdi, M.S.

Title: Study of the learning styles of students in online learning Environment in Universities of Tehran (2014).

Objectives: (1) To ascertain learning styles of student based on gender when sorted out by synchronous and asynchronous versus regular learning environment in the Universities of Tehran. (2) To compare learning styles of student based on age group when sorted out by synchronous and asynchronous versus regular learning environment in the Universities of Tehran. (3) To find out learning styles of student based on academic level when sorted out by synchronous and asynchronous versus regular learning environment in the Universities of Tehran. (4) To compare learning styles of student based on academic stream when sorted out by synchronous and asynchronous versus regular learning environment in the Universities of Tehran. (5) To compare learning styles of student based on academic performance when sorted out by synchronous and asynchronous versus regular learning environment in the Universities of Tehran.

Methodology: Survey method.

Tools: Kolb's learning style inventory (KLSI V.3.1).

Conclusions: (1) The result showed that female students preferred learning in Diverging style and male student preferred Assimilating style. (2) The age group 18-25 preferred learning in Assimilating style while age groups 26-45 went for Diverging style. (3) Graduate students preferred Assimilating style while postgraduate went for Diverging style. (4) Students of Humanities and Engineering Science preferred Assimilating style while, students of Medical Science preferred Diverging style (5) Students of the first academic performance group (10-13) preferred learning in Assimilating style while, the second (14-17) and the third (18-20) groups opted Diverging style.³¹

➤ **Researcher:** Hassan, koya, M.P.

Title: Influence of learning style approaches to studying and achievement motivation on achievement in biology of secondary school pupils (2002).

Objectives: (1) To study whether there exists significant gender difference in Learning Style (Component wise and Total score) for the Total sample and Sub samples based on Locale and Type of management of school (2) To study the main and interaction effects of Learning Style, Approaches to Studying and Achievement Motivation on Achievement

in Biology (Objective wise and Total score) of Secondary school pupils for the Total sample. (3) To study the main and interaction effects of Learning Style Approaches to Studying and Achievement Motivation on Achievement in Biology (Objective wise and Total score) of Secondary school pupils for Boys. (4) To study the main and interaction effects of Learning Style, Approaches to Studying and Achievement Motivation on Achievement in Biology (Objective wise and Total score) of Secondary school pupils for Girls. (5) To study the main and interaction effects of Learning Style Approaches to Studying and Achievement Motivation on Achievement in Biology (Objective wise and Total score) of Secondary school pupils for Rural sample. (7) To study the main and interaction effects of Learning Style, Approaches to Studying and Achievement Motivation on Achievement in Biology (Objective wise and Total score) of Secondary school pupils for Urban sample. (8) To study the main and interaction effects of Learning Style, Approaches to Studying and Achievement Motivation on Achievement in Biology (Objective wise and Total score) of Secondary school pupils for Government sample. (9) To study the main and interaction effects of Learning Style, Approaches to Studying and Achievement Motivation on Achievement in Biology (Objective wise and Total score) of Secondary school pupils for Private sample. (10) To find out the best predictor of Achievement in Biology from the set of three Independent Variables viz., Learning Style, Approaches to Studying and Achievement Motivation. (11) To study whether there exists significant difference in Learning Style and Approaches to Studying between the High and Low achievers in Secondary School Biology.

Methodology: Descriptive research.

Tools: Learning Style Inventory - LSI.

Conclusions: (1) Gender Difference in Learning Style Regarding the Independent Variable Learning Style, significant gender difference could be observed in the components Emotional Style area (Government sample), Social Style area (Total and Urban samples) and Physical Style area (Total, Rural and Private samples). (2) An attempt was made by the investigator to identify the Learning Style preferences of pupils (Total and all Sub samples). For this the mean and standard deviations obtained for Learning Style (Component wise) were studied. It revealed that the most preferred Learning Style component was Physical Style, which was followed by Emotional Style

and Environmental Style. The least preferred style was found associated with Social Style area. (3) The results of three-way ANOVA show that Learning Style is found to have significant main effect on Achievement in Biology (Objective wise and Total score) in five ANOVA. Main effect is noticed for the samples Rural (Knowledge and Achievement in Biology - Total score), Government (Comprehension) and Private (Comprehension and Achievement in Biology - Total). (4) The result of Three-way ANOVA undertaken for Rural, Government and Private sample, yield significant main effect for Learning style. As a follow-up procedure Post-hoc Comparison was made through Scheffe' test to identify the groups which differ significantly.³²

➤ **Researcher:** Shanmuga, Das, K.K

Title: Interaction effect of learning style approaches to studying and classroom climate on achievement in social sciences of secondary school pupils. (2002).

Objectives: (1) To study whether there exists any sex difference in Learning Style (Component wise and Total score) or not for the Total sample and Subsamples based on Locale and Type of management of school.

Methodology: Descriptive research.

Tools: Learning Style Inventory (LSI - Kumar, et. al., 1996.)

Conclusions: In the Independent Variable, Learning Style significant sex difference could be observed in the components Emotional Style area (Government sample), Social Style area (Total and Urban samples) and Physical Style area (Total, Rural and Private samples). It was further observed that no significant sex difference could be observed in all samples for Emotional Style area, in Total, Rural, Urban and Private samples for Social Style area, in Urban and Government samples for Physical Style area and in all samples for Learning Style.³³

➤ **Researcher:** Zarinabegum, G.

Title: A Study of academic achievement of female student teachers of Karnataka in relation to their learning style, adjustment, intelligence and self-concept. (2012).

Objectives: (1) To find out the Academic Achievement in relation to the learning style of female student-teachers of Karnataka. (2) To find out the learning styles of female student-teachers of Karnataka.

Methodology: Descriptive research.

Tools: A questionnaire was constructed by the investigator.

Conclusions: (1) The female students' teachers belong to Belgaum division have higher learning Style as compared to Female student teachers of other three divisions. (2) The female student teachers of science degree have higher learning Style and Adjustment as compared to female student teachers of arts degree. (3) The female student teachers belong to SC/ST caste have higher learning Style and Adjustment as compared to female student teacher belongs to other than SC/ST caste. (4) The female student teacher belongs to Bangalore division have higher learning style scores as compared to Gulbarga division female student teachers. (5) The female student teacher belongs to Mysore division have higher learning style scores as compared to Gulbarga division female student teachers.³⁴

➤ **Researcher:** Tyagi, Shikha.

Title: Achievement motivation, learning style, parental involvement as correlates of academic achievement of the secondary school students. (2014).

Objectives: (1) To determine the level of secondary school students with respect to learning Styles Enactive, Figural, Verbal, Reproducing & Constructive. (2) To study the significant relationship between secondary school students with respect to Academic Achievement and Learning Styles, Achievement Motivation and Learning Styles and Parental Involvement and Learning Styles. (3) To study the significant difference between Male & Female secondary school students with respect to Learning Style. (4) To study the significant difference between Rural & Urban secondary school students with respect to Learning Style (5) To study the significant difference between Government & Private-Aided secondary school students with respect to Learning Style.

Methodology: Descriptive research.

Tools: Misra. Learning Style Inventory (LIS-MK)

Conclusions: (1) The secondary school students possessed an above average level of Achievement Motivation. (2) Secondary school students hold an above average level of Learning Styles. Verbal and constructive learning styles were the most preferred styles. (3) All the Learning Styles were correlated significantly with Academic Achievement. (4) There existed a positive and significant relationship between Achievement Motivation and Learning Style of secondary school students. (5) There existed a positive and significant relationship between Learning Style and Parental Involvement of secondary school students. (6) Male and female students had an equal magnitude of preference for

Enactive, Figural and Reproducing learning styles. (7) Urban students had significantly higher level of preference of Learning Style than their counter parts.³⁵

➤ **Researcher:** Agrawal, Amit Kumar.

Title: A Study of learning styles in concept attainment in relation to learner's intelligence and self-concept. (2008).

Objectives: (1) To study the relationship between cerebral hemispherical preference and concept attainment. (2) To study the relationship between cerebral hemispherical preference and intelligence. (3) To study the relationship between cerebral hemispherical preference and self-concept

Methodology: Descriptive research.

Tools: Style of Learning and Thinking (SOLAT) constructed by D. Venkatraman

Conclusions: (1) There is no significant relationship in cerebral hemispherical preference and concept attainment. It means cerebral hemispherical preference does not effect the concept attainment. (2) There is no significant relationship in cerebral hemispherical preference and intelligence. It means cerebral hemispherical preference does not determine the intelligence. (3) There is significant relationship in cerebral hemispherical preference and self-concept. It means that the group of right cerebral hemispherical preference is significantly better than the group of left cerebral hemispherical preference in self-concept. (4) There is no significant relationship of cerebral hemispherical preference with sex, locality, school type, intelligence and self-concept. It can be stated that all the six variables (sex, locality school type, intelligence and self-concept) do not affect the cerebral hemispherical preference. (5) The main effect of intelligence on cerebral hemispherical preference is found insignificant. So it can be stated that intelligence does not related with cerebral hemispherical preference of senior secondary school students.³⁶

➤ **Researcher:** Gohel, Ketan D.

Title: The Effect of Learner's Learning Style Based Instructional Strategy on Science Achievement of Secondary School Students. (2009).

Objectives: (1) To develop and standardize a Learning Style Inventory (LSI). (2) To develop Learner's Learning Style Based Instructional Programmes. (3) To study the

effectiveness of different learning style based instructional programme on science achievement considering IQ, Study Habit and Pre-achievement as the covariates

Methodology: Experimental research method.

Tools: A Learning Style Inventory was constructed by the investigator.

Conclusions: (1) The Visual Instructional Programme is effective for teaching of Science to the Visual Learners. (2) The Auditory Instructional Programme is effective for teaching of Science to the Auditory Learners. (3) The Kinesthetic Instructional Programme is effective for teaching of Science to the Kinesthetic Learners. (4) The Visual Instructional Programme, Auditory Instructional Programme and Kinesthetic Instructional Programme are equally effective for teaching of Science to the Visual Learners. (5) The Visual Instructional Programme is more effective for teaching of Science to the Visual Learners as compare to teaching to sub group of Visual learners of control group through traditional teaching method. (6) The Auditory Instructional Programme is more effective for teaching of Science to the Auditory Learners as compare to teaching to sub group of Auditory learners of control group through traditional teaching method. (7) The Kinesthetic Instructional Programme is more effective for teaching of Science to the Kinesthetic Learners as compare to teaching to sub group of Kinesthetic learners of control group through traditional teaching method.³⁷

➤ **Researcher:** Mathur, M.C.

Title: Influencing the streaming of students with reference to their Interest, Learning Style and certain psychosocial pressures. (1985).

Objectives: (1) to determine the factors which significantly influenced student's option to stream (2) to ascertain the extent to which student's choice of stream was related to their subject interest (3) to find out the relationship of academic achievement in the grade XI (4) to investigate how option of subject courses was related to the occupational aspirations of the students and their parents (5) to investigate the influence of social pressures on the option of stress (6) to determine the relationship of parent's social stream chosen by their wards (7) to find out the relationship between option of stream and the learning style of students.

Methodology: Descriptive research.

Tools: A Hindi adaptation of Dunn and Dunn's learning style inventory.

Conclusions: (1) option of stream had marked relationship with the academic achievement and occupational aspirations of the students as well as the educational status and occupational aspirations of their parents (2) sociological pressures- peers' and teachers' advice were substantially related with the selection of stream (3) parents' socio-economic status and students' subjects interest had slight relationship with the various elements belonging to the four broad areas of learning style.³⁸

Researcher: Verma, Jagdish.

Title: A study of learning style, achievement-motivation, anxiety, and other ecological correlates of high school students of Agra region. (1992).

Objectives: (1) To study the learning style as related to anxiety and achievement-motivation, and the correlations among them. (2) To study the association between students' age, sex, residence and SES on the one hand and learning style, anxiety and achievement-motivation, on the other. (3) To study the interrelationships among learning style, anxiety and achievement-motivation.

Methodology: Descriptive research.

Tools: Learning Style Inventory by Rita Dunn and Kenneth Dunn, adopted by Vashistha.

Conclusions: (1) Sex did not make a difference in the learning styles of students, but it had a direct bearing upon achievement motivation and anxiety. (2) Age levels had little impact on learning style, achievement motivation and anxiety. (3) There were urban-rural differences in learning styles of students. (4) Parents' education had influenced in shaping the achievement-motivation of high school students, but it had no impact on learning style and anxiety.³⁹

➤ **Researcher:** Kopsovich, R. D.

Title: A Study of Correlations between Learning Styles of Students and their Mathematics Scores on The Texas Assessment of Academic Skills Test. (2001).

Researcher questions: (1) Is there a positive correlation between students' learning styles and their achievement test scores in mathematics? (2) Is there a positive correlation between specific sub groups's (as deemed by the state of Texas) and gender's learning styles and their achievement test scores in mathematics?

Methodology: Descriptive research.

Tools: The Learning Style Inventory by Dunn, Dunn and Price

Conclusions: (1) the learning style preferences of all students in the area of persistence significantly impacted their maths achievement scores. (2) Gender and ethnicity were mitigating factors in the findings. These learning style preferences significantly impacted achievement on the achievement.⁴⁰

➤ **Researcher:** Williams, Gladys. L.

Title: The Effectiveness of Computer Assisted Instruction and Its Relationship to Selected Learning Style Elements. (1984).

Objectives: (1) to determine if students produce significantly higher achievement scores, as measured by The Iowa Tests of Basic Skills (ITBS), with computer-assisted instruction in reading and math; (2) to determine the significance of the relationship (r) between the possession of one or more selected learning style elements and achievement with computer-assisted instruction in reading and math; and (3) to determine the most statistically significant combination of selected learning style elements which are positively correlated to achievement with computer-assisted instruction in reading and math.

Methodology: Experiment research.

Tools: The Learning Style Inventory by Dunn, Dunn and Price

Conclusions: (1) There was no significant relationship between reading achievement and selected learning style elements. (2) There was no significant relationship between math achievement and selected learning style elements. (3) No combination of selected learning style elements was significant in the prediction of reading achievement with CAI. (4) No combination of selected learning style elements was significant in the prediction of math achievement with CAI.⁴¹

➤ **Researcher:** McFeely, David. M.

Title: Learning style and preferred mode of delivery of adult learners in web-based, classroom, and blended training. (2002).

Objectives: The purpose of this study was to investigate the relationship between preferred learning style and preference for training delivery mode. This study was designed to investigate the usefulness of considering an individual's learning style as a consideration for deciding on the vehicle to deliver training. Additionally, this study

utilized customer service representatives at a large Internet company taking a course via three different modes of delivery: web-based training, traditional classroom instruction, and blended learning.

Methodology: Experiment research.

Tools: Kolb's LSI was used to assess learning style

Conclusions: (1) The null hypothesis that adult learners' preferred mode of delivery is independent of their preferred learning style was retained. In this study, there was no statistically significant relationship found between preferred learning style and preferred mode of delivery. However, even in the absence of statistical significance, several observations can be made from trends in the data. (2) Another interesting trend was that no individual who had the Diverger learning style preferred the classroom training, which was different from what was expected based on the literature review. (3) Assimilators prefer case studies, theory readings, and thinking alone. The results of this study showed that nearly 45 percent of the subjects preferred this learning style.⁴²

➤ **Researcher:** Davis, Gregory. A.

Title: The relationship between learning style and personality type of extension community development program professionals at Ohio state university. (2004).

Objectives: (1) Describe learning style preferences as measured by Group Embedded Figures Test (GEFT) scores of Extension Community Development program professionals employed in Ohio during the time period April to July, 2004, including: support staff, program assistants, educators, specialists, and administrators. (2) Describe the relationship between learning style preferences as measured by GEFT scores and personality type preferences as measured by PSI scores of Extension Community Development program professionals employed in Ohio during the time period April to July, 2004, including: support staff, program assistants, educators, specialists, and administrators. (3) Describe the relationship between learning style preferences as measured by GEFT scores and primary work assignment, length of tenure, academic major, educational attainment, age, and gender of Extension Community Development program professionals employed in Ohio during the time period April to July, 2004, including: support staff, program assistants, educators, specialists, and administrators.

Methodology: Descriptive correlational study

Tools: The Group Embedded Figures Test (GEFT) measured learning style preference.

Conclusions: (1) There was a negligible level of association between learning style and dimensions of personality type, therefore the null hypothesis was accepted. Learning style and the sensing-intuition personality dimension had the strongest association, with an r coefficient of .095. (2) The null hypothesis was accepted. However, relationships were found between academic background and learning style preference and length of tenure and learning style preference of Extension Community Development program professionals. (3) Extension Community Development program professionals preferred different learning styles. Over half (56.7 percent) preferred a field dependent learning style.⁴³

2.6 सदर संशोधनाचे वेगळेपण

संशोधक संशोधन कार्य करत असताना त्याला प्रत्येक टप्प्यावर संदर्भ साहित्याचा उपयोग होत असतो. संशोधन कार्याची उद्दिष्टे ठरवण्यापासून ते संशोधनाचे अंतिम निष्कर्ष व शिफारशी सुचवण्यापर्यंत त्याला संदर्भ साहित्य उपयुक्त ठरते. प्रत्येक संशोधनाची स्वतःची उद्दिष्टे निश्चित अशी करून मांडणी केलेली असते, त्या अर्थाने प्रत्येक संशोधन नावीन्यपूर्ण असते. हेच प्रत्येक संशोधनाचे सर्वांत महत्त्वाचे वेगळेपण असते.

प्रस्तुत संशोधनाचे वेगळेपण खालीलप्रमाणे-

1. अध्ययन शैलीचा विद्यार्थाच्या शैक्षणिक संपादण्यकीवर होणारा परिणाम असा अभ्यास या स्तरावर प्रथमच केला जात आहे.
2. प्रस्तुत संशोधन कार्यासाठी संशोधकाने स्वतः अध्ययन शैली शोधिकेची निर्मिती केली आहे. सदर शोधिका तयार करण्यात आली आहे. सदर संशोधनाचे हे सर्वांत महत्त्वाचे वेगळेपण आहे.
3. सदर संशोधन इयत्ता 9वीच्या विद्यार्थ्यांचा वयोगट समोर ठेवून करण्यात आले असून त्यांना समजेल याप्रमाणे तसेच त्यांना समोर ठेवून अध्ययन शैली शोधिका तयार करण्यात आली आहे.

4. पूर्व संशोधनाचा अभ्यास केला असता बहुतांशी संशोधनामध्ये कोबे यांच्या अध्ययन शैली प्रतिमानांचा अभ्यास करण्यात आला आहे. प्रस्तुत संशोधन हे नील फ्लेमिंग यांच्या अध्ययन शैलीच्या प्रतिमानावर आधारित आहे.
5. पूर्व संशोधनामध्ये बच्यापैकी संशोधकांनी प्रमाणित माहिती संकलन साधनांचा वापर केला आहे. परंतु सदर संशोधनात माहिती संकलना साधनांमधील अध्ययन शैली शोधिका हे साधन संशोधक निर्मित आहे.
6. पूर्व संशोधनामध्ये तुलनात्मक, सहसंबंधात्मक यापद्धतीने अध्ययन शैलीविषयक अभ्यास करण्यात आलेला आहे. प्रस्तुत संशोधन हे परिणामोत्तर कारणमीमांसा या स्वरूपात आहे.
7. पूर्व संशोधनामध्ये पदवीधर विद्यार्थी, लिंग, सामाजिक-आर्थिक परिस्थिती, यांचा विचार अध्ययन शैलीसंदर्भात करण्यात आलेला आहे. प्रस्तुत संशोधनामध्ये इयत्ता 9वीचे विद्यार्थी आणि त्यांची शैक्षणिक संपादणूक याअनुषंगाने विचार करण्यात आलेला आहे.
8. प्रस्तुत संशोधनाद्वारे निर्माण झालेल्या अध्ययन शैली शोधिकेद्वारे विद्यार्थार्थीची अध्ययन शैली शोधण्यात यश येईल. याद्वारे विद्यार्थार्थीना अध्ययन कार्य करताना मदतच होईल.
9. प्रस्तुत संशोधनाद्वारे प्राप्त सूचना, शिफारशी या इयत्ता 9वीच्या विद्यार्थासाठी असल्याने त्यांना भविष्यकालीन शैक्षणिक उपाययोजना करण्यासाठी उपयुक्त ठरतील.
10. अध्ययन शैली याविषयावर परदेशात बच्याच प्रमाणात संशोधन कार्य झाले आहे. त्याचप्रमाणे online स्वरूपात अध्ययन शैली शोधिका उपलब्ध आहेत. त्या परदेशातील तज्ज्ञांनी तयार केलेल्या आहे. भारतीय परिस्थितीत सदर विषयावर फारसे संशोधन नाही. त्याचप्रमाणे महाराष्ट्रात याविषयावर फारच कमी संशोधन झालेले आहे.

संदर्भ

1. तापकीर, दत्तात्रेय. तापकीर, निर्मला व लोंडे, गौतम. (2011). अध्ययनकर्त्याचे आकलन व विकसन. मिरज : संघमित्रा प्रकाशन. पृष्ठ क्रमांक 77-78.
2. दांडेकर, रेणू. (2013). शिकू या आनंदे. पुणे: मनोविकास प्रकाशन. पृष्ठ क्रमांक 93-94.
3. शालेय शिक्षण विभाग, महाराष्ट्र शासन. (2011). महाराष्ट्र राज्य अभ्यासक्रम आराखडा 2010. पुणे: महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडळ. पृष्ठ क्रमांक 50-51.
4. महाले, संजीवनी. (2008). अध्यापन प्रतिमाने आणि अध्ययन शैली. नाशिक : इनसाईट पब्लिकेशन. पृष्ठ क्रमांक 117.
5. Tandi, C. M. (2005). *Teaching Maths to Pupils with Different Learning Styles*. New Delhi: SAGE Publication India Pvt. Ltd. P.7.
6. भाग्यवंत, सुरेखा. (2009). अध्ययन शैलीनुसार अध्यापन. *शिक्षण समीक्षा*. नागपूर : पृष्ठ क्रमांक 107-108.
7. Ibrahim, Y. K. (2009). The effect of learning styles on education and the teaching process. Journal of social science. Retrieved from <http://www.thescipub.com/PDF/jssp>.
8. Nancy, C. & Roger, H. (2006). *The role of learning styles in the teaching/learning process*. Issues in information systems. Retrieved from http://www.iacis.org/lis/2006/Csapo_Hayen.pdf.
9. Sarah, Sutcliffe. (2006). Learning styles. *Research Digest*. Pp.1-4.
10. Saha, Kaberi. (2012). Learning styles and Their Classroom Application. *Edutracks*, Vol.12, No.3, P.15.
11. Richard, M. F. & Eunice, R. H. (1995). Learning and Teaching Styles. *Foreign Language Annals*, No.1, Pp.21-31.
12. Designing Effective Projects: *Thinking Skills Framework Learning Styles - Intel Teach Program* Retrieved from <http://www.intel.in/content/dam/www/program/education/us/en/documents/project-design/skills/learning-styles.pdf>.
13. Stuart, Peggy. (1992). *Learning-Style Theories*. Personnel Journal. Retrieved from <https://www.questia.com/read/1P3-717380/learning-style-theories>.

14. Horowitz, Sheldon. (2008). *Learning Styles versus Learning Disabilities. Children's Voice*. Retrieved from <https://www.questia.com/read/1P3-1475998901/learning-styles-versus-learning-disabilities>.
15. Cherry, C. E. (1981). *The measurement of adult learning styles: perceptual modality*. Retrieved from <http://www.learningstyles.org/dissertations/abstracts/Cherry>.
16. Harden, L. (1992). *A correlation study of learning style and standard achievement levels of adult vocational students in an area technical center*. Retrieved from <http://www.learningstyles.org/dissertations/abstracts/Harden.html>.
17. Hemalatha, G. (2013). Learning styles and their influence on academic achievement. *Edutracks*, Vol.12, No.5, Pp.24-32.
18. Oluwatomi, M. A. & Angela, C. O. (2014). *A comparative study of chemistry students' learning styles preferences in selected public and private schools in Lagos Metropolis*. Retrieved from www.iosrjournals.org/iosr-jrme/papers/Vol-4%20Issue-1/Version.../J04114553.pdf.
19. Sara, S.S. (2010). *The effects of learning styles on career preferences of senior secondary school students in jigawa state Nigeria*. Retrieved from <http://www.ajol.info/index.php/ejc/article/viewFile/52692/41295>.
20. Yount, J. (1988). *Measuring and comparing cognitive learning styles by academic discipline, class, and gender*. Retrieved from www.Learningstyles.org/dissertations/abstracts/Yount.html.
21. Verma, B. P. & Sharma, J. P. (1987). A study of Academic Achievement in Relation to Learning Styles of Adolescents. *Journal of the Institute of Educational Research*. Vol. II, Pp. 35-40.
22. Verma, B. P. & Tiku, Asha. (1990). Effects of Socio-economic status and General Intelligence on Learning Styles of High School Students. *Indian Education and Review*. Vol.25 (1), Pp.31-40.
23. Stutsky, B.J. & Laschinger, H.K.S. (1995). The changes in students learning styles and adaptive learning competencies following a senior preceptor ship experience. *Journal of Advance Nursing*. Vol.21, Pp.143-153.

24. Kumar, P. and Sudheesh, K. (1999). The effect of learning style on achievement in secondary school biology. Experiments in Education. *Indian Educational Abstract*. Vol. XXV (12), Issue 6, Pp.233-37.
25. Sreevinda, Nair. N. (2016). Analysis of the effectiveness of self-questioning on the academic achievement of students having varied learning styles. *New Frontiers in Education*. Vol. 49, No-3, Pp.78-85.
26. Verma, B. P. (1999). Learning styles of In-service teachers: A study of disciplinary differences. *Indian Educational Abstract*. Vol. 2 (3&4), Issue 6, Pp.80-83.
27. Vyas, A. (2006). A study of Learning Style, Mental Ability, Academic performance and other ecological correlates of under graduate Adolescent Girls of Rajasthan. *Indian Educational Abstracts*. Vol. 6 No-2, Pp.41-42.
28. Farks, R. D. (2003). Effects of traditional versus Learning Styles Instructional methods on middle school students. *The Journal of Educational Research*. Vol. 97 (No-1), Pp. 42-50.
29. Chauhan, R. S. (2006). Learning-style of High School Students in the Context of their Adjustment, Extroversion and Introversion. *Indian Educational Abstracts*. Vol. 6 (No-1), Pp.113-114.
30. Bhagyawant, S.R. (2008). *A study of achievement of secondary school students in science in relation to learning styles and attitude towards learning science*. Ph.D. Edu., SNDT University, Pune.
31. Mehdi, M.S. (2014). *Learning styles of students in online learning environment in Universities of Tehran*. Ph.D. Edu., Pune University, Pune.
32. Hassan, koya. M.P. (2002). *Influence of learning style approaches to studying and achievement motivation on achievement in biology of secondary school pupils*. Ph.D. Edu., University of Calicut. Retrieved from <http://shodhganga.inflibnet.ac.in/handle/10603/43715>.
33. Shanmuga, Das, K.K. (2002). *Interaction effect of learning style approaches to studying and classroom climate on achievement in social sciences of secondary school pupils*. Ph.D. Edu., University of Calicut. Retrieved from <http://shodhganga.inflibnet.ac.in/handle/10603/28037>.

34. Zarinabegum, G. (2012). *A Study of academic achievement of female student teachers of Karnataka in relation to their learning style, adjustment, intelligence and self-concept*. Ph.D. Edu., Karnataka State Womens university. Retrieved from <http://shodhganga.inflibnet.ac.in/handle/10603/8073>.
35. Tyagi, Shikha. (2014). *Achievement motivation, learning style, parental involvement as correlates of academic achievement of the secondary school students*. Ph.D. Edu., Maharshi Dayanand University . Retrieved from <http://shodhganga.inflibnet.ac.in/handle/10603/113504>.
36. Agrawal, Amit Kumar. (2008). *A Study of learning styles in concept attainment in relation to learner's intelligence and self-concept*. Ph.D. Edu., Maharshi Dayanand University. Retrieved from <http://shodhganga.inflibnet.ac.in/handle/10603/43301>.
37. Gohel, Ketan. D. (2009). *The Effect of Learner's Learning Style Based Instructional Strategy on Science Achievement of Secondary School Students*. Ph.D. Edu., Saurashtra University. Retrieved from <http://etheses.saurashtrauniversity.edu/id/eprint/664>.
38. Mathur, M.C. (1985). *Influencing the streaming of students with reference to their Interest, Learning Style and certain psychosocial pressures*. Ph.D., Edu., Meeruth University. Fifth Survey of Educational Research. New Delhi: NCERT. (p.408).
39. Verma, J. (1992). *A study of learning style, achievement-motivation, anxiety, and other ecological correlates of high school students of Agra region*. Ph.D., Edu., Dayalbagh Education Institute. Fifth Survey of Educational Research. New Delhi: NCERT. P.940.
40. Kopsovich, R. D. (2001). *A Study of Correlations between Learning Styles of Students and their Mathematics Scores on The Texas Assessment of Academic Skills Test*, Ph.D., Edu., University of North Texas. Retrieved from https://digital.library.unt.edu/ark:/67531/metadc2889/m2/1/high_res_d/dissertation.pdf.
41. Williams, Gladys. L. (1984). *The Effectiveness of Computer Assisted Instruction and Its Relationship to Selected Learning Style Elements*. Ph.D., Edu., University of North Texas. Retrieved from https://digital.library.unt.edu/ark:/67531/metadc332252/m2/1/high_res_d/1002779506-Williams.pdf.
42. McFeely, David. M. (2002). *Learning style and preferred mode of delivery of adult learners in web-based, classroom, and blended training*. Ph.D., Edu., University of North

Texas. Retrieved from https://digital.library.unt.edu/ark:/67531/metadc3177/m2/1/high_res_d/Dissertation.pdf.

43. Davis, Gregory. A. (2004). *The relationship between learning style and personality type of extension community development program professionals at Ohio state university.* Ph.D., Edu., The Ohio state university. Retrieved from https://etd.ohiolink.edu/send_file?accession=osu1092425344&disposition=inline.

प्रकरण तिसरे

संशोधन कार्यपद्धति

प्रकरण तिसरे
संशोधन कार्यपद्धती
अनुक्रमणिका

| क्रमांक | तपशील | पृष्ठ क्रमांक |
|---------|---------------------------------------|---------------|
| 3.1 | प्रस्तावना | 83 |
| 3.2 | शैक्षणिक संशोधन | 84 |
| | 3.2.1 शैक्षणिक संशोधनाची वैशिष्ट्ये | 85 |
| 3.3 | शैक्षणिक संशोधनाचे प्रकार | 85 |
| | 3.3.1 मूलभूत संशोधन | 85 |
| | 3.3.2 उपयोजित संशोधन | 86 |
| | 3.3.3 कृती संशोधन | 86 |
| 3.4 | संशोधन पद्धती | 86 |
| | 3.4.1 सर्वेक्षण पद्धत | 87 |
| | 3.4.1.1 प्रस्तावना | 87 |
| | 3.4.1.2 सर्वेक्षण पद्धतीची वैशिष्ट्ये | 88 |
| | 3.4.1.3 सर्वेक्षण पद्धतीचा हेतू | 88 |
| 3.5 | संशोधन अभिकल्प | 89 |
| | 3.5.1 परिणामोत्तर कारणमीमांसा अभिकल्प | 90 |
| 3.6 | जनसंख्या | 90 |
| 3.7 | नमुना निवड | 91 |
| | 3.7.1 प्रस्तावना | 91 |
| | 3.7.2 नमुना घटक | 91 |
| | 3.7.3 नमुना निवडीची वैशिष्ट्ये | 92 |
| | 3.7.4 नमुना निवडीच्या पद्धती | 92 |
| | 3.7.4.1 संभाव्यता पद्धत | 92 |
| | 3.7.4.2 असंभाव्यता पद्धत | 95 |
| | 3.7.5 नमुना निवडीचे फायदे | 95 |
| | 3.7.6 नमुना निवडीचे तोटे | 96 |
| | 3.7.7 नमुना निवडीची परिस्थिती | 96 |

| | | |
|------|--|-----|
| 3.8 | माहिती संकलनाची साधने | 99 |
| | 3.8.1 माहिती संकलन साधनांचे निकष | 99 |
| | 3.8.2 माहिती संकलन साधनाची विश्वसनीयता | 100 |
| | 3.8.3 माहिती संकलन साधनाची सप्रमाणता | 101 |
| 3.9 | माहिती संकलन प्रक्रिया | 103 |
| | 3.9.1 उद्दिष्ट क्रमांक 1 अनुसार | 103 |
| | 3.9.2 उद्दिष्ट क्रमांक 2 अनुसार | 105 |
| | 3.9.3 उद्दिष्ट क्रमांक 3 अनुसार | 108 |
| | 3.9.4 उद्दिष्ट क्रमांक 4 अनुसार | 109 |
| 3.10 | संशोधन कार्यवाहीचे वेळापत्रक | 110 |
| | संदर्भ | 111 |

प्रकरण तिसरे

संशोधन कार्यपद्धती

3.1 प्रस्तावना

संशोधन कार्य करत असताना संशोधन समस्या निश्चित झाल्यानंतर संशोधन कार्य पूर्ण होईपर्यंत संशोधक ज्या कृती करतो त्याची सविस्तर माहिती देणे गरजेचे असते. संशोधन कार्यवाहीचे सर्व टप्पे देणे अत्यंत महत्त्वपूर्ण असते. यामुळे संशोधन कार्याचे निश्चित स्वरूप लक्षात येते. संशोधन समस्येनंतरची कृती, प्रत्यक्ष संशोधन कार्य सुरु असतानाची कृती, माहिती संकलन प्रक्रिया, माहिती संकलित केल्यानंतर त्या माहितीस अन्वयार्थ लावण्याची कृती या घटकांचा प्रामुख्याने विचार होतो. या घटकांना समोर ठेवून संशोधकाने प्रस्तुत प्रकरणामध्ये संशोधन पद्धती, जनसंख्या, नमुना निवड, नमुना निवड पद्धती, अभिकल्प, चले, माहिती संकलन साधने, सांख्यिकीय साधने या बाबींचा विचार केला आहे.

ज्ञानाचे क्षेत्र व्यापक करण्याकरिता समस्यांचे आकलन व निराकरण करण्याकरिता आणि एकंदर मानवी जीवन प्रगतिशील व समृद्ध करण्याकरिता संशोधन हे महत्त्वाचे साधन आहे. संशोधनाचा प्रमुख हेतू नवे ज्ञान प्राप्त करणे, विद्यमान तथ्यांबद्दल नवा दृष्टिकोन प्रस्तुत करणे, घटनांचे विश्लेषण करून त्यांतील संबंध नव्याने प्रस्थापित करणे, जुन्या मापन साधनांमध्ये सुधारणा घडवून आणणे किंवा अधिक कार्यक्षम नवी साधने तयार करणे आणि या सर्वांद्वारे जगाबद्दलचे आपले एकंदर ज्ञान वाढवून मानवाच्या प्रगतीला पोषक परिस्थिती निर्माण करणे होय.

आज ज्ञानाचे क्षेत्र झपाण्याने विस्तृत होत आहे. सर्वच क्षेत्राचा विलक्षण विस्तार झालेला आहे. वैज्ञानिक व इतर विद्वानांचे संशोधन कार्यातील अविरत, कसोशीने केलेले प्रयत्न त्याला कारणीभूत आहेत. भौतिकशास्त्रात झालेल्या प्रगतीच्या तुलनेत शैक्षणिक संशोधनाची वाटचाल जरा मंदगतीने झालेली दिसून येते. आपल्या देशात स्वातंत्र्योत्तर काळात शैक्षणिक प्रगती द्रुत गतीने झालेली दिसते. या प्रगतीबरोबरच अनेक नवीन समस्या व प्रश्न शिक्षणतज्ज्ञ व प्रशासक यांच्यासमोर उभे

ठाकले आहेत. या समस्यांचे अभ्यासपूर्ण निराकरण करण्याचे उपाय शोधण्याकरिता संशोधन हेच एकमेव उपयुक्त साधन आहे. शैक्षणिक संशोधनात समस्या, व्याप्ती व मर्यादा, जनसंख्या, नमुना , अभ्यासपद्धती, माहिती संकलनाची साधने इत्यादी गोष्टींवर लक्ष केंद्रीत करणे तेवढेच महत्वाचे आहे.

3.2 शैक्षणिक संशोधन

शैक्षणिक संशोधन म्हणजे अशी कृती जी शैक्षणिक परिस्थितीमध्ये प्रगतीच्या दिशेने गतिमान होत असते. शिक्षकाला आपली ध्येये व उद्दिष्टे साध्य करण्याच्या दृष्टीने त्यास मदत करणारे ज्ञान प्राप्त करून देणे हे या शास्त्राचे ध्येय असते. शिक्षण क्षेत्रात वारंवार चर्चा होणारे घटक, शिक्षणाची उद्दिष्टे, अध्यापन प्रतिमाने, बालमानसशास्त्र, विद्यार्थी, शिक्षक, पालक, मुख्याध्यापक, अध्ययन-अध्यापन पद्धती, मूल्यमापन योजना, अभ्यासक्रम, पाठ्यपुस्तक अशा एक अथवा अनेक शैक्षणिक घटकांच्या बाबतीत निर्माण झालेल्या शैक्षणिक समस्यांचे उत्तर शोधण्याचा केलेला प्रयत्न म्हणजे शैक्षणिक संशोधन होय.

ग्रीनेल यांच्या मते, “ Research is a structured inquiry that utilizes acceptable scientific methodology to solve problem and creates new knowledge that is generally applicable.”¹

शिक्षणक्षेत्र हे अन्य क्षेत्रांचे मार्गदर्शक असते. अर्थातच त्यामुळे राष्ट्रीय जीवनाचा स्तर उंचावण्यासाठी शिक्षणाचा दर्जा उंचावणे आवश्यक असते. शिक्षक हा संपूर्ण शिक्षण प्रणालीचा आधार असतो. शिक्षकाला आपल्या दैनंदिन कामात निरनिराळ्या अडचणी येतात, समस्या निर्माण होत असतात. अशा छोट्यामोठ्या समस्या लगेच सोडविण्याची आवश्यकता असते.

आपले प्रश्न, आपल्या समस्या आपणच सोडविणे हेही गरजेचे असते. या समस्या सोडविण्यासाठी काही उपाय विचारपूर्वक योजावे लागतात. या उपायांना शास्त्रीय अधिष्ठान प्राप्त झाले की त्याचे रूपांतर संशोधनात होत असते. शैक्षणिक संशोधनामध्ये सुदूर्धा या बाबींचा अंतर्भाव होत असतो. त्यादृष्टीने शैक्षणिक संशोधनाची वैशिष्ट्ये अभ्यासणे महत्वाचे ठरते.

3.2.1 शैक्षणिक संशोधनाची वैशिष्ट्ये ²

1. शैक्षणिक संशोधनाची दिशा ही समस्येची उकल करण्याकडे असते.
2. शैक्षणिक संशोधनात सामान्यीकरणाच्या, तत्त्वांच्या व सिद्धांताच्या विकासावर भर देण्यात येतो.
3. शैक्षणिक संशोधन हे निरीक्षणक्षम अनुभव व प्रत्यक्ष पुराव्यावर आधारलेले असते.
4. शैक्षणिक संशोधनाला अचूक निरीक्षणाची व वर्णनाची आवश्यकता असते.
5. शैक्षणिक संशोधनामध्ये प्राथमिक स्त्रोतांद्वारे मिळविलेली माहिती वापरली जाते किंवा नवीन हेतुसाठी अस्तित्वात असलेली माहिती वापरली जाते.
6. शैक्षणिक संशोधन ही काळजीपूर्वक आखणी केलेली प्रक्रिया होय.
7. शैक्षणिक संशोधनाला नैपुण्याची आवश्यकता असते.
8. शैक्षणिक संशोधन वस्तुनिष्ठ व तर्कनिष्ठ होण्याचा प्रयत्न करते.
9. शैक्षणिक संशोधनाला अनुत्तरित समस्यांच्या उत्तराची ओढ असते.
10. शैक्षणिक संशोधन ही संयमपूर्ण व सावकाश चालणारी प्रक्रिया आहे.
11. शैक्षणिक संशोधनाची काळजीपूर्वक नोंद ठेवली जाते आणि अहवाल सादर केला जातो.

3.3 शैक्षणिक संशोधनाचे प्रकार ³

शैक्षणिक संशोधनाचे सर्वसामान्यपणे तीन प्रकारात वर्गीकरण केले जाते. संशोधनाच्या स्वरूपानुसार त्याला मूलभूत संशोधन, उपयोजित संशोधन आणि कृती संशोधन असे संबोधले जाते.

3.3.1 मूलभूत संशोधन

निरनिराळे तत्वज्ञ, विचारकंत, शास्त्रज्ञ यांनी मांडलेले नवे नवे सिद्धांत, नव्या उपपत्ती यांचा समावेश मूलभूत संशोधनामध्ये होत असतो. थोडक्यात विषयक्षेत्रामध्ये, ज्ञानामध्ये भर घालणाऱ्या दृष्टीने जे संशोधन केले जाते त्यास मूलभूत संशोधन असे म्हणतात. मूलभूत संशोधन हे व्यापक अशा समस्येवर आधारित असते. मूलभूत संशोधन बराच काळ चालणारे असते. तसेच संशोधनामध्ये बन्याच कालावधीनंतर नवीन ज्ञान संकल्पना प्राप्त होत असते.

3.3.2 उपयोजित संशोधन

मूलभूत संशोधनातून मांडलेल्या सिद्धांतांची पडताळणी उपयोजित संशोधनात होते. व्यावहारिक जीवनात त्यांचा उपयोग कसा होतो आणि प्रत्यक्ष कार्यासंबंधी त्यांचे उपयोजन कसे करता येईल हे पाहणे उपयोजित संशोधनाचा गाभा आहे. दैनंदिन जीवनात अथवा शिक्षणक्षेत्रातील एखाद्या समस्येवरील उपाय किंवा मूलभूत संशोधनाद्वारे प्रस्थापित सिद्धांत योग्य अशा परिस्थितीमध्ये वापरून पाहिले जातात व निष्कर्ष मिळतात. तेव्हा अशा संशोधनास उपयोजित संशोधन असे म्हणतात.

3.3.3 कृती संशोधन

शिक्षक, मुख्याध्यापक, केंद्रप्रमुख यांना दैनंदिन जीवनात विविध शैक्षणिक समस्यांना तोंड द्यावे लागते. त्याबाबत समस्येशी संबंधित व्यक्तींनी प्रत्यक्ष कृतियुक्त उपाय योजून त्या उपायांच्या परिणामकारकतेची तपासणी केली तर त्याला कृती संशोधन असे म्हटले जाते. शिक्षणक्षेत्रामध्ये कृती संशोधनाची व्याप्ती विशाल आहे. केवळ अध्ययन-अध्यापन नव्हे तर पर्यावरण, समाज, प्रशासन याबाबत येणाऱ्या समस्यांचा शोध घेऊन उपाययोजना करणे आवश्यक असते. कृती संशोधन मर्यादित वेळ आणि खर्च, उपलब्ध साधनसामग्रीच्या साह्याने, आवश्यक साधने निर्माण करून, विशिष्ट घटकांसाठी आणि तात्कालिक अडचण दूर करण्यासाठी केले जाते.

3.4 संशोधन पद्धती

शैक्षणिक संशोधन करण्यासाठी विविध संशोधन पद्धतींचा वापर केला जातो. त्यांचे पुढीलप्रमाणे तीन विभागामध्ये वर्गीकरण केले जाते.

- 1) वर्तमानकाळाशी संबंधित संशोधन समस्या
- 2) भविष्यकाळाशी संबंधित संशोधन समस्या
- 3) भूतकाळाशी संबंधित संशोधन समस्या

या निकषांच्या आधारे संशोधन पद्धतींचे खालील तीन गटांमध्ये वर्गीकरण करण्यात येते.

1. सर्वेक्षण पद्धत

2. प्रायोगिक पद्धत

3. ऐतिहासिक पद्धत

प्रस्तुत संशोधनामध्ये संशोधकाने समस्या निराकरणासाठी सर्वेक्षण पद्धतीचा अवलंब केला होता .सदर पद्धतीची सविस्तर माहिती खालीलप्रमाणे आहे.

3.4.1 सर्वेक्षण पद्धत

3.4.1.1 प्रस्तावना

सर्वेक्षण पद्धतीचा संशोधनामध्ये मुख्यतः सद्यःस्थितीशी म्हणजे वर्तमानाशी संबंध असतो. त्यामुळे या पद्धतीमध्ये विषयाची वर्तमानस्थिती काय आहे याचा अभ्यास केला जातो. विशेषतः संबंधित विषयाबद्दलची मते, अभिवृत्ती, क्षमता इत्यादींचा अभ्यास हा मूळ उद्देश असतो.

G. Terry Page, J.B. Thomas, A. R. Marshall यांच्या मते, “Research concerned with gathering of basic information serving as base with deeper investigation by the presentation of tabulated and interpreted data. Concerned with exciting data collected in various ways e.g. questionnaire or test. Types of descriptive research may be roughly be classified as survey, studies, case studies, development studies.”⁴

सर्वेक्षण पद्धतीचे स्वरूप लक्षात घेता एक महत्वाचा मुद्रा ध्यानात ठेवणे महत्वपूर्ण आहे. एखाद्या विषयावर फार मोठ्या प्रमाणावर केवळ माहिती गोळा करणे म्हणजे संशोधन नाही. सर्वेक्षण पद्धतीच्या आधारे पुढील प्रश्नांची उत्तरे शोधावी लागतात. 1) संबंधित संशोधन विषयाबाबत आजची स्थिती काय आहे? 2) यात नेमक्या कोणत्या अडचणी, त्रुटी आहेत? 3) ग्राप्त माहितीच्या आधारे संशोधकाने स्वतःचे ज्ञान व अनुभव यादवारे समस्येवर कोणता उपाय शोधला ? परंतु या प्रश्नांची उत्तरे शोधण्याची प्रक्रिया वैज्ञानिक मार्गाने करावी लागते.

सर्वेक्षण पद्धत ही सर्व संशोधन पद्धतींमध्ये लोकप्रिय आहे. तसेच या पद्धतीचा बन्याच मोठ्या प्रमाणावर संशोधन प्रक्रियेत उपयोग केलेला दिसून येतो .जास्तीत जास्त शैक्षणिक संशोधन या पद्धतीनेच केलेले दिसून येते.

3.4.1.2 सर्वेक्षण पद्धतीची वैशिष्ट्ये ⁵

1. जनसंख्या मोठी असते.
2. व्यक्तीपेक्षा, तिच्या गुणांपेक्षा गटाला, गटाच्या गुणांना अधिक महत्त्व असते.
3. तिर्यक छेद पद्धतीचा वापर केला जाता.
4. स्थानिक समस्या सोडविण्यावर भर असतो.
5. मूलभूत संशोधनास माहिती पुरवण्याचे काम केले जाते.
6. संख्यात्मक-गुणात्मक दोन्ही प्रकारची माहिती मिळवली जाते.
7. शाब्दिक वर्णनाबरोबरच गणिती चिन्हांचा वापर केला जातो.
8. घटनेच्या कारणाचा विचार केला जातो.
9. उत्तम प्रकारची साधने निर्माण करून माहिती गोळा केली जाते.
10. प्रयोज्य, परिस्थिती यांचे आहे तसेच निरीक्षण केले जाते. त्यात बदल केला जात नाही.

3.4.1.3 सर्वेक्षण पद्धतीचा हेतू ⁶

1. सर्वेक्षणाचा प्रमुख हेतू विभिन्न क्षेत्रातील वर्तमानस्थितीचा शोध घेणे हा आहे. वर्तमानस्थितीच्या शोधाच्याही ते कधीकधी पुढे जाते आणि प्राप्त तथ्यांचे मूल्यांकन अधिक चांगल्या बदलाकरिता योग्य मार्गदर्शनही करते. अभ्यासक्रमाशी संबंधित असलेले सर्वेक्षण निव्वळ प्रचलित अभ्यासक्रमात आढळून येणारे गुणदोष पाहून थांबत नाही तर त्यात सुधारणाही सुचविते.
2. संशोधनकर्त्याला अधिक वस्तुनिष्ठ पद्धतीने संशोधन करून समस्येची उकल करण्याकरिता लागणारी परिस्थिती समजून घेण्यासाठी प्रारंभिक पायरी म्हणून सर्वेक्षणाचा उपयोग केला जातो. प्रयोगाची आखणी व अंमलबजावणी करण्याकरिता आधारभूत असलेल्या वर्तमानपरिस्थितीचे सत्य आकलन त्यामुळे संशोधकाला होते.

3. विविध शालेय उपक्रमांचे नियोजन करण्यात सर्वेक्षणाची मदत होते. शाळेची वास्तू, अध्यापक, अध्यापन पद्धती, प्रयोगशाळा, विकासाचे कार्यक्रम इत्यादी बाबतीत नियोजन करताना शाळा सर्वेक्षण उपयोगी पडते. सर्वेक्षणामुळे विकासाची कोणती क्षेत्रे उपलब्ध आहेत ते कळते.

वरीलप्रमाणे सर्वेक्षण पद्धतीची माहिती घेतली असता तसेच संशोधकाने निवडलेल्या संशोधन विषयाचा विचार करता प्रस्तुत संशोधन वर्तमान स्थितीशी संबंधित असल्याने संशोधकाने सदर संशोधनासाठी सर्वेक्षण पद्धतीचा अवलंब केला आहे. प्रस्तुत संशोधनात सर्वेक्षण पद्धतीचा वापर कसा केला गेला याचे सविस्तर वर्णन माहिती संकलन प्रक्रियेमध्ये दिले आहे.

3.5 संशोधन अभिकल्प

संशोधन अभिकल्प म्हणजे परिकल्पना तपासण्यासाठी संशोधकाने संशोधनाचा केलेला आराखडा होय. समस्येचे स्वरूप, गोळा करावयाच्या सामग्रीचे स्वरूप, संशोधकाची क्षमता, संशोधनासाठी उपलब्ध सुविधा इत्यादी घटकांवर अभिकल्प कोणता वापरायचा हे अवलंबून असते.

कलिंगर यांच्या मते, “Research design is a plan, structure and strategy of investigation so conceived as to obtain answer to research questions or problem. The plan is the complete scheme or program of the research. It includes an outline of what the investigator will do from writing the hypothesis and their operational implication to the final analysis of data.”⁷

थायर यांच्या मते, “A traditional research design is a blue print or detailed plan for how a research study is to be complete –operationalizing variable so they can be measured selecting a sample of interest to study, collecting data to be used as basis for testing hypothesis and analyzing the result.”⁸

शैक्षणिक संशोधनात सामान्यत: उपयोगात आणले जाणारे संशोधन अभिकल्प पुढीलप्रमाणे आहेत.

1. विशुद्ध प्रायोगिक अभिकल्प
2. प्राय: प्रायोगिक अभिकल्प

3. परिणामोत्तर कारणमीमांसा अभिकल्प

4. पूर्व प्रायोगिक अभिकल्प

5. घटकात्मक अभिकल्प

प्रस्तुत संशोधनात परिणामोत्तर कारणमीमांसा अभिकल्प वापरण्यात आला आहे.

3.5.1 परिणामोत्तर कारणमीमांसा अभिकल्प

जेव्हा संशोधकास कोणत्याही कारणामुळे संशोधन अभ्यासाच्या स्वाश्रयी चलाची हाताळणी करणे शक्य नसते आणि प्रयोगवस्तूची गटात विभागणी यादृच्छिकतेच्या आधारेही करणे शक्य नसते. तेव्हा परिणामोत्तर कारणमीमांसा अभिकल्पाच्या आधारे कार्यकारणसंबंध दर्शवणाऱ्या परिकल्पनेचे परीक्षण केले जाते.⁹

प्रस्तुत संशोधनात परिणामोत्तर कारणमीमांसा अभिकल्पाचा अवलंब पुढीलप्रमाणे करण्यात आला.

सारणी क्रमांक 3.1 परिणामोत्तर कारणमीमांसा अभिकल्प

| गट | स्वाश्रयी चल | आश्रयी चल |
|---------|---|-------------------|
| निकष गट | अध्ययन शैली 1. दृष्टिसंवेदन 2. श्रवणसंवेदन 3. स्पर्शसंवेदन | शैक्षणिक संपादणूक |

3.6 जनसंख्या

‘नमुना अभ्यासात ज्यांच्याविषयी निष्कर्ष काढावयाचे असतात त्या सर्व व्यक्तींच्या किंवा वस्तुंच्या समूहाला जनसंख्या म्हणतात.’

जनसंख्येत सर्व घटकांचा अंतर्भाव असतो. उदा. माध्यमिक शिक्षकांच्या जनसंख्येत माध्यमिक शाळेत अध्यापनाचे काम करणाऱ्या सर्व व्यक्तीचा समावेश राहील. ८वीच्या वर्गाच्या विद्यार्थ्यांच्या जनसंख्येत ८वीच्या वर्गात शिकणाऱ्या सर्व विद्यार्थ्यांचा समावेश राहील. म्हणजेच विद्यार्थी जनसंख्या, शिक्षक जनसंख्या, ग्रंथ जनसंख्या इत्यादी प्रकारच्या जनसंख्या राहू शकतात.

जनसंख्येचे सान्त व अनन्त असे दोन प्रकार आहेत. ज्या जनसंख्येत घटक मोजता येतात ती सान्त जनसंख्या व ज्यातील घटक मोजता येत नाहीत ती अनन्त जनसंख्या होय. तसेच जनसंख्येचे वास्तव जनसंख्या व परिकल्पित जनसंख्या असेही दोन प्रकार आहेत. प्रत्यक्षात असणारी जनसंख्या वास्तव जनसंख्या होय. नवीन पद्धतीचा उपयोग प्रायोगिक गटाकरता केलेला असतो तिची जनसंख्या परिकल्पित असते. कारण संपूर्ण जनसंख्या त्या नवीन पद्धतीशी प्रत्यक्ष संबंधित नसते. पण तसे गृहीत धरले जाते. शैक्षणिक संशोधनात परिकल्पित जनसंख्येचा विशेष उपयोग केला जातो.¹⁰

प्रस्तुत संशोधनासाठी जनसंख्या म्हणून महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडळाशी संलग्न असलेल्या खासगी अनुदानित मराठी माध्यमाच्या शाळांतील इयत्ता नववीत शिकणारे सर्व विद्यार्थी अशी आहे.

3.7 नमुना निवड

3.7.1 प्रस्तावना

जनसंख्येच्या तथ्याविषयी पूर्वानुमान करण्याकरिता जनसंख्येतून निवडलेल्या व्यक्ती किंवा वस्तू यांच्या लहान संचाला नमुना असे म्हणतात.

नमुना हा संपूर्ण जनसंख्येचा एक भाग असतो. न्यादर्शातील प्रत्येक घटक जनसंख्येत असतो. जनसंख्येत नसलेला घटक न्यादर्शात राहत नाही. नमुना हा जनसंख्येचा उपसंच असतो. जनसंख्येच्या प्रवृत्तीविषयी पूर्वानुमान करताना तो आधारभूत असतो. एकंदरीत, नमुना संपूर्ण जनसंख्येचे प्रतिनिधित्व करते. नमुन्याच्या मध्यावरून जनसंख्येच्या मध्याचे पूर्वानुमान करतात. उदा. एका शहरातील 5000 माध्यमिक शिक्षकांच्या जनसंख्येचा अभ्यास करण्यासाठी त्यातील 10% शिक्षकांची शास्त्रीय पद्धतीने निवड केल्यास 500 शिक्षकांचा संच नमुना होईल.

3.7.2 नमुना घटक

‘नमुन्याची निवड करण्याकरिता जनसंख्येचे अनेक भाग करावे लागतात. या भागांना नमुना घटक म्हणतात.

नमुना घटकात एक किंवा अनेक जनसंख्या घटक असतात. एका नमुना घटकात त्या वर्गातील सर्व विद्यार्थ्यांचा अंतर्भूव राहील. वर्ग, शाळा, गाव ही सर्व नमुना घटकांची उदाहरणे आहेत.

3.7.3 नमुना निवडीची वैशिष्ट्ये

चांगल्या नमुना निवडीची वैशिष्ट्ये पुढीलप्रमाणे आहेत.

1. नमुना निवडीत अचूकतेवर भर असतो.
2. चांगला नमुना पूर्वग्रहदूषित नसतो.
3. चांगल्या नमुना निवडीत जनसंख्येच्या सर्व घटकांना प्राधान्य असते. त्यात जनसंख्येच्या सर्व घटकांचे योग्य प्रमाण असते.
4. चांगल्या नमुना निवडीत कमीतकमी अभिनती असते. (अभिनती म्हणजे अपेक्षित पूर्वानुमानाचे प्राचलनापासून असलेले विचलन होय.)
5. चांगल्या नमुना निवडीत नमुना निवड त्रुटी व मापनाच्या त्रुटी यांचे प्रमाण कमी असते.

3.7.4 नमुना निवडीच्या पद्धती

नमुना निवडीच्या पद्धतीचे दोन प्रमुख गटात वर्गीकरण करता येते.

1. संभाव्यता पद्धत
2. असंभाव्यता पद्धत

3.7.4.1 संभाव्यता पद्धत

जनसंख्येतून न्यादर्शाचे घटक निवडताना ते निवडले जाण्याची निश्चित संभाव्यता ज्या पद्धतीत सांगता येते त्या पद्धतीना संभाव्यता पद्धत म्हणतात. या पद्धतीत संभाव्यतेच्या नियमांना महत्त्व आहे. संभाव्यता पद्धतीमुळे न्यादर्शाची निष्पक्षपातीमुळे निवड करता येते. या पद्धतीत अंतर्भूत असणाऱ्या पद्धती पुढीलप्रमाणे आहेत.

1. सुगम यादृच्छिक नमुना निवड

सुगम यादृच्छिक नमुना निवड पद्धत ही मूलभूत संभाव्यता पद्धत होय. तुलनात्मक दृष्ट्या ही अत्यंत सोपी व सरळ पद्धत आहे. जनसंख्या जेव्हा समानधर्मी असते त्यावेळी या पद्धतीचा प्रामुख्याने विचार केला जातो. कोणत्याही प्रकारचा पक्षपात न होता जनसंख्या घटकाला नमुन्यात अंतर्भूत होण्याची संधी मिळणे याला यादृच्छा असे म्हणतात. यादृच्छेच्या निकषानुसार केलेल्या नमुना निवडीला यादृच्छिक नमुना निवड असे म्हणतात. यादृच्छिक नमुना निवडीतील घटकांची निवड करण्याच्या अनेक पद्धती आहेत, त्या पुढीलप्रमाणे

I. रैलेट चक्रीय पद्धत

ही पद्धत जनसंख्या अगदीच लहान असेल तर उपयोगात आणली जाते. यात जनसंख्येची आडनावातील आद्याक्षरानुसार, जन्मतारखांनुसार किंवा इतर एखाद्या सुसंगत पद्धतीने, क्रमवार रचना करून त्या प्रत्येकाला क्रमांक दिला जातो. नंतर रैलेट चक्राकार पद्धतीनुसार त्या क्रमांकांना खुणा केल्या जातात. त्यामध्ये एक साधे चक्र असते. त्याच्या भोवतीच्या तबकडीवर दिलेले क्रमांक लिहिलेले असतात. चक्राला फिरवल्यास ते चक्र अगदी अनाहुतपणे एखाद्या क्रमांकाजबळ थांबतो. तो क्रमांक म्हणजेच पहिला नमुना होय. अशाप्रकारे कृती आवश्यक नमुना मिळेपर्यंत चालू ठेवावी लागते.

II. लॉटरी पद्धत

लॉटरी पद्धतीमध्ये वर पाहिलेल्या रैलेट चक्रपद्धती प्रमाणे जनसंख्येची मांडणी एका विशिष्ट पद्धतीने केली जाते. लॉटरी पद्धतीत नाण्यांची चितपट करणे, चिठ्ठ्या टाकणे, पत्ते पिसणे, फासे टाकणे इत्यादी सहज सुलभ मार्गाचा अवलंब केला जातो. या पद्धतीत सर्वप्रथम जनसंख्येतील सर्व घटकांना क्रमांक दिले जातात. ते सर्व क्रमांक एकेक करून कागदाच्या चिठ्ठ्यांवर लिहिले जातात. नंतर त्या सर्व कागदांच्या चिठ्ठ्या एका छोट्याशा पेटीत ठेवल्या जातात. चिठ्ठ्या एकत्रित मिसळविण्यासाठी ती पेटी हलवली जाते. त्यातील एक चिठ्ठी एखाद्या लहान मुलाकून अगर

व्यक्तीकडून डोळे मिटून काढली जाते. ती पहिली चिठ्ठी म्हणजे पहिला नमुना होय. अशाप्रकारे ही कृती आवश्यक नमुना मिळेपर्यंत चालू ठेवावी लागते. प्रत्येक चिठ्ठीची नोंद केल्यानंतर ती चिठ्ठी इतर व्यक्तींनासुधा संधीची समानता मिळायला हवी म्हणून त्या पेटीत पुन्हा टाकली जाते. ही क्रिया करीत असताना पूर्वीचाच क्रमांक जर परत आला तर दखल न घेता ती चिठ्ठी परत पेटीत टाकली जाते. जनसंख्येचा आकार लहान असेल तर हे काम सुलभ आहे. परंतु आकार मोठा असेल तर हे काम जिकिरीचे आहे.

III. यादृच्छिक संख्यापत्रके

यादृच्छिक घटकांची निवड करण्याकरिता यादृच्छिक संख्यापत्रकांचा उपयोग केला जातो. तज्ज्ञांनी प्रयत्नपूर्वक परीक्षण करून यादृच्छिक संख्यांचे संच तयार केले आहेत. फिशर आणि येट्स यांच्या पत्रकात दोन अंकी 25 संख्यांचे 300 संच आहेत. प्रा. टिपेट यांच्या पत्रकात चार अंकी 10,400 संख्या आहेत. या संचातील कोणत्याही अंकापासून प्रारंभ करून वर, खाली, डावीकडे, उजवीकडे कोणत्याही दिशेने पत्रक वाचता येते. प्रथम जनसंख्येतील सर्व घटकांची आद्याक्षरानुसार मांडणी करून त्यांना 1,2,3,4,5 ----- असे क्रमांक द्यावे लागतात. त्यानंतर नमुन्याच्या आकाराइतके घटक यादृच्छिक संख्यापत्रकातून निवडावे लागतात.

2. नियमबद्ध नमुना निवड

यात प्रथम जनसंख्येतील घटकांची आद्याक्षरानुसार मांडणी केली जाते व घटकांना 1,2,3,4 असे क्रमांक दिले जातात. जनसंख्येच्या आकाराला नमुन्याच्या आकाराने भागून नमुना अंतर (m) काढतात. नंतर 1 ते m पर्यंतची एक संख्या (x) यादृच्छिक पद्धतीने निवडतात. त्यानंतरच्या संख्या $x, x+m, x+2m, x+3m, \dots$ या पद्धतीने निवडतात. ही क्रिया आवश्यक नमुना मिळेपर्यंत चालत असते.

3. बहुस्तरीय नमुना निवड

यात पुन्हा नमुना निवड असेल तर त्याला बहुस्तरीय नमुना निवड म्हणतात. उदा. जिल्ह्यातील शाळांचा नमुना प्रथम निवडून नमुन्यातील शाळांमधील विद्यार्थ्यांची नमुना निवडीने पुन्हा निवड केल्यास त्याला द्विस्तरीय नमुना निवड असे म्हणतात. द्विस्तरीय नमुना निवडीने सांछिकीय विश्लेषण गुंतागुंतीचे होण्याची व खर्च वाढण्याची शक्यता जास्त प्रमाणात असते.

4. वर्गीकृत यादृच्छिक नमुना निवड

जनसंख्येतील विविध निकषांवर आधारलेले वर्ग लक्षात घेऊन केलेल्या यादृच्छिक नमुना निवडीला वर्गीकृत नमुना निवड असे म्हणतात. यात प्रथम धर्म, वयोगट, लिंग, संख्या, सामाजिक-आर्थिक स्तर, क्षेत्र गुणवत्ता इत्यादी निकषांच्या आधारे वर्ग निवडले जातात, त्यानंतर प्रत्येक वर्गासाठी घटक संख्या ठरविली जाते व शेवटी त्यांची यादृच्छिक नमुना निवड पद्धतीने निवड केली जाते.

5. गुच्छ नमुना निवड

अनेक जनसंख्या घटकांनी बनलेल्या घटकांची निवड नमुना निवडीत केली असेल तर त्या पद्धतीला गुच्छ नमुना निवड म्हणतात. या पद्धतीत प्रथम यादृच्छिक पद्धतीने गुच्छांची निवड केली जाते व त्यानंतर निवडलेल्या प्रत्येक गुच्छातील सर्व घटक नमुन्यात घेतले जातात.

3.7.4.2 असंभाव्यता पद्धत

ज्या पद्धतीत अभ्यासक आपल्या व्यक्तिगत निर्णयानुसार जनसंख्येचे प्रतिनिधित्व करू शकणाऱ्या नमुना निवड घटकांची निवड करतो त्यांना असंभाव्यता पद्धत म्हणतात. या पद्धतीत अभ्यासकाच्या व्यक्तिगत निर्णयाला महत्त्व आहे. असंभाव्यता पद्धतीत प्रासंगिक पक्षपात व अभिनती यांना भरपूर वाव असल्यामुळे ह्या तीनही पद्धती फारशा उपयुक्त समजल्या जात नाहीत.

3.7.5 नमुना निवडीचे फायदे

1. नमुना निवडीमुळे पैसा, वेळ व परिश्रमाची बचत होते.
2. निष्कर्षात जास्त विश्वसनीयता असते.

3. विस्तृत अध्ययन होते.
4. वैज्ञानिक आधार प्राप्त होतो.
5. काही परिस्थितीमध्ये जास्त उपयुक्त असते.

3.7.6 नमुना निवडीचे तोटे

1. कमी बिनचूक असते.
2. जास्त परिवर्तनशील घटक असल्यास नमुना निवड फायद्याचे नाही.
3. भ्रमात्मक निष्कर्ष निघण्याची शक्यता जास्त असते.
4. विशिष्ट ज्ञानाची आवश्यकता असते.
5. जेव्हा नमुना शक्य होत नाही तेव्हा नमुना निवड फायद्याचे नाही.

3.7.7 नमुना निवडीची परिस्थिती (नमुना निवडीची आवश्यकता केव्हा आणि कुठे ?)

1. विशाल माहिती पाहिजे असल्यास
2. जास्त बिनचूकतेची आवश्यकता नसल्यास
3. असंख्य माहिती हवी असल्यास
4. शिरगणती शक्य नसल्यास
5. माहितीमध्ये एकरूपता असल्यास

प्रस्तुत संशोधनात गुच्छ नमुना निवड पद्धतीचा अवलंब करण्यात आला आहे .पुणे जिल्ह्यात एकूण 683 मराठी माध्यमाच्या खाजगी अनुदानित माध्यमिक शाळा आहेत.¹¹ या शाळांपैकी पाच टक्के शाळा म्हणजेच 34 शाळा यादृच्छिक पद्धतीने निवडून (फिशर आणि येट्रस संख्यापत्रकाच्या साह्याने (निवडलेल्या 34 शाळांतील सर्व विद्यार्थ्यांचा समावेश नमुन्यात करण्यात आला आहे.

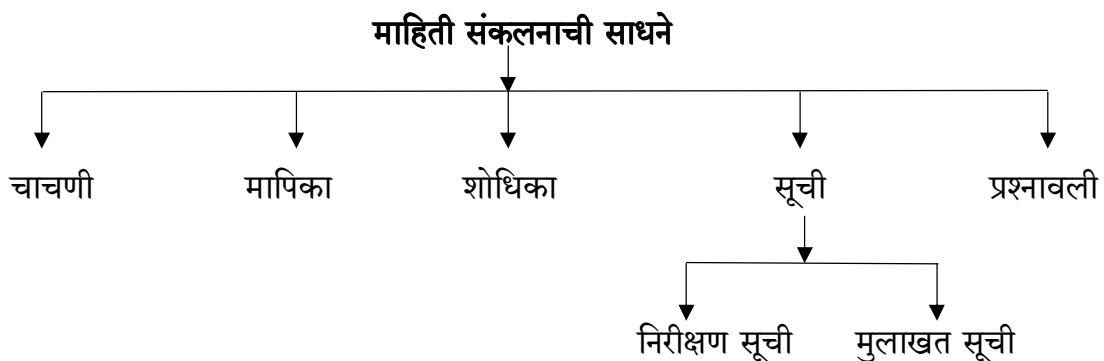
सारणी क्रमांक : 3.2 नमुना दर्शवणारी सारणी

| अ.क्र. | शाळेचे नाव | विद्यार्थी संख्या | | एकूण |
|--------|---|-------------------|------|------|
| | | मुले | मुली | |
| 1. | भारती विद्यापीठ कन्या प्रशाला धनकवडी, पुणे. | - | 58 | 58 |
| 2. | श्री सयाजीनाथ महाराज माध्यमिक विद्यालय, वडमुखवाडी, पिंपरी-चिंचवड. | 70 | 47 | 117 |
| 3 | श्री. नवरांड माध्यमिक विद्यालय, पारगाव खेड, ता. आंबेगाव, जि.पुणे. | 33 | 21 | 54 |
| 4. | श्री.छत्रपती शिवाजी विद्यालय, मुर्टी ता. बारामती, जि.पुणे | 33 | 20 | 53 |
| 5. | न्यू इंग्लिश स्कूल, कारखेल, ता. बारामती, जि.पुणे. | 28 | 19 | 47 |
| 6 | श्री. शिवाजी विद्यालय बावडा, ता. इंदापूर, जि. पुणे. | 28 | 30 | 58 |
| 7. | श्री. हारणेश्वर विद्यालय, कळस, ता.इंदापूर, जि. पुणे. | 31 | 28 | 59 |
| 8. | मनोरमा मेमोरियल गलर्स हायस्कूल, केडगांव, ता. दौँड, जि.पुणे. | - | 75 | 75 |
| 9. | जवाहरलाल माध्यमिक व उच्च माध्यमिक विद्यालय, केडगांव, ता. दौँड, जि. पुणे. | 49 | 45 | 94 |
| 10 | नाथनगर विद्यालय, बोरीपार्धी, ता. दौँड, जि.पुणे. | 24 | 23 | 47 |
| 11. | कन्या प्रशाला, लोणीकाळभोर, ता. हवेली, जि. पुणे. | - | 51 | 51 |
| 12 | श्री.छत्रपती मुलींचे हायस्कूल, भवानीनगर, ता. इंदापूर, जि.पुणे. | - | 48 | 48 |
| 13. | श्रीनाथ विद्यालय, वडापुरी, ता.इंदापूर, जि. पुणे. | 31 | 23 | 54 |
| 14. | भैरवनाथ विद्यालय, भिगवण, ता.इंदापूर, जि.पुणे. | 28 | 29 | 57 |
| 15. | महात्मा फुले विद्यालय, भिजवडी, ता. इंदापूर, जि. पुणे. | 29 | 27 | 56 |
| 16. | सावित्रीबाई फुले विद्यालय, ओतूर, ता.जुन्नर, जि. पुणे. | - | 40 | 40 |

| | | | | |
|-----|--|------------|------------|-------------|
| 17 | वीर सावरकर विद्यालय, बल्लाळवाडी, पांगरीमाथा, ता.जुनर जि.पुणे. | 22 | 18 | 40 |
| 18. | शितळेश्वर विद्यामंदिर, सितेवाडी, ता.जुनर, जि. पुणे. | 23 | 21 | 44 |
| 19. | श्री. शिवाजी विद्यालय, शेलपिंपळगाव, ता.खेड, जि. पुणे. | 27 | 25 | 52 |
| 20 | म.य. होळकर विद्यालय, वाफगाव, ता.खेड, जि. पुणे. | 33 | 22 | 55 |
| 21. | इंदिराजी माध्यमिक विद्यालय, मोई ता. खेड, जि.पुणे. | 31 | 21 | 52 |
| 22. | श्री. संत ज्ञानेश्वर माध्यमिक विद्यालय, राजेवाडी दिवड, ता. मावळ जि. पुणे. | 31 | 21 | 52 |
| 23. | वारू कोथुरुणे माध्यमिक विद्यालय, कोथुरुणे, ता. मावळ जि. पुणे. | 22 | 18 | 40 |
| 24. | श्री.भैरवनाथ विद्यालय, वहानगाव, ता.मावळ, जि. पुणे. | 26 | 23 | 49 |
| 25. | श्री.कानिफनाथ माध्यमिक विद्यालय, भिवरी, ता. पुरंदर, जि.पुणे. | 25 | 21 | 46 |
| 26 | न्यू इंग्लिश स्कूल मलठण, ता. शिरूर, जि.पुणे. | 29 | 18 | 47 |
| 27. | श्री.पांडुरंग विद्यामंदिर, विठ्ठलवाडी, ता. शिरूर, जि. पुणे. | 32 | 19 | 51 |
| 28. | अभिनव विद्यालय, सरदवाडी, ता.शिरूर,जि.पुणे. | 26 | 22 | 48 |
| 29. | एकता विद्यालय, करंजावणे, ता. शिरूर, जि.पुणे. | 24 | 30 | 54 |
| 30. | श्री.शिवाजी विद्यालय, गोलेगाव, ता. शिरूर, जि.पुणे. | 23 | 19 | 42 |
| 31. | श्री. धनोबा माध्यमिक विद्यालय, धानोरे, ता. शिरूर, जि.पुणे. | 25 | 21 | 46 |
| 32. | तोरणा सागर माध्यमिक विद्यालय, निवी, ता. वेल्हे, जि.पुणे. | 26 | 22 | 48 |
| 33. | माध्यमिक विद्यालय, रूळे, ता. वेल्हे, जि.पुणे. | 26 | 22 | 48 |
| 34. | न्यू इंग्लिश स्कूल, नानगांव, ता.दौँड, जि.पुणे. | 22 | 19 | 41 |
| | एकूण | 857 | 966 | 1823 |

3.8 माहिती संकलनाची साधने

कोणतेही संशोधन म्हटले की, माहिती संकलन प्रक्रिया ही आलीच. आपण संशोधनासाठी एखादी समस्या निवडतो तेव्हा त्याच्या अनुषंगाने काही माहिती आपल्याला संकलित करणे अपरिहार्य ठरते. प्रस्तुत माहिती संकलित करण्यासाठी आपल्याला काही संशोधन साधनांचा वापर करावा लागतो. संशोधनासाठी योग्य माहिती संकलन साधनाची निवड ही फार महत्वाची असते. कारण त्याशिवाय आपण विश्वसनीय माहिती संकलित करू शकत नाही. तसेच संशोधनात काही परिकल्पनांची मांडणी केली जाते. मांडलेल्या परिकल्पनांच्या परीक्षणासाठीदेखील आपणांस विविध प्रकारची माहिती संकलित करावी लागते. प्रस्तुत माहिती चाचणी, मापिका, शोधिका, प्रश्नावली, निरीक्षण सूची, मुलाखत सूची यांच्या साह्याने मिळवली जाते. यालाच माहिती संकलनाची साधने म्हणतात. माहिती संकलनाची साधने खालीलप्रमाणे आहेत.



संशोधन कार्यासाठी योग्य साधनांची निवड करणे हे एक महत्वपूर्ण कार्य आहे. अन्यथा प्राप्त होणारी माहिती विश्वसनीय असण्याची शक्यता कमी असते. त्यासाठी माहिती संकलनाची साधने विश्वसनीय असणे आवश्यक ठरते.

3.8.1 माहिती संकलन साधनांचे निकष

चांगल्या माहिती संकलन साधनांच्या ठिकाणी काही किमान गुण असणे आवश्यक आहे. हे गुण पुढीलप्रमाणे आहेत.

1. विश्वसनीयता

2. सप्रमाणता
3. वस्तुनिष्ठता
4. पर्याप्तता
5. उपयुक्तता
6. भेदभावक्षमता

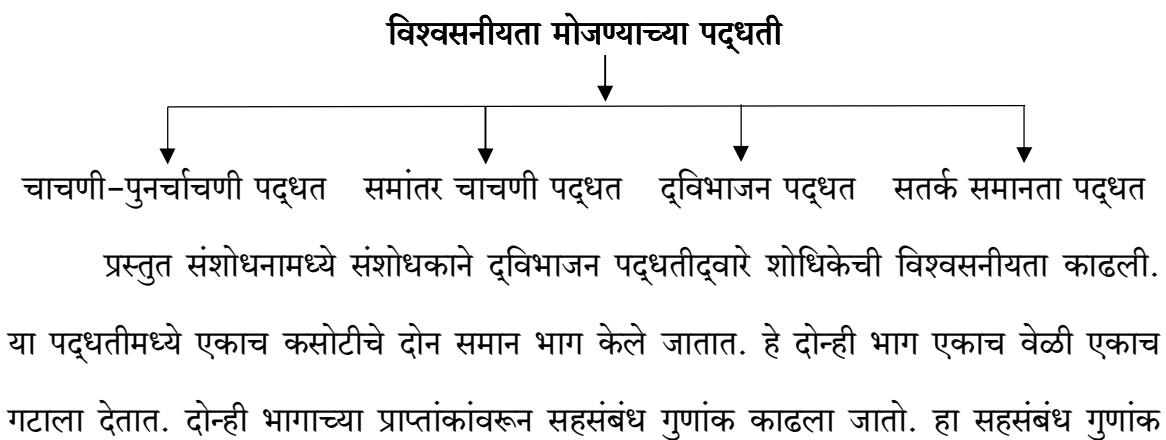
प्रस्तुत संशोधनामध्ये माहिती संकलन करण्यासाठी तयार करण्यात आलेली अध्ययन शैली शोधिका संशोधकनिर्मित असल्याने शोधिकीची विश्वसनीयता व सप्रमाणता तपासण्यात आली.

3.8.2 माहिती संकलन साधनाची विश्वसनीयता

एखाद्या माहिती संकलन साधनाच्या साह्याने निरनिराळ्या वेळी जरी माहिती संकलित केली तरी प्राप्त माहितीमध्ये सुसंगती आढळल्यास ते साधन विश्वसनीय आहे असे म्हटले जाते.

गैरेट यांच्या मते, “ The reliability of a test or any measuring instrument depends upon the consistency with which it gauges the ability to which it is applied.”¹²

माहिती संकलन साधने विश्वसनीय असण्यासाठी फार विचारपूर्वक निर्माण करावी लागतात. त्याचप्रमाणे विश्वसनीयता मोजण्याच्या विविध पद्धतींपैकी योग्य पद्धतीचा वापर करून माहिती संकलन साधनांची विश्वसनीयता ठरवावी लागते. विश्वसनीयता मोजण्याच्या पद्धती पुढीलप्रमाणे आहेत.



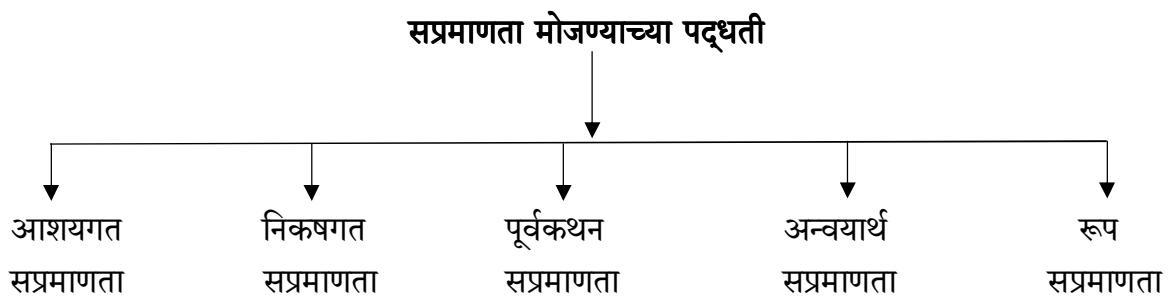
म्हणजेच विश्वसनीयता गुणांक होय. संशोधकनिर्मित अध्ययन शैली शोधिकेचा विश्वसनीयता गुणांक

0.74 इतका आहे. यावरून अध्ययन शैली शोधिकेची विश्वसनीयता उच्च आहे.

3.8.3 माहिती संकलन साधनाची सप्रमाणता

एखाद्या माहिती संकलन साधनाट्वारे ज्या क्षमतेचे, कौशल्याचे मापन करावयाचे ठरवले असेल त्याच क्षमतेचे, कौशल्याचे अचूकपणे मापन होत असेल तर ते साधन सप्रमाण आहे असे म्हणता येते.

थॉनडार्डिक यांच्या मते, “A measurement procedure is valid in so far as it correlates with some measurement of success in the job which it is being used as predictor.”¹³ विश्वसनीयताप्रमाणेच सप्रमाणता मोजण्याच्या विविध पद्धतीपैकी योग्य पद्धतीचा वापर करून माहिती संकलन साधनाची सप्रमाणता ठरवावी लागते.



प्रस्तुत संशोधनामध्ये संशोधकाने आशयगत सप्रमाणात या पद्धतीट्वारे शोधिकेची सप्रमाणता तपासली. या पद्धतीमध्ये विषयासंबंधी सर्व मुद्दे, उपमुद्दे शोधिकेमध्ये आले आहेत का तसेच शोधिकेच्या रचनेसंबंधी, तसेच अन्य घटकांचा समावेश असल्यास त्याबाबत तज्ज्ञांकडून शोधिकेची तपासणी केली जाते. म्हणून अध्ययन शैली शोधिका 10 मानसशास्त्रीय व शिक्षणशास्त्रीय तज्ज्ञांकडून तपासून घेण्यात आली. तज्ज्ञांनी सांगितलेल्या सूचनांनुसार शोधिकेची रचना करून तिला अंतिम स्वरूप देण्यात आले.

प्रस्तुत संशोधनामध्ये माहिती संकलित करण्यासाठी खालील साधनांचा उपयोग करण्यात आला आहे.

1. अध्ययन शैली शोधिका

2. प्रगतिपुस्तक

1. अध्ययन शैली शोधिका

विद्यार्थ्यांच्या अध्ययन शैलीचा अभ्यास करण्यासाठी संशोधकाने स्वतः “अध्ययन शैली शोधिका” तयार केली. या शोधिकेमध्ये एकूण 42 विधाने असून प्रत्येक विधानाला नेहमी, बरेचदा, कधीकधी, क्वचित, कधीच नाही असे पाच पर्याय दिलेले आहेत. ही विधाने दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली, श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली आणि स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली अशा तीन घटकांमध्ये विभागली आहे. सर्व विधाने यादृच्छिकरीत्या एकत्र केली आहेत. सर्व विधाने सकारात्मक आहेत. या शोधिकेतील विधानांची काठिण्यमूल्यांशी संबंधित कोणतीही विशिष्ट रचना नाही. शोधिका सोडवण्यासाठी 20 मिनिटांचा वेळ देण्यात आलेला आहे. सर्व विधाने सकारात्मक असल्यामुळे त्यांच्या पर्यायांना अनुक्रमे 5, 4, 3, 2, 1 असे गुण दिलेले आहेत. शोधिकेची विश्वसनीयता द्रविभाजन पद्धतीने काढण्यात आली असून संपूर्ण शोधिकेचा विश्वसनीयता गुणांक 0.74 इतका आहे. त्यामुळे संशोधकनिर्मित “अध्ययन शैली शोधिका ”ची विश्वसनीयता उच्च आहे. सप्रमाणता तपासण्यासाठी आशयगत सप्रमाणता पद्धतीचा अवलंब करण्यात आला. अध्ययन शैली शोधिका 10 मानसशास्त्रीय व शिक्षणशास्त्रीय तज्ज्ञांकडून तपासून घेण्यात आली. तज्ज्ञांनी सांगितलेल्या सूचनांनुसार शोधिकेची रचना करून तिला अंतिम स्वरूप देण्यात आले. शेवटी प्रत्येक विधानानुसार मिळणारे गुण नोंदविण्यासाठी नोंदतक्ता देण्यात आला. नोंदवलेल्या अध्ययन शैली प्रकारानुसार बेरीज करून एकूण बेरजेच्या आधारे ज्या अध्ययन शैली प्रकाराची एकूण जास्त ती त्या विद्यार्थ्यांची अध्ययन शैली होय असे अर्थनिर्वचन करण्यात आले.

2. प्रगतिपुस्तक

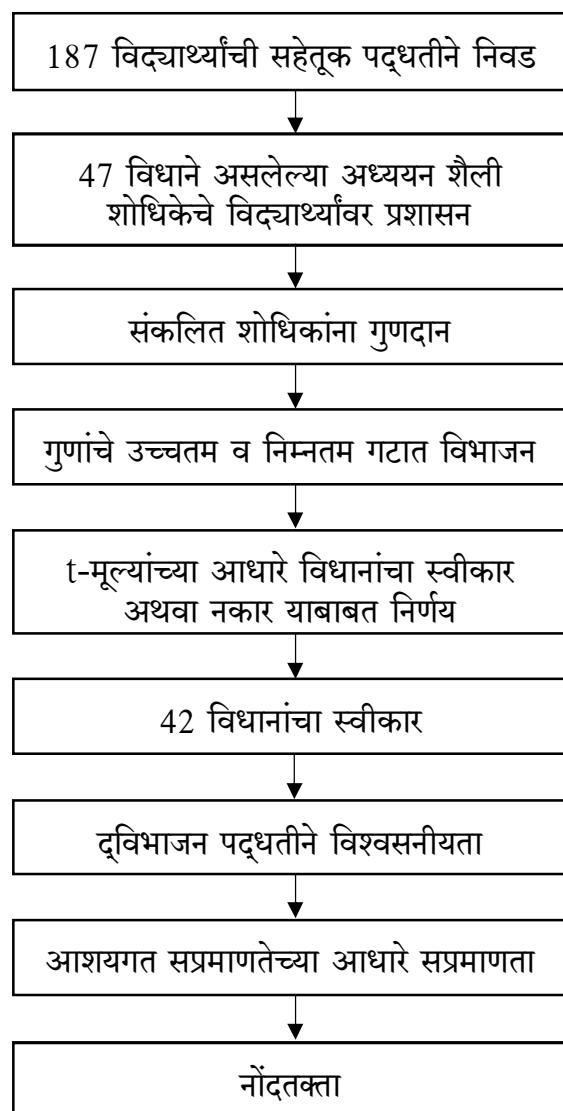
विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादण्याकीचा अभ्यास करण्यासाठी विद्यार्थ्यांना इयत्ता 9वीच्या अंतिम परीक्षेत मिळालेले गुण त्यांच्या प्रगतिपुस्तकांच्या आधारे संकलित करण्यात आले. अंतिम

परीक्षा 750 गुणांची होती. प्राप्त गुणांचे शेकडेवारीत रूपांतर करण्यात आले. शेकडेवारीच्या आधारे उच्च (71-100%), मध्यम (51-70%), कमी (41-50%) सर्वात कमी (0-40%) अशी संपादणूक पातळी ठरवून अनुक्रमे A, B, C, D अशा श्रेणी देण्यात आल्या.

3.9 माहिती संकलन प्रक्रिया

माहिती संकलन प्रक्रिया उद्दिष्टानुसार खालीलप्रमाणे करण्यात आली आहे.

3.9.1 उद्दिष्ट क्रमांक 1 अनुसार : अध्ययन शैली शोधिका तयार करणे.



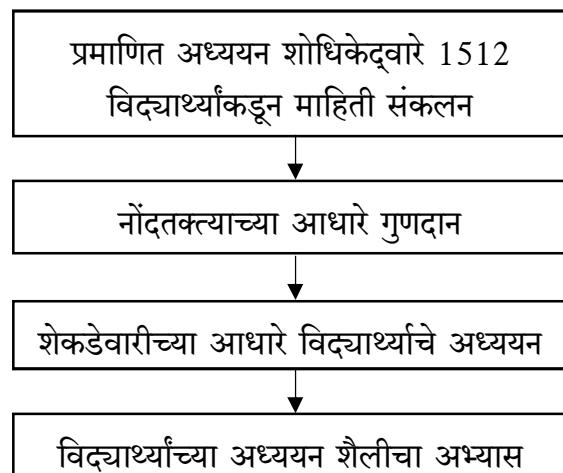
ओघतक्ता क्रमांक 1: अध्ययन शैली शोधिका तयार करण्यासाठीचा ओघतक्ता

उद्दिष्ट क्रमांक 1 च्या पूर्तेसाठी वरील ओघतक्त्याच्या आधारे पुढीलप्रमाणे माहिती संकलित करण्यात आली.

1. सर्वप्रथम 4 शाळांमधील 187 विद्यार्थ्यांची सहेतूक पद्धतीने निवड करून त्या 187 विद्यार्थ्यांच्या एका गटावर 47 विधाने असलेली शोधिका प्रशासित करण्यात आली. (परिशिष्ट “A ” पहा). 187 विद्यार्थ्यांच्या शाळांची नावे परिशिष्ट “B ”मध्ये दिलेली आहेत.
2. प्रशासित अध्ययन शोधिका संकलित करून सर्व शोधिकांना योग्य गुणदान करण्यात आले.
3. त्यानंतर वरील 27% (50 विद्यार्थी) विद्यार्थ्यांचे एकूण गुण उच्चतम गटात व खालील 27% (50 विद्यार्थी) विद्यार्थ्यांचे एकूण गुण निम्नतम गटात घेतले.
4. प्रत्येक विधानासाठी उच्चतम गटातील व निम्नतम गटातील विधानवार गुणांच्या आधारे t- मूल्य काढून विधान स्वीकारावे की नाकारावे याबाबात निर्णय घेण्यात आला.
5. निर्णयाच्या आधारे अध्ययन शोधिकेतील 47 विधानांपैकी 42 विधानांचा स्वीकार करण्यात आला.
6. 42 विधानांच्या अध्ययन शैली शोधिकेची दृविभाजन पद्धतीने विश्वसनीयता काढण्यात आली.
7. विश्वसनीयता काढण्यासाठी अध्ययन शैली शोधिकेचे समान दोन भाग करून दोन्ही भाग 102 विद्यार्थ्यांच्या एकाच गटाला एकाचवेळी सोडवायला दिले. 102 विद्यार्थ्यांची निवड सहेतूक पद्धतीने करण्यात आली. त्यासाठी कर्मवीर भाऊराव पाटील विद्यामंदीर, धनकवडी, पुणे येथील इयत्ता 9वीच्या विद्यार्थ्यांची निवड करण्यात आली .
8. दोन्ही भागात विद्यार्थ्यांना मिळालेल्या गुणांवरून विश्वसनीयता गुणांक काढण्यात आला. दोन्ही भागात विद्यार्थ्यांना मिळालेले गुण परिशिष्ट “D ”मध्ये दिलेले आहेत.
9. अध्ययन शैली शोधिकेचा विश्वसनीयता गुणांक 0.74 इतका आला. यावरून संशोधकाने तयार केलेल्या अध्ययन शैली शोधिकेची विश्वसनीयता उच्च आहे.
10. आशयगत सप्रमाणता पद्धतीचा अवलंब करून अध्ययन शैली शोधिकेची सप्रमाणता तपासण्यात आली.

11. सर्वात शेवटी नोंदतक्ता तयार करण्यात आला.
12. अशाप्रकारे 42 विधानांची अध्ययन शैली शोधिका तयार करण्यात आली. (परिशिष्ट “C” पहा)
13. सांख्यिकीय साधने : अध्ययन शैली शोधिका तयार करण्याच्या हेतूने प्रश्न पृथक्करण करण्यासाठी t- परीक्षिका व विश्वसनीयता गुणांक काढण्यासाठी सहसंबंध या सांख्यिकीय साधनांचा उपयोग करण्यात आला.

3.9.2 उद्दिष्ट क्रमांक 2 अनुसार : विद्यार्थ्यांच्या अध्ययन शैलींचा अभ्यास करणे.



ओघतक्ता क्रमांक 2 : विद्यार्थ्यांच्या अध्ययन शैलीचा अभ्यास करण्यासाठीचा ओघतक्ता उद्दिष्ट क्रमांक 2 च्या पूर्तेसाठी वरील ओघतक्त्याच्या आधारे पुढीलप्रमाणे माहिती संकलित करण्यात आली.

1. सर्वप्रथम वरीलप्रमाणे तयार केलेली अध्ययन शैली शोधिका न्यादर्शातील 1823 विद्यार्थ्यपैकी शोधिका सोडवायला देतेवेळी उपस्थित असलेल्या 1512 विद्यार्थ्यांना सोडवायला देण्यात आली.
2. 1512 विद्यार्थ्यांनी सोडवलेल्या अध्ययन शैली शोधिका संकलित करण्यात आल्या.
3. संकलित 1512 अध्ययन शैली शोधिकांचे नोंदतक्त्याच्या आधारे योग्य गुणदान करण्यात आले. (परिशिष्ट “E” पहा)
4. शाळानिहाय विद्यार्थ्यांच्या 3.3 मध्ये दिलेल्या सारणीतील अनुक्रमांकानुसार गुणांचे वर्गीकरण परिशिष्ट “E” मध्ये दिलेले आहे.

5. गुणांच्या आधारे विद्यार्थ्यांच्या अध्ययन शैलीचा अभ्यास करण्यात आला.
6. सांख्यिकीय साधने : विद्यार्थ्यांना मिळालेल्या गुणांच्या आधारे विद्यार्थ्यांचे अध्ययन शैलीनुसार वर्गीकरण करण्यासाठी शेकडेवारी या सांख्यिकीय साधनाचा वापर करण्यात आला.

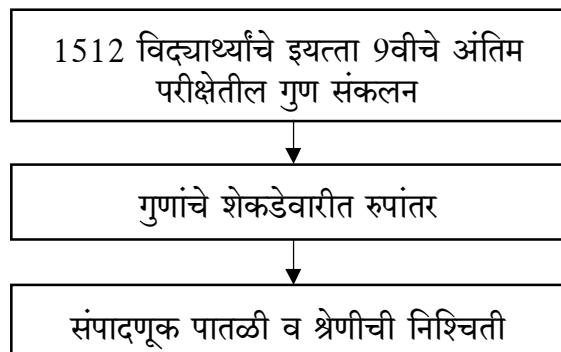
सारणी क्रमांक 3.3 : शाळानिहाय विद्यार्थी संख्या दर्शवणारी सारणी

| अ.क्र. | शाळेचे नाव | एकूण विद्यार्थी | अध्ययन शैलीनुसार अनुक्रमांक | |
|--------|---|-----------------|-----------------------------|------------|
| | | | मुले | मुली |
| 1 | भारती विद्यापीठ कन्या प्रशाला धनकवडी, पुणे. | 46 | - | 1 ते 46 |
| 2 | श्री सयाजीनाथ महाराज माध्यमिक विद्यालय, वडमुखवाडी, पिंपरी-चिंचवड. | 84 | 1 ते 50 | 47 ते 80 |
| 3 | श्री. नवखंड माध्यमिक विद्यालय, पारगाव खेड, ता. आंबेगाव, जि.पुणे. | 47 | 51 ते 78 | 81 ते 99 |
| 4 | श्री.छत्रपती शिवाजी विद्यालय, मुर्टी ता. बारामती, जि.पुणे | 45 | 79 ते 105 | 100 ते 117 |
| 5 | न्यू इंग्लिश स्कूल, कारखेल, ता. बारामती, जि.पुणे. | 43 | 106 ते 130 | 118 ते 135 |
| 6 | श्री. शिवाजी विद्यालय बावडा, ता. इंदापूर, जि.पुणे. | 50 | 131 ते 154 | 136 ते 161 |
| 7 | श्री. हारणेश्वर विद्यालय, कळस, ता.इंदापूर, जि. पुणे. | 48 | 155 ते 180 | 162 ते 183 |
| 8 | मनोरमा मेमोरियल गल्स हायस्कूल, केडगांव, ता. दौँड, जि.पुणे. | 65 | - | 184 ते 248 |
| 9 | जवाहरलाल माध्यमिक व उच्च माध्यमिक विद्यालय, केडगांव, ता. दौँड, जि.पुणे. | 81 | 181 ते 222 | 249 ते 287 |
| 10 | नाथनगर विद्यालय, बोरीपार्थी, ता. दौँड, जि.पुणे. | 47 | 223 ते 246 | 288 ते 310 |
| 11 | कन्या प्रशाला, लोणीकाळभोर, ता. हवेली, जि.पुणे. | 47 | - | 311 ते 357 |
| 12 | श्री.छत्रपती मुर्लींचे हायस्कूल, भवानीनगर, ता. इंदापूर, जि.पुणे. | 41 | - | 358 ते 398 |

| | | | | |
|----|--|----|------------|------------|
| 13 | श्रीनाथ विद्यालय, वडापुरी, ता.इंदापूर, जि. पुणे. | 50 | 247 ते 274 | 399 ते 420 |
| 14 | भैरवनाथ विद्यालय, भिगवण, ता.इंदापूर, जि.पुणे. | 57 | 275 ते 302 | 421 ते 449 |
| 15 | महात्मा फुले विद्यालय, भिजवडी, ता. इंदापूर, जि.पुणे. | 56 | 303 ते 331 | 450 ते 476 |
| 16 | सावित्रीबाई फुले विद्यालय, ओतूर, ता.जुन्नर, जि.पुणे. | 34 | - | 477 ते 510 |
| 17 | वीर सावरकर विद्यालय, बल्लाळवाडी, पांगरीमाथा, ता.जुन्नर जि.पुणे. | 36 | 332 ते 349 | 511 ते 528 |
| 18 | शितळेश्वर विद्यामंदिर, सितेवाडी, ता.जुन्नर, जि.पुणे. | 40 | 350 ते 368 | 529 ते 549 |
| 19 | श्री. शिवाजी विद्यालय, शेलपिंपळगाव, ता.खेड, जि.पुणे. | 36 | 369 ते 387 | 550 ते 566 |
| 20 | म.य. होळकर विद्यालय, वाफगाव, ता.खेड, जि.पुणे. | 42 | 388 ते 414 | 567 ते 581 |
| 21 | इंदिराजी माध्यमिक विद्यालय, मोई ता.खेड, जि.पुणे. | 45 | 415 ते 440 | 582 ते 600 |
| 22 | श्री. संत ज्ञानेश्वर माध्यमिक विद्यालय, राजेवाडी दिवड, ता. मावळ जि. पुणे. | 33 | 441 ते 458 | 601 ते 615 |
| 23 | वारू कोथुर्णे माध्यमिक विद्यालय, कोथुर्णे,ता. मावळ जि.पुणे. | 37 | 459 ते 478 | 616 ते 632 |
| 24 | श्री.भैरवनाथ विद्यालय, वहानगाव, ता. मावळ जि. पुणे. | 37 | 479 ते 500 | 633 ते 647 |
| 25 | श्री.कानिफनाथ माध्यमिक विद्यालय, भिवरी, ता.पुरंदर, जि.पुणे. | 37 | 501 ते 517 | 648 ते 667 |
| 26 | न्यू इंग्लिश स्कूल मलठण,ता. शिरूर,पुणे. | 34 | 518 ते 536 | 668 ते 682 |
| 27 | श्री.पांडुरंग विद्यामंदिर,विठ्ठलवाडी, ता. शिरूर, जि.पुणे. | 37 | 537 ते 561 | 683 ते 694 |
| 28 | अभिनव विद्यालय,सरदवाडी, ता.शिरूर, जि.पुणे. | 48 | 562 ते 587 | 695 ते 716 |
| 29 | एकता विद्यालय, करंजावणे, ता. शिरूर, जि.पुणे. | 46 | 588 ते 611 | 717 ते 738 |

| | | | | |
|----|---|----|------------|------------|
| 30 | श्री. शिवाजी विद्यालय, गोलेगाव, ता. शिरूर, जि.पुणे. | 27 | 612 ते 626 | 739 ते 750 |
| 31 | श्री. धनोबा माध्यमिक विद्यालय, धानोरे, ता. शिरूर, जि.पुणे. | 33 | 627 ते 644 | 751 ते 765 |
| 32 | तोरणा सागर माध्यमिक विद्यालय, निवी, ता. वेल्हे, जि.पुणे. | 37 | 645 ते 666 | 766 ते 780 |
| 33 | माध्यमिक विद्यालय, रूळे, ता. वेल्हे, जि.पुणे. | 34 | 667 ते 685 | 781 ते 795 |
| 34 | न्यू इंग्लिश स्कूल, नानगांव, ता. दौँड, जि.पुणे. | 32 | 686 ते 704 | 796 ते 808 |

3.9.3 उद्दिष्ट क्रमांक 3 अनुसार : विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीचा अभ्यास करणे.

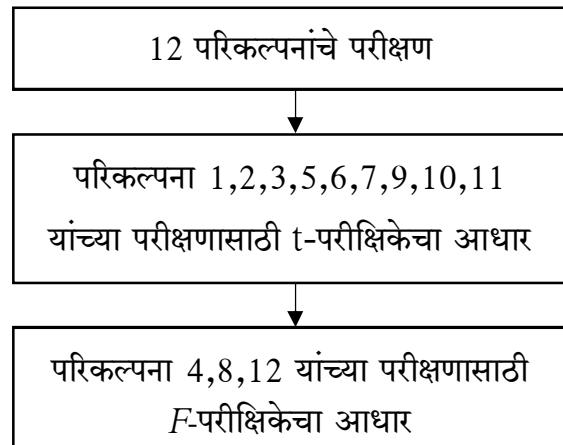


ओघतक्ता क्रमांक 3 : विद्यार्थ्यांची शैक्षणिक संपादणूक अभ्यासण्यासाठीचा ओघतक्ता उद्दिष्ट क्रमांक 3 च्या पूर्तेसाठी वरील ओघतक्त्याच्या आधारे पुढीलप्रमाणे माहिती संकलित करण्यात आली.

1. अध्ययन शैली शोधिकेनुसार वर्गीकरण केलेल्या 1512 विद्यार्थ्यांचे इयत्ता 9वीच्या अंतिम परीक्षेतील गुण संकलित करण्यात आले. (परिशिष्ट “F ”पहा) संकलित गुणांचे वितरण प्रसामान्य आहे किंवा नाही याची तपासणी करण्यात आली.
2. विद्यार्थ्यांना मिळालेल्या अंतिम परीक्षेतील गुणांचे शेकडेवारीत रूपांतर करून त्या आधारे संपादणूक पातळी ठरवण्यात आली व त्यावरून श्रेणी ठरवण्यात आली.

3. सांख्यिकीय साधने : संकलित गुण प्रसामान्य आहेत किंवा नाही हे पाहण्यासाठी प्रसामान्यतेची चाचणी Test of Normality करण्यात आली. त्यासाठी डब्लू/एस पद्धतीचा अवलंब करण्यात आला. संपादणूक पातळीनुसार विद्यार्थ्यांचे वर्गीकरण करण्यासाठी शेकडेवारी या सांख्यिकीय साधनाचा वापर करण्यात आला.

3.9.4 उद्दिष्ट क्रमांक 4 अनुसार : अध्ययन शैलीच्या संदर्भात विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीचा अभ्यास करणे.



ओघतक्ता क्रमांक 4: अध्ययन शैलीच्या संदर्भात विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीचा अभ्यास करण्यासाठीचा ओघतक्ता

उद्दिष्ट क्रमांक 4 च्या पूर्तेसाठी वरील ओघतक्त्याच्या आधारे पुढीलप्रमाणे माहिती संकलित करण्यात आली.

1. उद्दिष्ट क्रमांक 2 व 3 नुसार प्राप्त माहितीच्या आधारे अध्ययन शैलीच्या संदर्भात विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीचा अभ्यास करण्यासाठी एकूण 12 परिकल्पनांचे परीक्षण करण्यात आले. (परिकल्पना पृष्ठ क्रमांक 32 वर दिलेल्या आहेत.)

2. परिकल्पना 1, 2, 3, 5, 6, 7, 9, 10, 11 यांच्या परीक्षणासाठी t- परीक्षिकेच्या आधारे t- मूल्य काढण्यात आले. सारणी t- मूल्याच्या आधारे प्राप्त t- मूल्याची सार्थकता तपासण्यासाठी 0.05 हा सार्थकता स्तर घेण्यात आला. (परिशिष्ट “G ”पहा)

3. परिकल्पना 4, 8, 12 यांच्या परीक्षणासाठी F- परीक्षिकेच्या आधारे F- मूल्य काढण्यात आले. सारणी F- मूल्याच्या आधारे प्राप्त F- मूल्याची सार्थकता तपासण्यासाठी 0.05 हा सार्थकता स्तर घेण्यात आला. (परिशिष्ट “H ”पहा)

3.10 संशोधन कार्यवाहीचे वेळापत्रक

सदर संशोधनासाठी कार्यवाही खाली दिलेल्या वेळापत्रकाप्रमाणे करण्यात आली.

सारणी क्रमांक 3.4 : संशोधन कार्यवाहीचे वेळापत्रक दर्शवणारी सारणी

| अ.क्र. | तपशील | कालावधी | एकूण दिवस |
|--------|---|-----------------------------------|-----------|
| 1. | शोधिका तयार करणे | ऑगस्ट 2015 | 10 |
| 2. | प्रश्न पृथक्करण | ऑगस्ट व सप्टेंबर 2015 | 21 |
| 3. | विश्वसनीयता | सप्टेंबर व ऑक्टोबर 2015 | 29 |
| 4. | सप्रमाणता | ऑक्टोबर 2015 | 21 |
| 5. | अध्ययन शैली शोधिकेद्वारे माहिती संकलन | नोव्हेंबर 2015 ते फेब्रुवारी 2016 | 90 |
| 6. | प्राप्त अध्ययन शैली शोधिकांना गुणदान व वर्गीकरण | मार्च 2016 ते एप्रिल 2016 | 40 |
| 7. | शैक्षिणक संपादणूकी संबंधात माहिती संकलन | जून 2016 ते ऑगस्ट 2016 | 50 |
| | एकूण ----- | | 261 |

संदर्भ

1. Kumar, Ranjit. (2015). *Research A Step-by-step Guide for Beginners*. New Delhi: SAGE Publications India Pvt Ltd. P. 9.
2. रणसिंग, विनया आणि मोहिते, प्रवीण.(2013).कृती संशोधन आणि नवोक्रम. नागपूर : श्री मंगेश प्रकाशन. पृष्ठ क्रमांक 3.
3. पारसनीस, हेमलता आणि देशपांडे, लीना.(2009). शैक्षणिक कृती संशोधन. पुणे : नित्य नूतन प्रकाशन. पृष्ठ क्रमांक 3.
4. भिंताडे, वि. रा. (2009). शैक्षणिक संशोधन पद्धती. पुणे : नित्य नूतन प्रकाशन. पृष्ठ क्रमांक 87.
5. गाडगीळ, स्वाती. (2009). कृती संशोधन व नवोपक्रम. पुणे : सुविचार प्रकाशन. पृष्ठ क्रमांक 28.
6. मुळे, रा. श. आणि उमाठे वि. तु. (1998). शैक्षणिक संशोधनाची मूलतत्वे. औरंगाबाद : विद्या बुक्स. पृष्ठ क्रमांक 111-112.
7. Kumar, Ranjit. (2015). *Research A Step-by-step Guide for Beginners*. New Delhi : SAGE Publications India Pvt Ltd. P. 122.
8. Kumar, Ranjit. (2015). *Research A Step-by-step Guide for Beginners*. New Delhi : SAGE Publications India Pvt Ltd. P. 122.
9. पंडित, ब.बि. (2009). शिक्षणातील संशोधन अभिकल्प. पुणे : नित्य नूतन प्रकाशन. पृष्ठ क्रमांक 75.
10. मुळे, रा. श. आणि उमाठे वि. तु. (1998). शैक्षणिक संशोधनाची मूलतत्वे. औरंगाबाद : विद्या बुक्स. पृष्ठ क्रमांक 320-321.
11. माध्यमिक शाळा तपशील. Retrieved from <http://www.dydepune.com/secondary/StaticsSecondary.pdf>

12. Ransing, Vinaya & Parashar, Gaurishankar. (2010). *Story Analysis Model*. Delhi: Kitabi Duniya. P. 58.
13. Ransing, Vinaya & Parashar, Gaurishankar. (2010). *Story Analysis Model*. Delhi: Kitabi Duniya. P. 61.

प्रकरण चौथे

संकलित माहितीचे विश्लेषण क

अर्थनिर्वचन

प्रकरण चौथे
संकलित माहितीचे विश्लेषण व अर्थनिर्वचन
अनुक्रमणिका

| क्रमांक | तपशील | पृष्ठ क्रमांक |
|---------|---------------------------|---------------|
| 4.1 | प्रस्तावना | 115 |
| 4.2 | उद्दिष्ट क्रमांक 1 अनुसार | 116 |
| 4.3 | उद्दिष्ट क्रमांक 2 अनुसार | 120 |
| 4.4 | उद्दिष्ट क्रमांक 3 अनुसार | 134 |
| 4.5 | उद्दिष्ट क्रमांक 4 अनुसार | 139 |

प्रकरण चौथे

संकलित माहितीचे विश्लेषण व अर्थनिर्वचन

4.1 प्रस्तावना

प्रकरण क्रमांक तीनमध्ये संशोधकाने संशोधन कार्यपद्धतीचे सविस्तर वर्णन केलेले आहे. संशोधन पद्धती, जनसंख्या व नमुना, नमुना निवडीचे तंत्र, संशोधन अभिकल्प, संशोधनातील चले, माहिती संकलनाची साधने, सांख्यिकीय साधने या सर्वांबाबत सविस्तर तपशील देण्यात आलेला आहे.

प्रस्तुत प्रकरणामध्ये संशोधकाने माहिती संकलन साधनांद्वारे जी माहिती संकलित केलेली आहे त्यासंबंधी संपूर्ण माहिती दिलेली आहे. त्याचप्रमाणे सदर माहितीचे योग्य त्या सांख्यिकीय साधनांद्वारे विश्लेषण करण्यात आलेले आहे. अर्थनिर्वचन करण्यासाठी आवश्यकतेनुसार योग्य त्या आलेखांचा वापर करण्यात आला आहे. माहिती संकलन प्रक्रिया उद्दिष्टानुसार करण्यात आलेली आहे. प्रस्तुत प्रकरणामध्ये माहितीचे विश्लेषण व अर्थनिर्वचन यांची मांडणीसुदृढा त्याचपद्धतीने करण्यात आलेली आहे. उद्दिष्ट क्रमांक 1 अध्ययन शैली शोधिका तयार करणे आणि उद्दिष्ट क्रमांक 2 विद्यार्थ्यांच्या अध्ययन शैलीचा अभ्यास करणे असे आहे म्हणजेच, सदर उद्दिष्टे ही अध्ययन शैलीसंदर्भात निश्चित करण्यात आली आहेत. उद्दिष्ट क्रमांक 2 आणि उद्दिष्ट क्रमांक 3 याबाबत एकूण 1512 विद्यार्थ्यांशी संबंधित संकलित केलेल्या माहितीचे विश्लेषण व अर्थनिर्वचन याठिकाणी करण्यात आलेले आहे. उद्दिष्ट क्रमांक 3ची मांडणी विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादण्याकीचा अभ्यास करणे याअनुषंगाने करण्यात आलेली आहे. उद्दिष्ट क्रमांक 4 अध्ययन शैलीच्या संदर्भात विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादण्याकीचा अभ्यास करणे असे निश्चित करण्यात आले आहे. या उद्दिष्टासाठी एकूण 12 परिकल्पनांची मांडणी करण्यात आलेली आहे. सदर उद्दिष्टांसंबंधी माहितीचे विश्लेषण व अर्थनिर्वचन त्यानुसार करण्यात आलेले आहे.

4.2 उद्दिष्ट क्रमांक 1 अनुसार : अध्ययन शैली शोधिका तयार करणे.

अध्ययन शैली शोधिकेची रचना

गिलफोर्डने संशोधकनिर्मित चाचणी प्रमाणीकरणासाठी सांगितलेल्या स्पष्टता (Clarity), समर्पकता (Relevance), अचूकता (Precision), विविधता (Variety), वस्तुनिष्ठता (Objectivity), वैशिष्ट्यपूर्णता (Uniqueness) इत्यादी बाबी विचारात घेऊ मार्गदर्शकाच्या मार्गदर्शनाखाली, शिक्षणशास्त्रातील तज्ज्ञांकडून, मासिकांतील अध्ययन शैली संबंधित लेखांतून तसेच इंटरनेट वरील डाऊनलोड केलेल्या साहित्यांच्या आधारे 47 विधानांची अध्ययन शैली शोधिका तयार करण्यात आली. (परिशिष्ट “A” पहा) प्रत्येक विधानाला नेहमी, बरेचदा, कधीकधी, क्वचित, कधीच नाही असे पाच पर्याय देण्यात आले. प्रत्येक पर्यायाला 5, 4, 3, 2, 1 असे गुणदान करण्यात आले.

पथदर्शी अभ्यास

पुणे जिल्ह्यातील हवेली तालुक्यातील इयत्ता 9वीच्या 187 विद्यार्थ्यांना 47 विधानांची अध्ययन शैली शोधिका सोडवण्यास देण्यात आली. शोधिकेतील प्रतिसाद नोंदवण्यासाठी 20 मिनिटे वेळ देण्यात आला. त्यानंतर सर्व शोधिका जमा करण्यात आल्या. जमा केलेल्या सर्व शोधिकांना योग्य गुणदान करण्यात आले. शोधिकेतून मिळालेल्या गुणांच्या आधारे प्रश्न पृथक्करण करण्यात आले.

प्रश्न पृथक्करण

सर्वप्रथम पथदर्शी अभ्यासातील 187 विद्यार्थ्यांना अध्ययन शोधिकेतून मिळालेले एकूण गुण उत्तरत्या क्रमाने मांडले. नंतर वरील 27% (50 विद्यार्थी) व खालील 27% (50 विद्यार्थी) विद्यार्थ्यांचे गुण निवडण्यात आले. वरील 27% विद्यार्थ्यांचे एकूण गुण म्हणजेच 50 विद्यार्थ्यांचे एकूण गुण उच्चतम गटात व खालील 27% विद्यार्थ्यांचे एकूण गुण म्हणजेच 50 विद्यार्थ्यांचे एकूण गुण निम्नतम गटात घेतले. प्रत्येक विधानासाठी उच्चतम गटातील व निम्नतम गटातील विद्यार्थ्यांच्या विधानवार गुणांच्या आधारे पुढीलप्रमाणे t -मूल्य काढले. t - मूल्याच्या आधारे विधान स्वीकारावे की नाकारावे याबाबात निर्णय घेण्यात आला. निर्णयाच्या आधारे अध्ययन शैली

शोधिकेतील 47 विधानांपैकी 42 विधानांचा स्वीकार करण्यात आला व 5 विधानांना नकार दर्शविण्यात आला. अशा प्रकारे अंतिम अध्ययन शैली शोधिकेत 42 विधानांचा समावेश करण्यात आला (परिशिष्ट “C” पहा) t- मूल्याची सार्थकता पुढीलप्रमाणे तपासण्यात आली. 0.05 या सार्थकता स्तरावर 98 या स्वाधिनता मात्रेसाठी सारणी t- मूल्य 1.982 आहे. (परिशिष्ट “G” पहा).

सारणी क्रमांक 4.1 : t-मूल्य दर्शविणारी सारणी

| विधान क्रमांक | t-मूल्य | सार्थकता | निर्णय | विधान क्रमांक | t-मूल्य | सार्थकता | निर्णय |
|---------------|-------------|------------|---------|---------------|-------------|------------|---------|
| 1 | 2.33 | सार्थ आहे | स्वीकार | 25 | 2.15 | सार्थ आहे | स्वीकार |
| 2 | 2.36 | सार्थ आहे | स्वीकार | 26 | 2.34 | सार्थ आहे | स्वीकार |
| 3 | 2.08 | सार्थ आहे | स्वीकार | 27 | 2.6 | सार्थ आहे | स्वीकार |
| 4 | 2.21 | सार्थ आहे | स्वीकार | 28 | 1.07 | सार्थ नाही | नकार |
| 5 | 2.88 | सार्थ आहे | स्वीकार | 29 | 2.26 | सार्थ आहे | स्वीकार |
| 6 | 2.27 | सार्थ आहे | स्वीकार | 30 | 2.27 | सार्थ आहे | स्वीकार |
| 7 | 0 | सार्थ नाही | नकार | 31 | 2.71 | सार्थ आहे | स्वीकार |
| 8 | 1.64 | सार्थ नाही | नकार | 32 | 3.25 | सार्थ आहे | स्वीकार |
| 9 | 2.44 | सार्थ आहे | स्वीकार | 33 | 2.87 | सार्थ आहे | स्वीकार |
| 10 | 2.32 | सार्थ आहे | स्वीकार | 34 | 2.06 | सार्थ आहे | स्वीकार |
| 11 | 2.22 | सार्थ आहे | स्वीकार | 35 | 2.83 | सार्थ आहे | स्वीकार |
| 12 | 2.11 | सार्थ आहे | स्वीकार | 36 | 2.66 | सार्थ आहे | स्वीकार |
| 13 | 2.17 | सार्थ आहे | स्वीकार | 37 | 3.7 | सार्थ आहे | स्वीकार |
| 14 | 2.11 | सार्थ आहे | स्वीकार | 38 | 2.11 | सार्थ आहे | स्वीकार |
| 15 | 2.09 | सार्थ आहे | स्वीकार | 39 | 2.78 | सार्थ आहे | स्वीकार |
| 16 | 2.21 | सार्थ आहे | स्वीकार | 40 | 2.25 | सार्थ आहे | स्वीकार |
| 17 | 3.23 | सार्थ आहे | स्वीकार | 41 | 2.74 | सार्थ आहे | स्वीकार |
| 18 | 1.44 | सार्थ नाही | नकार | 42 | 3.08 | सार्थ आहे | स्वीकार |
| 19 | 2.73 | सार्थ आहे | स्वीकार | 43 | 3.3 | सार्थ आहे | स्वीकार |
| 20 | 2.58 | सार्थ आहे | स्वीकार | 44 | 2.67 | सार्थ आहे | स्वीकार |
| 21 | 2.31 | सार्थ आहे | स्वीकार | 45 | 2.42 | सार्थ आहे | स्वीकार |
| 22 | 0.6 | सार्थ नाही | नकार | 46 | 2.82 | सार्थ आहे | स्वीकार |
| 23 | 2.36 | सार्थ आहे | स्वीकार | 47 | 3.92 | सार्थ आहे | स्वीकार |
| 24 | 2.82 | सार्थ आहे | स्वीकार | | | | |

अध्ययन शैली शोधिकेचे वर्णन

अध्ययन शैली शोधिकेचा मुख्य हेतू व्यक्तीच्या अध्ययन शैलीचा शोध घेणे हा आहे. ही शोधिका इयत्ता 9 वीच्या विद्यार्थ्यांचा विचार करून तयार करण्यात आली. या शोधिकेत एकूण 42 विधाने आहेत. ही विधाने 3 घटकांत विभागलेली आहेत. सर्व विधाने यादृच्छिकीत्या एकत्र

केलेली आहेत. ही 42 विधाने सकारात्मक (Positive) आहेत. या शोधिकेतील विधानांची काठिण्यमूल्याशी संबंधित कोणतीही विशिष्ट रचना नाही. शोधिका सोडविण्यासाठी 20 मिनिटांचा वेळ आहे. खालील तक्त्यात घटकानुसार विधानांची संख्या दिलेली आहे.

सारणी क्रमांक 4.2 : घटकानुसार विधानांची संख्या दर्शविणारी सारणी

| अ.क्र. | अध्ययन शैली | विधाने | एकूण |
|------------|--------------------|---|------|
| 1 | दृष्टिसंवेदन विषयक | 1,4,7,10,13,16,18,21,25,27,29,31, 34,38 | 14 |
| 2 | श्रवणसंवेदन विषयक | 3,9,11,15,20,22,24,28,33,35,37,39,41,42 | 14 |
| 3 | स्पर्श संवेदनविषयक | 2,5,6,8,12,14,17,19,23,26,30,32, 36,40 | 14 |
| एकूण ----- | | | 42 |

गुणांकन

मापिकेत सकारात्मक विधाने असल्यामुळे गुणांकनासाठी खालील पद्धती अवलंबविण्यात आली.

सारणी क्रमांक 4.3 : गुणांकन दर्शविणारी सारणी

| | नेहमी | बरेचदा | कधीकधी | क्रचित | कधीच नाही |
|---------|-------|--------|--------|--------|-----------|
| गुणांकन | 5 | 4 | 3 | 2 | 1 |

विश्वसनीयता

अध्ययन शैली शोधिकेची विश्वसनीयता काढण्यासाठी द्विभाजन पद्धतीचा (सम-विषम) अवलंब करण्यात आला. द्विभाजन पद्धतीचा अवलंब करताना 42 विधाने असलेल्या अध्ययन शैली शोधिकेचे समान दोन भाग (प्रत्येकी 21 विधाने) करण्यात आले. दोन्ही भाग 102 विद्यार्थ्यांच्या एकाच गटाला एकाचवेळी सोडवायला दिले. दोन्ही भागात विद्यार्थ्यांना मिळालेल्या गुणांवरून खालीलप्रमाणे विश्वसनीयता गुणांक काढण्यात आला. विश्वसनीयता गुणांक खालील सूत्रांच्या साहाय्याने काढण्यात आला.

$$\text{गटमनचे सूत्र} : r_{tt} = 2 \left[1 - \frac{s_1^2 + s_2^2}{s_x^2} \right]$$

$$\text{रूलॉनचे सूत्र} : r_{tt} = \left[1 - \frac{s_d^2}{s_x^2} \right]$$

$$\text{स्पिअरमन-ब्राऊजचे सूत्र} : r_{tt} = \frac{2r_{\frac{11}{22}}}{1 + r_{\frac{11}{22}}}$$

सारणी क्रमांक 4.4 : विश्वसनीयता गुणांक दर्शविणारी सारणी

| अ.क्र. | सूत्र | विश्वसनीयता गुणांक |
|--------|-------------------------|--------------------|
| 1 | गटमनचे सूत्र | 0.744 |
| 2 | रूलॉनचे सूत्र | 0.744 |
| 3 | स्पिअरमन-ब्राऊजचे सूत्र | 0.742 |

वरील पद्धतीने अध्ययन शैली शोधिकेचा विश्वसनीयता गुणांक 0.74 इतका आला. याचाच अर्थ, संशोधकाने तयार केलेल्या अध्ययन शैली शोधिकेची विश्वसनीयता उच्च आहे.

सप्रमाणता

संशोधकाने स्वतः तयार केलेल्या अध्ययन शैली शोधिकेची सप्रमाणता तपासण्यासाठी आशयगत सप्रमाणता पद्धतीचा अवलंब करण्यात आला. 42 विधाने असलेली अध्ययन शैली शोधिका शिक्षणशास्त्रीय व मानसशास्त्रीय क्षेत्रांतील दहा तज्जांकडून तपासून घेतली. तज्जांनी सांगितलेल्या सूचनांनुसार शोधिकेची रचना करून तिला अंतिम स्वरूप देण्यात आले.

नोंदतक्ता

पुढील नोंदतक्त्यात प्रत्येक विधानानुसार मिळालेले गुण त्यापुढील चौकटीत नोंदवावेत. नोंदवलेल्या गुणांची बेरीज करून ती बेरीज संबंधित एकूणच्या रकान्यात नोंदवावी.

| अध्ययन शैली प्रकार | | | | | |
|--------------------|-----|-------------------|-----|--------------------|-----|
| दृष्टिसंवेदन विषयक | | श्रवणसंवेदन विषयक | | स्पर्श संवेदनविषयक | |
| विधान क्रमांक | गुण | विधान क्रमांक | गुण | विधान क्रमांक | गुण |
| 1 | | 3 | | 2 | |
| 4 | | 9 | | 5 | |
| 7 | | 11 | | 6 | |
| 10 | | 15 | | 8 | |
| 13 | | 20 | | 12 | |
| 16 | | 22 | | 14 | |
| 18 | | 24 | | 17 | |
| 21 | | 28 | | 19 | |
| 25 | | 33 | | 23 | |
| 27 | | 35 | | 26 | |
| 29 | | 37 | | 30 | |
| 31 | | 39 | | 32 | |
| 34 | | 41 | | 36 | |
| 38 | | 42 | | 40 | |
| एकूण | | एकूण | | एकूण | |

अर्थनिर्वचन

नोंदवलेल्या एकूण बेरजेच्या आधारे ज्या अध्ययन शैली प्रकाराचे एकूण गुण जास्त ती त्या विद्यार्थ्यांची अध्ययन शैली होय.

4.3 उद्दिष्ट क्रमांक 2 अनुसार : विद्यार्थ्यांच्या अध्ययन शैलीचा अभ्यास करणे.

वरील उद्दिष्टाच्या पूर्तेसाठी संशोधकाने तयार केलेल्या अध्ययन शैली शोधिकेच्या साहाय्याने विद्यार्थ्यांच्या अध्ययन शैलीबाबत माहिती (गुण) संकलित केली. (परिशिष्ट “E” पहा) गुणांचे अध्ययन शैलीनुसार वर्गीकरण पुढीलप्रमाणे आहे.

सारणी क्रमांक 4.5 : अध्ययन शैलीनुसार विद्यार्थ्यांची संख्या व शेकडेवारी दर्शवणारी सारणी

| अध्ययन शैली | मुले | शेकडेवारी | मुली | शेकडेवारी | एकूण | शेकडेवारी |
|--------------------|------------|------------|------------|------------|-------------|------------|
| दृष्टिसंवेदन विषयक | 494 | 70.17 | 595 | 73.64 | 1089 | 72.02 |
| श्रवणसंवेदन विषयक | 102 | 14.49 | 111 | 13.74 | 213 | 14.09 |
| स्पर्शसंवेदन विषयक | 108 | 15.34 | 102 | 12.62 | 210 | 13.89 |
| एकूण | 704 | 100 | 808 | 100 | 1512 | 100 |

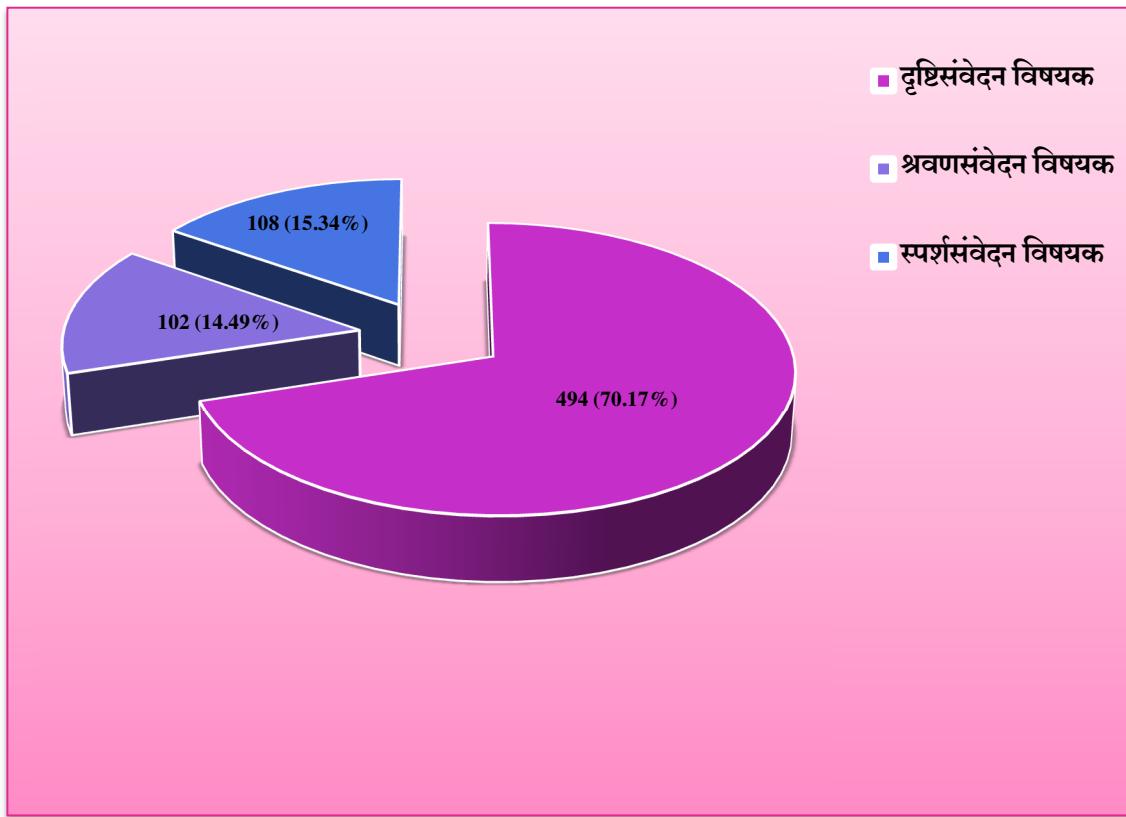
अर्थनिर्वचन

वरील सारणीवरून असे निर्दर्शनास येते की, दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणारी एकूण मुले 494 असून त्यांचे शेकडा प्रमाण 70.17 आहे. दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलींची संख्या 595 आहे. त्यांचे शेकडा प्रमाण 73.64 आहे. दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या एकूण विद्यार्थ्यांची संख्या 1089 असून या अध्ययन शैलीचे शेकडा प्रमाण 72.02 आहे.

श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणारी एकूण मुले 102 असून त्यांचे शेकडा प्रमाण 14.49 आहे. श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलींची संख्या 111 आहे. त्यांचे शेकडा प्रमाण 13.74 आहे. श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या एकूण विद्यार्थ्यांची संख्या 213 असून या अध्ययन शैलीचे शेकडा प्रमाण 14.09 असे आहे

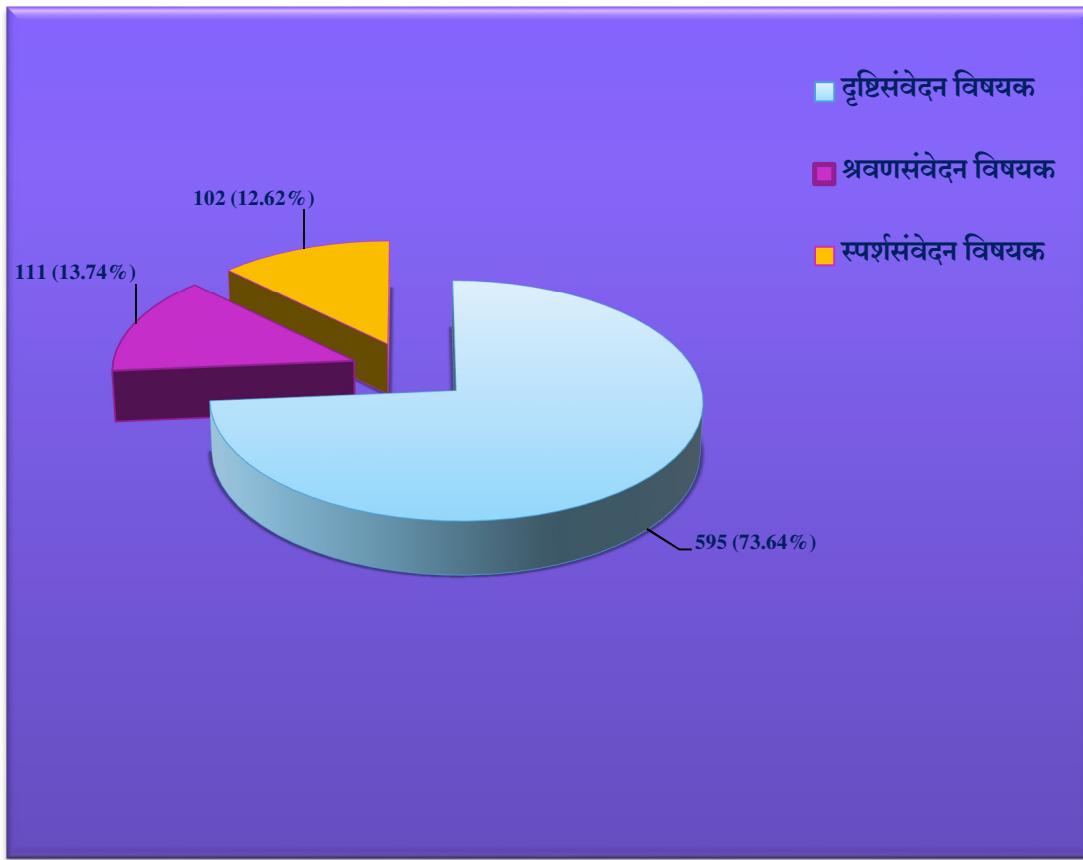
स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणारी एकूण मुले 108 असून त्यांचे शेकडा प्रमाण 15.34 आहे. स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलांची संख्या 102 आहे. त्यांचे शेकडा प्रमाण 12.62 आहे. स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या एकूण विद्यार्थ्यांची संख्या 210 असून या अध्ययन शैलीचे शेकडा प्रमाण 13.89 आहे.

उपरोक्त माहिती पुढील वृत्तालेखावरून सहज लक्षात येते.



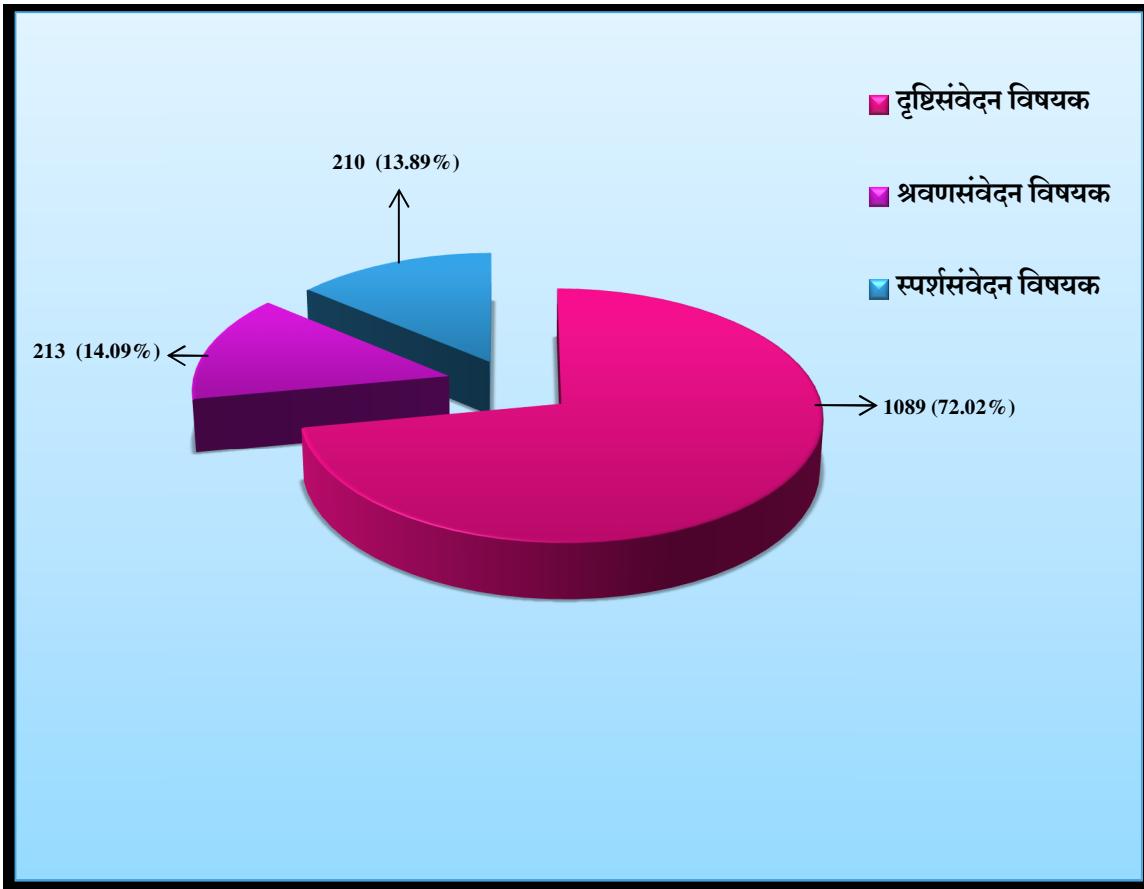
आलेख क्रमांक 1 : अध्ययन शैलीनुसार मुलांची माहिती दर्शवणारा वृत्तालेख

आलेख क्रमांक 1 हा अध्ययन शैलीनुसार मुलांची माहिती दर्शवणारा वृत्तालेख आहे. या वृत्तालेखावरून दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलांची संख्या श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली आणि स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलांच्या संख्येपेक्षा जास्त आहे. एकूण मुलांची संख्या जरी लक्षात घेतली तरी दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलांची संख्या जास्त आहे.



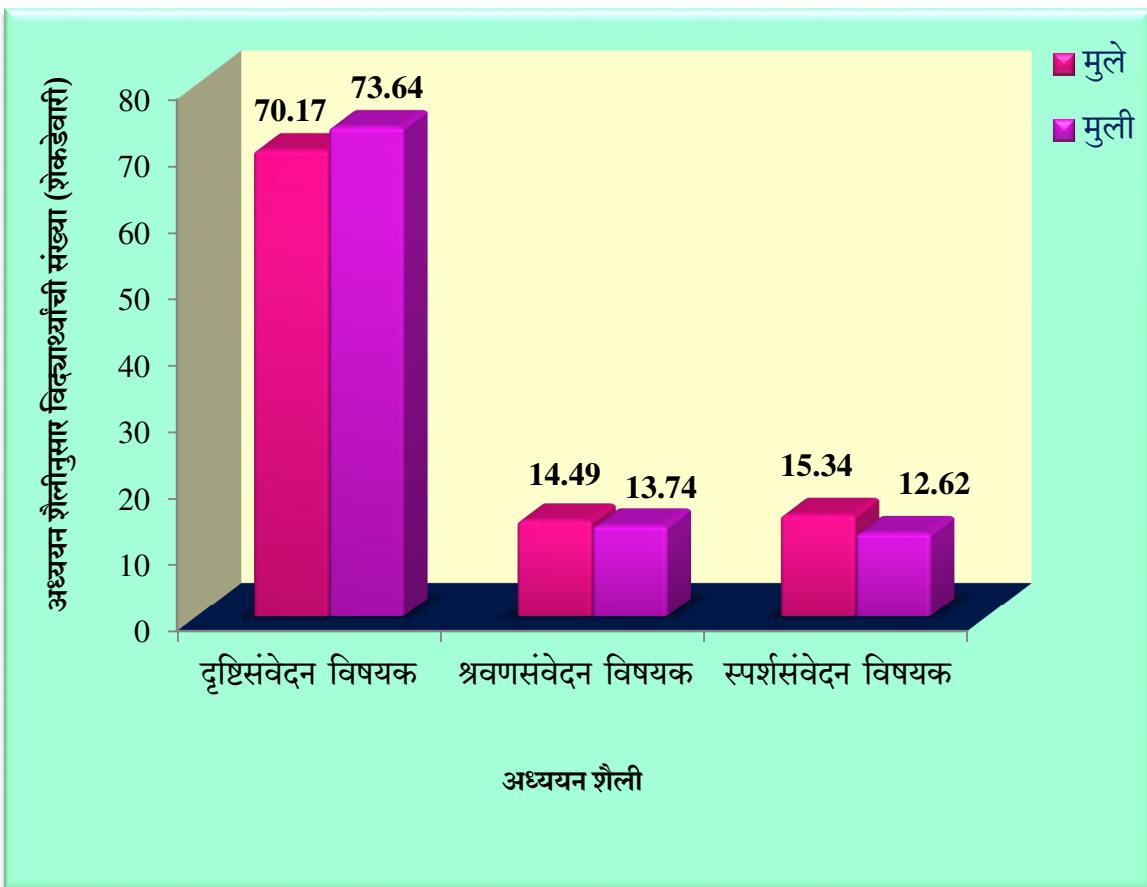
आलेख क्रमांक 2 : अध्ययन शैलीनुसार मुलींची माहिती दर्शवणारा वृत्तालेख

आलेख क्रमांक 2 हा अध्ययन शैलीनुसार मुलींची माहिती दर्शवणारा वृत्तालेख आहे. दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलींची संख्या श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली आणि स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलींच्या संख्येपेक्षा जास्त आहे. एकूण मुलींची संख्या जरी लक्षात घेतली तरी दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलींची संख्या जास्त आहे.



आलेख क्रमांक 3 : अध्ययन शैलीनुसार एकूण विद्यार्थ्यांची माहिती दर्शवणारा वृत्तालेख

आलेख क्रमांक 3 हा अध्ययन शैलीनुसार एकूण विद्यार्थ्यांची माहिती दर्शवणारा वृत्तालेख आहे. विक्षयार्थ्याचे एकूण प्रमाण लक्षात घेतल्यास असे ध्यानात येते की, दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांची संख्या श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली आणि स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांच्या संख्येपेक्षा जास्त आहे.



आलेख क्रमांक 4 : अध्ययन शैलीनुसार मुले व मुलींची शेकडेवारी दर्शवणारा स्तंभालेख
 आलेख क्रमांक 4 हा अध्ययन शैलीनुसार विद्यार्थ्यांची शेकडेवारीची माहिती दर्शवणारा स्तंभालेख आहे. दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलींची संख्या दृष्टिसंवेदन विषयक विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलांच्या संख्येपेक्षा जास्त आहे. श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलांची संख्या श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलींची संख्येपेक्षा जास्त आहे. स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलांची संख्या स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलींच्या संख्येपेक्षा जास्त आहे.

सारणी क्रमांक 4.6 : अध्ययन शैलीच्या संदर्भात शाळानिहाय एकूण मुलांची संख्या व शेकडेवारी दर्शवणारी सारणी

| शाळा क्रमांक | एकूण | अध्ययन शैली | | | | | |
|-----------------|------|----------------------|-----------|----------------------|-----------|----------------------|-----------|
| | | V | | A | | K | |
| | | विद्यार्थी संख्या | शेकडेवारी | विद्यार्थी संख्या | शेकडेवारी | विद्यार्थी संख्या | शेकडेवारी |
| 1 | - | - | - | - | - | - | - |
| 2 | 50 | 16 | 32 | 24 | 48 | 10 | 20 |
| 3 | 28 | 18 | 64.28 | 6 | 21.42 | 4 | 14.28 |
| 4 | 27 | 19 | 70.37 | 1 | 3.7 | 7 | 25.92 |
| 5 | 25 | 24 | 96 | 0 | 0 | 1 | 4 |
| 6 | 24 | 20 | 83.33 | 2 | 8.3 | 2 | 8.33 |
| 7 | 26 | 21 | 80.76 | 0 | 0 | 5 | 19.23 |
| 8 | - | - | - | - | - | - | - |
| 9 | 42 | 32 | 76.19 | 6 | 14.28 | 4 | 9.52 |
| 10 | 24 | 17 | 70.83 | 3 | 12.5 | 4 | 16.66 |
| 11 | - | - | - | - | - | - | - |
| 12 | - | - | - | - | - | - | - |
| 13 | 28 | 20 | 71.42 | 2 | 7.14 | 6 | 21.42 |
| 14 | 28 | 24 | 85.71 | 2 | 7.14 | 2 | 7.14 |
| 15 | 29 | 15 | 51.72 | 9 | 31.03 | 5 | 17.24 |
| 16 | - | - | - | - | - | - | - |
| 17 | 18 | 6 | 33.33 | 7 | 38.88 | 5 | 27.77 |
| 18 | 19 | 12 | 63.15 | 4 | 21.05 | 3 | 15.78 |
| 19 | 19 | 14 | 73.68 | 2 | 10.52 | 3 | 15.78 |
| 20 | 27 | 17 | 62.96 | 4 | 14.81 | 6 | 22.22 |
| 21 | 26 | 17 | 65.38 | 7 | 26.92 | 2 | 7.69 |
| 22 | 18 | 15 | 83.33 | 1 | 5.55 | 2 | 11.11 |
| 23 | 20 | 15 | 75 | 1 | 5 | 4 | 20 |
| 24 | 22 | 15 | 68.18 | 1 | 4.54 | 6 | 27.27 |
| 25 | 17 | 11 | 64.7 | 3 | 17.64 | 3 | 17.64 |
| 26 | 19 | 14 | 73.68 | 2 | 10.52 | 3 | 15.78 |
| 27 | 25 | 18 | 72 | 1 | 4 | 6 | 24 |
| 28 | 26 | 24 | 92.3 | 0 | 0 | 2 | 7.69 |
| 29 | 24 | 20 | 83.33 | 2 | 8.33 | 2 | 8.33 |
| 30 | 15 | 14 | 93.33 | 0 | 0 | 1 | 6.66 |
| 31 | 18 | 13 | 72.22 | 1 | 5.55 | 4 | 22.22 |
| 32 | 22 | 17 | 77.27 | 3 | 13.63 | 2 | 9.09 |
| 33 | 19 | 13 | 68.42 | 4 | 21.05 | 2 | 10.52 |
| 34 | 19 | 13 | 68.42 | 4 | 23.15 | 2 | 10.52 |

अर्थनिर्वचन

प्रस्तुत सारणी अध्ययन शैलीनुसार एकूण मुलांची शाळानिहाय संख्या व शेकडेवारी दर्शवते. शाळानिहाय अध्ययन शैलीचा विचार करता बहुतांशी शाळेत दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलांची संख्या ही श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलांच्या संख्येपेक्षा जास्त आहे. वरील माहितीवर आधारित पुढील स्तंभालेख काढण्यात आला आहे.

आलेख क्रमांक 5 हा अध्ययन शैलीनुसार शाळानिहाय एकूण मुलांची माहिती दर्शवणारा स्तंभालेख आहे. दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या शाळानिहाय मुलांची संख्या ही श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलांच्या संख्येपेक्षा जास्त आहे. एकूण मुलांची संख्या जरी लक्षात घेतली तरी दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलांची संख्या जास्त आहे.

सारणी क्रमांक 4.7 : अध्ययन शैलीच्या संदर्भात शाळानिहाय मुलींची संख्या व शेकडेवारी दर्शवणारी सारणी

| शाळा क्रमांक | एकूण | अध्ययन शैली | | | | | |
|-----------------|------|----------------------|-----------|----------------------|-----------|----------------------|-----------|
| | | V | | A | | K | |
| | | विद्यार्थी संख्या | शेकडेवारी | विद्यार्थी संख्या | शेकडेवारी | विद्यार्थी संख्या | शेकडेवारी |
| 1 | 46 | 31 | 67.39 | 13 | 28.26 | 2 | 4.34 |
| 2 | 34 | 24 | 70.58 | 6 | 17.64 | 4 | 11.76 |
| 3 | 19 | 14 | 73.68 | 1 | 5.26 | 4 | 21.05 |
| 4 | 18 | 9 | 50 | 6 | 33.33 | 3 | 16.66 |
| 5 | 18 | 11 | 61.11 | 4 | 22.22 | 3 | 16.66 |
| 6 | 26 | 14 | 53.84 | 7 | 26.92 | 5 | 19.23 |
| 7 | 22 | 16 | 72.72 | 4 | 18.18 | 2 | 9.09 |
| 8 | 65 | 45 | 69.23 | 7 | 10.76 | 13 | 20 |
| 9 | 39 | 36 | 92.3 | 1 | 2.56 | 2 | 5.12 |
| 10 | 23 | 16 | 69.56 | 7 | 30.43 | 0 | 0 |
| 11 | 47 | 37 | 78.72 | 2 | 4.25 | 8 | 17.02 |
| 12 | 41 | 34 | 82.92 | 3 | 7.31 | 4 | 9.75 |
| 13 | 22 | 20 | 90.9 | 0 | 0 | 2 | 9.09 |
| 14 | 29 | 23 | 79.31 | 4 | 13.79 | 2 | 6.89 |
| 15 | 27 | 24 | 88.88 | 2 | 7.4 | 1 | 3.7 |
| 16 | 34 | 22 | 64.7 | 4 | 11.76 | 8 | 23.52 |
| 17 | 18 | 12 | 66.66 | 2 | 11.11 | 4 | 22.22 |
| 18 | 21 | 14 | 66.66 | 4 | 19.04 | 3 | 14.28 |
| 19 | 17 | 6 | 35.29 | 6 | 35.29 | 5 | 29.41 |
| 20 | 15 | 8 | 53.33 | 3 | 20 | 4 | 26.66 |
| 21 | 19 | 8 | 42.1 | 7 | 36.84 | 4 | 21.05 |
| 22 | 15 | 8 | 53.33 | 6 | 40 | 1 | 6.66 |
| 23 | 17 | 11 | 64.7 | 0 | 0 | 6 | 35.29 |
| 24 | 15 | 14 | 93.33 | 0 | 0 | 1 | 6.66 |
| 25 | 20 | 17 | 85 | 2 | 10 | 1 | 5 |
| 26 | 15 | 13 | 86.66 | 2 | 13.33 | 0 | 0 |
| 27 | 12 | 10 | 83.33 | 1 | 8.33 | 1 | 8.33 |
| 28 | 22 | 18 | 81.81 | 0 | 0 | 4 | 18.18 |

| | | | | | | | |
|----|----|----|-------|---|-------|---|-------|
| 29 | 22 | 17 | 77.27 | 2 | 9.09 | 3 | 13.63 |
| 30 | 12 | 12 | 100 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 31 | 15 | 14 | 93.33 | 0 | 0 | 1 | 6.66 |
| 32 | 15 | 15 | 100 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 33 | 15 | 12 | 80 | 3 | 20 | 0 | 0 |
| 34 | 13 | 10 | 76.92 | 2 | 15.38 | 1 | 7.69 |

अर्थनिर्वचन

प्रस्तुत सारणी अध्ययन शैलीनुसार एकूण मुलींची शाळानिहाय संख्या व शेकडेवारी दर्शवते. शाळानिहाय अध्ययन शैलीचा विचार करता बहुतांशी शाळेत दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलींची संख्या ही श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलींच्या संख्येपेक्षा जास्त आहे. वरील माहितीवर आधारित पुढील स्तंभालेख काढण्यात आला आहे.

आलेख क्रमांक 6 हा अध्ययन शैलीनुसार शाळानिहाय एकूण मुर्लींची माहिती दर्शवणारा स्तंभालेख आहे. दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या शाळानिहाय मुर्लींची संख्या ही श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुर्लींच्या संख्येपेक्षा जास्त आहे. एकूण मुर्लींची संख्या जरी लक्षात घेतली तरी दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुर्लींची संख्या जास्त आहे.

सारणी क्रमांक 4.8 : अध्ययन शैलीच्या संदर्भात शाळानिहाय एकूण विद्यार्थ्यांची संख्या व शेकडेवारी दर्शवणारी सारणी

| शाळा क्रमांक | एकूण | अध्ययन शैली | | | | | |
|-----------------|------|----------------------|-----------|----------------------|-----------|----------------------|-----------|
| | | V | | A | | K | |
| | | विद्यार्थी संख्या | शेकडेवारी | विद्यार्थी संख्या | शेकडेवारी | विद्यार्थी संख्या | शेकडेवारी |
| 1 | 46 | 31 | 67.39 | 13 | 28.26 | 2 | 4.34 |
| 2 | 84 | 40 | 47.61 | 30 | 35.71 | 14 | 16.66 |
| 3 | 47 | 32 | 68.08 | 7 | 14.89 | 8 | 17.02 |
| 4 | 45 | 28 | 62.22 | 7 | 15.55 | 10 | 22.22 |
| 5 | 43 | 35 | 81.39 | 4 | 9.3 | 4 | 9.3 |
| 6 | 50 | 34 | 68 | 9 | 18 | 7 | 14 |
| 7 | 48 | 37 | 77.08 | 4 | 8.33 | 7 | 14.58 |
| 8 | 65 | 45 | 69.23 | 7 | 10.76 | 13 | 20 |
| 9 | 81 | 68 | 83.95 | 7 | 8.64 | 6 | 7.4 |
| 10 | 47 | 33 | 70.21 | 10 | 21.27 | 4 | 8.51 |
| 11 | 47 | 37 | 78.72 | 2 | 4.25 | 8 | 17.02 |
| 12 | 41 | 34 | 82.92 | 3 | 7.31 | 4 | 9.75 |
| 13 | 50 | 40 | 80 | 2 | 4 | 8 | 16 |
| 14 | 57 | 47 | 82.45 | 6 | 10.52 | 4 | 7.01 |
| 15 | 56 | 39 | 69.64 | 11 | 19.64 | 6 | 10.71 |
| 16 | 34 | 22 | 64.7 | 4 | 11.76 | 8 | 23.52 |
| 17 | 36 | 18 | 50 | 9 | 25 | 9 | 25 |
| 18 | 40 | 26 | 65 | 8 | 20 | 6 | 15 |
| 19 | 36 | 20 | 55.55 | 8 | 22.22 | 8 | 22.22 |
| 20 | 42 | 25 | 59.52 | 7 | 16.66 | 10 | 23.8 |
| 21 | 45 | 25 | 55.55 | 14 | 31.11 | 6 | 13.33 |
| 22 | 33 | 23 | 69.69 | 7 | 21.21 | 3 | 9.09 |
| 23 | 37 | 26 | 70.27 | 1 | 2.7 | 10 | 27.02 |
| 24 | 37 | 29 | 78.37 | 1 | 2.7 | 7 | 18.91 |
| 25 | 37 | 28 | 75.67 | 5 | 13.51 | 4 | 10.81 |
| 26 | 34 | 27 | 79.41 | 4 | 11.76 | 3 | 8.82 |
| 27 | 37 | 28 | 75.67 | 2 | 5.4 | 7 | 18.91 |
| 28 | 48 | 42 | 87.5 | 0 | 0 | 6 | 12.5 |

| | | | | | | | |
|----|----|----|-------|---|-------|---|-------|
| 29 | 46 | 37 | 80.43 | 4 | 8.69 | 5 | 10.86 |
| 30 | 27 | 26 | 96.29 | 0 | 0 | 1 | 3.7 |
| 31 | 33 | 27 | 81.81 | 1 | 3.03 | 5 | 15.15 |
| 32 | 37 | 32 | 86.48 | 3 | 8.1 | 2 | 5.4 |
| 33 | 34 | 25 | 73.52 | 7 | 20.58 | 2 | 5.88 |
| 34 | 32 | 23 | 71.87 | 6 | 18.75 | 3 | 9.37 |

अर्थनिर्वचन

प्रस्तुत सारणी अध्ययन शैलीनुसार एकूण विद्यार्थ्यांची शाळानिहाय संख्या व शेकडेवारी दर्शवते. शाळानिहाय अध्ययन शैलीचा विचार करता बहुतांशी शाळेत टृष्णिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांची संख्या ही श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांच्या संख्येपेक्षा जास्त आहे. वरील माहितीवर आधारित पुढील स्तंभालेख काढण्यात आला आहे.

आलेख क्रमांक 7 हा अध्ययन शैलीनुसार शाळानिहाय एकूण विद्यार्थ्यांची माहिती दर्शवणारा स्तंभालेख आहे. दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या शाळानिहाय विद्यार्थ्यांची संख्या ही श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांच्या संख्येपेक्षा जास्त आहे. एकूण विद्यार्थ्यांची संख्या जरी लक्षात घेतली तरी दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांची संख्या जास्त आहे.

4.4 उद्दिष्ट क्रमांक 3 अनुसार : विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादण्याची अभ्यास करणे.

वरील उद्दिष्टाच्या पूर्तेसाठी संशोधकाने इयत्ता 9वीच्या विद्यार्थ्यांचे अंतिम परीक्षेतील गुण संकलित केले. (परिशिष्ट “F” पहा) संकलित गुण प्रसामान्य आहेत किंवा नाही हे पाहण्यासाठी प्रसामान्यतेची चाचणी (Test of Normality) खालीलप्रमाणे करण्यात आली.

सारणी क्रमांक 4.9 : w/s test for Normality

| | Total Boys | Total Girls | Total Students |
|----------------------------|---------------------|---------------------|---------------------|
| High Score | 93.87 | 96 | 96 |
| Low Score | 18 | 18 | 18 |
| Range (R) | 75.87 | 78 | 78 |
| SD | 14.01519 | 14.56715084 | 14.46102 |
| No. of Students | 704 | 808 | 1512 |
| q = R/SD | 5.413414 | 5.354513098 | 5.39381 |
| Critical q | 5.47 to 6.94 | 5.79 to 7.33 | 5.79 to 7.33 |
| α | 0.05 | 0.05 | 0.05 |
| Result | Distribution Normal | Distribution Normal | Distribution Normal |

अर्थनिवर्चन

वरील सारणीवरून विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादण्याच्या गुणांचे वितरण हे प्रसामान्य आहे.

सारणी क्रमांक 4.10 : संपादणूक पातळीनुसार विद्यार्थ्यांची संख्या व शेकडेवारी दर्शवणारी सारणी

| संपादणूक पातळी (शेकडेवारी) | श्रेणी | मुले | शेकडेवारी | मुली | शेकडेवारी | एकूण | शेकडेवारी |
|-------------------------------|--------|------------|------------|------------|------------|-------------|------------|
| उच्च (71-100) | A | 158 | 22.44 | 268 | 33.16 | 426 | 28.17 |
| मध्यम (51-70) | B | 347 | 49.28 | 369 | 45.66 | 716 | 47.35 |
| कमी (41-50) | C | 140 | 19.88 | 136 | 16.83 | 276 | 18.25 |
| सर्वात कमी (0-40) | D | 59 | 8.38 | 35 | 4.33 | 94 | 6.21 |
| एकूण | | 704 | 100 | 808 | 100 | 1512 | 100 |

अर्थनिवर्चन

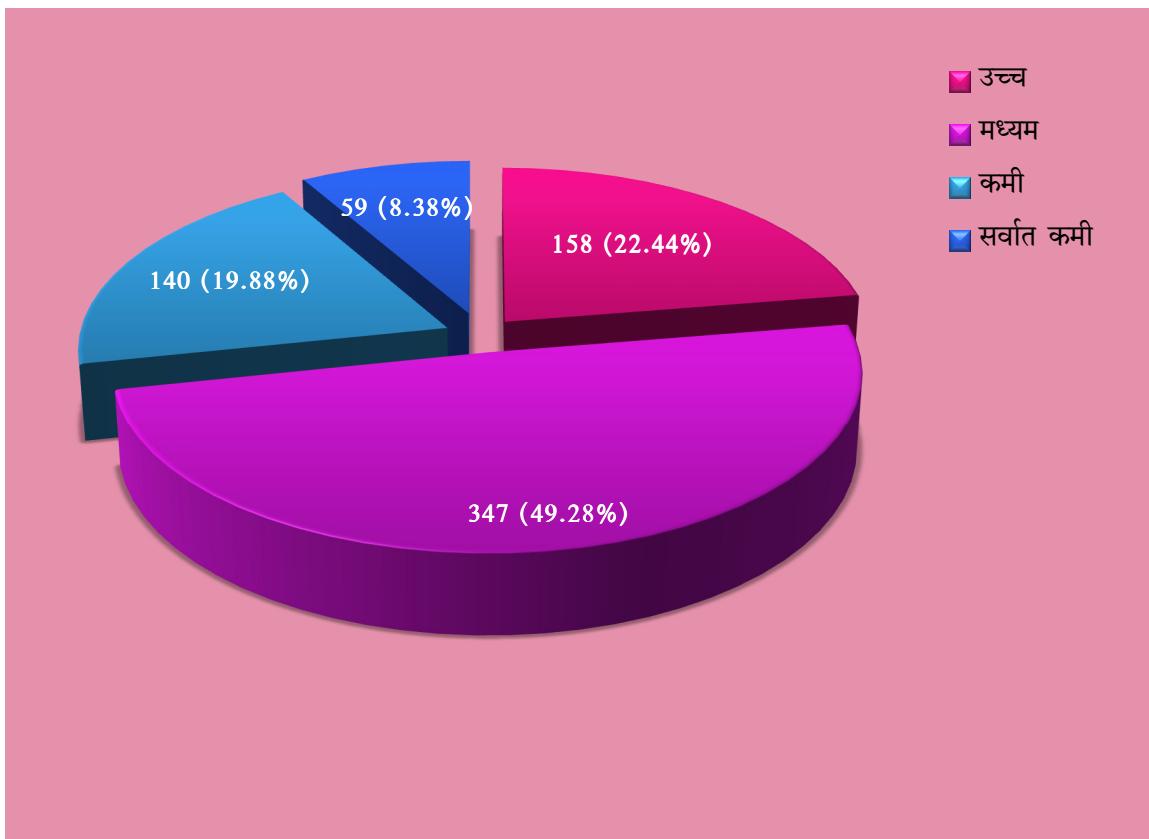
वरील सारणीवरून असे निर्दर्शनास येते की, श्रेणी A म्हणजेच उच्च संपादणूक पातळी असणाऱ्या मुलांची संख्या 158 असून त्याचे शेकडा प्रमाण 22.44 आहे. उच्च संपादणूक पातळी असणाऱ्या मुलींची संख्या 268 असून त्याचे शेकडा प्रमाण 33.16 आहे. उच्च संपादणूक पातळी असणाऱ्या विद्यार्थ्यांची एकूण संख्या 426 असून त्याचे शेकडा प्रमाण 28.17 आहे.

श्रेणी B म्हणजेच मध्यम संपादणूक पातळी असणाऱ्या मुलांची संख्या 347 असून त्याचे शेकडा प्रमाण 49.28 आहे. मध्यम संपादणूक पातळी असणाऱ्या मुलींची संख्या 369 असून त्याचे शेकडा प्रमाण 45.66 आहे. मध्यम संपादणूक पातळी असणाऱ्या विद्यार्थ्यांची एकूण संख्या 716 असून त्याचे शेकडा प्रमाण 47.35 आहे.

श्रेणी C म्हणजेच कमी संपादणूक पातळी असणाऱ्या मुलांची संख्या 140 असून त्याचे शेकडा प्रमाण 19.88 आहे. कमी संपादणूक पातळी असणाऱ्या मुलींची संख्या 136 असून त्याचे शेकडा प्रमाण 16.83 आहे. कमी संपादणूक पातळी असणाऱ्या विद्यार्थ्यांची एकूण संख्या 276 असून त्याचे शेकडा प्रमाण 18.25 आहे.

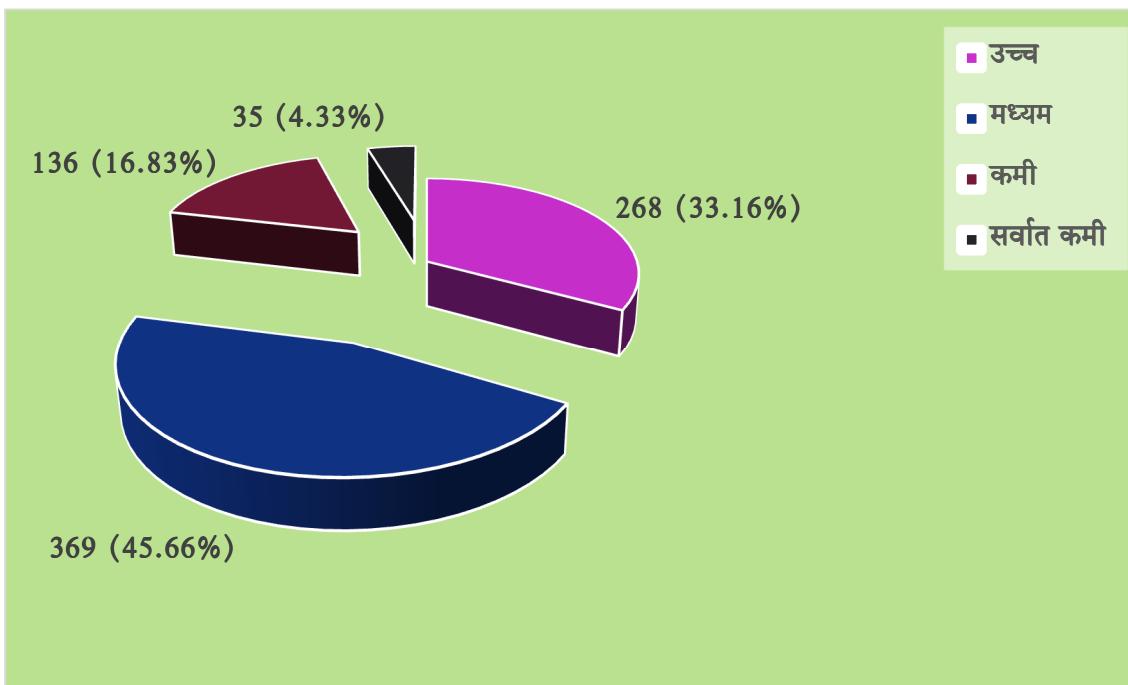
श्रेणी D म्हणजेच सर्वात कमी संपादणूक पातळी असणाऱ्या मुलांची संख्या 59 असून त्याचे शेकडा प्रमाण 8.38 आहे. सर्वात कमी संपादणूक पातळी असणाऱ्या मुलींची संख्या 35 असून त्याचे शेकडा प्रमाण 4.33 आहे. सर्वात कमी संपादणूक पातळी असणाऱ्या विद्यार्थ्यांची एकूण संख्या 94 असून त्याचे शेकडा प्रमाण 6.21 आहे.

उपरोक्त माहिती खालील वृत्तालेखांवरून सहज लक्षात येते.



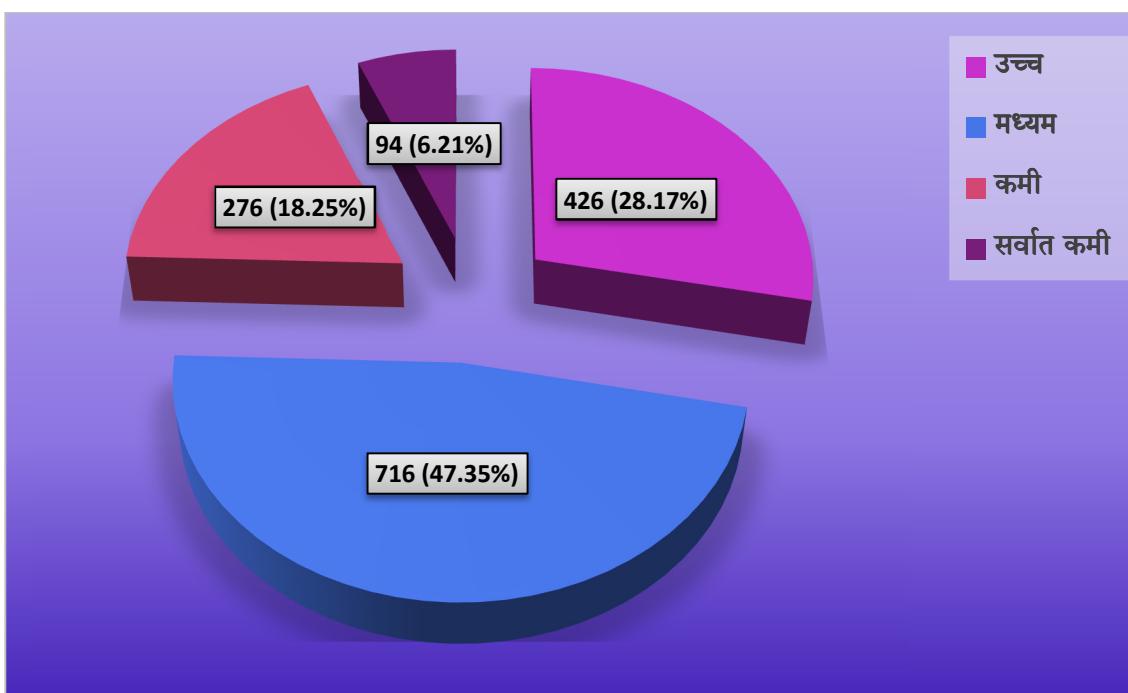
आलेख क्रमांक 8 : संपादणूक पातळीनुसार मुलांची माहिती दर्शवणारा वृत्तालेख

आलेख क्रमांक 8 हा संपादणूक पातळीनुसार मुलांची माहिती दर्शवणारा वृत्तालेख आहे. मुलांचे एकूण प्रमाण लक्षात घेतल्यास असे ध्यानात येते की, मध्यम संपादणूक असणाऱ्या मुलांची संख्या उच्च, कमी, सर्वात कमी या संपादणूक पातळीतील मुलांच्या संख्येपेक्षा जास्त आहे.



आलेख क्रमांक 9 : संपादणूक पातळीनुसार मुलींची माहिती दर्शवणारा वृत्तालेख

आलेख क्रमांक 9 हा संपादणूक पातळीनुसार मुलींची माहिती दर्शवणारा वृत्तालेख आहे. मुलींचे एकूण प्रमाण लक्षात घेतल्यास असे ध्यानात येते की, मध्यम संपादणूक असणाऱ्या मुलींची संख्या उच्च, कमी, सर्वात कमी या संपादणूक पातळीतील मुलींच्या संख्येपेक्षा जास्त आहे.



आलेख क्रमांक 10 : संपादणूक पातळीनुसार एकूण विद्यार्थ्यांची माहिती दर्शवणारा वृत्तालेख

आलेख क्रमांक 10 हा संपादणूक पातळीनुसार विद्यार्थ्यांची माहिती दर्शवणारा वृत्तालेख आहे. विद्यार्थ्यांचे एकूण प्रमाण लक्षात घेतल्यास असे ध्यानात येते की, मध्यम संपादणूक असणाऱ्या विद्यार्थ्यांची संख्या उच्च, कमी, सर्वात कमी या संपादणूक पातळीतील विद्यार्थ्यांच्या संख्येपेक्षा जास्त आहे.



आलेख क्रमांक 11 : संपादणूक पातळीनुसार विद्यार्थ्यांची शेकडेवारी दर्शवणारा स्तंभालेख

आलेख क्रमांक 11 हा संपादणूक पातळीनुसार विद्यार्थ्यांची शेकडेवारीची माहिती दर्शवणारा स्तंभालेख आहे. उच्च संपादणूक पातळी असणाऱ्या मुलींची संख्या उच्च संपादणूक पातळी असणाऱ्या मुलांच्या संख्येपेक्षा जास्त आहे. मध्यम संपादणूक पातळी असणाऱ्या मुलांची संख्या मध्यम संपादणूक पातळी असणाऱ्या मुलींच्या संख्येपेक्षा जास्त आहे. कमी संपादणूक पातळी असणाऱ्या मुलांची संख्या कमी संपादणूक पातळी असणाऱ्या मुलींच्या संख्येपेक्षा जास्त आहे. सर्वात कमी संपादणूक पातळी असणाऱ्या मुलांची संख्या सर्वात कमी संपादणूक पातळी असणाऱ्या मुलींच्या संख्येपेक्षा जास्त आहे.

4.5 उद्दिष्ट क्रमांक 4 अनुसार : अध्ययन शैलीच्या संदर्भात विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीचा अभ्यास करणे.

(1) H_0 : दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीच्या मध्यमान गुणांकांत सार्थक फरक नाही.

$$\text{i.e. } H_0: \mu_{\text{visual}} = \mu_{\text{auditory}}$$

H_1 : दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीच्या मध्यमान गुणांकांत सार्थक फरक आहे.

$$\text{i.e. } H_1: \mu_{\text{visual}} \neq \mu_{\text{auditory}} \text{ (द्वि-पुच्छ चाचणी)}$$

वरील शून्य परिकल्पनेच्या (H_0) परीक्षणासाठी $\alpha=0.05$ हा सार्थकता स्तर घेऊन खालीलप्रमाणे t परीक्षिकेच्या साहाय्याने t - मूल्य काढण्यात आले.

सारणी क्रमांक 4.11 : MS-Excel च्या साहाय्याने काढलेली वर्णनात्मक सांख्यिकी

| दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली (V) | | श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली (A) | |
|------------------------------------|--------------|-----------------------------------|--------------|
| Mean | 473.476584 | Mean | 427.7699531 |
| Standard Error | 3.259533059 | Standard Error | 7.491060796 |
| Median | 470 | Median | 424 |
| Mode | 602 | Mode | 490 |
| Standard Deviation | 107.5645909 | Standard Deviation | 109.328433 |
| Sample Variance | 11570.14123 | Sample Variance | 11952.70626 |
| Kurtosis | -0.487339594 | Kurtosis | -0.227718313 |
| Skewness | 0.000800706 | Skewness | 0.14795127 |
| Range | 585 | Range | 585 |
| Minimum | 135 | Minimum | 135 |
| Maximum | 720 | Maximum | 720 |
| Sum | 515616 | Sum | 91115 |
| Count | 1089 | Count | 213 |

सारणी क्रमांक 4.12 : MS-Excel च्या साहाय्याने काढलेले t- मूल्य

| t-Test: Two-Sample Assuming Equal Variances | | |
|---|---------------------------------------|--------------------------------------|
| | दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली (V) | श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली (A) |
| Mean | 473.4766 | 427.769953 |
| Variance | 11570.14 | 11952.7063 |
| Observations | 1089 | 213 |
| Pooled Variance | 11632.53 | |
| Hypothesized Mean Difference | 0 | |
| Df | 1300 | |
| t Stat | 5.656404 | |
| P(T<=t) one-tail | 9.49E-09 | |
| t Critical one-tail | 1.646027 | |
| P(T<=t) two-tail | 1.9E-08 | |
| t Critical two-tail | 1.96179 | |

सारणी क्रमांक 4.13 : मध्यमान, प्रमाण विचलन व t- मूल्य दर्शवणारी सारणी

| | N | M | s | t- मूल्य |
|------------------------------------|------|--------|--------|----------|
| दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली (V) | 1089 | 473.47 | 107.56 | 5.656404 |
| श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली (A) | 213 | 427.76 | 109.32 | |

सारणी क्रमांक 4.14 : परिकल्पना परीक्षण

| शून्य परिकल्पना (H ₀) | पर्यायी परिकल्पना (H ₁) | df | प्राप्त t-मूल्य | सारणी t-मूल्य | P-मूल्य | निर्णय |
|---|--|------|--------------------|------------------|---------|----------------|
| $\mu_{\text{visual}} = \mu_{\text{auditory}}$ | $\mu_{\text{visual}} \neq \mu_{\text{auditory}}$ | 1300 | 5.65 | 1.96 | 0 | H_0 चा त्याग |

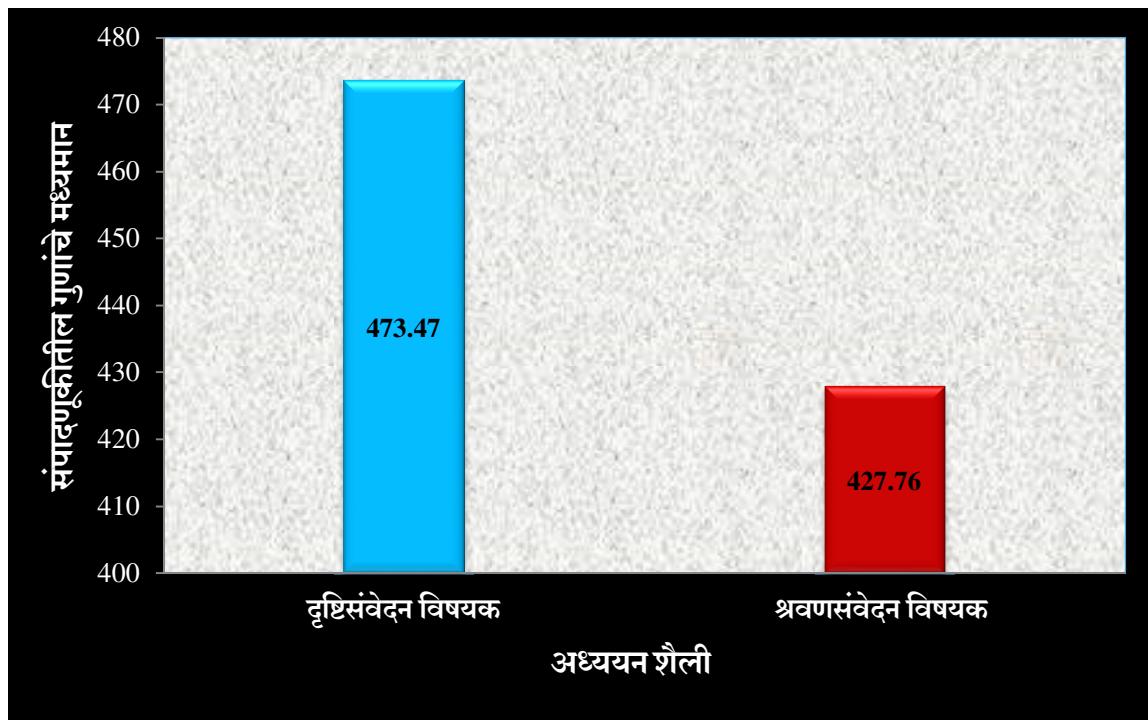
(सारणी t- मूल्यासाठी परिशिष्ट “G” पहा.)

सारणी क्रमांक 4.14 वरून,

- (1) प्राप्त t-मूल्य हे सारणी t-मूल्यापेक्षा जास्त आहे.
- (2) P -मूल्य हे सार्थकता स्तरापेक्षा ($\alpha = 0.05$) कमी आहे.

अर्थनिर्वचन

वरील माहितीवरून 0.05 सार्थकता स्तरावर प्राप्त t-मूल्य हे सार्थ आहे. म्हणून संशोधकाने शून्य परिकल्पनेचा (H_0) त्याग केलेला आहे. याचाच अर्थ, दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीच्या मध्यमान गुणांकांत सार्थ फरक आहे. प्राप्त t-मूल्य हे खरच सार्थ आहे का ? हे पाहण्यासाठी खालीलप्रमाणे स्तंभालेख काढण्यात आला.



आलेख क्रमांक 12 : दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीतील गुणांचे मध्यमान दर्शवणारा स्तंभालेख

आलेख क्रमांक 12 हा दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीतील गुणांच्या मध्यमानाची तुलना दर्शवणारा स्तंभालेख आहे. या स्तंभालेखावरून दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीचे मध्यमान श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीच्या मध्यमानापेक्षा जास्त आहे. याचाच अर्थ, दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन

शैली असणारे विद्यार्थी व श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणारे विद्यार्थी यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीत सार्थ फरक आहे.

(2) H_0 : दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीच्या मध्यमान गुणांकांत सार्थ फरक नाही.

$$\text{i.e. } H_0: \mu_{\text{visual}} = \mu_{\text{kinesthetic}}$$

H_1 : दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीच्या मध्यमान गुणांकांत सार्थ फरक आहे.

$$\text{i.e. } H_1: \mu_{\text{visual}} \neq \mu_{\text{kinesthetic}} \text{ (द्वि-पुच्छ चाचणी)}$$

वरील शून्य परिकल्पनेच्या (H_0) परीक्षणासाठी $\alpha=0.05$ हा सार्थकता स्तर घेऊन खालीलप्रमाणे t-परीक्षिकेच्या साहाय्याने t-मूल्य काढण्यात आले.

सारणी क्रमांक 4.15 : MS-Excel च्या साहाय्याने काढलेली वर्णनात्मक सांख्यिकी

| दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली (V) | | स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली (K) | |
|------------------------------------|--------------|------------------------------------|--------------|
| Mean | 473.476584 | Mean | 456.6761905 |
| Standard Error | 3.259533059 | Standard Error | 7.194074264 |
| Median | 470 | Median | 455 |
| Mode | 602 | Mode | 460 |
| Standard Deviation | 107.5645909 | Standard Deviation | 104.2520405 |
| Sample Variance | 11570.14123 | Sample Variance | 10868.48795 |
| Kurtosis | -0.487339594 | Kurtosis | -0.472652033 |
| Skewness | 0.000800706 | Skewness | 0.193707606 |
| Range | 585 | Range | 499 |
| Minimum | 135 | Minimum | 205 |
| Maximum | 720 | Maximum | 704 |
| Sum | 515616 | Sum | 95902 |
| Count | 1089 | Count | 210 |

सारणी क्रमांक 4.16 : MS-Excel च्या साहाय्याने काढलेले t- मूल्य

| t-Test: Two-Sample Assuming Equal Variances | | |
|---|---------------------------------------|---------------------------------------|
| | दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली (V) | स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली (K) |
| Mean | 473.476584 | 456.6761905 |
| Variance | 11570.14123 | 10868.48795 |
| Observations | 1089 | 210 |
| Pooled Variance | 11457.07605 | |
| Hypothesized Mean Difference | 0 | |
| df | 1297 | |
| t Stat | 2.082579403 | |
| P(T<=t) one-tail | 0.018742568 | |
| t Critical one-tail | 1.646029313 | |
| P(T<=t) two-tail | 0.037485136 | |
| t Critical two-tail | 1.961794661 | |

सारणी क्रमांक 4.17 : मध्यमान, प्रमाण विचलन व t- मूल्य दर्शवणारी सारणी

| | N | M | s | t-मूल्य |
|------------------------------------|------|--------|--------|----------|
| दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली (V) | 1089 | 473.47 | 107.56 | 2.082579 |
| स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली (K) | 210 | 456.67 | 104.25 | |

सारणी क्रमांक 4.18 : परिकल्पना परीक्षण

| शून्य परिकल्पना (H ₀) | पर्यायी परिकल्पना (H ₁) | df | प्राप्त t-मूल्य | सारणी t-मूल्य | P-मूल्य | निर्णय |
|--|---|------|--------------------|------------------|---------|-------------------------|
| $\mu_{\text{visual}} = \mu_{\text{kinesthetic}}$ | $\mu_{\text{visual}} \neq \mu_{\text{kinesthetic}}$ | 1297 | 2.08 | 1.96 | 0.037 | H ₀ चा त्याग |

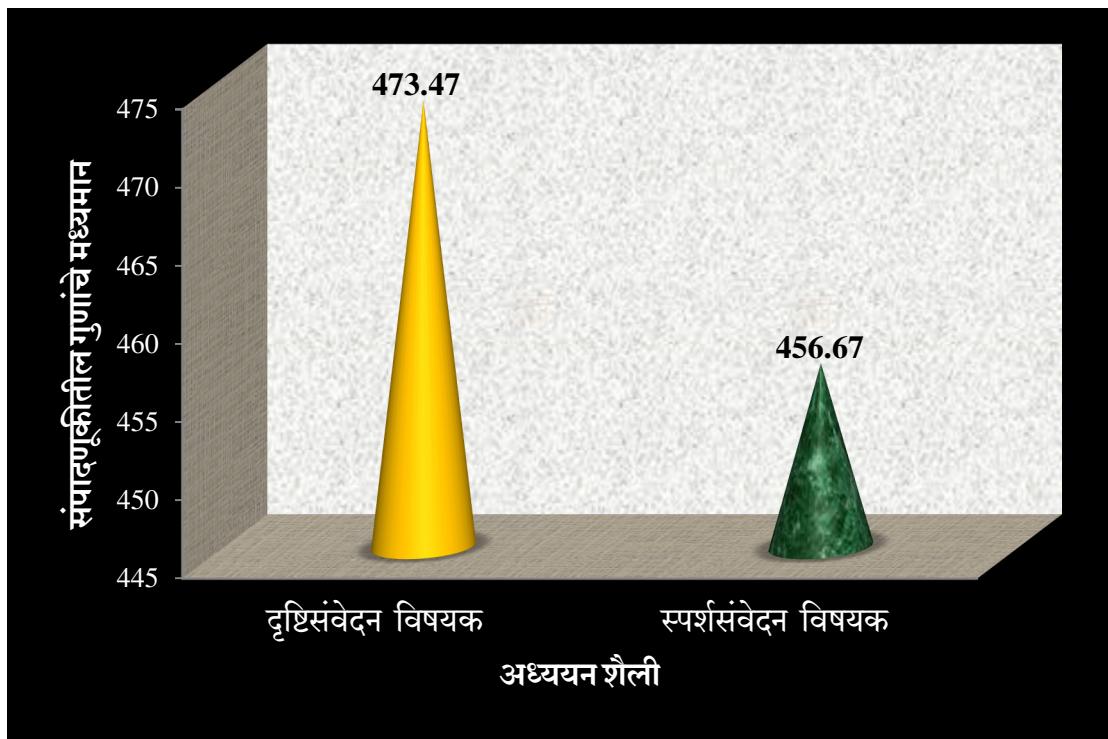
(सारणी t- मूल्यासाठी परिशिष्ट “G” पहा.)

सारणी क्रमांक 4.18 वरून,

- (1) प्राप्त t-मूल्य हे सारणी t-मूल्यापेक्षा जास्त आहे.
- (2) P -मूल्य हे सार्थकता स्तरापेक्षा ($\alpha = 0.05$) कमी आहे.

अर्थनिर्वचन

वरील माहितीवरून 0.05 सार्थकता स्तरावर प्राप्त t-मूल्य हे सार्थ आहे. म्हणून संशोधकाने शून्य परिकल्पनेचा (H_0) त्याग केलेला आहे. याचाच अर्थ, दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीच्या मध्यमान गुणांकांत सार्थ फरक आहे. प्राप्त t-मूल्य हे खरच सार्थ आहे का ? हे पाहण्यासाठी खालीलप्रमाणे स्तंभालेख काढण्यात आला.



आलेख क्रमांक 13 : दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीतील गुणांचे मध्यमान दर्शवणारा स्तंभालेख

आलेख क्रमांक 13 हा दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीतील गुणांच्या मध्यमानाची तुलना दर्शवणारा स्तंभालेख आहे. या स्तंभालेखावरून दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीचे मध्यमानस्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीच्या मध्यमानापेक्षा जास्त आहे. याचाच अर्थ, दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन

शैली असणारे विद्यार्थी वस्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणारे विद्यार्थी यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीत सार्थ फरक आहे.

(3) H_0 : श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीच्या मध्यमान गुणांकांत सार्थ फरक नाही.

$$\text{i.e. } H_0: \mu_{\text{auditory}} = \mu_{\text{kinesthetic}}$$

H_1 : श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीच्या मध्यमान गुणांकांत सार्थ फरक आहे.

$$\text{i.e. } H_1: \mu_{\text{auditory}} \neq \mu_{\text{kinesthetic}} \text{ (द्वि-पुच्छ चाचणी)}$$

वरील शून्य परिकल्पनेच्या (H_0) परीक्षणासाठी $\alpha=0.05$ हा सार्थकता स्तर घेऊन खालीलप्रमाणे t परीक्षिकेच्या साहाय्यानेत - मूल्य काढण्यात आले.

सारणी क्रमांक 4.19 : MS-Excel च्या साहाय्याने काढलेली वर्णनात्मक सांख्यिकी

| श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली (A) | | स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली (K) | |
|-----------------------------------|--------------|------------------------------------|--------------|
| Mean | 427.7699531 | Mean | 456.6761905 |
| Standard Error | 7.491060796 | Standard Error | 7.194074264 |
| Median | 424 | Median | 455 |
| Mode | 490 | Mode | 460 |
| Standard Deviation | 109.328433 | Standard Deviation | 104.2520405 |
| Sample Variance | 11952.70626 | Sample Variance | 10868.48795 |
| Kurtosis | -0.227718313 | Kurtosis | -0.472652033 |
| Skewness | 0.14795127 | Skewness | 0.193707606 |
| Range | 585 | Range | 499 |
| Minimum | 135 | Minimum | 205 |
| Maximum | 720 | Maximum | 704 |
| Sum | 91115 | Sum | 95902 |
| Count | 213 | Count | 210 |

सारणी क्रमांक 4.20 : MS-Excel च्या साहाय्याने काढलेले t- मूल्य

| t-Test: Two-Sample Assuming Equal Variances | | |
|---|--------------------------------------|---------------------------------------|
| | श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली (A) | स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली (K) |
| Mean | 427.769953 | 456.6761905 |
| Variance | 11952.7063 | 10868.48795 |
| Observations | 213 | 210 |
| Pooled Variance | 11414.4601 | |
| Hypothesized Mean Difference | 0 | |
| df | 421 | |
| t Stat | -2.7822307 | |
| P(T<=t) one-tail | 0.00282071 | |
| t Critical one-tail | 1.64848106 | |
| P(T<=t) two-tail | 0.00564143 | |
| t Critical two-tail | 1.96561471 | |

सारणी क्रमांक 4.21 : मध्यमान, प्रमाण विचलन व t- मूल्य दर्शवणारी सारणी

| | N | M | s | t-मूल्य |
|-----------------------------------|-----|--------|--------|---------|
| श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली(A) | 213 | 427.76 | 109.32 | 2.7822 |
| स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली(K) | 210 | 456.67 | 104.25 | |

सारणी क्रमांक 4.22 : परिकल्पना परीक्षण

| शून्य परिकल्पना (H ₀) | पर्यायी परिकल्पना (H ₁) | df | प्राप्त t-मूल्य | सारणी t-मूल्य | P-मूल्य | निर्णय |
|--|---|-----|--------------------|------------------|---------|-------------------------|
| $\mu_{\text{auditory}} = \mu_{\text{kinesthetic}}$ | $\mu_{\text{auditory}} \neq \mu_{\text{kinesthetic}}$ | 421 | 2.78 | 1.96 | 0.0056 | H ₀ चा त्याग |

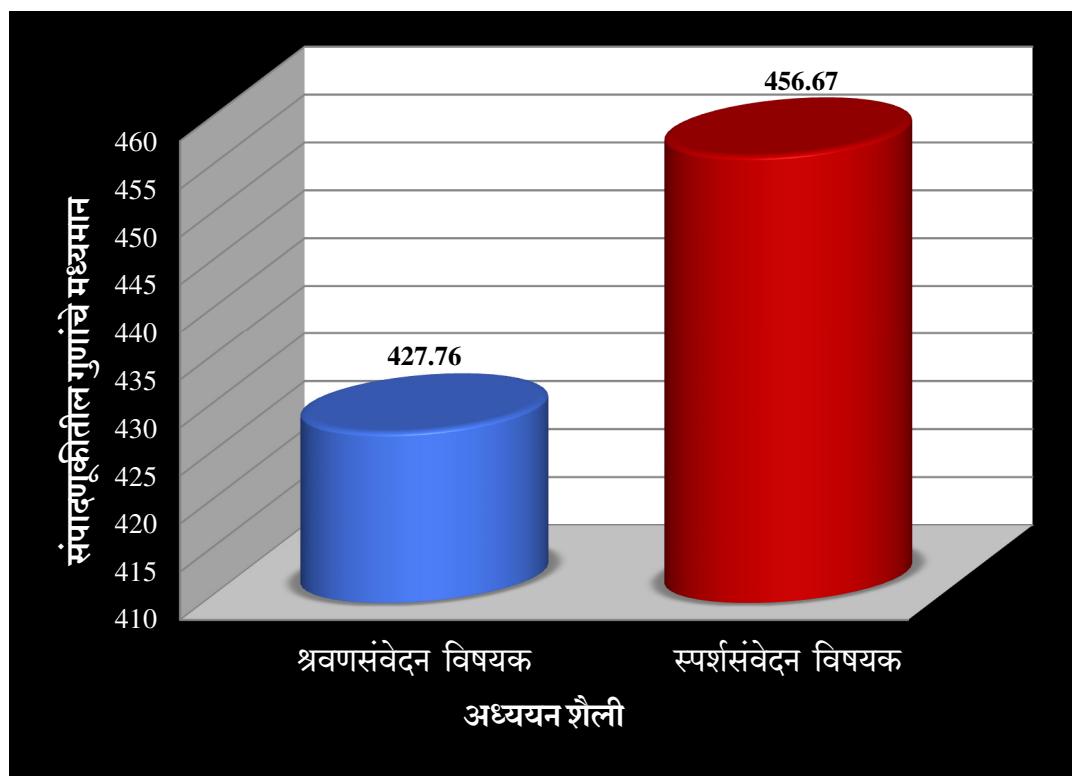
(सारणी t- मूल्यासाठी परिशिष्ट “G” पहा.)

सारणी क्रमांक 4.22 वरून,

- (1) प्राप्त t-मूल्य हे सारणी t-मूल्यापेक्षा जास्त आहे.
- (2) P -मूल्य हे सार्थकता स्तरापेक्षा ($\alpha = 0.05$) कमी आहे.

अर्थनिर्वचन

वरील माहितीवरून 0.05 सार्थकता स्तरावर प्राप्त t-मूल्य हे सार्थ आहे. म्हणून संशोधकाने शून्य परिकल्पनेचा (H_0) त्याग केलेला आहे. याचाच अर्थ, श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीच्या मध्यमान गुणांकांत सार्थ फरक आहे. प्राप्त t-मूल्य हे खरच सार्थ आहे का? हे पाहण्यासाठी खालीलप्रमाणे स्तंभालेख काढण्यात आला.



आलेख क्रमांक 14 : श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीतील गुणांचे मध्यमान दर्शवणारा स्तंभालेख

आलेख क्रमांक 14 श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीतील गुणांच्या मध्यमानाची तुलना दर्शवणारा स्तंभालेख आहे. या स्तंभालेखावरून श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीचे मध्यमान स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीच्या मध्यमानापेक्षा जास्त आहे. याचाच अर्थ, श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन

शैली असणारे विद्यार्थीं व स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणारे विद्यार्थीं यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीत सार्थ फरक आहे.

(4) H_0 : दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली, स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीच्या मध्यमान गुणांकांत सार्थ फरक नाही.

H_1 : दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली, स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीच्या मध्यमान गुणांकांत सार्थ फरक आहे.

सारणी क्रमांक 4.23 : MS-Excel च्या साहाय्याने काढलेली वर्णनात्मक सांख्यिकी माहिती

| SUMMARY (ANOVA : Single Factor) | | | | |
|---------------------------------|-------|--------|-----------|-------------|
| Learning Style (Groups) | Count | Sum | Average | Variance |
| Visual | 1089 | 515616 | 473.47658 | 11570.14123 |
| Kinesthetic | 210 | 95902 | 456.67619 | 10868.48795 |
| Auditory | 213 | 91115 | 427.76995 | 11952.70626 |

सारणी क्रमांक 4.24 : MS-Excel च्या साहाय्याने काढलेले F - मूल्य

| Analysis of variance (ANOVA) | | | | | | |
|------------------------------|--------------------|-------------|-----------|---------|---------|----------|
| Source of Variation | SS | df | MS | F | P-value | F crit |
| Between Groups | 387899.49 | 2 | 193949.74 | 16.8261 | 5.9E-08 | 3.001687 |
| Within Groups | 17393801 | | 11526.707 | | | |
| Total | 17781700.49 | 1511 | | | | |

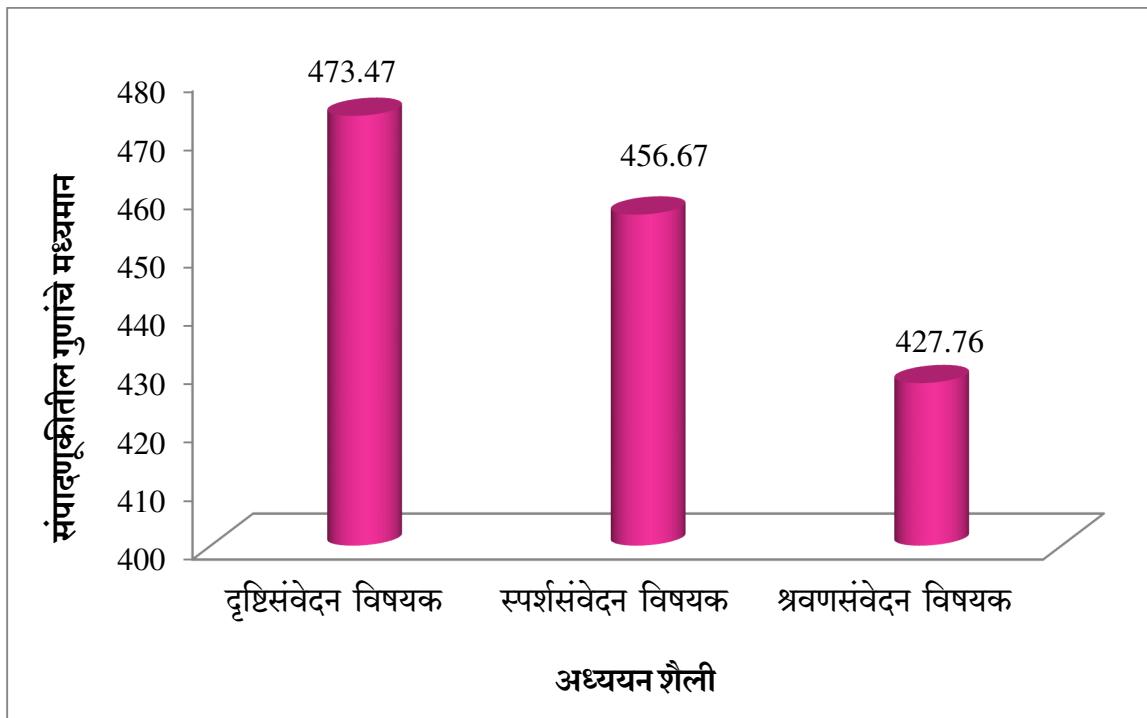
(सारणी F - मूल्यासाठी परिशिष्ट “H”पहा.)

सारणी क्रमांक 4.24 वरून,

- (1) प्राप्त F-मूल्य हे सारणी F- मूल्यापेक्षा जास्त आहे.
- (2) P-मूल्य हे सार्थकता स्तरापेक्षा ($\alpha = 0.05$) कमी आहे.

अर्थनिर्वचन

वरील माहितीवरून प्राप्त F-मूल्य हे सारणी F-मूल्यापेक्षा जास्त आहे आणि P -मूल्य हे सार्थकता स्तरापेक्षा ($\alpha = 0.05$) कमी आहे. म्हणून प्राप्त F -मूल्य हे 0.05 सार्थकता स्तरावर 2 आणि 1509 स्वाधिनता मात्रेसाठी सार्थ आहे. म्हणून संशोधकाने शून्य परिकल्पनेचा (H_0) त्याग केलेला आहे. याचाच अर्थ, दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली, स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीच्या मध्यमान गुणांकांत सार्थ फरक आहे. प्राप्त मूल्य हे खरच सार्थ आहे का? हे पाहण्यासाठी खालीलप्रमाणे स्तंभालेख काढण्यात आला.



आलेख क्रमांक 15 : दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली, स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीतील गुणांचे मध्यमान दर्शवणारा स्तंभालेख

आलेख क्रमांक 15 हा दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली, स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैलीव श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीतील गुणांच्या मध्यमानाची तुलना दर्शवणारा स्तंभालेख आहे. या स्तंभालेखावरून दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीचे मध्यमान हे स्पर्शसंवेदन विषयक

अध्ययन शैली व श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणुकीच्या मध्यमानापेक्षा जास्त आहे. याचाच अर्थ, दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली, स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीत सार्थ फरक आहे.

(5) H_0 : दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलांच्या शैक्षणिक संपादणूकीच्या मध्यमान गुणांकांत सार्थ फरक नाही.

$$\text{i.e. } H_0 : \mu_{\text{visual}} = \mu_{\text{auditory}}$$

H_1 : दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलांच्या शैक्षणिक संपादणूकीच्या मध्यमान गुणांकांत सार्थ फरक आहे.

$$\text{i.e. } H_1 : \mu_{\text{visual}} \neq \mu_{\text{auditory}} \text{ (द्वि-पुच्छ चाचणी)}$$

वरील शून्य परिकल्पनेच्या (H_0) परीक्षणासाठी $\alpha=0.05$ हा सार्थकता स्तर घेऊन खालीलप्रमाणे t -परीक्षिकेच्या साहाय्याने t - मूल्य काढण्यात आले.

सारणी क्रमांक 4.25 : MS-Excel च्या साहाय्याने काढलेली वर्णनात्मक सांख्यिकी

| दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली (V) | | श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली (A) | |
|------------------------------------|--------------|-----------------------------------|----------|
| Mean | 455.6923077 | Mean | 414.3039 |
| Standard Error | 4.682947426 | Standard Error | 11.21717 |
| Median | 450 | Median | 409.5 |
| Mode | 404 | Mode | 290 |
| Standard Deviation | 104.0837082 | Standard Deviation | 113.2878 |
| Sample Variance | 10833.41832 | Sample Variance | 12834.13 |
| Kurtosis | -0.411182781 | Kurtosis | -0.25177 |
| Skewness | 0.138422908 | Skewness | 0.201401 |
| Range | 533 | Range | 544 |
| Minimum | 170 | Minimum | 135 |
| Maximum | 703 | Maximum | 679 |
| Sum | 225112 | Sum | 42259 |
| Count | 494 | Count | 102 |

सारणी क्रमांक 4.26 : MS-Excel च्या साहाय्याने काढलेले t- मूल्य

| t-Test: Two-Sample Assuming Equal Variances | | |
|---|---------------------------------------|--------------------------------------|
| | दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली (V) | श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली (A) |
| Mean | 455.6923077 | 414.3039 |
| Variance | 10833.41832 | 12834.13 |
| Observations | 494 | 102 |
| Pooled Variance | 11173.60742 | |
| Hypothesized Mean Difference | 0 | |
| Df | 594 | |
| t Stat | 3.600163448 | |
| P(T<=t) one-tail | 0.000172291 | |
| t Critical one-tail | 1.647422925 | |
| P(T<=t) two-tail | 0.000344583 | |
| t Critical two-tail | 1.96396563 | |

सारणी क्रमांक 4.27 : मध्यमान, प्रमाण विचलन व t- मूल्य दर्शवणारी सारणी

| | N | M | s | t-मूल्य |
|------------------------------------|-----|--------|--------|---------|
| दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली (V) | 494 | 455.69 | 104.08 | 3.6001 |
| श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली (A) | 102 | 414.30 | 113.28 | |

सारणी क्रमांक 4.28 : परिकल्पना परीक्षण

| शून्य परिकल्पना (H ₀) | पर्यायी परिकल्पना (H ₁) | df | प्राप्त t-मूल्य | सारणी t-मूल्य | P-मूल्य | निर्णय |
|---|--|-----|--------------------|------------------|---------|-------------------------|
| $\mu_{\text{visual}} = \mu_{\text{auditory}}$ | $\mu_{\text{visual}} \neq \mu_{\text{auditory}}$ | 594 | 3.60 | 1.96 | 0.0003 | H ₀ चा त्याग |

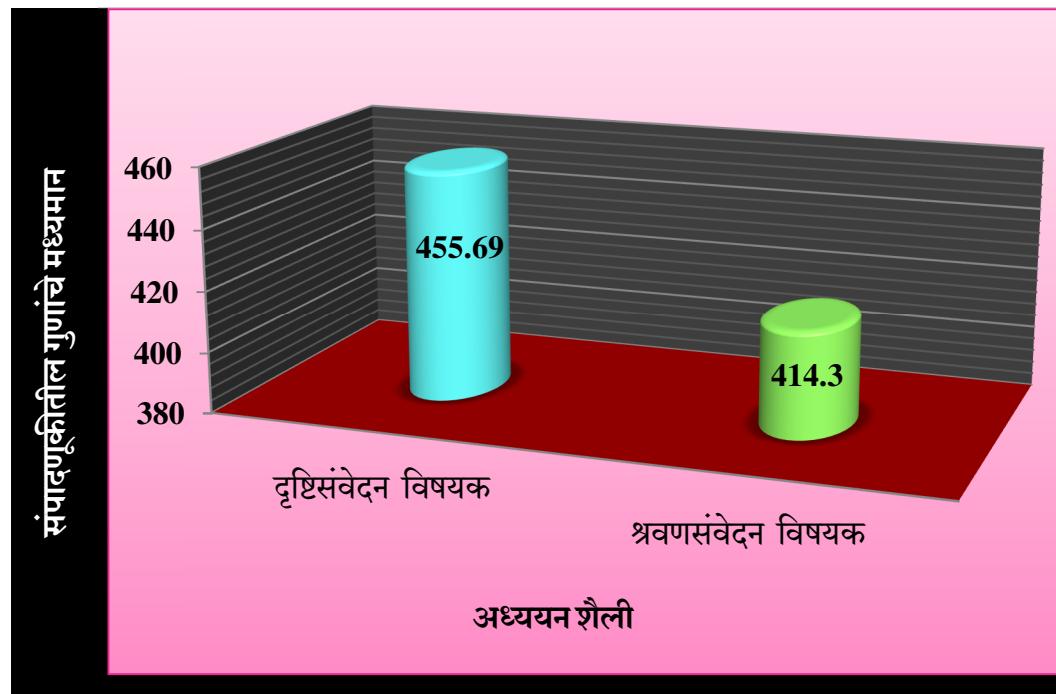
(सारणी t- मूल्यासाठी परिशिष्ट “G” पहा.)

सारणी क्रमांक 4.28 वरून,

- (1) प्राप्त t-मूल्य हे सारणी t-मूल्यापेक्षा जास्त आहे.
- (2) P -मूल्य हे सार्थकता स्तरापेक्षा ($\alpha = 0.05$) कमी आहे.

अर्थनिर्वचन

वरील माहितीवरून 0.05 सार्थकता स्तरावर प्राप्त t-मूल्य हे सार्थ आहे. म्हणून संशोधकाने शून्य परिकल्पनेचा (H_0) त्याग केलेला आहे. याचाच अर्थ, दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलांच्या शैक्षणिक संपादणूकीच्या मध्यमान गुणांकांत सार्थ फरक आहे. प्राप्त t-मूल्य हे खरच सार्थ आहे का ? हे पाहण्यासाठी खालीलप्रमाणे स्तंभालेख काढण्यात आला.



आलेख क्रमांक 16 : दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलांच्या शैक्षणिक संपादणूकीतील गुणांचे मध्यमान दर्शवणारा स्तंभालेख

आलेख क्रमांक 16 हा दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैलीव श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलांच्या शैक्षणिक संपादणूकीतील गुणांच्या मध्यमानाची तुलना दर्शवणारा स्तंभालेख आहे. या स्तंभालेखावरून दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलांची शैक्षणिक संपादणूकीचे मध्यमान श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलांच्या शैक्षणिक संपादणूकीच्या मध्यमानापेक्षा जास्त आहे. याचाच अर्थ, दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणारी मुले व श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणारी मुले यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीत सार्थ फरक आहे.

(6) H_0 : दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलांच्या शैक्षणिक संपादणूकीच्या मध्यमान गुणांकांत सार्थ फरक नाही.

$$\text{i.e. } H_0: \mu_{\text{visual}} = \mu_{\text{kinesthetic}}$$

H_1 : दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलांच्या शैक्षणिक संपादणूकीच्या मध्यमान गुणांकांत सार्थ फरक आहे.

$$\text{i.e. } H_1: \mu_{\text{visual}} \neq \mu_{\text{kinesthetic}} \text{ (द्वि-पुच्छ चाचणी)}$$

वरील शून्य परिकल्पनेच्या (H_0) परीक्षणासाठी $\alpha=0.05$ हा सार्थकता स्तर घेऊन खालीलप्रमाणे t परीक्षिकेच्या साहाय्याने t - मूल्य काढण्यात आले.

सारणी क्रमांक 4.29 : MS-Excel च्या साहाय्याने काढलेली वर्णनात्मक सांख्यिकी

| दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली (V) | | स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली (K) | |
|------------------------------------|--------------|------------------------------------|--------------|
| Mean | 455.6923077 | Mean | 445.6481481 |
| Standard Error | 4.682947426 | Standard Error | 9.282155664 |
| Median | 450 | Median | 441 |
| Mode | 404 | Mode | 463 |
| Standard Deviation | 104.0837082 | Standard Deviation | 96.46299129 |
| Sample Variance | 10833.41832 | Sample Variance | 9305.108688 |
| Kurtosis | -0.411182781 | Kurtosis | -0.023131871 |
| Skewness | 0.138422908 | Skewness | 0.329192926 |
| Range | 533 | Range | 477 |
| Minimum | 170 | Minimum | 227 |
| Maximum | 703 | Maximum | 704 |
| Sum | 225112 | Sum | 48130 |
| Count | 494 | Count | 108 |

सारणी क्रमांक 4.30 : MS-Excel च्या साहाय्याने काढलेले t- मूल्य

| t-Test: Two-Sample Assuming Equal Variances | | |
|---|---------------------------------------|---------------------------------------|
| | दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली (V) | स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली (K) |
| Mean | 455.6923077 | 445.6481481 |
| Variance | 10833.41832 | 9305.108688 |
| Observations | 494 | 108 |
| Pooled Variance | 10560.86977 | |
| Hypothesized Mean Difference | 0 | |
| df | 600 | |
| t Stat | 0.920112362 | |
| P(T<=t) one-tail | 0.178941909 | |
| t Critical one-tail | 1.647397192 | |
| P(T<=t) two-tail | 0.357883818 | |
| t Critical two-tail | 1.963925532 | |

सारणी क्रमांक 4.31: मध्यमान, प्रमाण विचलन व t- मूल्य दर्शवणारी सारणी

| | N | M | s | t-मूल्य |
|------------------------------------|-----|--------|--------|-------------|
| दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली (V) | 494 | 455.69 | 104.08 | 0.920112362 |
| स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली (K) | 108 | 445.64 | 96.46 | |

सारणी क्रमांक 4.32 : परिकल्पना परीक्षण

| शून्य परिकल्पना (H ₀) | पर्यायी परिकल्पना (H ₁) | df | प्राप्त t-मूल्य | सारणी t-मूल्य | P-मूल्य | निर्णय |
|--|---|-----|--------------------|------------------|---------|---------------------------|
| $\mu_{\text{visual}} = \mu_{\text{kinesthetic}}$ | $\mu_{\text{visual}} \neq \mu_{\text{kinesthetic}}$ | 600 | 0.92 | 1.96 | 0.35 | H ₀ चा स्वीकार |

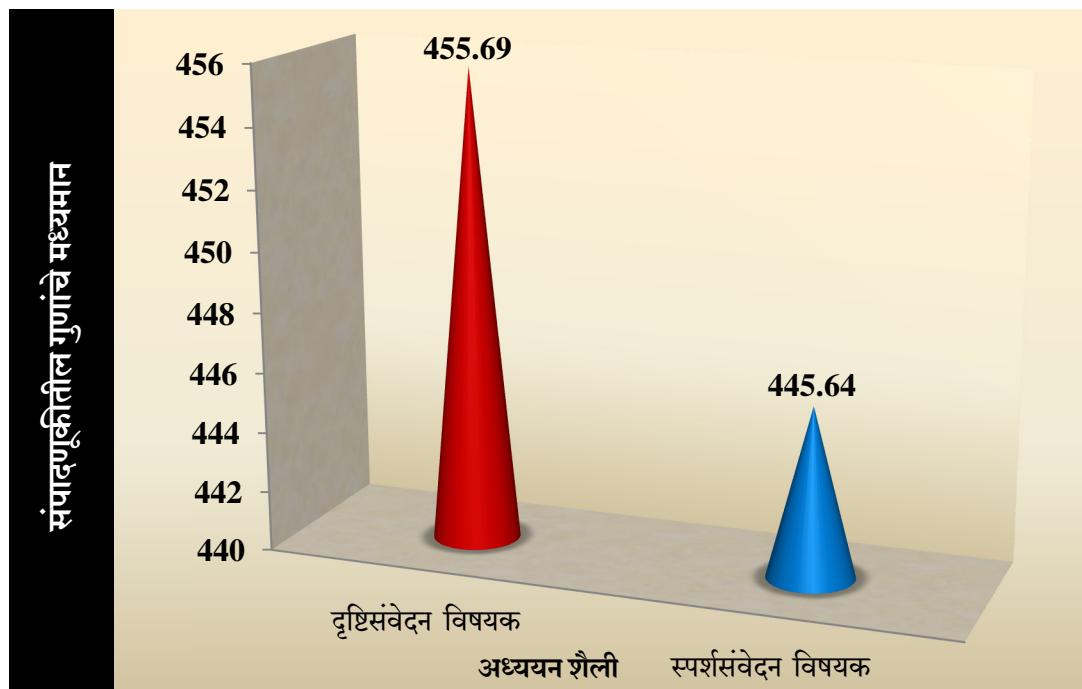
(सारणी t- मूल्यासाठी परिशिष्ट “G” पहा.)

सारणी क्रमांक 4.32 वरून,

- (1) प्राप्त t-मूल्य हे सारणी t-मूल्यापेक्षा कमी आहे.
- (2) P -मूल्य हे सार्थकता स्तरापेक्षा ($\alpha = 0.05$) जास्त आहे.

अर्थनिर्वचन

वरील माहितीवरून 0.05 सार्थकता स्तरावर प्राप्त t-मूल्य हे सार्थ नाही. म्हणून संशोधकाने शून्य परिकल्पनेचा (H_0) स्वीकार केलेला आहे. याचाच अर्थ, दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलांच्या शैक्षणिक संपादणूकीच्या मध्यमान गुणांकांत सार्थ फरक नाही. हे पाहण्यासाठी खालीलप्रमाणे स्तंभालेख काढण्यात आला.



आलेख क्रमांक 17 : दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलांच्या शैक्षणिक संपादणूकीतील गुणांचे मध्यमान दर्शवणारा स्तंभालेख

आलेख क्रमांक 17 हा दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैलीव स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलांच्या शैक्षणिक संपादणूकीतील गुणांच्या मध्यमानाची तुलना दर्शवणारा स्तंभालेख आहे. या स्तंभालेखावरून दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलांची शैक्षणिक संपादणूक व स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलांची शैक्षणिक संपादणूक जवळपास सारखीच आहे. याचाच अर्थ, दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणारी मुले व स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणारी मुले यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीत सार्थ फरक नाही.

(7) H_0 : श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलांच्या शैक्षणिक संपादणूकीच्या मध्यमान गुणांकांत सार्थ फरक नाही.

$$\text{i.e. } H_0 : \mu_{\text{auditory}} = \mu_{\text{kinesthetic}}$$

H_1 : श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलांच्या शैक्षणिक संपादणूकीच्या मध्यमान गुणांकांत सार्थ फरक आहे.

$$\text{i.e. } H_1 : \mu_{\text{auditory}} \neq \mu_{\text{kinesthetic}} \text{ (द्वि-पुच्छ चाचणी)}$$

वरील शून्य परिकल्पनेच्या (H_0) परीक्षणासाठी $\alpha=0.05$ हा सार्थकता स्तर घेऊन खालीलप्रमाणे t परीक्षिकेच्या साहाय्याने t -मूळ्य काढण्यात आले.

सारणी क्रमांक 4.33 : MS-Excel च्या साहाय्याने काढलेली वर्णनात्मक सांख्यिकी

| श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली(A) | | स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली (K) | |
|----------------------------------|--------------|------------------------------------|--------------|
| Mean | 414.3039216 | Mean | 445.6481481 |
| Standard Error | 11.21716753 | Standard Error | 9.282155664 |
| Median | 409.5 | Median | 441 |
| Mode | 290 | Mode | 463 |
| Standard Deviation | 113.2878389 | Standard Deviation | 96.46299129 |
| Sample Variance | 12834.13444 | Sample Variance | 9305.108688 |
| Kurtosis | -0.251771794 | Kurtosis | -0.023131871 |
| Skewness | 0.201401258 | Skewness | 0.329192926 |
| Range | 544 | Range | 477 |
| Minimum | 135 | Minimum | 227 |
| Maximum | 679 | Maximum | 704 |
| Sum | 42259 | Sum | 48130 |
| Count | 102 | Count | 108 |

सारणी क्रमांक 4.34 : MS-Excel च्या साहाय्याने काढलेले t- मूल्य

| t-Test: Two-Sample Assuming Equal Variances | | |
|---|-------------------------------------|---------------------------------------|
| | श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली(A) | स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली (K) |
| Mean | 414.30392 | 445.64815 |
| Variance | 12834.134 | 9305.1087 |
| Observations | 102 | 108 |
| Pooled Variance | | 11018.722 |
| Hypothesized Mean Difference | | 0 |
| df | | 208 |
| t Stat | | -2.1626899 |
| P(T<=t) one-tail | | 0.0158529 |
| t Critical one-tail | | 1.6522124 |
| P(T<=t) two-tail | | 0.0317059 |
| t Critical two-tail | | 1.9714346 |

सारणी क्रमांक 4.35 : मध्यमान, प्रमाण विचलन व t- मूल्य दर्शवणारी सारणी

| | N | M | s | t-मूल्य |
|------------------------------------|-----|--------|--------|---------|
| श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली(A) | 102 | 414.30 | 113.28 | 2.16 |
| स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली (K) | 108 | 445.64 | 96.46 | |

सारणी क्रमांक 4.36 : परिकल्पना परीक्षण

| शून्य परिकल्पना (H ₀) | पर्यायी परिकल्पना (H ₁) | df | प्राप्त t-मूल्य | सारणी t-मूल्य | P-मूल्य | निर्णय |
|--|---|-----|--------------------|------------------|---------|-------------------------|
| $\mu_{\text{auditory}} = \mu_{\text{kinesthetic}}$ | $\mu_{\text{auditory}} \neq \mu_{\text{kinesthetic}}$ | 208 | 2.16 | 1.97 | 0.031 | H ₀ चा त्याग |

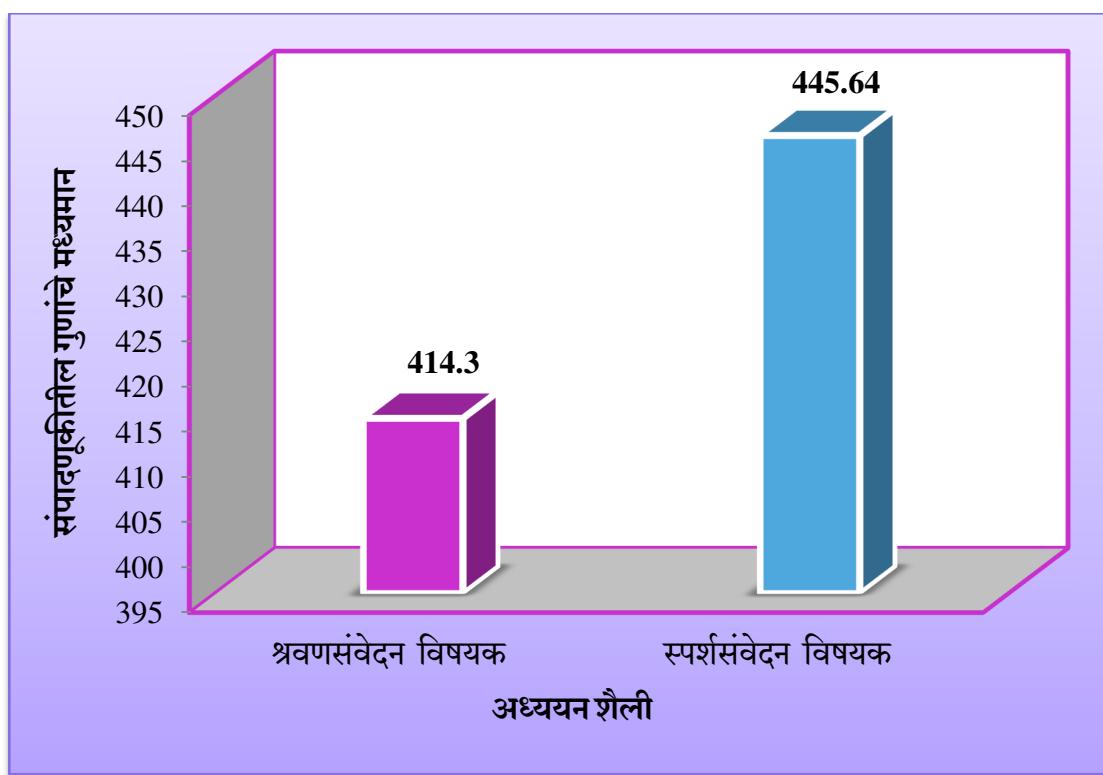
(सारणी t- मूल्यासाठी परिशिष्ट “G” पहा.)

सारणी क्रमांक 4.36 वरून,

- (1) प्राप्त t-मूल्य हे सारणी t-मूल्यापेक्षा जास्त आहे.
- (2) P-मूल्य हे सार्थकता स्तरापेक्षा ($\alpha = 0.05$) कमी आहे.

अर्थनिर्वचन

वरील माहितीवरून 0.05 सार्थकता स्तरावर प्राप्त t-मूल्य हे सार्थ आहे. म्हणून संशोधकाने शून्य परिकल्पनेचा (H_0) त्याग केलेला आहे. याचाच अर्थ, श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलांच्या शैक्षणिक संपादणूकीच्या मध्यमान गुणांकांत सार्थ फरक आहे. प्राप्त t-मूल्य हे खरच सार्थ आहे का ? हे पाहण्यासाठी खालीलप्रमाणे स्तंभालेख काढण्यात आला.



आलेख क्रमांक 18 : श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलांच्या शैक्षणिक संपादणूकीतील गुणांचे मध्यमान दर्शवणारा स्तंभालेख

आलेख क्रमांक 18 हा श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलांच्या शैक्षणिक संपादणूकीतील गुणांच्या मध्यमानाची तुलना दर्शवणारा स्तंभालेख आहे. या स्तंभालेखावरून श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलांच्या शैक्षणिक संपादणूकीचे मध्यमान स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलांच्या शैक्षणिक संपादणूकीच्या मध्यमानापेक्षा जास्त आहे. याचाच अर्थ, श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली

असणारे मुले व स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणारे मुले यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीत सार्थ फरक आहे.

(8) H_0 : दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली, स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलांच्या शैक्षणिक संपादणूकीच्या मध्यमान गुणांकांत सार्थ फरक नाही.

H_1 : दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली, स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलांच्या शैक्षणिक संपादणूकीच्या मध्यमान गुणांकांत सार्थ फरक आहे.

सारणी क्रमांक 4.37 : MS-Excel च्या साहाय्याने काढलेली वर्णनात्मक सांख्यिकी माहिती

| SUMMARY (ANOVA : Single Factor) | | | | |
|---------------------------------|-------|--------|---------|----------|
| Learning Style (Groups) | Count | Sum | Average | Variance |
| Visual | 494 | 225112 | 455.692 | 10833.42 |
| Kinesthetic | 108 | 48130 | 445.648 | 9305.109 |
| Auditory | 102 | 42259 | 414.304 | 12834.13 |

सारणी क्रमांक 4.38 : MS-Excel च्या साहाय्याने काढलेले F - मूल्य

| Analysis of variance (ANOVA) | | | | | | |
|------------------------------|--------------------|------------|---------|----------|---------|------------|
| Source of Variation | SS | df | MS | F | P-value | F crit |
| Between Groups | 145624.6847 | 2 | 72812.3 | 6.687147 | 0.00133 | 3.00857112 |
| Within Groups | 7632769.439 | 701 | 10888.4 | | | |
| Total | 7778394.124 | 703 | | | | |

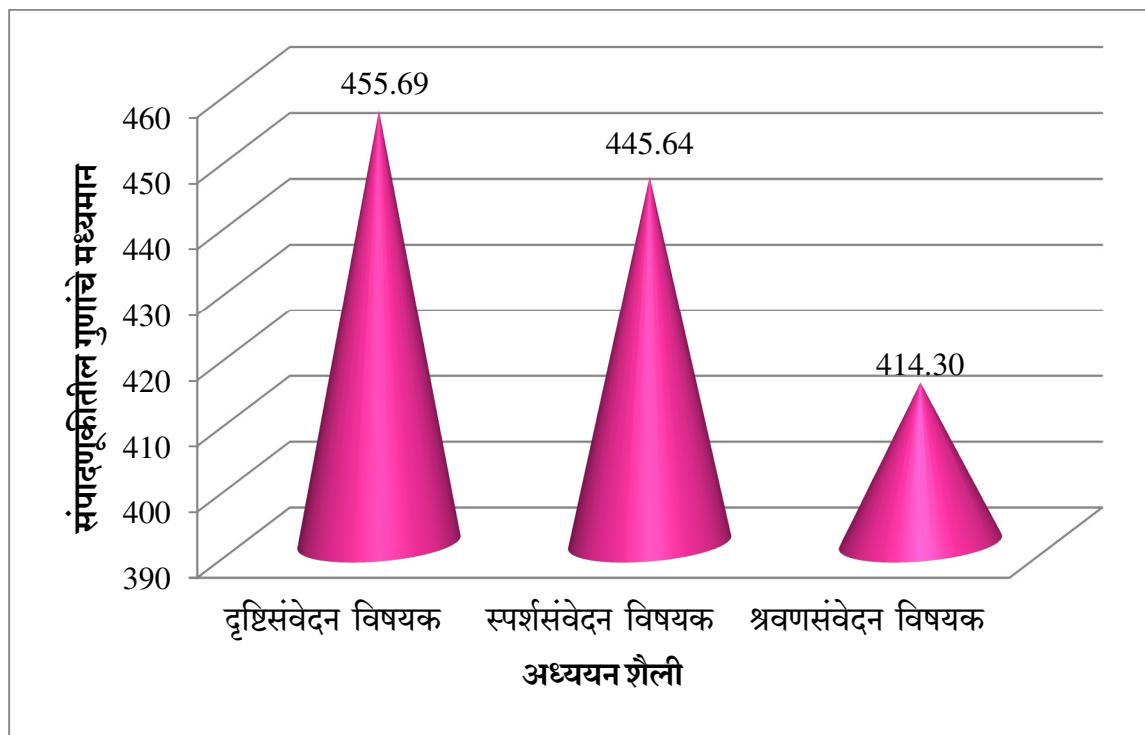
(सारणी F - मूल्यासाठी परिशिष्ट “H”पहा.)

सारणी क्रमांक 4.38 वरून,

- (1) प्राप्त F-मूल्य हे सारणी F-मूल्यापेक्षा जास्त आहे.
- (2) P-मूल्य हे सार्थकता स्तरापेक्षा ($\alpha = 0.05$) कमी आहे.

अर्थनिर्वचन

वरील माहितीवरून प्राप्त F-मूल्य हे सारणी F-मूल्यापेक्षा जास्त आहे आणि P-मूल्य हे सार्थकता स्तरापेक्षा ($\alpha = 0.05$) कमी आहे. म्हणून प्राप्त F-मूल्य हे 0.05 सार्थकता स्तरावर 2 आणि 701 स्वाधिनता मात्रेसाठी सार्थ आहे. म्हणून संशोधकाने शून्य परिकल्पनेचा (H_0) त्याग केलेला आहे. याचाच अर्थ, दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली, स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलांच्या शैक्षणिक संपादणूकीच्या मध्यमान गुणांकांत सार्थ फरक आहे. प्राप्त मूल्य हे खरच सार्थ आहे का? हे पाहण्यासाठी खालीलप्रमाणे स्तंभालेख काढण्यात आला.



आलेख क्रमांक 19 : दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली, स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलांच्या शैक्षणिक संपादणूकीतील गुणांचे मध्यमान दर्शवणारा स्तंभालेख

आलेख क्रमांक 19 हा दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली, स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैलीव श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलांच्या शैक्षणिक संपादणूकीतील गुणांच्या मध्यमानाची तुलना दर्शवणारा स्तंभालेख आहे. या स्तंभालेखावरून दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन

शैली असणाऱ्या मुलांच्या शैक्षणिक संपादणुकीचे मध्यमान हे स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलांच्या शैक्षणिक संपादणुकीच्या मध्यमानापेक्षा जास्त आहे. याचाच अर्थ, दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली, स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलांच्या शैक्षणिक संपादणूकीत सार्थ फरक आहे.

(9) H_0 : दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलींच्या शैक्षणिक संपादणूकीच्या मध्यमान गुणांकांत सार्थ फरक नाही.

$$\text{i.e. } H_0: \mu_{\text{visual}} = \mu_{\text{auditory}}$$

H_1 : दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलींच्या शैक्षणिक संपादणूकीच्या मध्यमान गुणांकांत सार्थ फरक आहे.

$$\text{i.e. } H_1: \mu_{\text{visual}} \neq \mu_{\text{auditory}} \text{ (द्वि-पुच्छ चाचणी)}$$

वरील शून्य परिकल्पनेच्या (H_0) परीक्षणासाठी $\alpha=0.05$ हा सार्थकता स्तर घेऊन खालीलप्रमाणे t-परीक्षिकेच्या साहाय्याने t-मूल्य काढण्यात आले.

सारणी क्रमांक 4.39 : MS-Excel च्या साहाय्याने काढलेली वर्णनात्मक सांख्यिकी

| दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली (V) | | श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली (A) | |
|------------------------------------|--------------|-----------------------------------|--------------|
| Mean | 488.2420168 | Mean | 440.1441441 |
| Standard Error | 4.438118902 | Standard Error | 9.922854326 |
| Median | 483 | Median | 440 |
| Mode | 442 | Mode | 490 |
| Standard Deviation | 108.257356 | Standard Deviation | 104.5437574 |
| Sample Variance | 11719.65513 | Sample Variance | 10929.39722 |
| Kurtosis | -0.439192037 | Kurtosis | -0.153542455 |
| Skewness | -0.130620542 | Skewness | 0.157038168 |
| Range | 585 | Range | 562 |
| Minimum | 135 | Minimum | 158 |
| Maximum | 720 | Maximum | 720 |
| Sum | 290504 | Sum | 48856 |
| Count | 595 | Count | 111 |

सारणी क्रमांक 4.40 : MS-Excel च्या साहाय्याने काढलेले t- मूल्य

| t-Test: Two-Sample Assuming Equal Variances | | |
|---|---------------------------------------|--------------------------------------|
| | दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली (V) | श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली (A) |
| Mean | 488.242 | 440.1441 |
| Variance | 11719.66 | 10929.4 |
| Observations | 595 | 111 |
| Pooled Variance | 11596.18 | |
| Hypothesized Mean Difference | 0 | |
| df | 704 | |
| t Stat | 4.320023 | |
| P(T<=t) one-tail | 8.92E-06 | |
| t Critical one-tail | 1.647021 | |
| P(T<=t) two-tail | 1.78E-05 | |
| t Critical two-tail | 1.963339 | |

सारणी क्रमांक 4.41 : मध्यमान, प्रमाण विचलन व t- मूल्य दर्शवणारी सारणी

| | N | M | s | t-मूल्य |
|------------------------------------|-----|--------|--------|---------|
| दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली (V) | 595 | 488.24 | 108.25 | |
| श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली (A) | 111 | 440.14 | 104.54 | 4.32 |

सारणी क्रमांक 4.42 : परिकल्पना परीक्षण

| शून्य परिकल्पना (H ₀) | पर्यायी परिकल्पना (H ₁) | df | प्राप्त t-मूल्य | सारणी t-मूल्य | P-मूल्य | निर्णय |
|---|--|-----|--------------------|------------------|----------|-------------------------|
| $\mu_{\text{visual}} = \mu_{\text{auditory}}$ | $\mu_{\text{visual}} \neq \mu_{\text{auditory}}$ | 704 | 4.32 | 1.96 | 1.78E-05 | H ₀ चा त्याग |

(सारणी t- मूल्यासाठी परिशिष्ट “G” पहा.)

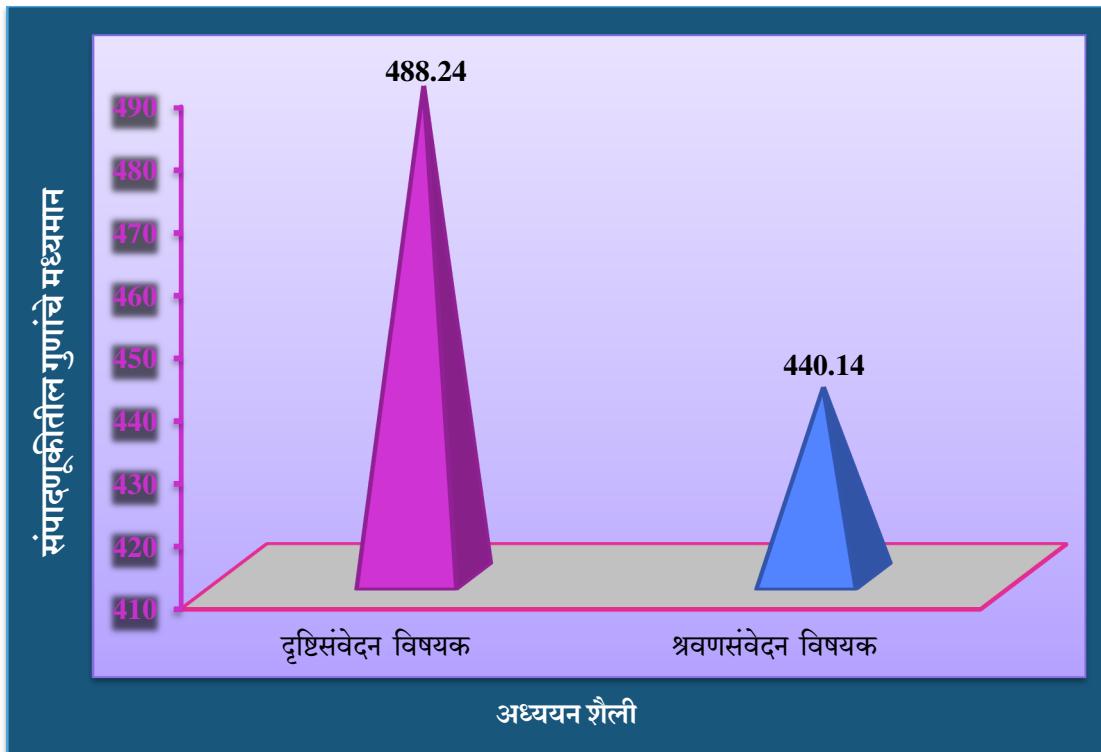
सारणी क्रमांक 4.42 वरून,

- (1) प्राप्त t-मूल्य हे सारणी t-मूल्यापेक्षा जास्त आहे.
- (2) P -मूल्य हे सार्थकता स्तरापेक्षा ($\alpha = 0.05$) कमी आहे.

अर्थनिर्वचन

वरील माहितीवरून 0.05 सार्थकता स्तरावर प्राप्त t-मूल्य हे सार्थ आहे. म्हणून संशोधकाने शून्य परिकल्पनेचा (H₀) त्याग केलेला आहे. याचाच अर्थ, दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व

श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलींच्या शैक्षणिक संपादणूकीच्या मध्यमान गुणांकांत सार्थ फरक आहे. प्राप t -मूल्य हे खरच सार्थ आहे का ? हे पाहण्यासाठी खालीलप्रमाणे स्तंभालेख काढण्यात आला.



आलेख क्रमांक 20 : दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलींच्या शैक्षणिक संपादणूकीतील गुणांचे मध्यमान दर्शवणारा स्तंभालेख

आलेख क्रमांक 20 हा दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलींच्या शैक्षणिक संपादणूकीतील गुणांच्या मध्यमानाची तुलना दर्शवणारा स्तंभालेख आहे. या स्तंभालेखावरून दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलींच्या शैक्षणिक संपादणूकीचे मध्यमान श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलींच्या शैक्षणिक संपादणूकीच्या मध्यमानापेक्षा जास्त आहे. याचाच अर्थ, दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुली व श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुली यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीत सार्थ फरक आहे.

(10) H_0 : दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलींच्या शैक्षणिक संपादणूकीच्या मध्यमान गुणांकांत सार्थ फरक नाही.

$$\text{i.e. } H_0: \mu_{\text{visual}} = \mu_{\text{kinesthetic}}$$

H_1 : दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलींच्या शैक्षणिक संपादणूकीच्या मध्यमान गुणांकांत सार्थ फरक आहे.

$$\text{i.e. } H_1: \mu_{\text{visual}} \neq \mu_{\text{kinesthetic}} \text{ (द्वि-पुच्छ चाचणी)}$$

वरील शून्य परिकल्पनेच्या (H_0) परीक्षणासाठी $\alpha=0.05$ हा सार्थकता स्तर घेऊन खालीलप्रमाणे t -परीक्षिकेच्या साहाय्याने t - मूल्य काढण्यात आले.

सारणी क्रमांक 4.43 : MS-Excel च्या साहाय्याने काढलेली वर्णनात्मक सांख्यिकी

| दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली (V) | | स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली (K) | |
|------------------------------------|--------------|------------------------------------|--------------|
| Mean | 488.2420168 | Mean | 468.3529412 |
| Standard Error | 4.438118902 | Standard Error | 11.01006975 |
| Median | 483 | Median | 468 |
| Mode | 442 | Mode | 518 |
| Standard Deviation | 108.257356 | Standard Deviation | 111.1962539 |
| Sample Variance | 11719.65513 | Sample Variance | 12364.60687 |
| Kurtosis | -0.439192037 | Kurtosis | -0.734240977 |
| Skewness | -0.130620542 | Skewness | 0.02629397 |
| Range | 585 | Range | 495 |
| Minimum | 135 | Minimum | 205 |
| Maximum | 720 | Maximum | 700 |
| Sum | 290504 | Sum | 47772 |
| Count | 595 | Count | 102 |

सारणी क्रमांक 4.44 : MS-Excel च्या साहाय्याने काढलेले t- मूल्य

| t-Test: Two-Sample Assuming Equal Variances | | |
|---|---------------------------------------|---------------------------------------|
| | दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली (V) | स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली (K) |
| Mean | 488.242 | 468.3529 |
| Variance | 11719.66 | 12364.61 |
| Observations | 595 | 102 |
| Pooled Variance | 11813.38 | |
| Hypothesized Mean Difference | 0 | |
| df | 695 | |
| t Stat | 1.707535 | |
| P(T<=t) one-tail | 0.044085 | |
| t Critical one-tail | 1.647049 | |
| P(T<=t) two-tail | 0.088169 | |
| t Critical two-tail | 1.963383 | |

सारणी क्रमांक 4.45 : मध्यमान, प्रमाण विचलन व t- मूल्य दर्शवणारी सारणी

| | N | M | s | t-मूल्य |
|------------------------------------|-----|--------|--------|---------|
| दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली (V) | 595 | 488.24 | 108.25 | |
| स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली (K) | 102 | 468.35 | 111.19 | 1.70 |

सारणी क्रमांक 4.46 : परिकल्पना परीक्षण

| शून्य परिकल्पना (H ₀) | पर्यायी परिकल्पना (H ₁) | df | प्राप्त t-मूल्य | सारणी t-मूल्य | P-मूल्य | निर्णय |
|--|---|-----|--------------------|------------------|---------|---------------------------|
| $\mu_{\text{visual}} = \mu_{\text{kinesthetic}}$ | $\mu_{\text{visual}} \neq \mu_{\text{kinesthetic}}$ | 695 | 1.70 | 1.96 | 0.088 | H ₀ चा स्वीकार |

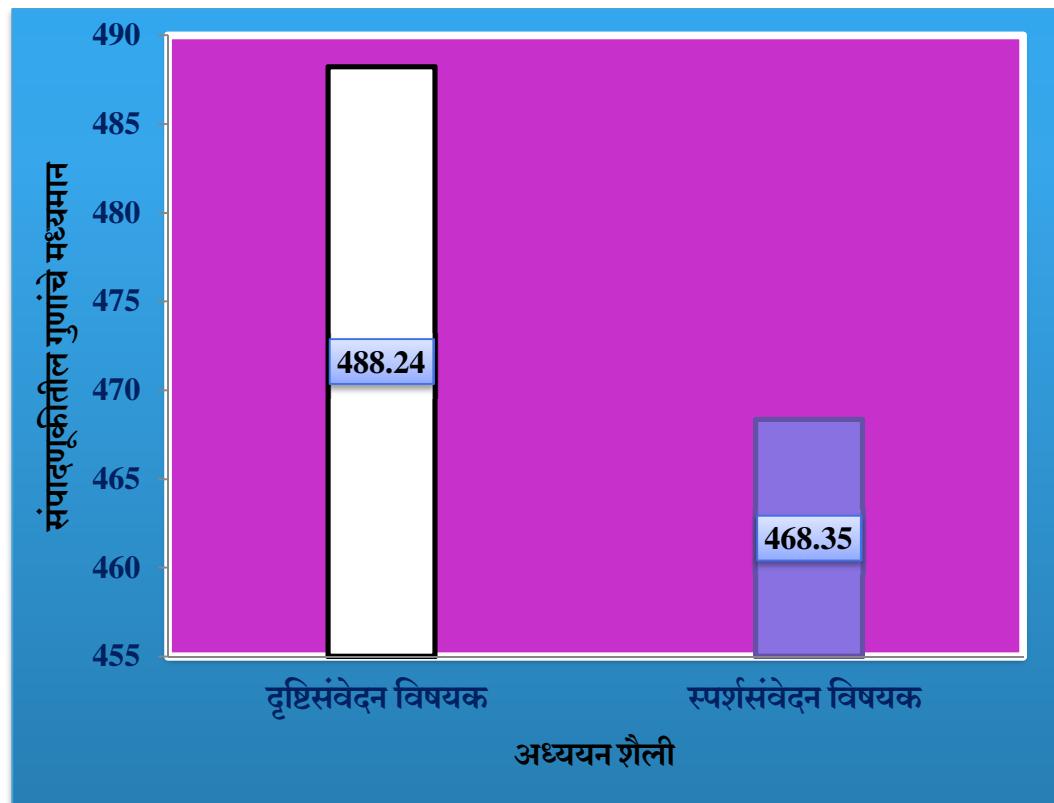
(सारणी t- मूल्यासाठी परिशिष्ट “G” पहा.)

सारणी क्रमांक 4.46 वरून,

- (1) प्राप्त t-मूल्य हे सारणी t-मूल्यापेक्षा कमी आहे.
- (2) P -मूल्य हे सार्थकता स्तरापेक्षा ($\alpha = 0.05$) जास्त आहे.

अर्थनिर्वचन

वरील माहितीवरून 0.05 सार्थकता स्तरावर प्राप्त t-मूल्य हे सार्थ नाही. म्हणून संशोधकाने शून्य परिकल्पनेचा (H_0) स्वीकार केलेला आहे. याचाच अर्थ, दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलींच्या शैक्षणिक संपादणूकीच्या मध्यमान गुणांकांत सार्थ फरक नाही. हे पाहण्यासाठी खालीलप्रमाणे स्तंभालेख काढण्यात आला.



आलेख क्रमांक 21 : दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलींच्या शैक्षणिक संपादणूकीतील गुणांचे मध्यमान दर्शवणारा स्तंभालेख

आलेख क्रमांक 21 हा दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलींच्या शैक्षणिक संपादणूकीतील गुणांच्या मध्यमानाची तुलना दर्शवणारा स्तंभालेख आहे. या स्तंभालेखावरून दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलींची शैक्षणिक संपादणूक व स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलींची शैक्षणिक संपादणूक जवळपास सारखीच आहे. याचाच अर्थ, दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुली व स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुली यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीत सार्थ फरक नाही.

(11) H_0 : श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलींच्या शैक्षणिक संपादणूकीच्या मध्यमान गुणांकांत सार्थ फरक नाही.

$$\text{i.e. } H_0 : \mu_{\text{auditory}} = \mu_{\text{kinesthetic}}$$

H_1 : श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलींच्या शैक्षणिक संपादणूकीच्या मध्यमान गुणांकांत सार्थ फरक आहे.

$$\text{i.e. } H_1 : \mu_{\text{auditory}} \neq \mu_{\text{kinesthetic}} \text{ (द्वि-पुच्छ चाचणी)}$$

वरील शून्य परिकल्पनेच्या (H_0) परीक्षणासाठी $\alpha=0.05$ हा सार्थकता स्तर घेऊन खालीलप्रमाणे t परीक्षिकेच्या साहाय्याने t -मूळ्य काढण्यात आले.

सारणी क्रमांक 4.47 : MS-Excel च्या साहाय्याने काढलेली वर्णनात्मक सांख्यिकी

| श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली (A) | | स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली (K) | |
|-----------------------------------|--------------|------------------------------------|--------------|
| Mean | 440.1441441 | Mean | 468.3529412 |
| Standard Error | 9.922854326 | Standard Error | 11.01006975 |
| Median | 440 | Median | 468 |
| Mode | 490 | Mode | 518 |
| Standard Deviation | 104.5437574 | Standard Deviation | 111.1962539 |
| Sample Variance | 10929.39722 | Sample Variance | 12364.60687 |
| Kurtosis | -0.153542455 | Kurtosis | -0.734240977 |
| Skewness | 0.157038168 | Skewness | 0.02629397 |
| Range | 562 | Range | 495 |
| Minimum | 158 | Minimum | 205 |
| Maximum | 720 | Maximum | 700 |
| Sum | 48856 | Sum | 47772 |
| Count | 111 | Count | 102 |

सारणी क्रमांक 4.48 : MS-Excel च्या साहाय्याने काढलेले t- मूल्य

| t-Test: Two-Sample Assuming Equal Variances | | |
|--|--------------------------------------|--------------------------------------|
| | श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली (A) | स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली(K) |
| Mean | 440.14414 | 468.353 |
| Variance | 10929.397 | 12364.6 |
| Observations | 111 | 102 |
| Pooled Variance | 11616.393 | |
| Hypothesized Mean Difference | 0 | |
| df | 211 | |
| t Stat | -1.908186 | |
| P(T<=t) one-tail | 0.0288623 | |
| t Critical one-tail | 1.6521073 | |
| P(T<=t) two-tail | 0.0577247 | |
| t Critical two-tail | 1.9712706 | |

सारणी क्रमांक 4.49 : मध्यमान, प्रमाण विचलन व t- मूल्य दर्शवणारी सारणी

| | N | M | s | t-मूल्य |
|------------------------------------|-----|--------|--------|---------|
| श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली (A) | 111 | 440.14 | 104.54 | 1.90 |
| स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली (K) | 102 | 468.35 | 111.19 | |

सारणी क्रमांक 4.50 : परिकल्पना परीक्षण

| शून्य परिकल्पना (H ₀) | पर्यायी परिकल्पना (H ₁) | df | प्राप्त t-मूल्य | सारणी t-मूल्य | P-मूल्य | निर्णय |
|--|---|-----|--------------------|------------------|---------|---------------------------|
| $\mu_{\text{auditory}} = \mu_{\text{kinesthetic}}$ | $\mu_{\text{auditory}} \neq \mu_{\text{kinesthetic}}$ | 211 | 1.90 | 1.97 | 0.057 | H ₀ चा स्वीकार |

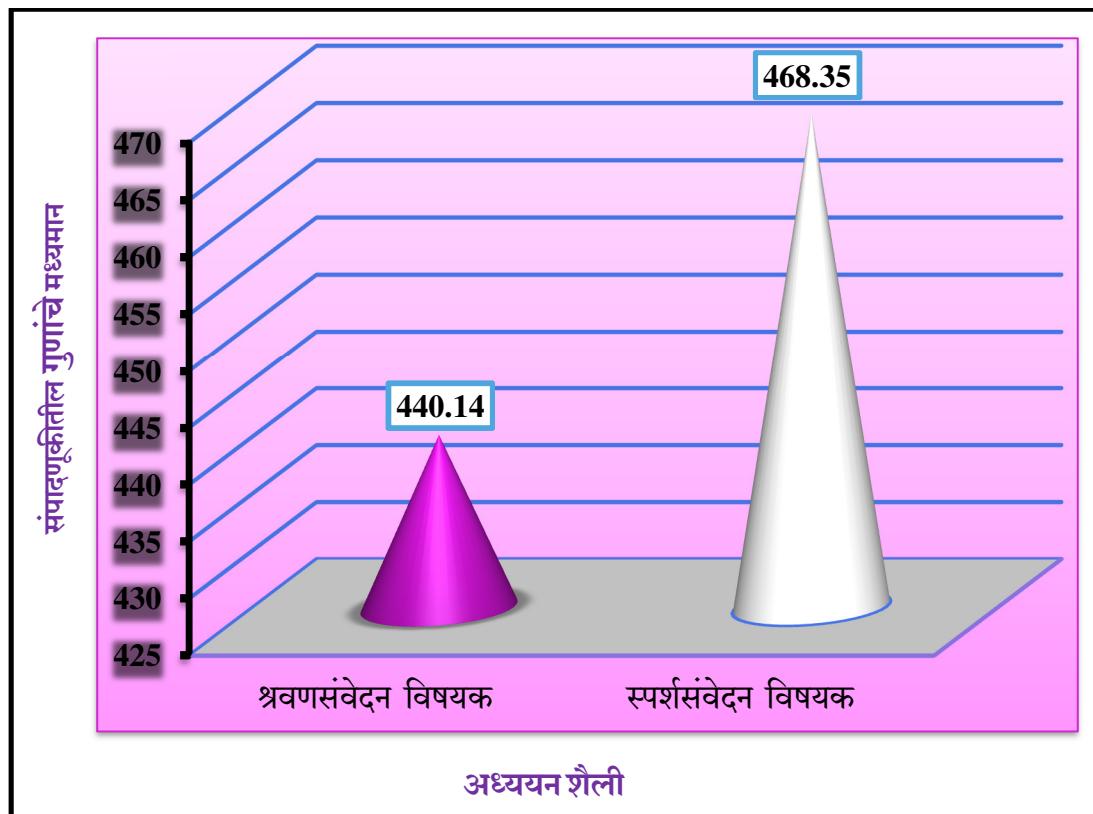
(सारणी t- मूल्यासाठी परिशिष्ट “G” पहा.)

सारणी क्रमांक 4.50 वरून,

- (1) प्राप्त t-मूल्य हे सारणी t-मूल्यापेक्षा कमी आहे.
- (2) P-मूल्य हे सार्थकता स्तरापेक्षा ($\alpha = 0.05$) जास्त आहे.

अर्थनिर्वचन

वरील माहितीवरून 0.05 सार्थकता स्तरावर प्राप्त t -मूल्य हे सार्थ नाही. म्हणून संशोधकाने शून्य परिकल्पनेचा (H_0) स्वीकार केलेला आहे. याचाच अर्थ, श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलींच्या शैक्षणिक संपादणूकीच्या मध्यमान गुणांकांत सार्थ फरक नाही. हे पाहण्यासाठी खालीलप्रमाणे स्तंभालेख काढण्यात आला.



आलेख क्रमांक 22 : श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलींच्या शैक्षणिक संपादणूकीतील गुणांचे मध्यमान दर्शवणारा स्तंभालेख

आलेख क्रमांक 22 हा श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलींच्या शैक्षणिक संपादणूकीतील गुणांच्या मध्यमानाची तुलना दर्शवणारा स्तंभालेख आहे. या स्तंभालेखावरून श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलींची शैक्षणिक संपादणूक व स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलींची शैक्षणिक संपादणूक जवळपास सारखीच आहे. याचाच अर्थ, श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुली व स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुली यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीत सार्थ फरक नाही.

(12) H_0 : दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली, स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलींच्या शैक्षणिक संपादण्याकीच्या मध्यमान गुणांकांत सार्थ फरक नाही.

H_1 : दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली, स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलींच्या शैक्षणिक संपादण्याकीच्या मध्यमान गुणांकांत सार्थ फरक आहे.

सारणी क्रमांक 4.51 : MS-Excel च्या साहाय्याने काढलेली वर्णनात्मक सांख्यिकी माहिती

| SUMMARY (ANOVA : Single Factor) | | | | |
|---------------------------------|-------|--------|------------|------------|
| Learning Style (Groups) | Count | Sum | Average | Variance |
| Visual | 595 | 290504 | 488.242017 | 11719.6551 |
| Kinesthetic | 102 | 47772 | 468.352941 | 12364.6069 |
| Auditory | 111 | 48856 | 440.144144 | 10929.3972 |

सारणी क्रमांक 4.52 : MS-Excel च्या साहाय्याने काढलेले F - मूल्य

| Analysis of variance (ANOVA) | | | | | | |
|------------------------------|---------|-----|------------|---------|-------------|---------|
| Source of Variation | SS | df | MS | F | P-value | F crit |
| Between Groups | 229957 | 2 | 114978.743 | 9.83347 | 6.03547E-05 | 3.00691 |
| Within Groups | 9412534 | | 11692.589 | | | |
| Total | 9642491 | 807 | | | | |

(सारणी F - मूल्यासाठी परिशिष्ट “H”पहा.)

सारणी क्रमांक 4.52 वरून,

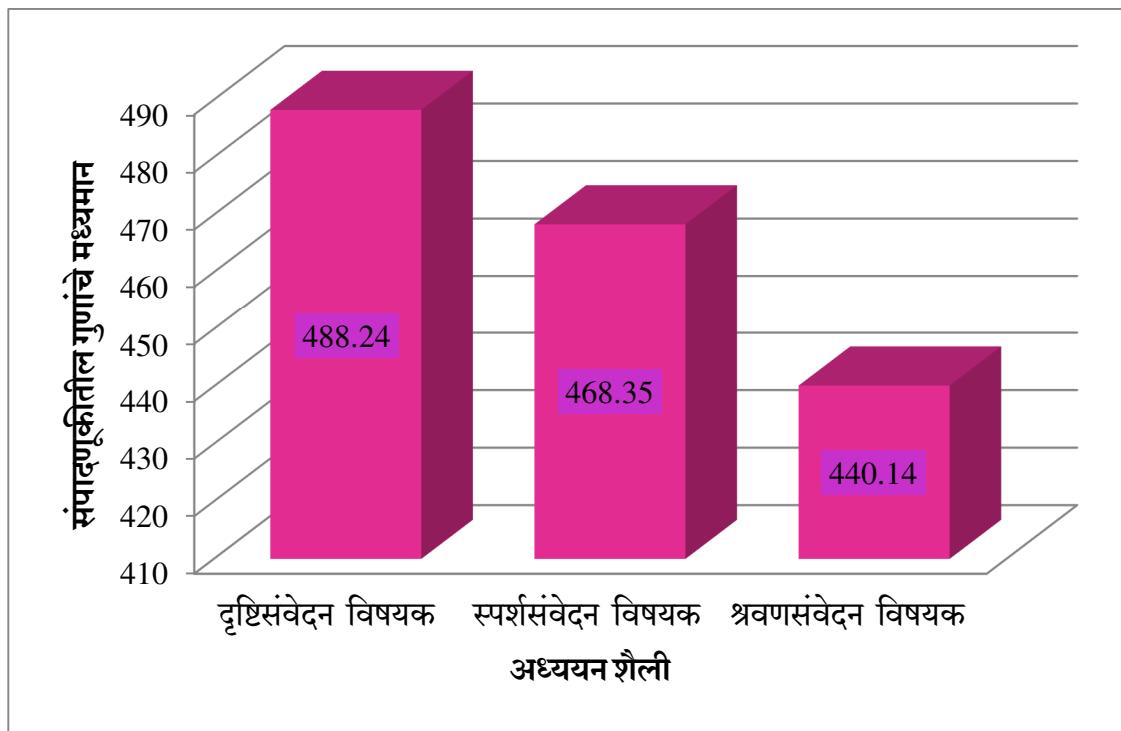
(1) प्राप्त F -मूल्य हे सारणी F -मूल्यापेक्षा जास्त आहे.

(2) P-मूल्य हे सार्थकता स्तरापेक्षा ($\alpha = 0.05$) कमी आहे.

अर्थनिर्वचन

वरील माहितीवरून प्राप्त F-मूल्य हे सारणी F-मूल्यापेक्षा जास्त आहे आणि P-मूल्य हे सार्थकता स्तरापेक्षा ($\alpha = 0.05$) कमी आहे. म्हणून प्राप्त F-मूल्य हे 0.05 सार्थकता स्तरावर 2 आणि 805 स्वाधिनता मात्रेसाठी सार्थ आहे. म्हणून संशोधकाने शून्य परिकल्पनेचा (H_0) त्याग केलेला

आहे. याचाच अर्थ, दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली, स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलींच्या शैक्षणिक संपादणूकीच्या मध्यमान गुणांकांत सार्थ फरक आहे. प्राप मूल्य हे खरच सार्थ आहे का? हे पाहण्यासाठी खालीलप्रमाणे स्तंभालेख काढण्यात आला.



आलेख क्रमांक 23 : दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली, स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलींच्या शैक्षणिक संपादणूकीतील गुणांचे मध्यमान दर्शवणारा स्तंभालेख

आलेख क्रमांक 23 हा दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली, स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैलीव श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलींच्या शैक्षणिक संपादणूकीतील गुणांच्या मध्यमानाची तुलना दर्शवणारा स्तंभालेख आहे. या स्तंभालेखावरून दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलींच्या शैक्षणिक संपादणुकीचे मध्यमान हे स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलांच्या शैक्षणिक संपादणुकीच्या मध्यमानापेक्षा जास्त आहे. याचाच अर्थ, दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली, स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलींच्या शैक्षणिक संपादणूकीत सार्थ फरक आहे.

१

प्रकरण पाचवे
सारांश, निष्कर्ष व शिफारशी

प्रकरण पाचवे

सारांश, निष्कर्ष व शिफारशी

अनुक्रमणिका

| क्रमांक | तपशील | पृष्ठ क्रमांक |
|---------|---------------------------------------|---------------|
| 5.1 | प्रस्तावना | 175 |
| 5.2 | सारांश | 175 |
| | 5.2.1 प्रस्तावना | 175 |
| | 5.2.2 संशोधनाची आवश्यकता | 176 |
| | 5.2.3 संबंधित साहित्याचा आढावा | 178 |
| | 5.2.4 संशोधन समस्येचे शीर्षक | 178 |
| | 5.2.5 समस्या विधान | 178 |
| | 5.2.6 पदांच्या संकल्पनात्मक व्याख्या | 178 |
| | 5.2.7 पदांच्या कार्यात्मक व्याख्या | 179 |
| | 5.2.8 संशोधनाची उद्दिष्टे | 179 |
| | 5.2.9 गृहीतके | 179 |
| | 5.2.10 परिकल्पना | 179 |
| | 5.2.11 संशोधनातील चले | 182 |
| | 5.2.12 व्यापी, मर्यादा आणि परिमर्यादा | 182 |
| | 5.2.12.1 व्यापी | 182 |
| | 5.2.12.2 मर्यादा | 182 |
| | 5.2.12.3 परिमर्यादा | 182 |
| | 5.2.13 संशोधन पट्डधती | 182 |
| | 5.2.14 संशोधन अभिकल्प | 183 |
| | 5.2.15 जनसंख्या | 183 |
| | 5.2.16 नमुना निवड | 183 |
| | 5.2.17 माहिती संकलनाची साधने | 183 |
| | 5.2.17.1 अध्ययन शैली शोधिका | 184 |
| | 5.2.17.2 प्रगतिपुस्तक | 184 |
| | 5.2.18 माहिती संकलन प्रक्रिया | 185 |

| | | |
|-----|---|-----|
| | 5.2.18.1 उद्दिष्ट क्रमांक 1 अनुसार | 185 |
| | 5.2.18.2 उद्दिष्ट क्रमांक 2 अनुसार | 186 |
| | 5.2.18.3 उद्दिष्ट क्रमांक 3 अनुसार | 186 |
| | 5.2.18.4 उद्दिष्ट क्रमांक 4 अनुसार | 187 |
| | 5.2.19 माहितीचे सांख्यिकीय विश्लेषण व अर्थनिर्वचन | 187 |
| | 5.2.19.1 उद्दिष्ट क्रमांक 1 अनुसार | 187 |
| | 5.2.19.2 उद्दिष्ट क्रमांक 2 अनुसार | 191 |
| | 5.2.19.3 उद्दिष्ट क्रमांक 3 अनुसार | 196 |
| | 5.2.19.4 उद्दिष्ट क्रमांक 4 अनुसार | 197 |
| 5.3 | उद्दिष्टानुसार निष्कर्ष | 204 |
| | 5.3.1 उद्दिष्ट क्रमांक 1 नुसार निष्कर्ष | 204 |
| | 5.3.2 उद्दिष्ट क्रमांक 2 नुसार निष्कर्ष | 204 |
| | 5.3.3 उद्दिष्ट क्रमांक 3 नुसार निष्कर्ष | 205 |
| | 5.3.4 उद्दिष्ट क्रमांक 4 नुसार निष्कर्ष | 205 |
| 5.4 | प्रस्तुत व पूर्व संशोधन यांतील निष्कर्षाची चर्चा | 207 |
| 5.5 | शिफारशी | 209 |
| | 5.5.1 मुख्याध्यापकांसाठी | 209 |
| | 5.5.2 शिक्षकांसाठी | 209 |
| | 5.5.3 पालकांसाठी | 210 |
| | 5.5.4 भावी संशोधकांसाठी | 210 |

प्रकरण पाचवे

सारांश, निष्कर्ष व शिफारशी

5.1 प्रस्तावना

संशोधनाचे निष्कर्ष हा संशोधनाचा महत्त्वपूर्ण गाभा आहे. निष्कर्ष हे आधारसामाग्रीशी संबंधित असून विशिष्ट परिस्थितीत उपयुक्त असतात. त्याचप्रमाणे पूर्वी ठरवलेल्या परिकल्पनांशी निष्कर्षाचा संबंध प्रस्थापित करणे आवश्यक असते. प्रस्तुत प्रकरणामध्ये संशोधकाने प्रथम संशोधनाचा सारांश दिलेला असून त्या संशोधन कार्यावर तसेच सारांशावर आधारित महत्त्वपूर्ण निष्कर्ष व शिफारशी सुचवल्या आहेत.

5.2 सारांश

5.2.1 प्रस्तावना

शिक्षणाचा मुख्य उद्देश विद्यार्थ्यांचा सर्वांगीण विकास साधणे हा होय. विद्यार्थ्यांचा सर्वांगीण विकास साधताना विद्यार्थ्यांची शैक्षणिक गुणवत्ता कशी वाढीस लागेल याचा विचार करावा लागतो. शैक्षणिक गुणवत्ता वाढवण्याच्या दृष्टीने विद्यार्थ्यांच्या सर्जनशीलतेला वाव देणारी, कल्पनाशक्ती जोपासणारी, अभिव्यक्ती स्वातंत्र्य देणारी, नावीन्याची कास धरणारी अध्ययन प्रक्रिया जोपासण्याचे आव्हान स्वीकारावे लागणार आहे. बदलती आव्हाने स्वीकारण्यास सक्षम असा उद्याचा नागरिक घडवणे ही जबाबदारी शिक्षण व्यवस्थेने पेलणे आवश्यक आहे. यासाठी अध्ययन प्रक्रियेचे महत्त्व वादातीत आहे. अध्ययन प्रक्रिया ही विद्यार्थ्यांना विचारप्रवण व कृतिप्रवण बनवणारी असणे आवश्यक आहे. अध्ययन प्रक्रियेत केवळ माहिती संक्रमण न घडता मिळालेल्या माहितीचा वापर करून समजपूर्वक पुनर्मांडणी करण्यास विद्यार्थ्यांना उद्युक्त करणे आवश्यक आहे. इयत्ता दहावीचे वर्ष हा विद्यार्थ्यांच्या आयुष्यातील निर्णायिक टप्पा असतो. या टप्प्यावरच विद्यार्थ्यांच्या भावी आयुष्याची दिशा निश्चित होत असते. विशिष्ट अभ्यासक्रम, विशिष्ट कौशल्य असलेल्या क्षेत्राची निवड करणे शैक्षणिक संपादण्यूकीवर अवलंबून असते. परंतु याची सुरुवात इयत्ता नववीपासूनच होत असते. शैक्षणिक संपादनाचा संबंध अध्ययन प्रक्रियेशी येतो आणि अध्ययनाचा संबंध अध्ययन शैलीशी

निंगडित आहे. सिगल आणि कुप यांच्या मते, “अध्ययन शैली ही एक एकात्मिक संकल्पना आहे की ज्यातून व्यक्तिमत्त्व आणि बोधात्मक रचनेची जोडणी केली जाते.” प्रत्येक विद्यार्थ्याची अध्ययन शैली भिन्न असते. प्रत्येक व्यक्तीने स्वतःची अध्ययन शैली जाणून घेणे आवश्यक आहे. त्याचप्रमाणे पालकांबरोबर शिक्षकांनी आपल्या विद्यार्थ्याची अध्ययन शैली जाणून घेणे महत्त्वपूर्ण आहे.

5.2.2 संशोधनाची आवश्यकता

आज आपण अन्न, वस्त्र, निवारा आणि शिक्षण या चार मूलभूत गरजा मानतो. पूर्वीपासून आजपर्यंत या गरजा महत्त्वपूर्ण असल्या तरी या सर्वच गरजांच्या स्वरूपामध्ये बदल, प्रगती झालेली आहे. विशेषत: शिक्षण क्षेत्रात तर खूप बदल आणि विकास झालेला आहे आणि त्याचे कारण म्हणजे शिक्षणात सुधारणा घडवून आणण्यासाठी सातत्याने होणारे संशोधनात्मक प्रयत्न होय. आपले प्रयत्नदेखील यादृष्टीने कसे उपयुक्त ठरतील या जाणिवेतून सदर संशोधन कार्य संशोधकोन हाती घेतले आहे. शिक्षणक्षेत्रात अध्यापन कार्य चांगले व्हावे तसेच विद्यार्थ्यांचे अध्ययन चांगले व्हावे यासाठी अनेक प्रयत्न केले गेले. अध्ययनावर परिणाम करणाऱ्या विविध घटकांचा म्हणजेच अवधान, अभिरूची, थकवा, ताणतणाव, भौतिक वा आर्थिक परिस्थिती याबाबत शोध घेऊन त्यावर नियंत्रण मिळविण्याचा विविध प्रकारे प्रयत्न केला गेला. विविध प्रकारच्या वर्गरचना करून जबळनपास समान संपादन असणाऱ्या विद्यार्थ्यांचा समावेश एका वर्गात केल्याने शिक्षकाला अध्यापन कार्य सोईचे जाईल. समावेशक शिक्षणाचा पुरस्कार केला गेला. परंतु अध्ययन शैलीनुसार वर्गरचना करणे शक्य आहे. याचा विचार करून त्याचप्रमाणे नियोजन करणे तितकेच महत्त्वाचे आहे. असा विचार शिक्षणक्षेत्रात रूढ करणे या संशोधनातून शक्य होईल का? या भूमिकेतून संशोधकाने प्रस्तुत संशोधन कार्य हाती घेतले होते.

सद्यःस्थितीत समावेशक शिक्षणाला महत्त्व प्राप्त झाले आहे. समावेशक शिक्षणात प्रत्येक बालकाला त्याची गरज लक्षात घेऊन शिकवणे यावर भर दिला जातो. खरे पाहता वर्गातील प्रत्येक बालक हे विशेष बालक असते. प्रत्येकाची आपली गरज असते. त्याप्रमाणे प्रत्येक बालकाची अध्ययन

शैली भिन्न असते. मुले कशी शिकतात, कोणकोणत्या पद्धतीने शिकतात, त्याची अध्ययन शैली जाणून घेतली. त्यासाठी कशा प्रकारे अध्ययन करावे हे जाणून घेतले आणि त्यानुसार आपले अध्ययन कार्य केले तर समावेशक शिक्षणातून काही विद्यार्थ्यांना न्याय मिळत नाही असे जे म्हटले जाते त्यावर मात करता येईल. वर्गातील सर्वच विद्यार्थी विविध क्षमता, गुण, वैशिष्ट्ये यांनी युक्त असतात. त्यांच्या क्षमता, त्यांच्यातील वैशिष्ट्ये जाणून त्यांना अध्यापन करणे हे जर आपण गरजेचे मानतो तर प्रत्येक विद्यार्थ्यांचे अध्ययन वेगवेगळे आहे सत्य स्वीकारून त्याप्रमाणे अध्यापन करणे गरजेचे आहे. प्रत्येक विद्यार्थ्याला त्याच्या अध्ययन शैलीनुसार न्याय मिळाला तर त्याचा परिणाम कसा घडून येईल, त्याचे शैक्षणिक संपादणुकीतील गुण कसे असतील या सर्व विचार प्रक्रियेतून सदर संशोधन आकारास आले आहे.

प्रत्येक व्यक्तीची अध्ययन शैली भिन्न असते. परंतु इयत्ता नववीतील विद्यार्थ्यांची अध्ययन शैली कशी आहे? त्याचा त्याच्या शैक्षणिक संपादनावर काय परिणाम होतो? यासारखे प्रश्न तसेच वरील विचारमंथनातून संशोधकाच्या मनात काही प्रश्न उपस्थित झाले त्या प्रश्नांचा विचार करण्यासाठी संशोधकाने प्रस्तुत संशोधन समस्येची निवड केली आहे. संशोधकाच्या मनात सदर समस्येच्या अनुषंगाने उपस्थित झालेले प्रश्न खालीलप्रमाणे होते.

संशोधन प्रश्न

- (1) नववीच्या वर्गातील विद्यार्थ्यांची अध्ययन शैली कशी आहे?
- (2) अध्ययन शैलीच्या वर्गीकरणानुसार अध्ययन शैलीचे प्रमाण काय आहे?
- (3) प्रत्येक विद्यार्थ्याच्या अध्ययन शैलीला वाव मिळेल अशी वर्गातील आंतरक्रिया आहे का?
- (4) अशीआंतरक्रिया नसल्यास, वर्गात आंतरक्रिया घडून येण्यासाठी काय करावे?
- (5) शालेय वेळापत्रकाचे नियोजन करताना अध्ययन शैलीचा विचार कशा पद्धतीने करावा?
- (6) पालकांनीदेखील आपल्या पाल्याची अध्ययन शैली ओळखून त्याप्रमाणे त्याला सोईसुविधांची उपलब्धता करून देण्यासाठी काय करावे?
- (7) अध्ययन शैलीनुसार विद्यार्थ्यांची शैक्षणिक संपादणूक कशी आहे?

(8) अध्ययन शैलीनुसार विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणकीत काही फरक आहे का ?

यासारखे प्रश्न उपस्थित झाल्यामुळे संशोधकाला सदर संशोधनाची आवश्यकता भासली. तसेच पूर्व संशोधनाचा अभ्यास केला असता असे लक्षात आले की प्रस्तुत विषयावर फारसे संशोधन झालेले नाही. त्यामुळे संशोधकाने संशोधनासाठी सदर विषयाची निवड केलेली होती.

5.2.3 संबंधित साहित्याचा आढावा

सारणी क्रमांक 1 : संबंधित साहित्य संख्या दर्शवणारी सारणी

| अ. क्र. | तपशील | संख्या |
|-------------|----------------------------|-----------|
| 1 | पुस्तके | 5 |
| 2 | नियतकालिके | लेख |
| | | शोधनिबंध |
| 3 | पीएच.डी. स्तरावरील संशोधने | 14 |
| एकूण | | 43 |

5.2.4 संशोधन समस्येचे शीर्षक

अध्ययन शैलीच्या संदर्भात विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणकीचा अभ्यास

5.2.5 समस्या विधान

माध्यमिक स्तरावरील विद्यार्थ्यांच्या अध्ययन शैलीचा शोध घेवून शोधलेल्या अध्ययन शैलीच्या संदर्भात शैक्षणिक संपादणकीचा अभ्यास करणे.

5.2.6 पदांच्या संकल्पनात्मक व्याख्या

- (1) माध्यमिक स्तर : “इयत्ता 9वी ते 10वी पर्यंतचे शिक्षण माध्यमिक स्तरावरील शिक्षण म्हणून संबोधण्यात येईल.”
- (2) विद्यार्थी : “विद्यार्थी म्हणजे कोणत्याही विषयाचा सखोल अभ्यास करणारी व्यक्ती होय.”
- (3) अध्ययन शैली : “Learning style is a complex manner in which, and conditions under which, learners most efficiently and most effectively perceive, process, store and recall what they are attempting to learn.”

(4) **शैक्षणिक संपादणूक** : “The Knowledge obtained or skills developed in the school subjects usually designed by test scores or marks assigned by the teacher.”

5.2.7 पदांच्या कार्यात्मक व्याख्या

- (1) **माध्यमिक स्तर** : माध्यमिक स्तर म्हणजे ज्या स्तराशी इयत्ता 9वीचे वर्ग संबंधित आहेत.
- (2) **विद्यार्थी** : विद्यार्थी म्हणजे इयत्ता 9वीतील अभ्यासक्रमाचा अभ्यास करणारी व्यक्ती होय.
- (3) **अध्ययन शैली** : अध्ययन शैली म्हणजे नील फ्लेमिंग यांच्या VAK प्रतिमानानुसार विद्यार्थ्यांची अध्ययन करण्याची विशिष्ट पद्धत होय.
- (4) **शैक्षणिक संपादणूक** : शैक्षणिक संपादणूक म्हणजे इयत्ता नववीच्या विद्यार्थ्यांना शालेय वर्षाच्या शेवटी अंतिम परीक्षेत प्राप्त होणारे गुण होय.

5.2.8 संशोधनाची उद्दिष्टे

- (1) अध्ययन शैली शोधिका तयार करणे.
- (2) विद्यार्थ्यांच्या अध्ययन शैलीचा अभ्यास करणे.
- (3) विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीचा अभ्यास करणे.
- (4) अध्ययन शैलीच्या संदर्भात विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीचा अभ्यास करणे.

5.2.9 गृहीतके

- (1) प्रत्येक विद्यार्थ्यांची अध्ययन शैली वेगवेगळी असते.
- (2) शैक्षणिक संपादणूक मापनक्षम असून गुणांचे वितरण प्रसामान्य असते.

5.2.10 परिकल्पना

- (1) **H₀** : दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीच्या मध्यमान गुणांकांत सार्थ फरक नाही.
H₁ : दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीच्या मध्यमान गुणांकांत सार्थ फरक आहे.

H₁ : श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व सर्पशसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलांच्या शैक्षणिक संपादण्याकीच्या मध्यमान गुणांकांत सार्थ फरक आहे.

H₁: दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली, स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलींच्या शैक्षणिक संपादणूकीच्या मध्यमान गुणांकांत सार्थ फरक आहे.

5.2.11 संशोधनातील चले

प्रस्तुत संशोधनात अध्ययन शैली हे स्वाश्रयी तर शैक्षणिक संपादणूक हे आश्रयी चल आहे.

5.2.12 व्याप्ती, मर्यादा आणि परिमर्यादा

5.2.12.1 व्याप्ती

सदर संशोधनाची व्याप्ती महाराष्ट्रातील सर्व खासगी अनुदानित मराठी माध्यमाच्या महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडळाशी संलग्न असलेल्या शाळांतील इयत्ता नववीच्या वर्गात शिकणारे सर्व विद्यार्थी अशी आहे.

5.2.12.2 मर्यादा – प्रस्तुत संशोधनाची मर्यादा खालीलप्रमाणे आहे.

- (1) सदर संशोधनाचे निष्कर्ष प्रतिसादकांनी दिलेल्या माहितीवर अवलंबून आहेत.
- (2) संपादनावर परिणाम करू शकणाऱ्या अन्य घटकांवर नियंत्रण शक्य नाही.
- (3) काही विद्यार्थ्यांची अध्ययन शैली संमिश्र असण्याची शक्यता नाकारता येत नाही.

5.2.12.3 परिमर्यादा – प्रस्तुत संशोधनाची परिमर्यादा खालीलप्रमाणे आहे.

- (1) प्रस्तुत संशोधन पुणे जिल्ह्यापुरतेच परिमर्यादित आहे.
- (2) प्रस्तुत संशोधन महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडळाशी संलग्न असलेल्या खासगी अनुदानित मराठी माध्यमाच्या शाळांपुरतेच परिमर्यादित आहे.
- (3) प्रस्तुत संशोधन इयत्ता नववीच्या विद्यार्थ्यांपुरतेच परिमर्यादित आहे.
- (4) प्रस्तुत संशोधन नील फ्लेमिंग प्रणीत अध्ययन शैलीच्या अभ्यासापुरतेच परिमर्यादित आहे.

5.2.13 संशोधन पद्धती

प्रस्तुत संशोधनामध्ये संशोधकाने समस्या निराकरणासाठी सर्वेक्षण पद्धतीचा अवलंब केला आहे.

5.2.14 संशोधन अभिकल्प

प्रस्तुत संशोधनात परिणामोत्तर कारणमीमांसा अभिकल्पाचा अवलंब पुढीलप्रमाणे करण्यात आला.

सारणी क्रमांक 2 : परिणामोत्तर कारणमीमांसा अभिकल्प

| गट | स्वाश्रयी चल | आश्रयी चल |
|---------|---|-------------------|
| निकष गट | अध्ययन शैली 1. दृष्टिसंवेदन 2. श्रवणसंवेदन 3. स्पर्शसंवेदन | शैक्षणिक संपादणूक |

5.2.15 जनसंख्या

प्रस्तुत संशोधनासाठी जनसंख्या म्हणून महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडळाशी संलग्न असलेल्या खासगी अनुदानित मराठी माध्यमाच्या शाळांतील इयत्ता नववीत शिकणारे सर्व विद्यार्थी अशी आहे.

5.2.16 नमुना निवड

प्रस्तुत संशोधनात गुच्छ नमुना निवड पद्धतीचा अवलंब करण्यात आला आहे. पुणे जिल्ह्यात एकूण 683 मराठी माध्यमाच्या खाजगी अनुदानित माध्यमिक शाळा आहेत. या शाळांपैकी पाच टक्के शाळा म्हणजेच 34 शाळा यादृच्छिक पद्धतीने निवडून (फिशर आणि येट्स संख्यापत्रकाच्या साह्याने) निवडलेल्या 34 शाळांतील सर्व विद्यार्थ्यांचा म्हणजेच एकूण 1823 विद्यार्थ्यांचा समावेश नमुन्यात करण्यात आला आहे.

5.2.17 माहिती संकलनाची साधने

प्रस्तुत संशोधनामध्ये माहिती संकलित करण्यासाठी अध्ययन शैली शोधिका आणि प्रगतिपुस्तक या साधनांचा उपयोग करण्यात आला आहे.

5.2.17.1 अध्ययन शैली शोधिका

विद्यार्थ्यांच्या अध्ययन शैलीचा अभ्यास करण्यासाठी संशोधकाने स्वतः “अध्ययन शैली शोधिका” तयार केली. या शोधिकेमध्ये एकूण 42 विधाने असून प्रत्येक विधानाला नेहमी, बरेचदा, कधीकधी, क्वचित, कधीच नाही असे पाच पर्याय दिलेले आहेत. ही विधाने टृष्णसंवेदन विषयक अध्ययन शैली, श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली आणि स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली अशा तीन घटकांमध्ये विभागली आहे. सर्व विधाने यादृच्छिकरीत्या एकत्र केली आहेत. सर्व विधाने सकारात्मक आहेत. या शोधिकेतील विधानांची काठिण्यमूल्यांशी संबंधित कोणतीही विशिष्ट रचना नाही. शोधिका सोडवण्यासाठी 20 मिनिटांचा वेळ देण्यात आलेला आहे. सर्व विधाने सकारात्मक असल्यामुळे त्यांच्या पर्यायांना अनुक्रमे 5, 4, 3, 2, 1 असे गुण दिलेले आहेत. शोधिकेची विश्वसनीयता द्विभाजन पद्धतीने काढण्यात आली असून संपूर्ण शोधिकेचा विश्वसनीयता गुणांक 0.74 इतका आहे. त्यामुळे संशोधकनिर्मित “अध्ययन शैली शोधिका” ची विश्वसनीयता उच्च आहे. सप्रमाणता तपासण्यासाठी आशयगत सप्रमाणता पद्धतीचा अवलंब करण्यात आला. अध्ययन शैली शोधिका 10 मानसशास्त्रीय व शिक्षणशास्त्रीय तज्ज्ञांकडून तपासून घेण्यात आली. तज्ज्ञांनी सांगितलेल्या सूचनांनुसार शोधिकेची रचना करून तिला अंतिम स्वरूप देण्यात आले. शेवटी प्रत्येक विधानानुसार मिळारे गुण नोंदविण्यासाठी नोंदतक्ता देण्यात आला. नोंदवलेल्या अध्ययन शैली प्रकारानुसार बेरीज करून एकूण बेरजेच्या आधारे ज्या अध्ययन शैली प्रकाराचे एकूण जास्त ती त्या विद्यार्थ्यांची अध्ययन शैली होय असे अर्थनिर्वचन करण्यात आले.

5.2.17.2 प्रगतिपुस्तक

विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीचा अभ्यास करण्यासाठी विद्यार्थ्यांना इयत्ता 9वीच्या अंतिम परीक्षेत मिळालेले गुण त्यांच्या प्रगतिपुस्तकांच्या आधारे संकलित करण्यात आले. अंतिम परीक्षा 750 गुणांची होती. प्राप्त गुणांचे शेकडेवारीत रूपांतर करण्यात आले. शेकडेवारीच्या आधारे

उच्च (71-100%), मध्यम (51-70%), कमी (41-50%) सर्वात कमी (0-40%) अशी संपादणूक पातळी ठरवून अनुक्रमे A, B, C, D अशा श्रेणी देण्यात आल्या.

5.2.18 माहिती संकलन प्रक्रिया

5.2.18.1 उद्दिष्ट क्रमांक 1 अनुसार : अध्ययन शैली शोधिका तयार करणे.

1. सर्वप्रथम 4 शाळांमधील 187 विद्यार्थ्यांची सहेतूक पद्धतीने निवड करून त्या 187 विद्यार्थ्यांच्या एका गटावर 47 विधाने असलेली शोधिका प्रशासित करण्यात आली.
2. प्रशासित अध्ययन शोधिका संकलित करून सर्व शोधिकांना योग्य गुणदान करण्यात आले.
3. त्यानंतर वरील 27% (50 विद्यार्थी) विद्यार्थ्यांचे एकूण गुण उच्चतम गटात व खालील 27% (50 विद्यार्थी) विद्यार्थ्यांचे एकूण गुण निम्नतम गटात घेतले.
4. प्रत्येक विधानासाठी उच्चतम गटातील व निम्नतम गटातील विधानवार गुणांच्या आधारे t-मूल्य काढून विधान स्वीकारावे की नाकारावे याबाबात निर्णय घेण्यात आला.
5. निर्णयाच्या आधारे अध्ययन शोधिकेतील 47 विधानांपैकी 42 विधानांचा स्वीकार करण्यात आला.
6. 42 विधानांच्या अध्ययन शैली शोधिकेची द्रविभाजन पद्धतीने विश्वसनीयता काढण्यात आली.
7. विश्वसनीयता काढण्यासाठी अध्ययन शैली शोधिकेचे समान दोन भाग करून दोन्ही भाग 102 विद्यार्थ्यांच्या एकाच गटाला एकाचवेळी सोडवायला दिले. 102 विद्यार्थ्यांची निवड सहेतूक पद्धतीने करण्यात आली. त्यासाठी कर्मवीर भाऊराव पाटील विद्यामंदीर, धनकवडी, पुणे येथील इयत्ता 9वीच्या विद्यार्थ्यांची निवड करण्यात आली होती.
8. दोन्ही भागात विद्यार्थ्यांना मिळालेल्या गुणांवरून विश्वसनीयता गुणांक काढण्यात आला.
9. अध्ययन शैली शोधिकेचा विश्वसनीयता गुणांक 0.74 इतका आला. यावरून संशोधकाने तयार केलेल्या अध्ययन शैली शोधिकेची विश्वसनीयता उच्च आहे.
10. आशयगत सप्रमाणता पद्धतीचा अवलंब करून अध्ययन शैली शोधिकेची सप्रमाणता तपासण्यात आली.

11. सर्वात शेवटी नोंदतक्ता तयार करण्यात आला.
12. अशाप्रकारे 42 विधानांची अध्ययन शैली शोधिका तयार करण्यात आली.
13. सांख्यिकीय साधने : अध्ययन शैली शोधिका तयार करण्याच्या हेतूने प्रश्न पृथक्करण करण्यासाठी t- परीक्षिका व विश्वसनीयता गुणांक काढण्यासाठी सहसंबंध या सांख्यिकीय साधनांचा उपयोग करण्यात आला.

5.2.18.2 उद्दिष्ट क्रमांक 2 अनुसार : विद्यार्थ्यांच्या अध्ययन शैलीचा अभ्यास करणे.

1. सर्वप्रथम वरीलप्रमाणे तयार केलेली अध्ययन शैली शोधिका न्यादर्शातील 1823 विद्यार्थ्यांपैकी शोधिका सोडवायला देतेवेळी उपस्थित असलेल्या 1512 विद्यार्थ्यांना सोडवायला देण्यात आली.
2. 1512 विद्यार्थ्यांनी सोडवलेल्या अध्ययन शैली शोधिका संकलित करण्यात आल्या.
3. संकलित 1512 अध्ययन शैली शोधिकांचे नोंदतक्त्याच्या आधारे योग्य गुणदान करण्यात आले.
4. गुणांच्या आधारे विद्यार्थ्यांच्या अध्ययन शैलीचा अभ्यास करण्यात आला.
5. सांख्यिकीय साधने : विद्यार्थ्यांना मिळालेल्या गुणांच्या आधारे विद्यार्थ्यांचे अध्ययन शैलीनुसार वर्गीकरण करण्यासाठी शेकडेवारी या सांख्यिकीय साधनाचा वापर करण्यात आला.

5.2.18.3 उद्दिष्ट क्रमांक 3 अनुसार : विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीचा अभ्यास करणे.

1. अध्ययन शैली शोधिकेनुसार वर्गीकरण केलेल्या 1512 विद्यार्थ्यांचे इयत्ता 9वीच्या अंतिम परीक्षेतील गुण संकलित करण्यात आले. संकलित गुणांचे वितरण प्रसामान्य आहे किंवा नाही याची तपासणी करण्यात आली.
2. विद्यार्थ्यांना मिळालेल्या अंतिम परीक्षेतील गुणांचे शेकडेवारीत रूपांतर करून त्या आधारे संपादणूक पातळी ठरवण्यात आली व त्यावरून श्रेणी ठरवण्यात आली.
3. सांख्यिकीय साधने : संकलित गुण प्रसामान्य आहेत किंवा नाही हे पाहण्यासाठी प्रसामान्यतेची चाचणी Test of Normality करण्यात आली. त्यासाठी डब्लू/एस पद्धतीचा अवलंब करण्यात आला.

संपादणूक पातळीनुसार विद्यार्थ्यांचे वर्गीकरण करण्यासाठी शेकडेवारी या सांख्यिकीय साधनाचा वापर करण्यात आला.

5.2.18.4 उद्दिष्ट क्रमांक 4 अनुसार : अध्ययन शैलीच्या संदर्भात विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीचा अभ्यास करणे.

1. उद्दिष्ट क्रमांक 2 व 3 नुसार प्राप्त माहितीच्या आधारे अध्ययन शैलीच्या संदर्भात विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीचा अभ्यास करण्यासाठी एकूण 12 परिकल्पनांचे परीक्षण करण्यात आले.
2. परिकल्पना 1, 2, 3, 5, 6, 7, 9, 10, 11 यांच्या परीक्षणासाठी t- परीक्षिकेच्या आधारे t- मूल्य काढण्यात आले. सारणी t- मूल्याच्या आधारे प्राप्त t- मूल्याची सार्थकता तपासण्यासाठी 0.05 हा सार्थकता स्तर घेण्यात आला.
3. परिकल्पना 4, 8, 12 यांच्या परीक्षणासाठी F- परीक्षिकेच्या आधारे F- मूल्य काढण्यात आले. सारणी F- मूल्याच्या आधारे प्राप्त F- मूल्याची सार्थकता तपासण्यासाठी 0.05 हा सार्थकता स्तर घेण्यात आला.

5.2.19 माहितीचे सांख्यिकीय विश्लेषण व अर्थनिर्वचन

5.2.19.1 उद्दिष्ट क्रमांक 1 : अध्ययन शैली शोधिका तयार करणे.

अध्ययन शैली शोधिकेची रचना

गिलफोर्डने संशोधकनिर्मित चाचणी प्रमाणीकरणासाठी सांगितलेल्या स्पष्टता (Clarity), समर्पकता (Relevance), अचूकता (Precision), विविधता (Variety), वस्तुनिष्ठता (Objectivity), वैशिष्ट्यपूर्णता (Uniqueness) इत्यादी बाबी विचारात घेऊ मार्गदर्शकाच्या मार्गदर्शनाखाली, शिक्षणशास्त्रातील तज्ज्ञांकइून, मासिकांतील अध्ययन शैली संबंधित लेखांतून तसेच इंटरनेट वरील डाऊनलोड केलेल्या साहित्यांच्या आधारे 47 विधानांची अध्ययन शैली शोधिका तयार करण्यात आली. प्रत्येक विधानाला नेहमी, बरेचदा, कधीकधी, कचित, कधीच नाही असे पाच पर्याय देण्यात आले. प्रत्येक पर्यायाला 5, 4, 3, 2, 1 असे गुणदान करण्यात आले.

पथदर्शी अभ्यास

पुणे जिल्ह्यातील हवेली तालुक्यातील इयत्ता 9वीच्या 187 विद्यार्थ्यांना 47 विधानांची अध्ययन शैली शोधिका सोडवण्यास देण्यात आली. शोधिकेतील प्रतिसाद नोंदवण्यासाठी 20 मिनिटे वेळ देण्यात आला. त्यानंतर सर्व शोधिका जमा करण्यात आल्या. जमा केलेल्या सर्व शोधिकांना योग्य गुणदान करण्यात आले. शोधिकेतून मिळालेल्या गुणांच्या आधारे प्रश्न पृथक्करण करण्यात आले.

प्रश्न पृथक्करण

सर्वप्रथम पथदर्शी अभ्यासातील 187 विद्यार्थ्यांना अध्ययन शोधिकेतून मिळालेले एकूण गुण उतरत्या क्रमाने मांडले. नंतर वरील 27% (50 विद्यार्थी) व खालील 27% (50 विद्यार्थी) विद्यार्थ्यांचे गुण निवडण्यात आले. वरील 27% विद्यार्थ्यांचे एकूण गुण म्हणजेच 50 विद्यार्थ्यांचे एकूण गुण उच्चतम गटात व खालील 27% विद्यार्थ्यांचे एकूण गुण म्हणजेच 50 विद्यार्थ्यांचे एकूण गुण निम्नतम गटात घेतले. प्रत्येक विधानासाठी उच्चतम गटातील व निम्नतम गटातील विद्यार्थ्यांच्या विधानवार गुणांच्या आधारे खालीलप्रमाणे t - मूल्य काढले. t - मूल्याच्या आधारे विधान स्वीकारावे की नाकारावे याबाबात निर्णय घेण्यात आला. निर्णयाच्या आधारे अध्ययन शैली शोधिकेतील 47 विधानांपैकी 42 विधानांचा स्वीकार करण्यात आला व 5 विधानांना नकार दर्शविण्यात आला. अशा प्रकारे अंतिम अध्ययन शैली शोधिकेत 42 विधानांचा समावेश करण्यात आला. t - मूल्याची सार्थकता खालीलप्रमाणे तपासण्यात आली. 0.05 या सार्थकता स्तरावर 98 या स्वाधिनता मात्रेसाठी सारणी t - मूल्य 1.982 आहे

सारणी क्रमांक 3 : t - मूल्य दर्शविणारी सारणी

| विधान क्रमांक | t -मूल्य | सार्थकता | निर्णय | विधान क्रमांक | t -मूल्य | सार्थकता | निर्णय |
|---------------|-------------|------------|---------|---------------|-------------|------------|---------|
| 1 | 2.33 | सार्थ आहे | स्वीकार | 25 | 2.15 | सार्थ आहे | स्वीकार |
| 2 | 2.36 | सार्थ आहे | स्वीकार | 26 | 2.34 | सार्थ आहे | स्वीकार |
| 3 | 2.08 | सार्थ आहे | स्वीकार | 27 | 2.6 | सार्थ आहे | स्वीकार |
| 4 | 2.21 | सार्थ आहे | स्वीकार | 28 | 1.07 | सार्थ नाही | नकार |
| 5 | 2.88 | सार्थ आहे | स्वीकार | 29 | 2.26 | सार्थ आहे | स्वीकार |
| 6 | 2.27 | सार्थ आहे | स्वीकार | 30 | 2.27 | सार्थ आहे | स्वीकार |
| 7 | 0 | सार्थ नाही | नकार | 31 | 2.71 | सार्थ आहे | स्वीकार |
| 8 | 1.64 | सार्थ नाही | नकार | 32 | 3.25 | सार्थ आहे | स्वीकार |
| 9 | 2.44 | सार्थ आहे | स्वीकार | 33 | 2.87 | सार्थ आहे | स्वीकार |
| 10 | 2.32 | सार्थ आहे | स्वीकार | 34 | 2.06 | सार्थ आहे | स्वीकार |
| 11 | 2.22 | सार्थ आहे | स्वीकार | 35 | 2.83 | सार्थ आहे | स्वीकार |
| 12 | 2.11 | सार्थ आहे | स्वीकार | 36 | 2.66 | सार्थ आहे | स्वीकार |
| 13 | 2.17 | सार्थ आहे | स्वीकार | 37 | 3.7 | सार्थ आहे | स्वीकार |
| 14 | 2.11 | सार्थ आहे | स्वीकार | 38 | 2.11 | सार्थ आहे | स्वीकार |
| 15 | 2.09 | सार्थ आहे | स्वीकार | 39 | 2.78 | सार्थ आहे | स्वीकार |
| 16 | 2.21 | सार्थ आहे | स्वीकार | 40 | 2.25 | सार्थ आहे | स्वीकार |
| 17 | 3.23 | सार्थ आहे | स्वीकार | 41 | 2.74 | सार्थ आहे | स्वीकार |
| 18 | 1.44 | सार्थ नाही | नकार | 42 | 3.08 | सार्थ आहे | स्वीकार |
| 19 | 2.73 | सार्थ आहे | स्वीकार | 43 | 3.3 | सार्थ आहे | स्वीकार |
| 20 | 2.58 | सार्थ आहे | स्वीकार | 44 | 2.67 | सार्थ आहे | स्वीकार |
| 21 | 2.31 | सार्थ आहे | स्वीकार | 45 | 2.42 | सार्थ आहे | स्वीकार |
| 22 | 0.6 | सार्थ नाही | नकार | 46 | 2.82 | सार्थ आहे | स्वीकार |
| 23 | 2.36 | सार्थ आहे | स्वीकार | 47 | 3.92 | सार्थ आहे | स्वीकार |
| 24 | 2.82 | सार्थ आहे | स्वीकार | | | | |

अध्ययन शैली शोधिकेचे वर्णन

अध्ययन शैली शोधिकेचा मुख्य हेतू व्यक्तीच्या अध्ययन शैलीचा शोध घेणे हा आहे. ही शोधिका इयत्ता 9 वीच्या विद्यार्थ्यांचा विचार करून तयार करण्यात आली. या शोधिकेत एकूण 42 विधाने आहेत. ही विधाने 3 घटकांत विभागलेली आहेत. सर्व विधाने यादृच्छिक रीत्या एकत्र केलेली आहेत. ही 42 विधाने सकारात्मक (Positive) आहेत. या शोधिकेतील विधानांची काठिण्यमूल्याशी संबंधित कोणतीही विशिष्ट रचना नाही. शोधिका सोडविण्यासाठी 20 मिनिटांचा वेळ आहे. पुढील तक्त्यात घटकानुसार विधानांची संख्या दिलेली आहे.

सारणी क्रमांक 4 : घटकांनुसार विधानांची संख्या दर्शविणारी सारणी

| अ.क्र. | अध्ययन शैली | विधाने | एकूण |
|-------------|--------------------|---|-----------|
| 1 | दृष्टिसंवेदन विषयक | 1,4,7,10,13,16,18,21,25,27,29,31, 34,38 | 14 |
| 2 | श्रवणसंवेदन विषयक | 3,9,11,15,20,22,24,28,33,35,37,39,41,42 | 14 |
| 3 | स्पर्श संवेदनविषयक | 2,5,6,8,12,14,17,19,23,26,30,32, 36,40 | 14 |
| एकूण | | | 42 |

गुणांकन

मापिकेत सकारात्मक विधाने असल्यामुळे गुणांकनासाठी खालील पद्धती अवलंबविण्यात आली.

सारणी क्रमांक 5 : गुणांकन दर्शविणारी सारणी

| | नेहमी | बरेचदा | कधीकधी | कचित | कधीच नाही |
|---------|-------|--------|--------|------|-----------|
| गुणांकन | 5 | 4 | 3 | 2 | 1 |

विश्वसनीयता

अध्ययन शैली शोधिकेची विश्वसनीयता काढण्यासाठी द्विभाजन पद्धतीचा (सम-विषम) अवलंब करण्यात आला. द्विभाजन पद्धतीचा अवलंब करताना 42 विधाने असलेल्या अध्ययन शैली शोधिकेचे समान दोन भाग (प्रत्येकी 21 विधाने) करण्यात आले. दोन्ही भाग 102 विद्यार्थ्यांच्या एकाच गटाला एकाचवेळी सोडवायला दिले. दोन्ही भागात विद्यार्थ्यांना मिळालेल्या गुणांवरून खालीलप्रमाणे विश्वसनीयता गुणांक काढण्यात आला. शोधिकेचा विश्वसनीयता गुणांक 0.74 इतका आला. याचाच अर्थ, संशोधकाने तयार केलेल्या अध्ययन शैली शोधिकेची विश्वसनीयता उच्च आहे.

सप्रमाणता

संशोधकाने स्वतः तयार केलेल्या अध्ययन शैली शोधिकेची सप्रमाणता तपासण्यासाठी आशयगत सप्रमाणता पद्धतीचा अवलंब करण्यात आला. 42 विधाने असलेली अध्ययन शैली शोधिका शिक्षणशास्त्रीय व मानसशास्त्रीय क्षेत्रांतील दहा तज्जांकडून तपासून घेतली. तज्जांनी सांगितलेल्या सूचनांनुसार शोधिकेची रचना करून तिला अंतिम स्वरूप देण्यात आले.

नोंदतक्ता

खालील नोंदतक्त्यात प्रत्येक विधानानुसार मिळालेले गुण त्यापुढील चौकटीत नोंदवावेत. नोंदवलेल्या गुणांची बेरीज करून ती बेरीज संबंधित एकूणच्या रकान्यात नोंदवावी.

| अध्ययन शैली प्रकार | | | | | |
|--------------------|-----|-------------------|-----|--------------------|-----|
| दृष्टिसंवेदन विषयक | | श्रवणसंवेदन विषयक | | स्पर्श संवेदनविषयक | |
| विधान क्रमांक | गुण | विधान क्रमांक | गुण | विधान क्रमांक | गुण |
| 1 | | 3 | | 2 | |
| 4 | | 9 | | 5 | |
| 7 | | 11 | | 6 | |
| 10 | | 15 | | 8 | |
| 13 | | 20 | | 12 | |
| 16 | | 22 | | 14 | |
| 18 | | 24 | | 17 | |
| 21 | | 28 | | 19 | |
| 25 | | 33 | | 23 | |
| 27 | | 35 | | 26 | |
| 29 | | 37 | | 30 | |
| 31 | | 39 | | 32 | |
| 34 | | 41 | | 36 | |
| 38 | | 42 | | 40 | |
| एकूण | | एकूण | | एकूण | |

नोंदवलेल्या एकूण बेरजेच्या आधारे ज्या अध्ययन शैली प्रकाराचे एकूण गुण जास्त ती त्या विद्यार्थ्यांची अध्ययन शैली होय.

5.2.19.2 उद्दिष्ट क्रमांक 2 : विद्यार्थ्यांच्या अध्ययन शैलीचा अभ्यास करणे.

सारणी क्रमांक 6 : अध्ययन शैलीनुसार विद्यार्थ्यांची संख्या व शेकडेवारी दर्शवणारी सारणी

| अध्ययन शैली | मुळे | शेकडेवारी | मुळी | शेकडेवारी | एकूण | शेकडेवारी |
|--------------------|------|-----------|------|-----------|------|-----------|
| दृष्टिसंवेदन विषयक | 494 | 70.17 | 595 | 73.64 | 1089 | 72.02 |
| श्रवणसंवेदन विषयक | 102 | 14.49 | 111 | 13.74 | 213 | 14.09 |
| स्पर्शसंवेदन विषयक | 108 | 15.34 | 102 | 12.62 | 210 | 13.89 |
| एकूण | 704 | 100 | 808 | 100 | 1512 | 100 |

दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणारी एकूण मुले 494 असून त्यांचे शेकडा प्रमाण 70.17 आहे. दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलींची संख्या 595 आहे. त्यांचे शेकडा प्रमाण 73.64 आहे. दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या एकूण विद्यार्थ्यांची संख्या 1089 असून या अध्ययन शैलीचे शेकडा प्रमाण 72.02 आहे.

श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणारी एकूण मुले 102 असून त्यांचे शेकडा प्रमाण 14.49 आहे. श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलींची संख्या 111 आहे. त्यांचे शेकडा प्रमाण 13.74 आहे. श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या एकूण विद्यार्थ्यांची संख्या 213 असून या अध्ययन शैलीचे शेकडा प्रमाण 14.09 असे आहे

स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणारी एकूण मुले 108 असून त्यांचे शेकडा प्रमाण 15.34 आहे. स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलींची संख्या 102 आहे. त्यांचे शेकडा प्रमाण 12.62 आहे. स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या एकूण विद्यार्थ्यांची संख्या 210 असून या अध्ययन शैलीचे शेकडा प्रमाण 13.89 आहे.

सारणी क्रमांक 7 : अध्ययन शैलीच्या संदर्भात शाळानिहाय एकूण मुलांची संख्या व शेकडेवारी दर्शवणारी सारणी

| शाळा क्रमांक | एकूण | अध्ययन शैली | | | | | |
|--------------|------|-------------------|-----------|-------------------|-----------|-------------------|-----------|
| | | V | | A | | K | |
| | | विद्यार्थी संख्या | शेकडेवारी | विद्यार्थी संख्या | शेकडेवारी | विद्यार्थी संख्या | शेकडेवारी |
| 1 | - | - | - | - | - | - | - |
| 2 | 50 | 16 | 32 | 24 | 48 | 10 | 20 |
| 3 | 28 | 18 | 64.28 | 6 | 21.42 | 4 | 14.28 |
| 4 | 27 | 19 | 70.37 | 1 | 3.7 | 7 | 25.92 |
| 5 | 25 | 24 | 96 | 0 | 0 | 1 | 4 |
| 6 | 24 | 20 | 83.33 | 2 | 8.3 | 2 | 8.33 |
| 7 | 26 | 21 | 80.76 | 0 | 0 | 5 | 19.23 |
| 8 | - | - | - | - | - | - | - |
| 9 | 42 | 32 | 76.19 | 6 | 14.28 | 4 | 9.52 |
| 10 | 24 | 17 | 70.83 | 3 | 12.5 | 4 | 16.66 |
| 11 | - | - | - | - | - | - | - |
| 12 | - | - | - | - | - | - | - |
| 13 | 28 | 20 | 71.42 | 2 | 7.14 | 6 | 21.42 |
| 14 | 28 | 24 | 85.71 | 2 | 7.14 | 2 | 7.14 |
| 15 | 29 | 15 | 51.72 | 9 | 31.03 | 5 | 17.24 |

| | | | | | | | |
|----|----|----|-------|---|-------|---|-------|
| 16 | - | - | - | - | - | - | - |
| 17 | 18 | 6 | 33.33 | 7 | 38.88 | 5 | 27.77 |
| 18 | 19 | 12 | 63.15 | 4 | 21.05 | 3 | 15.78 |
| 19 | 19 | 14 | 73.68 | 2 | 10.52 | 3 | 15.78 |
| 20 | 27 | 17 | 62.96 | 4 | 14.81 | 6 | 22.22 |
| 21 | 26 | 17 | 65.38 | 7 | 26.92 | 2 | 7.69 |
| 22 | 18 | 15 | 83.33 | 1 | 5.55 | 2 | 11.11 |
| 23 | 20 | 15 | 75 | 1 | 5 | 4 | 20 |
| 24 | 22 | 15 | 68.18 | 1 | 4.54 | 6 | 27.27 |
| 25 | 17 | 11 | 64.7 | 3 | 17.64 | 3 | 17.64 |
| 26 | 19 | 14 | 73.68 | 2 | 10.52 | 3 | 15.78 |
| 27 | 25 | 18 | 72 | 1 | 4 | 6 | 24 |
| 28 | 26 | 24 | 92.3 | 0 | 0 | 2 | 7.69 |
| 29 | 24 | 20 | 83.33 | 2 | 8.33 | 2 | 8.33 |
| 30 | 15 | 14 | 93.33 | 0 | 0 | 1 | 6.66 |
| 31 | 18 | 13 | 72.22 | 1 | 5.55 | 4 | 22.22 |
| 32 | 22 | 17 | 77.27 | 3 | 13.63 | 2 | 9.09 |
| 33 | 19 | 13 | 68.42 | 4 | 21.05 | 2 | 10.52 |
| 34 | 19 | 13 | 68.42 | 4 | 23.15 | 2 | 10.52 |

प्रस्तुत सारणी अध्ययन शैलीनुसार एकूण मुलांची शाळानिहाय संख्या व शेकडेवारी दर्शवते.
 शाळानिहाय अध्ययन शैलीचा विचार करता बहुतांशी शाळांतील दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली
 असणाऱ्या मुलांची संख्या ही श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन
 शैली असणाऱ्या मुलांच्या संख्येपेक्षा जास्त आहे.

सारणी क्रमांक 8 : अध्ययन शैलीच्या संदर्भात शाळानिहाय मुर्लींची संख्या व शेकडेवारी दर्शवणारी सारणी

| शाळा क्रमांक | एकूण | अध्ययन शैली | | | | | |
|-----------------|------|----------------------|-----------|----------------------|-----------|----------------------|-----------|
| | | V | | A | | K | |
| | | विद्यार्थी संख्या | शेकडेवारी | विद्यार्थी संख्या | शेकडेवारी | विद्यार्थी संख्या | शेकडेवारी |
| 1 | 46 | 31 | 67.39 | 13 | 28.26 | 2 | 4.34 |
| 2 | 34 | 24 | 70.58 | 6 | 17.64 | 4 | 11.76 |
| 3 | 19 | 14 | 73.68 | 1 | 5.26 | 4 | 21.05 |
| 4 | 18 | 9 | 50 | 6 | 33.33 | 3 | 16.66 |
| 5 | 18 | 11 | 61.11 | 4 | 22.22 | 3 | 16.66 |
| 6 | 26 | 14 | 53.84 | 7 | 26.92 | 5 | 19.23 |
| 7 | 22 | 16 | 72.72 | 4 | 18.18 | 2 | 9.09 |
| 8 | 65 | 45 | 69.23 | 7 | 10.76 | 13 | 20 |

| | | | | | | | |
|----|----|----|-------|---|-------|---|-------|
| 9 | 39 | 36 | 92.3 | 1 | 2.56 | 2 | 5.12 |
| 10 | 23 | 16 | 69.56 | 7 | 30.43 | 0 | 0 |
| 11 | 47 | 37 | 78.72 | 2 | 4.25 | 8 | 17.02 |
| 12 | 41 | 34 | 82.92 | 3 | 7.31 | 4 | 9.75 |
| 13 | 22 | 20 | 90.9 | 0 | 0 | 2 | 9.09 |
| 14 | 29 | 23 | 79.31 | 4 | 13.79 | 2 | 6.89 |
| 15 | 27 | 24 | 88.88 | 2 | 7.4 | 1 | 3.7 |
| 16 | 34 | 22 | 64.7 | 4 | 11.76 | 8 | 23.52 |
| 17 | 18 | 12 | 66.66 | 2 | 11.11 | 4 | 22.22 |
| 18 | 21 | 14 | 66.66 | 4 | 19.04 | 3 | 14.28 |
| 19 | 17 | 6 | 35.29 | 6 | 35.29 | 5 | 29.41 |
| 20 | 15 | 8 | 53.33 | 3 | 20 | 4 | 26.66 |
| 21 | 19 | 8 | 42.1 | 7 | 36.84 | 4 | 21.05 |
| 22 | 15 | 8 | 53.33 | 6 | 40 | 1 | 6.66 |
| 23 | 17 | 11 | 64.7 | 0 | 0 | 6 | 35.29 |
| 24 | 15 | 14 | 93.33 | 0 | 0 | 1 | 6.66 |
| 25 | 20 | 17 | 85 | 2 | 10 | 1 | 5 |
| 26 | 15 | 13 | 86.66 | 2 | 13.33 | 0 | 0 |
| 27 | 12 | 10 | 83.33 | 1 | 8.33 | 1 | 8.33 |
| 28 | 22 | 18 | 81.81 | 0 | 0 | 4 | 18.18 |
| 29 | 22 | 17 | 77.27 | 2 | 9.09 | 3 | 13.63 |
| 30 | 12 | 12 | 100 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 31 | 15 | 14 | 93.33 | 0 | 0 | 1 | 6.66 |
| 32 | 15 | 15 | 100 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 33 | 15 | 12 | 80 | 3 | 20 | 0 | 0 |
| 34 | 13 | 10 | 76.92 | 2 | 15.38 | 1 | 7.69 |

प्रस्तुत सारणी अध्ययन शैलीनुसार एकूण मुलींची शाळानिहाय संख्या व शेकडेवारी दर्शवते.

शाळानिहाय अध्ययन शैलीचा विचार करता बहुतांशी शाळांतील दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलींची संख्या ही श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलींच्या संख्येपेक्षा जास्त आहे.

सारणी क्रमांक 9 : अध्ययन शैलीच्या संदर्भात शाळानिहाय एकूण विद्यार्थ्यांची संख्या व शेकडेवारी दर्शवणारी सारणी

| शाळा क्रमांक | एकूण | अध्ययन शैली | | | | | |
|-----------------|------|----------------------|-----------|----------------------|-----------|----------------------|-----------|
| | | V | | A | | K | |
| | | विद्यार्थी संख्या | शेकडेवारी | विद्यार्थी संख्या | शेकडेवारी | विद्यार्थी संख्या | शेकडेवारी |
| 1 | 46 | 31 | 67.39 | 13 | 28.26 | 2 | 4.34 |

| | | | | | | | |
|----|----|----|-------|----|-------|----|-------|
| 2 | 84 | 40 | 47.61 | 30 | 35.71 | 14 | 16.66 |
| 3 | 47 | 32 | 68.08 | 7 | 14.89 | 8 | 17.02 |
| 4 | 45 | 28 | 62.22 | 7 | 15.55 | 10 | 22.22 |
| 5 | 43 | 35 | 81.39 | 4 | 9.3 | 4 | 9.3 |
| 6 | 50 | 34 | 68 | 9 | 18 | 7 | 14 |
| 7 | 48 | 37 | 77.08 | 4 | 8.33 | 7 | 14.58 |
| 8 | 65 | 45 | 69.23 | 7 | 10.76 | 13 | 20 |
| 9 | 81 | 68 | 83.95 | 7 | 8.64 | 6 | 7.4 |
| 10 | 47 | 33 | 70.21 | 10 | 21.27 | 4 | 8.51 |
| 11 | 47 | 37 | 78.72 | 2 | 4.25 | 8 | 17.02 |
| 12 | 41 | 34 | 82.92 | 3 | 7.31 | 4 | 9.75 |
| 13 | 50 | 40 | 80 | 2 | 4 | 8 | 16 |
| 14 | 57 | 47 | 82.45 | 6 | 10.52 | 4 | 7.01 |
| 15 | 56 | 39 | 69.64 | 11 | 19.64 | 6 | 10.71 |
| 16 | 34 | 22 | 64.7 | 4 | 11.76 | 8 | 23.52 |
| 17 | 36 | 18 | 50 | 9 | 25 | 9 | 25 |
| 18 | 40 | 26 | 65 | 8 | 20 | 6 | 15 |
| 19 | 36 | 20 | 55.55 | 8 | 22.22 | 8 | 22.22 |
| 20 | 42 | 25 | 59.52 | 7 | 16.66 | 10 | 23.8 |
| 21 | 45 | 25 | 55.55 | 14 | 31.11 | 6 | 13.33 |
| 22 | 33 | 23 | 69.69 | 7 | 21.21 | 3 | 9.09 |
| 23 | 37 | 26 | 70.27 | 1 | 2.7 | 10 | 27.02 |
| 24 | 37 | 29 | 78.37 | 1 | 2.7 | 7 | 18.91 |
| 25 | 37 | 28 | 75.67 | 5 | 13.51 | 4 | 10.81 |
| 26 | 34 | 27 | 79.41 | 4 | 11.76 | 3 | 8.82 |
| 27 | 37 | 28 | 75.67 | 2 | 5.4 | 7 | 18.91 |
| 28 | 48 | 42 | 87.5 | 0 | 0 | 6 | 12.5 |
| 29 | 46 | 37 | 80.43 | 4 | 8.69 | 5 | 10.86 |
| 30 | 27 | 26 | 96.29 | 0 | 0 | 1 | 3.7 |
| 31 | 33 | 27 | 81.81 | 1 | 3.03 | 5 | 15.15 |
| 32 | 37 | 32 | 86.48 | 3 | 8.1 | 2 | 5.4 |
| 33 | 34 | 25 | 73.52 | 7 | 20.58 | 2 | 5.88 |
| 34 | 32 | 23 | 71.87 | 6 | 18.75 | 3 | 9.37 |

प्रस्तुत सारणी अध्ययन शैलीनुसार एकूण विद्यार्थ्यांची शाळानिहाय संख्या व शेकडेवारी दर्शवते. शाळानिहाय अध्ययन शैलीचा विचार करता बहुतांशी शाळांतील दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांची संख्या ही श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांच्या संख्येपेक्षा जास्त आहे.

5.2.19.3 उद्दिष्ट क्रमांक 3 : विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीचा अभ्यास करणे.

वरील उद्दिष्टाच्या पूर्तेसाठी संशोधकाने इयत्ता 9वीच्या विद्यार्थ्यांचे अंतिम परीक्षेतील गुण संकलित केले. संकलित गुण प्रसामान्य आहेत किंवा नाही हे पाहण्यासाठी प्रसामान्यतेची चाचणी (Test of Normality) खालीलप्रमाणे करण्यात आली.

सारणी क्रमांक 10 : w/s test for Normality

| | Total Boys | Total Girls | Total Students |
|----------------------------|---------------------|---------------------|---------------------|
| High Score | 93.87 | 96 | 96 |
| Low Score | 18 | 18 | 18 |
| Range (R) | 75.87 | 78 | 78 |
| SD | 14.01519 | 14.56715084 | 14.46102 |
| No. of Students | 704 | 808 | 1512 |
| q = R/SD | 5.413414 | 5.354513098 | 5.39381 |
| Critical q | 5.47 to 6.94 | 5.79 to 7.33 | 5.79 to 7.33 |
| α | 0.05 | 0.05 | 0.05 |
| Result | Distribution Normal | Distribution Normal | Distribution Normal |

अर्थनिर्वचन

वरील सारणीवरून विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीच्या गुणांचे वितरण हे प्रसामान्य आहे.

सारणी क्रमांक 11 : संपादणूक पातळीनुसार विद्यार्थ्यांची संख्या व शेकडेवारी दर्शवणारी सारणी

| संपादणूक पातळी (शेकडेवारी) | श्रेणी | मुले | शेकडेवारी | मुली | शेकडेवारी | एकूण | शेकडेवारी |
|-------------------------------|--------|------------|------------|------------|------------|-------------|------------|
| उच्च (71-100) | A | 158 | 22.44 | 268 | 33.16 | 426 | 28.17 |
| मध्यम (51-70) | B | 347 | 49.28 | 369 | 45.66 | 716 | 47.35 |
| कमी (41-50) | C | 140 | 19.88 | 136 | 16.83 | 276 | 18.25 |
| सर्वात कमी (0-40) | D | 59 | 8.38 | 35 | 4.33 | 94 | 6.21 |
| एकूण | | 704 | 100 | 808 | 100 | 1512 | 100 |

वरील सारणीवरून असे निर्दर्शनास येते की, श्रेणी A म्हणजेच उच्च संपादणूक पातळी असणाऱ्या मुलांची संख्या 158 असून त्याचे शेकडा प्रमाण 22.44आहे. उच्च संपादणूक पातळी असणाऱ्या मुलींची संख्या 268 असून त्याचे शेकडा प्रमाण 33.16 आहे. उच्च संपादणूक पातळी असणाऱ्या विद्यार्थ्यांची एकूण संख्या 426 असून त्याचे शेकडा प्रमाण 28.17 आहे.

श्रेणी B म्हणजेच मध्यम संपादणूक पातळी असणाऱ्या मुलांची संख्या 347 असून त्याचे शेकडा प्रमाण 49.28 आहे. मध्यम संपादणूक पातळी असणाऱ्या मुर्लींची संख्या 369 असून त्याचे शेकडा प्रमाण 45.66 आहे. मध्यम संपादणूक पातळी असणाऱ्या विद्यार्थ्यांची एकूण संख्या 716 असून त्याचे शेकडा प्रमाण 47.35 आहे.

श्रेणी C म्हणजेच कमी संपादणूक पातळी असणाऱ्या मुलांची संख्या 140 असून त्याचे शेकडा प्रमाण 19.88 आहे. कमी संपादणूक पातळी असणाऱ्या मुर्लींची संख्या 136 असून त्याचे शेकडा प्रमाण 16.83 आहे. कमी संपादणूक पातळी असणाऱ्या विद्यार्थ्यांची एकूण संख्या 276 असून त्याचे शेकडा प्रमाण 18.25 आहे.

श्रेणी D म्हणजेच सर्वात कमी संपादणूक पातळी असणाऱ्या मुलांची संख्या 59 असून त्याचे शेकडा प्रमाण 8.38 आहे. सर्वात कमी संपादणूक पातळी असणाऱ्या मुर्लींची संख्या 35 असून त्याचे शेकडा प्रमाण 4.33 आहे. सर्वात कमी संपादणूक पातळी असणाऱ्या विद्यार्थ्यांची एकूण संख्या 94 असून त्याचे शेकडा प्रमाण 6.21 आहे.

5.2.19.4 उद्दिष्ट क्रमांक 4 अध्ययन शैलीच्या संदर्भात विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीचा अभ्यास करणे.

सारणी क्रमांक 12 : मध्यमान, प्रमाण विचलन, t/F - मूल्य दर्शवणारी सारणी

| अध्ययन शैली (एकूण विद्यार्थी) | N | M | s | t/F - मूल्य |
|----------------------------------|------|--------|--------|-------------|
| दृष्टिसंवेदन विषयक | 1089 | 473.47 | 107.56 | t = 5.65 |
| श्रवणसंवेदन विषयक | 213 | 427.76 | 109.32 | |
| दृष्टिसंवेदन विषयक | 1089 | 473.47 | 107.56 | t = 2.08 |
| स्पर्शसंवेदन विषयक | 210 | 456.67 | 104.25 | |
| श्रवणसंवेदन विषयक | 213 | 427.76 | 109.32 | t = 2.78 |
| स्पर्शसंवेदन विषयक | 210 | 456.67 | 104.25 | |
| दृष्टिसंवेदन विषयक | 1089 | 473.47 | 107.56 | F = 16.82 |
| श्रवणसंवेदन विषयक | 213 | 427.76 | 109.32 | |
| स्पर्शसंवेदन विषयक | 210 | 456.67 | 104.25 | |

| अध्ययन शैली (मुले) | N | M | s | t- मूल्य / F - मूल्य |
|--------------------|-----|--------|--------|----------------------|
| दृष्टिसंवेदन विषयक | 494 | 455.69 | 104.08 | t = 3.60 |
| श्रवणसंवेदन विषयक | 102 | 414.30 | 113.28 | |
| दृष्टिसंवेदन विषयक | 494 | 455.69 | 104.08 | t = .92 |
| स्पर्शसंवेदन विषयक | 108 | 445.64 | 96.46 | |
| श्रवणसंवेदन विषयक | 102 | 414.30 | 113.28 | t = 2.16 |
| स्पर्शसंवेदन विषयक | 108 | 445.64 | 96.46 | |
| दृष्टिसंवेदन विषयक | 494 | 455.69 | 104.08 | F = 6.68 |
| श्रवणसंवेदन विषयक | 102 | 414.30 | 113.28 | |
| स्पर्शसंवेदन विषयक | 108 | 445.64 | 96.46 | |

| अध्ययन शैली (मुली) | N | M | s | t- मूल्य / F - मूल्य |
|--------------------|-----|--------|--------|----------------------|
| दृष्टिसंवेदन विषयक | 595 | 488.24 | 108.25 | t = 4.32 |
| श्रवणसंवेदन विषयक | 111 | 440.14 | 104.54 | |
| दृष्टिसंवेदन विषयक | 595 | 488.24 | 108.25 | t = 1.70 |
| स्पर्शसंवेदन विषयक | 102 | 468.35 | 111.19 | |
| श्रवणसंवेदन विषयक | 111 | 440.14 | 104.54 | t = 1.90 |
| स्पर्शसंवेदन विषयक | 102 | 468.35 | 111.19 | |
| दृष्टिसंवेदन विषयक | 595 | 488.24 | 108.25 | F = 9.83 |
| श्रवणसंवेदन विषयक | 111 | 440.14 | 104.54 | |
| स्पर्शसंवेदन विषयक | 102 | 468.35 | 111.19 | |

सारणी क्रमांक 13 : परिकल्पना परीक्षण (एकूण विद्यार्थी)

| शून्य परिकल्पना (H ₀) | पर्यायी परिकल्पना (H ₁) | df | प्राप्त t-मूल्य | सारणी t-मूल्य | P-मूल्य | निर्णय |
|---|--|------|--------------------|------------------|---------|-------------------------|
| $\mu_{\text{visual}} = \mu_{\text{auditory}}$ | $\mu_{\text{visual}} \neq \mu_{\text{auditory}}$ | 1300 | 5.65 | 1.96 | 0 | H ₀ चा त्याग |

सारणी क्रमांक 13 वरून, प्राप्त t- मूल्य हे सारणी t- मूल्यापेक्षा जास्त आहे. तसेच P -मूल्य हे सार्थकता स्तरापेक्षा ($\alpha = 0.05$) कमी आहे. यावरून 0.05 सार्थकता स्तरावर प्राप्त t-मूल्य हे सार्थ आहे. म्हणून संशोधकाने शून्य परिकल्पनेचा (H₀) त्याग केलेला आहे. याचाच अर्थ, दृष्टिसंवेदन

विषयक अध्ययन शैली व श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीच्या मध्यमान गुणांकांत सार्थ फरक आहे.

सारणी क्रमांक 14 : परिकल्पना परीक्षण (एकूण विद्यार्थी)

| शून्य परिकल्पना (H ₀) | पर्यायी परिकल्पना (H ₁) | df | प्राप्त t-मूल्य | सारणी t-मूल्य | P-मूल्य | निणय |
|--|---|------|--------------------|------------------|---------|-------------------------|
| $\mu_{\text{visual}} = \mu_{\text{kinesthetic}}$ | $\mu_{\text{visual}} \neq \mu_{\text{kinesthetic}}$ | 1297 | 2.08 | 1.96 | 0.037 | H ₀ चा त्याग |

सारणी क्रमांक 14 वरून, प्राप्त t-मूल्य हे सारणी t-मूल्यापेक्षा जास्त आहे. तसेच P -मूल्य हे सार्थकता स्तरापेक्षा ($\alpha = 0.05$) कमी आहे. यावरून 0.05 सार्थकता स्तरावर प्राप्त t- मूल्य हे सार्थ आहे. म्हणून संशोधकाने शून्य परिकल्पनेचा (H₀) त्याग केलेला आहे. याचाच अर्थ, दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीच्या मध्यमान गुणांकांत सार्थ फरक आहे.

सारणी क्रमांक 15 : परिकल्पना परीक्षण (एकूण विद्यार्थी)

| शून्य परिकल्पना (H ₀) | पर्यायी परिकल्पना (H ₁) | df | प्राप्त t-मूल्य | सारणी t-मूल्य | P-मूल्य | निणय |
|--|---|-----|--------------------|------------------|---------|-------------------------|
| $\mu_{\text{auditory}} = \mu_{\text{kinesthetic}}$ | $\mu_{\text{auditory}} \neq \mu_{\text{kinesthetic}}$ | 421 | 2.78 | 1.96 | 0.0056 | H ₀ चा त्याग |

सारणी क्रमांक 15 वरून, प्राप्त t-मूल्य हे सारणी t-मूल्यापेक्षा जास्त आहे. तसेच P -मूल्य हे सार्थकता स्तरापेक्षा ($\alpha = 0.05$) कमी आहे. यावरून माहितीवरून 0.05 सार्थकता स्तरावर प्राप्त t-मूल्य हे सार्थ आहे. म्हणून संशोधकाने शून्य परिकल्पनेचा (H₀) त्याग केलेला आहे. याचाच अर्थ, श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीच्या मध्यमान गुणांकांत सार्थ फरक आहे.

सारणी क्रमांक 16 : MS-Excel च्या साहाय्याने काढलेले F - मूल्य (एकूण विद्यार्थी)

| Analysis of variance (ANOVA) | | | | | | |
|------------------------------|--------------------|-------------|-----------|----------|---------|----------|
| Source of Variation | SS | df | MS | F | P-value | F crit |
| Between Groups | 387899.49 | 2 | 193949.74 | 16.82611 | 5.9E-08 | 3.001687 |
| Within Groups | 17393801 | | 11526.707 | | | |
| Total | 17781700.49 | 1511 | | | | |

सारणी क्रमांक 16 वरून, प्राप्त F -मूल्य हे सारणी F -मूल्यापेक्षा जास्त आहे. तसेच P -मूल्य हे सार्थकता स्तरापेक्षा ($\alpha = 0.05$) कमी आहे. यावरून प्राप्त F -मूल्य हे सारणी F -मूल्यापेक्षा जास्त आहे आणि P -मूल्य हे सार्थकता स्तरापेक्षा ($\alpha = 0.05$) कमी आहे. म्हणून प्राप्त F -मूल्य हे 0.05 सार्थकता स्तरावर 2 आणि 1509 स्वाधिनता मात्रेसाठी सार्थ आहे. म्हणून संशोधकाने शून्य परिकल्पनेचा (H_0) त्याग केलेला आहे. याचाच अर्थ, दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली, स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादण्याकीच्या मध्यमान गुणांकांत सार्थ फरक आहे.

सारणी क्रमांक 17 : परिकल्पना परीक्षण (मुले)

| शून्य परिकल्पना (H_0) | पर्यायी परिकल्पना (H_1) | df | प्राप्त t-मूल्य | सारणी t-मूल्य | P-मूल्य | निणय |
|---|--|-----|-----------------|---------------|---------|----------------|
| $\mu_{\text{visual}} = \mu_{\text{auditory}}$ | $\mu_{\text{visual}} \neq \mu_{\text{auditory}}$ | 594 | 3.60 | 1.96 | 0.0003 | H_0 चा त्याग |

सारणी क्रमांक 17 वरून, प्राप्त t-मूल्य हे सारणी t-मूल्यापेक्षा जास्त आहे. तसेच P -मूल्य हे सार्थकता स्तरापेक्षा ($\alpha = 0.05$) कमी आहे. यावरून 0.05 सार्थकता स्तरावर प्राप्त t-मूल्य हे सार्थ आहे. म्हणून संशोधकाने शून्य परिकल्पनेचा (H_0) त्याग केलेला आहे. याचाच अर्थ, दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलांच्या शैक्षणिक संपादण्याकीच्या मध्यमान गुणांकांत सार्थ फरक आहे.

सारणी क्रमांक 18 : परिकल्पना परीक्षण (मुले)

| शून्य परिकल्पना (H ₀) | पर्यायी परिकल्पना (H ₁) | Df | प्राप्त t-मूल्य | सारणी t-मूल्य | P-मूल्य | निर्णय |
|--|---|-----|--------------------|------------------|---------|---------------------------|
| $\mu_{\text{visual}} = \mu_{\text{kinesthetic}}$ | $\mu_{\text{visual}} \neq \mu_{\text{kinesthetic}}$ | 600 | 0.92 | 1.96 | 0.35 | H ₀ चा स्वीकार |

सारणी क्रमांक 18 वरून, प्राप्त t-मूल्य हे सारणी t-मूल्यापेक्षा कमी आहे. तसेच P -मूल्य हे सार्थकता स्तरापेक्षा ($\alpha = 0.05$) जास्त आहे. यावरून 0.05 सार्थकता स्तरावर प्राप्त t-मूल्य हे सार्थक नाही. म्हणून संशोधकाने शून्य परिकल्पनेचा (H₀) स्वीकार केलेला आहे. याचाच अर्थ, दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैलीअसणाऱ्या मुलांच्या शैक्षणिक संपादण्याच्या मध्यमान गुणांकांत सार्थक फरक नाही.

सारणी क्रमांक 19 : परिकल्पना परीक्षण (मुले)

| शून्य परिकल्पना (H ₀) | पर्यायी परिकल्पना (H ₁) | df | प्राप्त t-मूल्य | सारणी t-मूल्य | P-मूल्य | निर्णय |
|--|---|-----|--------------------|------------------|---------|-------------------------|
| $\mu_{\text{auditory}} = \mu_{\text{kinesthetic}}$ | $\mu_{\text{auditory}} \neq \mu_{\text{kinesthetic}}$ | 208 | 2.16 | 1.97 | 0.031 | H ₀ चा त्याग |

सारणी क्रमांक 19 वरून, प्राप्त t-मूल्य हे सारणी t-मूल्यापेक्षा जास्त आहे. तसेच P -मूल्य हे सार्थकता स्तरापेक्षा ($\alpha = 0.05$) कमी आहे. यावरून 0.05 सार्थकता स्तरावर प्राप्त t-मूल्य हे सार्थक आहे. म्हणून संशोधकाने शून्य परिकल्पनेचा (H₀) त्याग केलेला आहे. याचाच अर्थ, श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैलीअसणाऱ्या मुलांच्या शैक्षणिक संपादण्याच्या मध्यमान गुणांकांत सार्थक फरक आहे.

सारणी क्रमांक 20 : MS-Excel च्या साहाय्याने काढलेले F - मूल्य (मुले)

| Analysis of variance (ANOVA) | | | | | | |
|------------------------------|-------------|-----|---------|----------|---------|------------|
| Source of Variation | SS | df | MS | F | P-value | F crit |
| Between Groups | 145624.6847 | 2 | 72812.3 | 6.687147 | 0.00133 | 3.00857112 |
| Within Groups | 7632769.439 | | 701 | | | |
| Total | 7778394.124 | 703 | | | | |

सारणी क्रमांक 20 वरून, प्राप्त F - मूल्य हे सारणी F-मूल्यापेक्षा जास्त आहे. तसेच P -मूल्य हे सार्थकता स्तरापेक्षा ($\alpha = 0.05$) कमी आहे. यावरून प्राप्त F-मूल्य हे सारणी F-मूल्यापेक्षा जास्त आहे आणि P-मूल्य हे सार्थकता स्तरापेक्षा ($\alpha = 0.05$) कमी आहे. म्हणून प्राप्त F-मूल्य हे 0.05 सार्थकता स्तरावर 2 आणि 701 स्वाधिनता मात्रेसाठी सार्थ आहे. म्हणून संशोधकाने शून्य परिकल्पनेचा (H_0) त्याग केलेला आहे. याचाच अर्थ, दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली, स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलांच्या शैक्षणिक संपादणकीच्या मध्यमान गुणांकांत सार्थ फरक आहे.

सारणी क्रमांक 21 : परिकल्पना परीक्षण (मुली)

| शून्य परिकल्पना (H_0) | पर्यायी परिकल्पना (H_1) | df | प्राप्त t-मूल्य | सारणी t-मूल्य | P-मूल्य | निर्णय |
|---|--|-----|--------------------|------------------|----------|----------------|
| $\mu_{\text{visual}} = \mu_{\text{auditory}}$ | $\mu_{\text{visual}} \neq \mu_{\text{auditory}}$ | 704 | 4.32 | 1.96 | 1.78E-05 | H_0 चा त्याग |

सारणी क्रमांक 20 वरून, प्राप्त t-मूल्य हे सारणी t-मूल्यापेक्षा जास्त आहे. तसेच P -मूल्य हे सार्थकता स्तरापेक्षा ($\alpha = 0.05$) कमी आहे. यावरून 0.05 सार्थकता स्तरावर प्राप्त t-मूल्य हे सार्थ आहे. म्हणून संशोधकाने शून्य परिकल्पनेचा (H_0) त्याग केलेला आहे. याचाच अर्थ, दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलींच्या शैक्षणिक संपादणकीच्या मध्यमान गुणांकांत सार्थ फरक आहे.

सारणी क्रमांक 22 : परिकल्पना परीक्षण (मुली)

| शून्य परिकल्पना (H_0) | पर्यायी परिकल्पना (H_1) | df | प्राप्त t-मूल्य | सारणी t-मूल्य | P-मूल्य | निर्णय |
|--|---|-----|--------------------|------------------|---------|------------------|
| $\mu_{\text{visual}} = \mu_{\text{kinesthetic}}$ | $\mu_{\text{visual}} \neq \mu_{\text{kinesthetic}}$ | 695 | 1.70 | 1.96 | 0.088 | H_0 चा स्वीकार |

सारणी क्रमांक 22 वरून, प्राप्त t-मूल्य हे सारणी t-मूल्यापेक्षा कमी आहे. तसेच P -मूल्य हे सार्थकता स्तरापेक्षा ($\alpha = 0.05$) जास्त आहे. यावरून 0.05 सार्थकता स्तरावर प्राप्त t-मूल्य हे सार्थ नाही. म्हणून संशोधकाने शून्य परिकल्पनेचा (H_0) स्वीकार केलेला आहे. याचाच अर्थ, दृष्टिसंवेदन

विषयक अध्ययन शैली व स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलींच्या शैक्षणिक संपादणूकीच्या मध्यमान गुणांकांत सार्थ फरक नाही.

सारणी क्रमांक 23 : परिकल्पना परीक्षण (मुली)

| शून्य परिकल्पना (H ₀) | पर्यायी परिकल्पना (H ₁) | df | प्राप्त t-मूल्य | सारणी t-मूल्य | P-मूल्य | निणय |
|--|---|-----|--------------------|------------------|---------|---------------------------|
| $\mu_{\text{auditory}} = \mu_{\text{kinesthetic}}$ | $\mu_{\text{auditory}} \neq \mu_{\text{kinesthetic}}$ | 211 | 1.90 | 1.97 | 0.057 | H ₀ चा स्वीकार |

सारणी क्रमांक 23 वरून, प्राप्त t-मूल्य हे सारणी t-मूल्यापेक्षा कमी आहे. तसेच P-मूल्य हे सार्थकता स्तरापेक्षा ($\alpha = 0.05$) जास्त आहे. यावरून 0.05 सार्थकता स्तरावर प्राप्त t-मूल्य हे सार्थ नाही. म्हणून संशोधकाने शून्य परिकल्पनेचा (H₀) स्वीकार केलेला आहे. याचाच अर्थ, श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलींच्या शैक्षणिक संपादणूकीच्या मध्यमान गुणांकांत सार्थ फरक नाही.

सारणी क्रमांक 24 : MS-Excel च्या साहाय्याने काढलेले F - मूल्य (मुली)

| Analysis of variance (ANOVA) | | | | | | |
|------------------------------|---------|-----|------------|------------|-------------|---------|
| Source of Variation | SS | df | MS | F | P-value | F crit |
| Between Groups | 229957 | 2 | 114978.743 | 9.83347172 | 6.03547E-05 | 3.00691 |
| Within Groups | 9412534 | 805 | 11692.589 | | | |
| Total | 9642491 | 807 | | | | |

सारणी क्रमांक 24 वरून, प्राप्त F-मूल्य हे सारणी F-मूल्यापेक्षा जास्त आहे. तसेच P-मूल्य हे सार्थकता स्तरापेक्षा ($\alpha = 0.05$) कमी आहे. यावरून प्राप्त F-मूल्य हे सारणी F-मूल्यापेक्षा जास्त आहे आणि P-मूल्य हे सार्थकता स्तरापेक्षा ($\alpha = 0.05$) कमी आहे. म्हणून प्राप्त F-मूल्य हे 0.05 सार्थकता स्तरावर 2 आणि 805 स्वाधिनता मात्रेसाठी सार्थ आहे. म्हणून संशोधकाने शून्य परिकल्पनेचा (H₀) त्याग केलेला आहे. याचाच अर्थ, दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली, स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली व श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलींच्या शैक्षणिक संपादणूकीच्या मध्यमान गुणांकांत सार्थ फरक आहे.

5.3 उद्दिष्टानुसार निष्कर्ष

संशोधकाने निष्कर्षाची मांडणी उद्दिष्टानुसार पुढीलप्रमाणे केलेली आहे.

5.3.1 उद्दिष्ट क्रमांक 1 नुसार निष्कर्ष

1. विद्यार्थ्यांची अध्ययन शैली शोधण्यासाठी अध्ययन शैली शोधिका तयार करण्यात आली.
2. अध्ययन शैली शोधिका संशोधकनिर्मित असल्याने पथदर्शी अभ्यास, प्रश्न पृथक्करण, अध्ययन शैली शोधिकेचे वर्णन, गुणांकन, विश्वसनीयता, सप्रमाणता, नोंदतक्ता, अर्थनिर्वचन, याबाबी विचारात घेऊन तयार करण्यात आली.

5.3.2 उद्दिष्ट क्रमांक 2 नुसार निष्कर्ष

1. दृष्टिसंवेदन विषयक, श्रवणसंवेदन विषयक, स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलांच्या संख्येमध्ये फरक आहे. म्हणजेच दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलांची संख्या ही श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली आणि स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलांच्या संख्येपेक्षा जास्त आहे.
2. दृष्टिसंवेदन विषयक, श्रवणसंवेदन विषयक, आणि स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलींच्या संख्येमध्ये फरक आहे. म्हणजेच दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलींची संख्या ही श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली आणि स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलींपेक्षा संख्येपेक्षा जास्त आहे.
3. एकूण विद्यार्थी संख्या जर लक्षात घेतली तर दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांचे प्रमाण श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली आणि स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांच्या प्रमाणापेक्षा जास्त आहे.
4. दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलींची संख्या दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलांच्या संख्येपेक्षा जास्त आहे. त्याचप्रमाणे श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलींची संख्या श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलांच्या संख्येपेक्षा जास्त

आहे. तसेच स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलांची संख्या स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या मुलींच्या संख्येपेक्षा जास्त आहे.

5.3.3 उद्दिष्ट क्रमांक 3 नुसार निष्कर्ष

1. उच्च, मध्यम, कमी आणि सर्वात कमी संपादणूक असणाऱ्या मुलांच्या संख्येमध्ये फरक आहे. म्हणजेच मध्यम संपादणूक असणाऱ्या मुलांची संख्या ही उच्च, कमी आणि सर्वात कमी संपादणूक असणाऱ्या मुलांच्या संख्येपेक्षा जास्त आहे.
2. उच्च, मध्यम, कमी आणि सर्वात कमी संपादणूक असणाऱ्या मुलींच्या संख्येमध्ये फरक आहे. म्हणजेच मध्यम संपादणूक असणाऱ्या मुलींची संख्या ही उच्च, कमी आणि सर्वात कमी संपादणूक असणाऱ्या मुलींच्या संख्येपेक्षा जास्त आहे.
3. एकूण विद्यार्थी संख्या जर लक्षात घेतली मध्यम संपादणूक असणाऱ्या विद्यार्थ्यांची संख्या उच्च, कमी आणि सर्वात कमी संपादणूक असणाऱ्या विद्यार्थ्यांच्या संख्येपेक्षा जास्त आहे.
4. उच्च संपादणूक पातळी असणाऱ्या मुलींची संख्या उच्च संपादणूक पातळी असणाऱ्या मुलांच्या संख्येपेक्षा जास्त आहे. मध्यम संपादणूक पातळी असणाऱ्या मुलांची संख्या मध्यम संपादणूक पातळी असणाऱ्या मुलींच्या संख्येपेक्षा जास्त आहे. कमी संपादणूक पातळी असणाऱ्या मुलांची संख्या कमी संपादणूक पातळी असणाऱ्या मुलींच्या संख्येपेक्षा जास्त आहे. सर्वात कमी संपादणूक पातळी असणाऱ्या मुलांची संख्या सर्वात कमी संपादणूक पातळी असणाऱ्या मुलींच्या संख्येपेक्षा जास्त आहे.

5.3.4 उद्दिष्ट क्रमांक 4 नुसार निष्कर्ष

1. दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांची शैक्षणिक संपादणूक ही श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीपेक्षा चांगली असते.
2. दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांची शैक्षणिक संपादणूक ही स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीपेक्षा चांगली असते.
3. श्रवणसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांची शैक्षणिक संपादणूक ही स्पर्शसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीपेक्षा चांगली असते.

5.4 प्रस्तुत व पूर्व संशोधन यांतील निष्कर्षाची चर्चा

चेरी सी.ई (1981) यांनी प्रौढांच्या अध्ययन शैलींचे मापन केले असून त्यांना प्रत्येक प्रौढांच्या अध्ययन शैलीत मापनक्षम अशी विविधता दिसून आली. याच निष्कर्षाच्या आधारे प्रस्तुत संशोधनात विद्यार्थ्यांची अध्ययन शैली ओळखणे सोपे गेले. हेमलता जी. (2013) यांनी अध्ययन शैली आणि त्याचा शैक्षणिक संपादणूकीवर पडणारा प्रभाव याचा अभ्यास केला असून शिक्षकांनी विद्यार्थ्यांच्या अध्ययन शैलीनुसार सुयोग्य अध्यापन पद्धतीचा अवलंब करावा तसेच सौदृधांतिक व प्रात्यक्षिक कार्यासाठी सुयोग्य अध्ययन शैलीचा अवलंब केल्यास व्यावसायिक कौशल्ये सुधारतात असा निष्कर्ष काढला आहे. याच्या आधारे प्रस्तुत संशोधनात शिक्षकांसाठी सुचवलेल्या शिफारशींना एकप्रकारे बळकटी मिळाली. ऑलूवारांमी एम.ए आणि अंजेला सी.ओ (2014) यांनी विद्यार्थ्यांची रसायनशास्त्र विषयातील संपादणूक आणि अध्ययन यांचा तुलनात्मक अभ्यास केला असून त्यांना अध्ययन शैली आणि रसायनशास्त्र विषयातील शैक्षणिक संपादणूक यांचा संबंध आहे असे दिसून आले. तसेच बन्याच विद्यार्थ्यांची अध्ययन शैली दृष्टिसंवेदन विषयक आहे असे समजले. प्रस्तुत संशोधनातूनसुदृधा याच प्रकारचे निष्कर्ष समोर आले आहेत. सारा.एस.एस (2010) यांनी अध्ययन शैलीचा व्यवसाय निवडीवर पडणारा प्रभाव असे संशोधन केले असून त्यांनी अध्ययन शैलीचा शोध घेण्यासाठी Kazembe Sorting Test चा वापर केला आहे. त्यांना पुरुष आणि महिलांच्या अध्ययन शैलीमध्ये फरक दिसून आला आहे. पुरुषांचे क्षेत्र स्वतंत्र व महिलांचे क्षेत्र परतंत्र असे वर्गीकरण दिसून येत आहे. याच निष्कर्षाच्या आधारे प्रत्येक व्यक्तीची अध्ययन शैली भिन्न असते या मतास दुजोरा मिळाला आहे. यानुसारच प्रस्तुत संशोधन कार्य पुढे विकसित झाले आहे. कुमार पी. आणि सुदेश के. (1997) यांनी माध्यमिक स्तरावरील जीवशास्त्र विषयाच्या विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीवर अध्ययन शैलीचा झालेला परिणाम अभ्यासला आहे. अध्ययन शैलीचा शोध घेण्यासाठी त्यांनी कुमार यांच्या अध्ययन शैली शोधिकेचा अवलंब केला आहे. अध्ययन शैलीचा विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीवर परिणाम होत असतो असे त्यांना जाणवले आहे. प्रस्तुत संशोधनातून हाच निष्कर्ष समोर आला असून प्रस्तुत

संशोधनामध्ये अध्ययन शैली शोधिका संशोधक निर्मित आहे. श्रीविंदा नायर एन. (2010) यांनी भिन्न अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादण्याकीवर स्व-प्रश्न तंत्राची परिणामकारकता अभ्यासली असून यासाठी संमिश्र पद्धतीचा अवलंब केला आहे. प्रस्तुत संशोधन केवळ विद्यार्थ्यांच्या अध्ययन शैलीचा शोध व त्या अनुषंगाने विद्यार्थ्यांची शैक्षणिक संपादण्याक यापुरतेच मर्यादित आहे. व्यास ए.(2006) यांनी अध्ययन शैलीचा विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक कामगिरीशी तुलनात्मक अभ्यास केला असून अध्ययन शैलीचा शोध घेण्यासाठी राय के.के आणि नरुल के. एस. यांच्या अध्ययन शैली शोधिकेचा अवलंब केला आहे. सदर संशोधनातून अध्ययन शैलीचा विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक कामगिरीवर परिणाम होत नाही असे दिसून आले आहे. प्रस्तुत संशोधनातून विद्यार्थ्यांच्या अध्ययन शैलीच्या संदर्भात शैक्षणिक संपादण्याकीशी संबंध दिसून येत आहे. भाग्यवंत ए.आर. (2008) यांनी शास्त्र विषयाच्या विद्यार्थ्यांच्या संपादण्याकीचा अध्ययन शैलीशी असणारा संबंध अभ्यास करण्यासाठी कोबे यांच्या अध्ययन शैली प्रतिमानाचा विचार केला आहे. त्यांना संशोधनातून विद्यार्थ्यांचे चार प्रकाराच्या अध्ययन शैलीमध्ये असमान वितरण असल्याचे दिसून आले. प्रस्तुत संशोधन नील फ्लेमिंग यांच्या अध्ययन शैली प्रतिमानावर आधारित असून दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांचे प्रमाण जास्त असल्याचे दिसून आले आहे. मेहदी एम.एस. (2014) यांनी ऑनलाइन अध्ययन वातावरणातील विद्यार्थ्यांच्या अध्ययन शैलीचा अभ्यास केला असून मुलींमध्ये बहुदिश विचारप्रक्रिया तर मुलांमध्ये आत्मसात करणे या अध्ययन शैली दिसून येतात असा निष्कर्ष काढला आहे. यावरुन अध्ययन शैलीमध्ये विविधता दिसून येते. शानमुघा दास के.के (2002) आणि झरीनबेगम जी. (2012) यांनी विद्यार्थ्यांची अध्ययन शैली आणि शैक्षणिक संपादण्याक याचा अभ्यास केला असून मुले आणि मुली यांची अध्ययन शैली भिन्न असल्याचे त्यांना आढळले आहे. झरीनबेगम यांनी स्वतः अध्ययन शैली शोधिकेची निर्मिती केलेली आहे. प्रस्तुत संशोधन या कार्याचा संशोधकास अध्ययन शैली शोधिकेची निर्मिती करताना उपयोग झाला. त्यागी शिखा (2014) यांनी प्रेरणा, अध्ययन शैली, पालकांचा सहभाग व विद्यार्थ्यांची शैक्षणिक संपादण्याक यांचा संबंधात्मक अभ्यास केला असून

शाब्दिक व रचनात्मक अध्ययन शैलीचे प्रमाण विद्यार्थ्यांमध्ये जास्त असून त्याचा त्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीशी सार्थ संबंध दिसून येत आहे. प्रस्तुत संशोधनातून दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या प्रमाण जास्त असल्याचे दिसून येत आहे. गोहल केतन डी. (2009) यांनी शास्त्र विषयाच्या विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक संपादणूकीवर अध्ययन शैलीचा झालेला परिणाम अभ्यासला असून त्यांनी स्वतः अध्ययन शैली शोधिका तयार करून प्रमाणित केली आहे. प्रस्तुत संशोधनात संशोधकाने स्वतः अध्ययन शैली शोधिका तयार केली असून त्यासाठी त्याला वरील संशोधन संदर्भाचा उपयोग झाला आहे. वर्मा जगदिश. (1992) यांनी विद्यार्थ्यांच्या अध्ययन शैली, प्रेरणा, संपादणूक, चिंता यांचा संबंधात्मक अभ्यास केला असून त्यांना लिंग परत्वे अध्ययन शैली भिन्न नाही. परंतु त्याचा परिणाम त्यांच्या संपादणूक, प्रेरणा, चिंता यावर होत असतो असे दिसून आले आहे. प्रस्तुत संशोधनात केवळ अध्ययन शैली आणि शैक्षणिक संपादणूक या दोन चलांचा विचार करण्यात आला आहे.

5.5 शिफारशी

5.5.1 मुख्याध्यापकांसाठी

1. दृक, दृक-श्राव्य, नवीन तंत्रज्ञानावर आधारित शैक्षणिक साहित्य शिक्षकांना व विद्यार्थ्यांना उपलब्ध करून द्यावे.
2. शाळेमध्ये सुसज्ज ग्रंथालय, विषायानुरूप प्रयोगशाळा तयार करून प्रयोगशाळेत आधुनिक तंत्रज्ञानुसार प्रमाणित साहित्य राहील याकडे लक्ष द्यावे.
3. तयार प्रयोगशाळा रोज उपयोगात येत आहे किंवा नाही याचा आढावा घ्यावा.

5.5.2 शिक्षकांसाठी

1. शिक्षकांनी विद्यार्थ्यांच्या अध्ययन शैलीचा शोध घेण्यासाठी प्रमाणित अध्ययन शैली शोधिकेचा वापर करावा.
2. विद्यार्थ्यांच्या अध्ययन शैलीचा शोध घेऊन त्याप्रमाणे शिक्षकांनी अध्यापन करावे.

3. दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांची शैक्षणिक संपादणूक चांगली असते असे संशोधनातून आढळल्यामुळे ज्यांची अध्ययन शैली श्रवणसंवेदन आणि स्पर्श संवेदन विषयक आहे अशा विद्यार्थ्यांची अध्ययन शैली दृष्टिसंवेदन विषयक होईल यासाठी शिक्षकांनी प्रयत्न करावा.
4. दृष्टिसंवेदन विषयक अध्ययन शैली असणाऱ्या विद्यार्थ्यांची शैक्षणिक संपादणूक चांगली असते असे संशोधनातून आढळून येते. त्यामुळे शिक्षकांनी अध्ययन अनुभव देताना जास्तीत जास्त तक्ते, चित्रे, नकाशे, प्रतिकृती, संदर्भ ग्रंथ या साधनांचा उपयोग करावा.
5. विद्यार्थ्यांना तक्ते, चित्रे, नकाशे, प्रतिकृती, संदर्भ ग्रंथ म्हणजेच ही दृक साधने हाताळण्याची संधी उपलब्ध करून द्यावी.

5.5.3 पालकांसाठी

1. पालकांनी विद्यार्थ्यांच्या अध्ययन शैलीचा शोध घेऊन त्याप्रमाणे त्यांना शैक्षणिक साहित्य उपलब्ध करून द्यावे.
2. विद्यार्थी अध्ययन शैलीनुसार अध्ययन करत असल्यामुळे त्याप्रमाणे वातावरण तयार करावे. विनाकारण त्यांच्यावर बंधने लादू नयेत.

5.5.4 भावी संशोधकांसाठी

1. नील फ्लेमिंग यांच्या अध्ययन शैली प्रतिमानावर आधारित प्रस्तुत संशोधन आहे. भविष्यात कोबे, गार्डनर, बहुविध बुद्धिमत्ता यावर आधारित संशोधन हाती घेता येईल.
2. भविष्यात अध्ययन शैली आणि अध्यापन पद्धती यांचा सहसंबंधात्मक अभ्यास यावर आधारित संशोधन करता येईल.
3. व्यक्ती वर्तनावर अध्ययन शैलीचा प्रभाव यावर आधारित संशोधन हाती घेता येईल.
4. गणित, विज्ञान, समाजिक शास्त्र इत्यादी विषयास अनुसरून अध्ययन शैलीवर आधारित अनुदेशन प्रणाली विकसित करणे असा संशोधनात्मक विषय घेता येईल.

संदर्भ ग्रंथसूची

संदर्भ ग्रंथसूची

पुस्तके (इंग्रजी)

1. Alehgaonkar, P.M. (2008). *Psychology of learning And teaching*. Pune: Dilipraj Prakashan Pvt.Ltd.
2. Best, J. W. & Kahn, J.V. (2006). *Research In Education*. New Delhi : PHI Learning Private limited.
3. Dandapani, S. (2000). *A Textbook of Advanced Educational Psychology*. New Delhi: Anmol publication Pvt. Ltd.
4. Garrett, H. E. & Woodworth, R.S. (1969). *Statistics In Psychology and Education*. Bombay: Vakils, Feffer and simons Private Ltd.
5. Gupta, S.P. (1972). *Statistical method*. Delhi: Sultan chand & Sons Publishers.
6. Kothari, C.R. (2010). *Research Methodology Methods and techniques*.New Delhi: New Age International (P) Limited Publishers.
7. Kumar, Ranjit. (2015). *Research Methodology A step by step Guide for Beginners*. New Delhi: SAGE Publications India Pvt. Ltd.
8. Pani, S.P. & Pattnaik, S.K. (2006). *Vivekananda, Aurobindo and Gandhi on Education*. New Delhi: Anmol publication Pvt. Ltd.
9. Ransing, Vinaya & Parashar, Gaurishankar. (2010). *Story Analysis Model*. Delhi : Kitabi Duniya.
10. Tandi, C. M. (2005). *Teaching Maths to Pupils with Different Learning Styles*. New Delhi: SAGE Publication India Pvt. Ltd.
11. Warner, R.M. (2008). *Applied Statistics*. New Delhi: SAGE Publication India Pvt. Ltd.

पुस्तके (मराठी)

1. अकोलकर, ग. वि. (1990). शैक्षणिक तत्त्वज्ञानाची रूपरेषा. पुणे : श्री विद्या प्रकाशन.
2. कदम, चा.प. आणि चौधरी, बा. आ. (1996). शैक्षणिक मूल्यमापन. पुणे : नूतन प्रकाशन.
3. करंदीकर, सुरेश. (2009). अध्ययन अध्यापनाचे मानसशास्त्र. कोल्हापूर : फडके प्रकाशन.
4. कुलकर्णी, के. वि. (1982). शैक्षणिक मानसशास्त्र. पुणे : श्री विद्या प्रकाशन.

5. कुंडले, म. बा. (1997). शैक्षणिक तत्वज्ञान व शैक्षणिक समाजशास्त्र. पुणे : श्री विद्या प्रकाशन.
6. गाडगीळ, स्वाती. (2009). कृती संशोधन व नवोपक्रम. पुणे : सुविचार प्रकाशन.
7. तापकीर दत्तात्रेय, तापकीर निर्मला व लोंदे गौतम. (2011). अध्ययनकर्त्त्याचे आकलन व विकसन. मिरज : संघमित्रा प्रकाशन.
8. दांडेकर, रेणू. (2013). शिकू या आनंदे. पुणे : मनोविकास प्रकाशन.
9. दांडेकर, वा. ना. (1997). शैक्षणिक मूल्यमापन व संख्याशास्त्र. पुणे : श्री विद्या प्रकाशन.
10. दुनाखे, अ. रं. (1997). आधुनिक भारतीय शिक्षण. पुणे : नूतन प्रकाशन.
11. देशपांडे, प्रकाश आणि पाटोळे, एन. के. (2003). संशोधन पद्धती यशंवतराव : नाशिक . चब्हाण मुक्त विद्यापीठ.
12. पारसनीस, हेमलता आणि देशपांडे, लीना. (2009). शैक्षणिक कृती संशोधन. पुणे : नित्य नूतन प्रकाशन.
13. पोंक्षे, द. बा. (2003). शैक्षणिक मानसशास्त्र आणि प्रायोगिक कार्य. पुणे : नूतन प्रकाशन.
14. पंडित, ब. बि. (2009). शिक्षणातील संशोधन अभिकल्प. पुणे : नित्य नूतन प्रकाशन.
15. भिंताडे, वि. रा. (2009). शैक्षणिक संशोधन पद्धती. पुणे : नित्य नूतन प्रकाशन.
16. महाले, संजीवनी. (2008). अध्यापन प्रतिमाने आणि अध्ययन शैली. नाशिक : इनसाईट पब्लिकेशन.
17. मुळे, रा. श. आणि उमाठे वि. तु. (1998). शैक्षणिक संशोधनाची मूलतत्वे. औरंगाबाद : विद्या बुक्स.
18. रणसिंग, विनया आणि मोहिते, प्रवीण. (2013). कृती संशोधन व नवोपक्रम. नागपूर : श्री. मंगेश प्रकाशन.

19. शालेय शिक्षण विभाग महाराष्ट्र शासन. (2011). महाराष्ट्र राज्य अभ्यासक्रम आराखडा

2010. पुणे : महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडळ.

नियतकालिके (इंग्रजी)

1. Chauhan, R. S. (2006). Learning-style of High School Students in the Context of their Adjustment, Extroversion and Introversion. *Indian Educational Abstracts*. Vol. 6 (No-1).
2. Farks, R. D. (2003). Effects of traditional versus Learning Styles Instructional methods on middle school students. *The Journal of Educational Research*. Vol. 97 (No-1).
3. Hemalatha, G. (2013). Learning styles and their influence on academic achievement. *Edutracks*, Vol.12, No.5.
4. Kumar, P. and Sudheesh, K. (1999). *The effect of learning style on achievement in secondary school biology*. *Experiments in Education*. Indian Educational Abstract. Vol. XXV (12), Issue 6.
5. Mathur, M.C. (1985). Influencing the streaming of students with reference to their Interest, Learning Style and certain psychosocial pressures. Ph.D., Edu., Meeruth University. *Fifth Survey of Educational Research*. New Delhi: NCERT.
6. Mimrot, B.H. (2016). A study of academic achievement to home environment of secondary school students. *The International Journal Indian Psychology*. Vol. 4, Issue 1, No.79.
7. Richard, M. F. & Eunice, R. H. (1995). Learning and Teaching Styles. *Foreign Language Annals*, No.1,
8. Saha, Kaberi. (2012). Learning styles and Their Classroom Application. *Edutracks*, Vol.12, No.3.
9. Sarah, Sutcliffe. (2006). *Learning styles*. Research Digest.
10. Sreevinda, Nair. N. (2016). Analysis of the effectiveness of self-questioning on the academic achievement of students having varied learning styles. *New Frontiers in Education*. Vol. 49, No-3.

11. Stutsky, B.J. & Laschinger, H.K.S. (1995). The changes in students learning styles and adaptive learning competencies following a senior preceptor ship experience. *Journal of Advance Nursing*. Vol.21.
12. Verma, B. P. (1999). Learning styles of In-service teachers: A study of disciplinary differences. *Indian Educational Abstract*. Vol. 2 (3&4), Issue 6.
13. Verma, J. (1992). A study of learning style, achievement-motivation, anxiety, and other ecological correlates of high school students of Agra region. Ph.D., Edu., Dayalbagh Education Institute. *Fifth Survey of Educational Research*. New Delhi: NCERT.
14. Verma, B. P. & Sharma, J. P. (1987). A study of Academic Achievement in Relation to Learning Styles of Adolescents. *Journal of the Institute of Educational Research*. Vol. II.
15. Verma, B. P. & Tiku, Asha. (1990). Effects of Socio-economic status and General Intelligence on Learning Styles of High School Students. *Indian Education and Review*. Vol.25 (1).
16. Vyas, A. (2006). A study of Learning Style, Mental Ability, Academic performance and other ecological correlates of under graduate Adolescent Girls of Rajasthan. *Indian Educational Abstracts*. Vol. 6 No-2.

नियतकालिके (मराठी)

1. भाग्यवंत, सुरेखा. (2009). अध्ययन शैलीनुसार अध्यापन. *शिक्षणसमीक्षा*. नागपूर

डिक्शनरी

1. *Navneet Advanced Dictionary*, (2003). Navneet Publications (India) Limited. Gujarat.

शासन निर्णय

1. महाराष्ट्र शासन शालेय शिक्षण व क्रीडा विभाग. प्राथमिक शिक्षणाची व्याख्या व स्तरमध्ये सुधरणा. शासन निर्णय क्रमांक : प्राशातु-1112(258/2012)/प्राशि-3 दिनांक 13 फेब्रुवारी 2013.

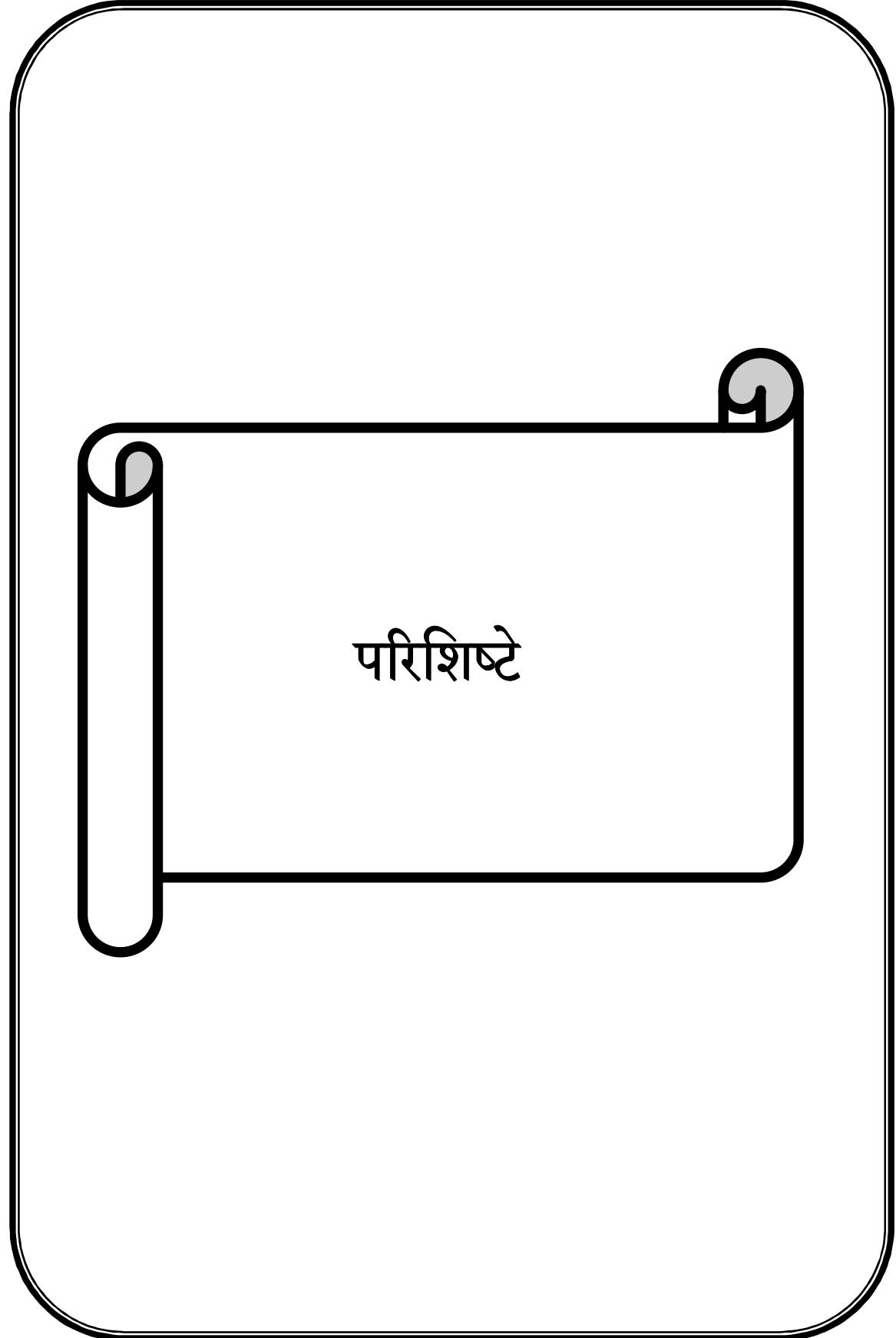
पीएच.डी. स्तराकरील संशोधने

1. Bhagyawant, S.R. (2008). *A study of achievement of secondary school students in science in relation to learning styles and attitude towards learning science*. Ph.D. Edu., SNDT University, Pune.
2. Mehdi, M.S. (2014). *Learning styles of students in online learning environment in Universities of Tehran*. Ph.D. Edu., Pune University, Pune.

पीएच.डी. स्तराकरील संशोधने (वेबसाईट)

1. Agrawal, Amit Kumar. (2008). *A Study of learning styles in concept attainment in relation to learner's intelligence and self-concept*. Ph.D. Edu., Maharshi Dayanand University. Retrieved from <http://shodhganga.inflibnet.ac.in/handle/10603/43301>.
2. Davis, Gregory. A. (2004). *The relationship between learning style and personality type of extension community development program professionals at Ohio state university*. Ph.D., Edu., The Ohio state university. Retrieved from <https://etd.ohiolink.edu/> etd. send_file?accession=osu1092425344&disposition=inline.
3. Gohel, Ketan. D. (2009). *The Effect of Learner's Learning Style Based Instructional Strategy on Science Achievement of Secondary School Students*. Ph.D. Edu., Saurashtra University. Retrieved from <http://etheses.saurashtrauniversity.edu/id/eprint/664>.
4. Hassan, koya. M.P. (2002). *Influence of learning style approaches to studying and achievement motivation on achievement in biology of secondary school pupils*. Ph.D. Edu., University of Calicut. Retrieved from <http://shodhganga.inflibnet.ac.in/handle/10603/43715>.
5. Kopsovich, R. D. (2001). *A Study of Correlations between Learning Styles of Students and their Mathematics Scores on The Texas Assessment of Academic Skills*

- Test*, Ph.D., Edu., University of North Texas. Retrieved from https://digital.library.unt.edu/ark:/67531/metadc2889/m2/1/high_res_d/dissertation.pdf.
6. McFeely, David. M. (2002). *Learning style and preferred mode of delivery of adult learners in web-based, classroom, and blended training*. Ph.D., Edu., University of North Texas. Retrieved from https://digital.library.unt.edu/ark:/67531/metadc3177/m2/1/high_res_d/Dissertation.pdf.
 7. Shanmuga, Das, K.K. (2002). *Interaction effect of learning style approaches to studying and classroom climate on achievement in social sciences of secondary school pupils*. Ph.D. Edu., University of Calicut. Retrieved from <http://shodhganga.inflibnet.ac.in/handle/10603/28037>.
 8. Tyagi, Shikha. (2014). *Achievement motivation, learning style, parental involvement as correlates of academic achievement of the secondary school students*. Ph.D. Edu., Maharshi Dayanand University. Retrieved from <http://shodhganga.inflibnet.ac.in/handle/10603/113504>.
 9. Williams, Gladys. L. (1984). *The Effectiveness of Computer Assisted Instruction and Its Relationship to Selected Learning Style Elements*. Ph.D., Edu., University of North Texas. Retrieved from https://digital.library.unt.edu/ark:/67531/metadc332252/m2/1/high_res_d/1002779506-Williams.pdf.
 10. Zarinabegum, G. (2012). *A Study of academic achievement of female student teachers of Karnataka in relation to their learning style, adjustment, intelligence and self-concept*. Ph.D. Edu., Karnataka State Womens university. Retrieved from <http://shodhganga.inflibnet.ac.in/handle/10603/8073>



परिशिष्टे

परिशिष्टे

| परिशिष्ट | तपशील | पृष्ठ क्रमांक |
|--------------|--|---------------|
| परिशिष्ट “A” | अध्ययन शैली शोधिका | 220 |
| परिशिष्ट “B” | प्रश्न पृथक्करणासाठी निवडलेल्या विद्यार्थ्यांच्या शाळांची नावे | 223 |
| परिशिष्ट “C” | अध्ययन शैली शोधिका | 224 |
| परिशिष्ट “D” | विश्वसनीयता गुणांक काढण्यासाठीचे प्राप्त गुण | 227 |
| परिशिष्ट “E” | विद्यार्थ्यांना अध्ययन शैली शोधिकेतून मिळालेले गुण | 228 |
| परिशिष्ट “F” | विद्यार्थ्यांना अंतिम परीक्षेत मिळालेले गुण | 262 |
| परिशिष्ट “G” | सारणी t-मूल्य | 283 |
| परिशिष्ट “H” | सारणी F-मूल्य | 285 |

परिशिष्ट “A”

अध्ययन शैली शोधिका

विद्यार्थ्याचे नाव : _____ **लिंग – स्त्री/पुरुष**

शाळेचे नाव : _____

इयत्ता : _____

सूचना –

- (1) या शोधिकेचे उद्दिष्ट विद्यार्थ्याची अध्ययन शैली शोधणे हे आहे.
- (2) खाली काही विधाने दिलेली आहेत. तुम्हाला योग्य पर्याय निवडून त्या चौकटीत √ अशी खूण करायची आहे.
- (3) दिलेल्या पर्यायांपैकी फक्त एकच पर्याय तुम्हाला निवडायचा आहे.
- (4) ही माहिती केवळ संशोधन कार्यासाठीच संकलित करण्यात येत असून तुमचे नाव गुप्त ठेवण्यात येईल.

| क्रमांक | विधाने | नेहमी | बरेचदा | कधीकधी | कचित | कधीच नाही |
|---------|--|-------|--------|--------|------|-----------|
| 1 | मी लिखित सूचना, आलेख, नकाशा, आकृती यादवारे अभ्यास करतो. | | | | | |
| 2 | मी अभ्यासाच्या दरम्यान विश्रांती (Break) घेतो. | | | | | |
| 3 | मी एखाद्या घटकाबाबत लिखित अहवालपेक्षा तोंडी माहिती देतो. | | | | | |
| 4 | नोट्स काढता आल्या नाही तर मला ताण जाणवतो. | | | | | |
| 5 | मी कृतीद्वारे अध्ययन करतो. | | | | | |
| 6 | मी झोपून अथवा पालथे पडून अभ्यास करतो. | | | | | |
| 7 | मी व्याख्यान, ऑडिओ टेप, सादरीकरण यादवारे अभ्यास करतो. | | | | | |
| 8 | मी वर्तमानपत्र वाचण्यापेक्षा रेडिओ, टेप यावरील संगीत ऐकतो. | | | | | |

| क्रमांक | विधाने | नेहमी | बरेचदा | कधीकधी | क्रचित | कधीच नाही |
|---------|--|-------|--------|--------|--------|-----------|
| 9 | मी एखाद्या व्यक्तीच्या बोलण्याच्या शैलीवरून, चेहऱ्यावरील हावभावावरून त्याला काय सांगायचे आहे, हे ओळखतो. | | | | | |
| 10 | मी अभ्यास करताना हातात पेन, पेन्सिल किंवा इतर वस्तू हाताळतो. | | | | | |
| 11 | मी सावकाश वाचन करतो. | | | | | |
| 12 | मी तोंडी सांगितलेल्या मुद्यापेक्षा फळ्यावर लिहिलेले मुद्दे लवकर आत्मसात करतो. | | | | | |
| 13 | मी पुस्तक वाचून एखादा घटक समजून घेण्यापेक्षा शिक्षकांनी त्यावर आधारित व्याख्यान द्यावे म्हणून त्यांच्याकडे आग्रह करतो. | | | | | |
| 14 | मी बोलताना घाई करतो. | | | | | |
| 15 | मी एखादा घटक लक्षात ठेवण्यासाठी त्यासंबंधीचे चित्र डोळ्यासमोर आणतो. | | | | | |
| 16 | मी मैदानी खेळामध्ये सहभाग घेऊन त्यामध्ये प्रावीण्य मिळवतो. | | | | | |
| 17 | मी वर्गात प्रश्न विचारतो. | | | | | |
| 18 | मी शांत ठिकाणीच अभ्यास करतो. | | | | | |
| 19 | मी नकाशावर दिलेल्या सूचना समजून घेतो. | | | | | |
| 20 | मी एखाद्या घटकासंबंधी अवांतर माहितीचा स्वतः शोध घेतो. | | | | | |
| 21 | मी एखादा घटक चांगला समजण्यासाठी तो घटक वारंवार लिहितो. | | | | | |
| 22 | मी अभ्यास करताना अथवा काही काम करत असताना संगीत ऐकतो. | | | | | |
| 23 | मी पुस्तक, वही टेबलावर ठेवण्याएवजी हातात धरून अभ्यास करतो. | | | | | |
| 24 | मी वर्गातील गटचर्चेत सहभाग घेतो. | | | | | |
| 25 | मी शिक्षकांनी लिखित सूचना द्याव्यात म्हणून आग्रही असतो. | | | | | |
| 26 | मी मित्रांबरोबरच अभ्यास करतो. | | | | | |
| 27 | मी एखादे काम करत असताना उभा राहतो. | | | | | |
| 28 | मी अभ्यास करत असताना महत्वाचे मुद्दे अधोरेखित करतो. | | | | | |

| क्रमांक | विधाने | नेहमी | बरेचदा | कधीकधी | क्रचित | कधीच नाही |
|---------|---|-------|--------|--------|--------|-----------|
| 29 | मी अभ्यासाविषयी रेकॉर्ड केलेली माहिती ऐकतो. | | | | | |
| 30 | मी फळ्यावरील प्रत्येक मुद्रा लिहून घेतो. | | | | | |
| 31 | मी विविध वाद्ये वाजवतो. | | | | | |
| 32 | मी एखादा घटक चांगला समजण्यासाठी वारंवार त्यासंबंधीची आकृती काढतो. | | | | | |
| 33 | मी दिनांक, नावे, महत्वाचे मुद्रे लक्षात ठेवण्यासाठी rhymes चा वापर करतो. | | | | | |
| 34 | मी आलेख,चित्रे,नकाशे कुशलतेने काढतो. | | | | | |
| 35 | मी स्व-प्रयत्नाने समस्येचे निराकरण करतो. | | | | | |
| 36 | मी छापील नोट्स दिल्या असल्या तरी स्वतः नोट्स काढतो. | | | | | |
| 37 | मी अभ्यासाच्यावेळी एखाद्या वस्तूवर घट्ट पकड ठेवतो. | | | | | |
| 38 | मी एखादा घटक चांगला समजण्यासाठी त्याचे पाठांतर करतो. | | | | | |
| 39 | मी माहितीचे सादरीकरण करताना नियोजनावर भर देतो. | | | | | |
| 40 | मला नकाशा, आकृती, आलेख समजायला अवघड जाते. | | | | | |
| 41 | मी नाणी, तिकिटे, फोटो संग्रहित करतो. | | | | | |
| 42 | मी वादविवाद स्पर्धेत भाग घेतो. | | | | | |
| 43 | मी नवीन पुस्तके, मासिके किंवा इतर वाचनीय साहित्य आवडीने वाचतो. | | | | | |
| 44 | मी नवीन वस्तू खेरेदी केल्यानंतर त्यावरील सूचना वाचण्यापेक्षा त्या इतरांकडून समजावून घेतो. | | | | | |
| 45 | मी दीर्घकाळ चालणाऱ्या व्याख्यानाला (long lectures) कंटाळतो. | | | | | |
| 46 | मी वर्गात जास्त बोलतो. | | | | | |
| 47 | मी महत्वाचे मुद्रे क्रमाने लिहितो आणि त्यानंतर मोठ्याने वाचतो. | | | | | |

परिशिष्ट “B”

प्रश्न पृथक्करणासाठी निवडलेल्या विद्यार्थ्यांच्या शाळांची नावे

| अ.क्र. | शाळांची नावे | विद्यार्थी संख्या |
|---------------|---|--------------------------|
| 1 | बालाजी माध्यमिक विद्यालय, धनकवडी, पुणे | 49 |
| 2 | प्रेरणा माध्यमिक विद्यालय, धनकवडी, पुणे | 55 |
| 3 | श्री. वामनराव ओतुरकर माध्यमिक विद्यालय, धनकवडी, पुणे | 43 |
| 4 | श्री.रामराज्य माध्यमिक विद्यालय, अप्पर इंदिरानगर, पुणे | 40 |
| | एकूण ----- | 187 |

परिशिष्ट “C”
अध्ययन शैली शोधिका

विद्यार्थ्याचे नाव : _____ लिंग – स्त्री/पुरुष

शाळेचे नाव : _____

इयत्ता :

सूचना –

- (1) या शोधिकेचे उद्दिष्ट विद्यार्थ्याची अध्ययन शैली शोधणे हे आहे.
- (2) खाली काही विधाने दिलेली आहेत. तुम्हाला योग्य पर्याय निवडून त्या चौकटीत √ अशी खूण करायची आहे.
- (3) दिलेल्या पर्यायांपैकी फक्त एकच पर्याय तुम्हाला निवडायचा आहे.
- (4) ही माहिती केवळ संशोधन कार्यासाठीच संकलित करण्यात येत असून तुमचे नाव गुप्त ठेवण्यात येईल.

| क्रमांक | विधाने | नेहमी | बरेचदा | कधीकधी | क्रचित | कधीच नाही |
|---------|---|-------|--------|--------|--------|-----------|
| 1 | मी लिखित सूचना, आलेख, नकाशा, आकृती यादवारे अभ्यास करतो/करते. | | | | | |
| 2 | मी अभ्यासाच्या दरम्यान विश्रांती (Break) घेतो/घेते. | | | | | |
| 3 | मी एखाद्या घटकाबाबत लिखित अहवालापेक्षा तोंडी माहिती देतो/देते. | | | | | |
| 4 | नोट्स काढता आल्या नाही तर मला ताण जाणवतो. | | | | | |
| 5 | मी कृतीद्वारे अध्ययन करतो/करते. | | | | | |
| 6 | मी झोपून अथवा पालथे पडून अभ्यास करतो/करते | | | | | |
| 7 | मी एखाद्या व्यक्तीच्या बोलण्याच्या शैलीवरून, चेहन्यावरील हावभावावरून त्याला काय सांगायचे आहे, हे ओळखतो/ओळखते. | | | | | |
| 8 | मी अभ्यास करताना हातात पेन, पेन्सिल किंवा इतर वस्तू हाताळतो/हाताळते. | | | | | |

| क्रमांक | विधाने | नेहमी | बरेचदा | कधीकधी | क्रचित | कधीच नाही |
|---------|---|-------|--------|--------|--------|-----------|
| 9 | मी सावकाश वाचन करतो/करते. | | | | | |
| 10 | मी तोंडी सांगितलेल्या मुद्यापेक्षा फळ्यावर लिहिलेले मुद्दे लवकर आत्मसात करतो/करते. | | | | | |
| 11 | मी पुस्तक वाचून एखादा घटक समजून घेण्यापेक्षा शिक्षकांनी त्यावर आधारित व्याख्यान द्यावे म्हणून त्यांच्याकडे आग्रह करतो/करते. | | | | | |
| 12 | मी बोलताना घाई करतो/करते. | | | | | |
| 13 | मी एखादा घटक लक्षात ठेवण्यासाठी त्यासंबंधीचे चित्र डोळ्यासमोर आणतो/आणते. | | | | | |
| 14 | मी मैदानी खेळामध्ये सहभाग घेऊन त्यामध्ये प्रावीण्य मिळवतो/मिळवते. | | | | | |
| 15 | मी वर्गात प्रश्न विचारतो/विचारते. | | | | | |
| 16 | मी नकाशावर दिलेल्या सूचना समजून घेतो/घेते. | | | | | |
| 17 | मी एखाद्या घटकासंबंधी अवांतर माहितीचा स्वतः शोध घेतो/घेते. | | | | | |
| 18 | मी एखादा घटक चांगला समजण्यासाठी तो घटक वारंवार लिहितो/लिहिते. | | | | | |
| 19 | मी पुस्तक, वही टेबलावर ठेवण्याऐवजी हातात धरून अभ्यास करतो/करते. | | | | | |
| 20 | मी वर्गातील गटचर्चेत सहभाग घेतो/घेते. | | | | | |
| 21 | मी शिक्षकांनी लिखित सूचना द्याव्यात म्हणून आग्रही असतो/असते | | | | | |
| 22 | मी मित्र-मैत्रिणी बरोबरच अभ्यास करतो/करते. | | | | | |
| 23 | मी एखादे काम करत असताना उभा राहतो/राहते. | | | | | |
| 24 | मी अभ्यासाविषयी रेकॉर्ड केलेली माहिती ऐकतो/ऐकते. | | | | | |
| 25 | मी फळ्यावरील प्रत्येक मुददा लिहून घेतो/घेते. | | | | | |

| क्रमांक | विधाने | नेहमी | बरेचदा | कधीकधी | क्रचित | कधीच नाही |
|---------|---|-------|--------|--------|--------|-----------|
| 26 | मी विविध वाढ्ये वाजवतो/वाजवते. | | | | | |
| 27 | मी एखादा घटक चांगला समजण्यासाठी वारंवार त्यासंबंधीची आकृती काढतो/काढते. | | | | | |
| 28 | मी दिनांक, नावे, महत्त्वाचे मुद्रे लक्षात ठेवण्यासाठी विशिष्ट क्लृप्त्याचा (Rhymes) वापर करतो/करते. | | | | | |
| 29 | मी आलेख, चित्रे, नकाशे कुशलतेने काढतो/काढते. | | | | | |
| 30 | मी स्व-प्रयत्नाने समस्येचे निराकरण करतो/करते. | | | | | |
| 31 | मी छापील नोट्स दिल्या असल्या तरी स्वतः नोट्स काढतो/काढते. | | | | | |
| 32 | मी अभ्यासाच्यावेळी एखाद्या वस्तूवर घट्ट पकड ठेवतो/ठेवते. | | | | | |
| 33 | मी एखादा घटक चांगला समजण्यासाठी त्याचे पाठांतर करतो/करते. | | | | | |
| 34 | मी माहितीचे सादरीकरण करताना नियोजनावर भर देतो/देते. | | | | | |
| 35 | मला नकाशा, आकृती, आलेख समजायला अवघड जाते. | | | | | |
| 36 | मी नाणी, तिकिटे, फोटो संग्रहित करतो/करते. | | | | | |
| 37 | मी वादविवाद स्पर्धेत भाग घेतो/घेते. | | | | | |
| 38 | मी नवीन पुस्तके, मासिके किंवा इतर वाचनीय साहित्य आवडीने वाचतो/वाचते. | | | | | |
| 39 | मी नवीन वस्तू खरेदी केल्यानंतर त्यावरील सूचना वाचण्यापेक्षा त्या इतरांकडून समजावून घेतो/घेते. | | | | | |
| 40 | मी दीर्घकाळ चालणाऱ्या व्याख्यानाला कंटाळतो/कंटाळते. | | | | | |
| 41 | मी वर्गात जास्त बोलतो/बोलते. | | | | | |
| 42 | मी महत्त्वाचे मुद्रे क्रमाने लिहितो आणि त्यानंतर मोठ्याने वाचतो/वाचते. | | | | | |

परिशिष्ट “D”

विश्वसनीयता गुणांक काढण्यासाठीचे प्राप्त गुण

| विद्यार्थी | भाग 1 | भाग 2 | विद्यार्थी | भाग 1 | भाग 2 | विद्यार्थी | भाग 1 | भाग 2 |
|------------|-------|-------|------------|-------|-------|------------|-------|-------|
| 1 | 70 | 67 | 35 | 70 | 77 | 69 | 78 | 72 |
| 2 | 81 | 76 | 36 | 73 | 70 | 70 | 69 | 43 |
| 3 | 69 | 62 | 37 | 73 | 56 | 71 | 78 | 71 |
| 4 | 65 | 60 | 38 | 64 | 68 | 72 | 61 | 50 |
| 5 | 59 | 55 | 39 | 59 | 68 | 73 | 62 | 67 |
| 6 | 76 | 71 | 40 | 56 | 58 | 74 | 58 | 56 |
| 7 | 67 | 67 | 41 | 70 | 63 | 75 | 59 | 57 |
| 8 | 58 | 49 | 42 | 68 | 58 | 76 | 70 | 67 |
| 9 | 82 | 78 | 43 | 71 | 64 | 77 | 87 | 65 |
| 10 | 80 | 78 | 44 | 71 | 73 | 78 | 60 | 64 |
| 11 | 60 | 61 | 45 | 68 | 69 | 79 | 57 | 64 |
| 12 | 76 | 71 | 46 | 68 | 68 | 80 | 65 | 54 |
| 13 | 85 | 79 | 47 | 56 | 52 | 81 | 57 | 53 |
| 14 | 82 | 78 | 48 | 63 | 50 | 82 | 70 | 59 |
| 15 | 84 | 76 | 49 | 66 | 56 | 83 | 62 | 60 |
| 16 | 65 | 68 | 50 | 60 | 59 | 84 | 64 | 61 |
| 17 | 76 | 63 | 51 | 64 | 72 | 85 | 71 | 69 |
| 18 | 70 | 75 | 52 | 69 | 61 | 86 | 77 | 75 |
| 19 | 70 | 73 | 53 | 60 | 57 | 87 | 74 | 78 |
| 20 | 58 | 54 | 54 | 71 | 53 | 88 | 86 | 74 |
| 21 | 76 | 78 | 55 | 70 | 64 | 89 | 70 | 84 |
| 22 | 76 | 74 | 56 | 75 | 73 | 90 | 83 | 76 |
| 23 | 67 | 69 | 57 | 78 | 73 | 91 | 85 | 75 |
| 24 | 57 | 60 | 58 | 71 | 59 | 92 | 74 | 66 |
| 25 | 70 | 79 | 59 | 64 | 69 | 93 | 68 | 68 |
| 26 | 70 | 64 | 60 | 82 | 73 | 94 | 73 | 64 |
| 27 | 65 | 59 | 61 | 65 | 72 | 95 | 63 | 71 |
| 28 | 67 | 66 | 62 | 79 | 68 | 96 | 70 | 77 |
| 29 | 71 | 70 | 63 | 71 | 56 | 97 | 79 | 62 |
| 30 | 66 | 60 | 64 | 73 | 66 | 98 | 80 | 55 |
| 31 | 74 | 72 | 65 | 58 | 64 | 99 | 78 | 63 |
| 32 | 81 | 76 | 66 | 64 | 64 | 100 | 75 | 75 |
| 33 | 54 | 56 | 67 | 72 | 69 | 101 | 71 | 70 |
| 34 | 61 | 62 | 68 | 66 | 62 | 102 | 70 | 65 |

परिशिष्ट “E”

विद्यार्थ्यांना अध्ययन शैली शोधिकेतून मिळालेले गुण

| अ.क्र. | अध्ययन शैलीनुसार मुलांचे गुण | | | एकूण गुण | अध्ययन शैली |
|--------|------------------------------|----|----|----------|-------------|
| | V | A | K | | |
| 1 | 44 | 51 | 41 | 136 | A |
| 2 | 42 | 48 | 46 | 136 | A |
| 3 | 48 | 62 | 43 | 153 | A |
| 4 | 40 | 55 | 48 | 143 | A |
| 5 | 49 | 52 | 49 | 150 | A |
| 6 | 49 | 53 | 41 | 143 | A |
| 7 | 42 | 32 | 48 | 122 | K |
| 8 | 45 | 50 | 48 | 143 | A |
| 9 | 48 | 58 | 49 | 155 | A |
| 10 | 36 | 48 | 44 | 128 | A |
| 11 | 35 | 43 | 36 | 114 | A |
| 12 | 37 | 52 | 39 | 128 | A |
| 13 | 37 | 50 | 47 | 134 | A |
| 14 | 30 | 38 | 43 | 111 | A |
| 15 | 38 | 36 | 40 | 114 | K |
| 16 | 32 | 41 | 28 | 101 | A |
| 17 | 48 | 56 | 48 | 152 | A |
| 18 | 42 | 32 | 44 | 118 | K |
| 19 | 47 | 60 | 47 | 154 | A |
| 20 | 45 | 47 | 45 | 137 | A |
| 21 | 40 | 49 | 41 | 130 | A |
| 22 | 41 | 43 | 40 | 124 | A |
| 23 | 42 | 56 | 50 | 148 | A |
| 24 | 53 | 55 | 52 | 160 | A |
| 25 | 51 | 58 | 48 | 157 | A |
| 26 | 56 | 45 | 46 | 147 | V |
| 27 | 54 | 41 | 36 | 131 | V |
| 28 | 47 | 50 | 35 | 132 | A |
| 29 | 50 | 41 | 42 | 133 | V |
| 30 | 43 | 40 | 46 | 129 | K |
| 31 | 50 | 47 | 59 | 156 | K |
| 32 | 56 | 48 | 41 | 145 | V |
| 33 | 54 | 43 | 46 | 143 | V |
| 34 | 59 | 41 | 53 | 153 | V |
| 35 | 55 | 48 | 40 | 143 | V |
| 36 | 57 | 39 | 44 | 140 | V |
| 37 | 52 | 44 | 55 | 151 | K |
| 38 | 48 | 48 | 52 | 148 | K |
| 39 | 56 | 63 | 51 | 170 | A |
| 40 | 54 | 45 | 51 | 150 | V |
| 41 | 51 | 34 | 40 | 125 | V |

| अ.क्र. | अध्ययन शैलीनुसार मुलांचे गुण | | | एकूण गुण | अध्ययन शैली |
|--------|------------------------------|----|----|----------|-------------|
| | V | A | K | | |
| 42 | 49 | 48 | 51 | 148 | K |
| 43 | 57 | 50 | 45 | 152 | V |
| 44 | 55 | 50 | 41 | 146 | V |
| 45 | 49 | 48 | 51 | 148 | K |
| 46 | 45 | 43 | 36 | 124 | V |
| 47 | 54 | 51 | 45 | 150 | V |
| 48 | 52 | 45 | 50 | 147 | V |
| 49 | 52 | 42 | 38 | 132 | V |
| 50 | 48 | 48 | 51 | 147 | K |
| 51 | 53 | 50 | 42 | 145 | V |
| 52 | 66 | 40 | 49 | 155 | V |
| 53 | 62 | 40 | 50 | 152 | V |
| 54 | 50 | 48 | 54 | 152 | K |
| 55 | 49 | 48 | 51 | 148 | K |
| 56 | 52 | 42 | 40 | 134 | V |
| 57 | 44 | 49 | 48 | 141 | A |
| 58 | 66 | 54 | 53 | 173 | V |
| 59 | 55 | 58 | 48 | 161 | A |
| 60 | 62 | 55 | 50 | 167 | V |
| 61 | 48 | 51 | 48 | 147 | A |
| 62 | 59 | 53 | 44 | 156 | V |
| 63 | 52 | 44 | 40 | 136 | V |
| 64 | 48 | 49 | 46 | 143 | A |
| 65 | 50 | 38 | 37 | 125 | V |
| 66 | 56 | 52 | 46 | 154 | V |
| 67 | 54 | 45 | 46 | 145 | V |
| 68 | 53 | 59 | 45 | 157 | A |
| 69 | 54 | 48 | 53 | 155 | V |
| 70 | 54 | 44 | 47 | 145 | V |
| 71 | 49 | 42 | 41 | 132 | V |
| 72 | 39 | 46 | 39 | 124 | A |
| 73 | 53 | 50 | 35 | 138 | V |
| 74 | 47 | 38 | 50 | 135 | K |
| 75 | 34 | 37 | 39 | 110 | K |
| 76 | 46 | 41 | 40 | 127 | V |
| 77 | 56 | 50 | 50 | 156 | V |
| 78 | 53 | 49 | 51 | 153 | V |
| 79 | 52 | 41 | 43 | 136 | V |
| 80 | 54 | 41 | 45 | 140 | V |
| 81 | 58 | 54 | 52 | 164 | V |
| 82 | 47 | 46 | 49 | 142 | K |
| 83 | 52 | 46 | 44 | 142 | V |
| 84 | 45 | 42 | 46 | 133 | K |
| 85 | 45 | 44 | 40 | 129 | V |
| 86 | 38 | 32 | 35 | 105 | V |
| 87 | 37 | 30 | 32 | 99 | V |

| अ.क्र. | अध्ययन शैलीनुसार मुलांचे गुण | | | एकूण गुण | अध्ययन शैली |
|--------|------------------------------|----|----|----------|-------------|
| | V | A | K | | |
| 88 | 46 | 39 | 38 | 123 | V |
| 89 | 45 | 31 | 39 | 115 | V |
| 90 | 41 | 42 | 46 | 129 | K |
| 91 | 61 | 53 | 46 | 160 | V |
| 92 | 56 | 45 | 45 | 146 | V |
| 93 | 36 | 47 | 46 | 129 | A |
| 94 | 40 | 35 | 43 | 118 | K |
| 95 | 43 | 41 | 49 | 133 | K |
| 96 | 46 | 34 | 40 | 120 | V |
| 97 | 57 | 47 | 56 | 160 | V |
| 98 | 56 | 44 | 49 | 149 | V |
| 99 | 41 | 38 | 46 | 125 | K |
| 100 | 48 | 41 | 46 | 135 | V |
| 101 | 47 | 38 | 40 | 125 | V |
| 102 | 54 | 47 | 48 | 149 | V |
| 103 | 27 | 28 | 38 | 93 | K |
| 104 | 46 | 42 | 37 | 125 | V |
| 105 | 54 | 46 | 38 | 138 | V |
| 106 | 55 | 52 | 40 | 147 | V |
| 107 | 49 | 44 | 33 | 126 | V |
| 108 | 54 | 52 | 40 | 146 | V |
| 109 | 59 | 47 | 51 | 157 | V |
| 110 | 52 | 45 | 32 | 129 | V |
| 111 | 51 | 41 | 42 | 134 | V |
| 112 | 56 | 37 | 37 | 130 | V |
| 113 | 54 | 40 | 41 | 135 | V |
| 114 | 59 | 46 | 50 | 155 | V |
| 115 | 55 | 34 | 42 | 131 | V |
| 116 | 60 | 39 | 32 | 131 | V |
| 117 | 54 | 46 | 44 | 144 | V |
| 118 | 56 | 48 | 52 | 156 | V |
| 119 | 52 | 39 | 50 | 141 | V |
| 120 | 59 | 49 | 46 | 154 | V |
| 121 | 56 | 41 | 39 | 136 | V |
| 122 | 49 | 38 | 51 | 138 | K |
| 123 | 56 | 44 | 49 | 149 | V |
| 124 | 58 | 57 | 52 | 167 | V |
| 125 | 52 | 48 | 38 | 138 | V |
| 126 | 50 | 41 | 37 | 128 | V |
| 127 | 53 | 37 | 40 | 130 | V |
| 128 | 44 | 36 | 41 | 121 | V |
| 129 | 60 | 50 | 49 | 159 | V |
| 130 | 61 | 54 | 50 | 165 | V |
| 131 | 55 | 46 | 36 | 137 | V |
| 132 | 34 | 29 | 36 | 99 | K |
| 133 | 43 | 40 | 39 | 122 | V |

| अ.क्र. | अध्ययन शैलीनुसार मुलांचे गुण | | | एकूण गुण | अध्ययन शैली |
|--------|------------------------------|----|----|----------|-------------|
| | V | A | K | | |
| 134 | 48 | 41 | 38 | 127 | V |
| 135 | 58 | 43 | 42 | 143 | V |
| 136 | 50 | 50 | 53 | 153 | K |
| 137 | 52 | 47 | 46 | 145 | V |
| 138 | 54 | 45 | 47 | 146 | V |
| 139 | 54 | 49 | 53 | 156 | V |
| 140 | 48 | 43 | 41 | 132 | V |
| 141 | 46 | 49 | 42 | 137 | V |
| 142 | 58 | 46 | 48 | 152 | V |
| 143 | 59 | 44 | 57 | 160 | V |
| 144 | 53 | 31 | 32 | 116 | V |
| 145 | 49 | 44 | 36 | 129 | V |
| 146 | 56 | 46 | 43 | 145 | V |
| 147 | 52 | 41 | 42 | 135 | V |
| 148 | 49 | 48 | 46 | 143 | V |
| 149 | 48 | 49 | 42 | 139 | A |
| 150 | 51 | 35 | 38 | 124 | V |
| 151 | 44 | 37 | 42 | 123 | V |
| 152 | 54 | 44 | 51 | 149 | V |
| 153 | 54 | 44 | 53 | 151 | V |
| 154 | 49 | 54 | 44 | 147 | A |
| 155 | 56 | 54 | 48 | 158 | V |
| 156 | 56 | 52 | 54 | 162 | V |
| 157 | 53 | 51 | 44 | 148 | V |
| 158 | 31 | 30 | 34 | 95 | K |
| 159 | 52 | 32 | 57 | 141 | K |
| 160 | 57 | 52 | 38 | 147 | V |
| 161 | 49 | 48 | 47 | 144 | V |
| 162 | 51 | 44 | 38 | 133 | V |
| 163 | 42 | 39 | 41 | 122 | V |
| 164 | 52 | 44 | 40 | 136 | V |
| 165 | 50 | 44 | 41 | 135 | V |
| 166 | 51 | 50 | 47 | 148 | V |
| 167 | 57 | 54 | 54 | 165 | V |
| 168 | 50 | 45 | 49 | 144 | V |
| 169 | 49 | 46 | 36 | 131 | V |
| 170 | 59 | 52 | 42 | 153 | V |
| 171 | 50 | 38 | 43 | 131 | V |
| 172 | 51 | 44 | 43 | 138 | V |
| 173 | 47 | 45 | 35 | 127 | V |
| 174 | 43 | 40 | 33 | 116 | V |
| 175 | 44 | 35 | 48 | 127 | K |
| 176 | 45 | 40 | 50 | 135 | K |
| 177 | 48 | 47 | 51 | 146 | K |
| 178 | 49 | 42 | 48 | 139 | V |
| 179 | 59 | 46 | 47 | 152 | V |

| अ.क्र. | अध्ययन शैलीनुसार मुलांचे गुण | | | एकूण गुण | अध्ययन शैली |
|--------|------------------------------|----|----|----------|-------------|
| | V | A | K | | |
| 180 | 63 | 56 | 54 | 173 | V |
| 181 | 57 | 49 | 49 | 155 | V |
| 182 | 47 | 50 | 40 | 137 | A |
| 183 | 56 | 46 | 48 | 150 | V |
| 184 | 53 | 44 | 44 | 141 | V |
| 185 | 57 | 50 | 40 | 147 | V |
| 186 | 51 | 32 | 39 | 122 | V |
| 187 | 48 | 51 | 53 | 152 | K |
| 188 | 54 | 47 | 45 | 146 | V |
| 189 | 58 | 43 | 54 | 155 | V |
| 190 | 60 | 50 | 54 | 164 | V |
| 191 | 58 | 52 | 47 | 157 | V |
| 192 | 60 | 50 | 47 | 157 | V |
| 193 | 63 | 54 | 56 | 173 | V |
| 194 | 57 | 55 | 42 | 154 | V |
| 195 | 51 | 46 | 43 | 140 | V |
| 196 | 59 | 42 | 51 | 152 | V |
| 197 | 60 | 51 | 61 | 172 | K |
| 198 | 52 | 39 | 45 | 136 | V |
| 199 | 54 | 49 | 46 | 149 | V |
| 200 | 52 | 41 | 46 | 139 | V |
| 201 | 54 | 52 | 48 | 154 | V |
| 202 | 57 | 53 | 42 | 152 | V |
| 203 | 59 | 50 | 49 | 158 | V |
| 204 | 58 | 48 | 37 | 143 | V |
| 205 | 48 | 40 | 50 | 138 | K |
| 206 | 53 | 49 | 49 | 151 | V |
| 207 | 62 | 37 | 57 | 156 | V |
| 208 | 57 | 36 | 49 | 142 | V |
| 209 | 46 | 54 | 39 | 139 | A |
| 210 | 53 | 60 | 53 | 166 | A |
| 211 | 49 | 51 | 42 | 142 | A |
| 212 | 50 | 42 | 36 | 128 | V |
| 213 | 53 | 49 | 48 | 150 | V |
| 214 | 55 | 60 | 58 | 173 | A |
| 215 | 47 | 51 | 45 | 143 | A |
| 216 | 47 | 43 | 57 | 147 | K |
| 217 | 49 | 43 | 45 | 137 | V |
| 218 | 63 | 48 | 58 | 169 | V |
| 219 | 49 | 41 | 46 | 136 | V |
| 220 | 49 | 45 | 46 | 140 | V |
| 221 | 54 | 45 | 42 | 141 | V |
| 222 | 54 | 25 | 37 | 116 | V |
| 223 | 54 | 25 | 37 | 116 | V |
| 224 | 40 | 62 | 48 | 150 | A |
| 225 | 45 | 31 | 41 | 117 | V |

| अ.क्र. | अध्ययन शैलीनुसार मुलांचे गुण | | | एकूण गुण | अध्ययन शैली |
|--------|------------------------------|----|----|----------|-------------|
| | V | A | K | | |
| 226 | 41 | 33 | 35 | 109 | V |
| 227 | 55 | 49 | 43 | 147 | V |
| 228 | 43 | 42 | 54 | 139 | K |
| 229 | 59 | 48 | 45 | 152 | V |
| 230 | 31 | 37 | 39 | 107 | K |
| 231 | 54 | 43 | 46 | 143 | V |
| 232 | 54 | 30 | 35 | 119 | V |
| 233 | 59 | 52 | 52 | 163 | V |
| 234 | 66 | 50 | 62 | 178 | V |
| 235 | 54 | 27 | 37 | 118 | V |
| 236 | 59 | 46 | 40 | 145 | V |
| 237 | 44 | 43 | 46 | 133 | K |
| 238 | 46 | 50 | 41 | 137 | A |
| 239 | 56 | 57 | 49 | 162 | A |
| 240 | 63 | 50 | 47 | 160 | V |
| 241 | 60 | 48 | 49 | 157 | V |
| 242 | 59 | 41 | 53 | 153 | V |
| 243 | 56 | 45 | 53 | 154 | V |
| 244 | 53 | 33 | 50 | 136 | V |
| 245 | 55 | 53 | 51 | 159 | V |
| 246 | 51 | 48 | 52 | 151 | K |
| 247 | 62 | 65 | 62 | 189 | A |
| 248 | 47 | 42 | 46 | 135 | V |
| 249 | 55 | 51 | 47 | 153 | V |
| 250 | 58 | 54 | 54 | 166 | V |
| 251 | 56 | 55 | 59 | 170 | K |
| 252 | 57 | 38 | 42 | 137 | V |
| 253 | 54 | 43 | 42 | 139 | V |
| 254 | 52 | 47 | 46 | 145 | V |
| 255 | 58 | 39 | 44 | 141 | V |
| 256 | 65 | 56 | 50 | 171 | V |
| 257 | 48 | 44 | 40 | 132 | V |
| 258 | 53 | 38 | 46 | 137 | V |
| 259 | 58 | 43 | 44 | 145 | V |
| 260 | 53 | 32 | 39 | 124 | V |
| 261 | 52 | 50 | 56 | 158 | K |
| 262 | 48 | 43 | 38 | 129 | V |
| 263 | 44 | 48 | 45 | 137 | A |
| 264 | 56 | 44 | 49 | 149 | V |
| 265 | 44 | 39 | 48 | 131 | K |
| 266 | 57 | 43 | 48 | 148 | V |
| 267 | 42 | 39 | 43 | 124 | K |
| 268 | 50 | 42 | 52 | 144 | K |
| 269 | 61 | 52 | 44 | 157 | V |
| 270 | 50 | 43 | 42 | 135 | V |
| 271 | 40 | 39 | 38 | 117 | V |

| अ.क्र. | अध्ययन शैलीनुसार मुलांचे गुण | | | एकूण गुण | अध्ययन शैली |
|--------|------------------------------|----|----|----------|-------------|
| | V | A | K | | |
| 272 | 50 | 40 | 55 | 145 | K |
| 273 | 55 | 45 | 48 | 148 | V |
| 274 | 59 | 44 | 44 | 147 | V |
| 275 | 56 | 51 | 52 | 159 | V |
| 276 | 54 | 50 | 47 | 151 | V |
| 277 | 56 | 51 | 50 | 157 | V |
| 278 | 50 | 45 | 52 | 147 | K |
| 279 | 51 | 38 | 48 | 137 | V |
| 280 | 37 | 35 | 44 | 116 | K |
| 281 | 59 | 41 | 40 | 140 | V |
| 282 | 40 | 34 | 38 | 112 | V |
| 283 | 54 | 40 | 40 | 134 | V |
| 284 | 54 | 39 | 53 | 146 | V |
| 285 | 57 | 49 | 46 | 152 | V |
| 286 | 57 | 45 | 45 | 147 | V |
| 287 | 53 | 34 | 43 | 130 | V |
| 288 | 52 | 39 | 46 | 137 | V |
| 289 | 54 | 48 | 46 | 148 | V |
| 290 | 60 | 45 | 40 | 145 | V |
| 291 | 50 | 36 | 47 | 133 | V |
| 292 | 60 | 55 | 44 | 159 | V |
| 293 | 64 | 42 | 38 | 144 | V |
| 294 | 57 | 29 | 42 | 128 | V |
| 295 | 55 | 46 | 45 | 146 | V |
| 296 | 59 | 55 | 55 | 169 | V |
| 297 | 60 | 55 | 53 | 168 | V |
| 298 | 62 | 54 | 43 | 159 | V |
| 299 | 49 | 46 | 39 | 134 | V |
| 300 | 49 | 46 | 36 | 131 | V |
| 301 | 56 | 58 | 51 | 165 | A |
| 302 | 55 | 56 | 47 | 158 | A |
| 303 | 63 | 45 | 46 | 154 | V |
| 304 | 56 | 42 | 51 | 149 | V |
| 305 | 60 | 44 | 47 | 151 | V |
| 306 | 50 | 51 | 44 | 145 | V |
| 307 | 41 | 44 | 44 | 129 | K |
| 308 | 46 | 45 | 38 | 129 | V |
| 309 | 42 | 48 | 40 | 130 | A |
| 310 | 37 | 47 | 35 | 119 | A |
| 311 | 53 | 49 | 45 | 147 | V |
| 312 | 46 | 51 | 50 | 147 | A |
| 313 | 51 | 46 | 48 | 145 | V |
| 314 | 50 | 39 | 45 | 134 | V |
| 315 | 53 | 44 | 41 | 138 | V |
| 316 | 46 | 42 | 39 | 127 | V |
| 317 | 47 | 45 | 46 | 138 | V |

| अ.क्र. | अध्ययन शैलीनुसार मुलांचे गुण | | | एकूण गुण | अध्ययन शैली |
|--------|------------------------------|----|----|----------|-------------|
| | V | A | K | | |
| 318 | 48 | 45 | 45 | 138 | V |
| 319 | 55 | 58 | 52 | 165 | A |
| 320 | 42 | 49 | 46 | 137 | A |
| 321 | 51 | 53 | 50 | 154 | A |
| 322 | 44 | 48 | 44 | 136 | A |
| 323 | 35 | 49 | 53 | 137 | K |
| 324 | 45 | 49 | 43 | 137 | A |
| 325 | 45 | 44 | 46 | 135 | K |
| 326 | 50 | 48 | 52 | 150 | K |
| 327 | 60 | 53 | 49 | 162 | V |
| 328 | 50 | 44 | 52 | 146 | K |
| 329 | 57 | 51 | 48 | 156 | V |
| 330 | 54 | 55 | 54 | 163 | A |
| 331 | 49 | 46 | 47 | 142 | V |
| 332 | 49 | 50 | 45 | 144 | A |
| 333 | 54 | 45 | 47 | 146 | V |
| 334 | 43 | 39 | 45 | 127 | K |
| 335 | 47 | 53 | 45 | 145 | A |
| 336 | 42 | 41 | 51 | 134 | K |
| 337 | 47 | 59 | 56 | 162 | A |
| 338 | 45 | 47 | 41 | 133 | A |
| 339 | 48 | 56 | 47 | 151 | A |
| 340 | 47 | 50 | 49 | 146 | A |
| 341 | 36 | 50 | 49 | 135 | A |
| 342 | 47 | 37 | 39 | 123 | V |
| 343 | 36 | 40 | 48 | 124 | K |
| 344 | 54 | 38 | 44 | 136 | V |
| 345 | 51 | 40 | 43 | 134 | V |
| 346 | 57 | 48 | 48 | 153 | V |
| 347 | 42 | 41 | 47 | 130 | K |
| 348 | 59 | 55 | 55 | 169 | V |
| 349 | 46 | 46 | 49 | 141 | K |
| 350 | 45 | 51 | 49 | 145 | A |
| 351 | 58 | 45 | 49 | 152 | V |
| 352 | 56 | 45 | 53 | 154 | V |
| 353 | 33 | 31 | 31 | 95 | V |
| 354 | 51 | 45 | 46 | 142 | V |
| 355 | 49 | 47 | 53 | 149 | K |
| 356 | 57 | 50 | 53 | 160 | V |
| 357 | 37 | 33 | 36 | 106 | V |
| 358 | 59 | 41 | 42 | 142 | V |
| 359 | 31 | 34 | 32 | 97 | A |
| 360 | 46 | 42 | 40 | 128 | V |
| 361 | 55 | 41 | 36 | 132 | V |
| 362 | 36 | 43 | 40 | 119 | A |
| 363 | 58 | 47 | 48 | 153 | V |

| अ.क्र. | अध्ययन शैलीनुसार मुलांचे गुण | | | एकूण गुण | अध्ययन शैली |
|--------|------------------------------|----|----|----------|-------------|
| | V | A | K | | |
| 364 | 54 | 45 | 50 | 149 | V |
| 365 | 37 | 36 | 42 | 115 | K |
| 366 | 37 | 42 | 41 | 120 | A |
| 367 | 52 | 37 | 50 | 139 | V |
| 368 | 40 | 36 | 44 | 120 | K |
| 369 | 43 | 41 | 40 | 124 | V |
| 370 | 55 | 44 | 53 | 152 | V |
| 371 | 37 | 26 | 34 | 97 | V |
| 372 | 51 | 51 | 52 | 154 | K |
| 373 | 48 | 49 | 48 | 145 | A |
| 374 | 33 | 42 | 40 | 115 | A |
| 375 | 32 | 32 | 37 | 101 | K |
| 376 | 56 | 38 | 44 | 138 | V |
| 377 | 50 | 39 | 37 | 126 | V |
| 378 | 36 | 30 | 35 | 101 | V |
| 379 | 43 | 37 | 46 | 126 | K |
| 380 | 44 | 38 | 38 | 120 | V |
| 381 | 47 | 31 | 31 | 109 | V |
| 382 | 51 | 38 | 44 | 133 | V |
| 383 | 48 | 33 | 41 | 122 | V |
| 384 | 46 | 35 | 31 | 112 | V |
| 385 | 39 | 34 | 34 | 107 | V |
| 386 | 57 | 44 | 40 | 141 | V |
| 387 | 49 | 32 | 43 | 124 | V |
| 388 | 41 | 34 | 38 | 113 | V |
| 389 | 43 | 45 | 46 | 134 | K |
| 390 | 66 | 52 | 49 | 167 | V |
| 391 | 47 | 48 | 38 | 133 | A |
| 392 | 63 | 55 | 47 | 165 | V |
| 393 | 66 | 54 | 49 | 169 | V |
| 394 | 43 | 51 | 36 | 130 | A |
| 395 | 50 | 41 | 42 | 133 | V |
| 396 | 62 | 54 | 49 | 165 | V |
| 397 | 51 | 49 | 46 | 146 | V |
| 398 | 58 | 56 | 55 | 169 | V |
| 399 | 60 | 47 | 54 | 161 | V |
| 400 | 49 | 41 | 53 | 143 | K |
| 401 | 50 | 40 | 38 | 128 | V |
| 402 | 53 | 44 | 42 | 139 | V |
| 403 | 46 | 58 | 45 | 149 | A |
| 404 | 46 | 50 | 51 | 147 | A |
| 405 | 61 | 42 | 48 | 151 | V |
| 406 | 62 | 53 | 50 | 165 | V |
| 407 | 62 | 53 | 50 | 165 | V |
| 408 | 46 | 45 | 48 | 139 | K |
| 409 | 48 | 44 | 52 | 144 | K |

| अ.क्र. | अध्ययन शैलीनुसार मुलांचे गुण | | | एकूण गुण | अध्ययन शैली |
|--------|------------------------------|----|----|----------|-------------|
| | V | A | K | | |
| 410 | 48 | 55 | 51 | 154 | A |
| 411 | 55 | 50 | 53 | 158 | V |
| 412 | 45 | 41 | 36 | 122 | V |
| 413 | 53 | 45 | 50 | 148 | V |
| 414 | 40 | 43 | 36 | 119 | A |
| 415 | 43 | 50 | 43 | 136 | A |
| 416 | 52 | 42 | 48 | 142 | V |
| 417 | 52 | 43 | 51 | 146 | V |
| 418 | 41 | 46 | 42 | 129 | A |
| 419 | 49 | 40 | 42 | 131 | V |
| 420 | 53 | 44 | 44 | 141 | V |
| 421 | 50 | 39 | 44 | 133 | V |
| 422 | 59 | 46 | 44 | 149 | V |
| 423 | 53 | 40 | 41 | 134 | V |
| 424 | 49 | 59 | 56 | 164 | A |
| 425 | 59 | 42 | 46 | 147 | V |
| 426 | 60 | 48 | 57 | 165 | V |
| 427 | 54 | 47 | 46 | 147 | V |
| 428 | 44 | 45 | 39 | 128 | A |
| 429 | 54 | 41 | 39 | 134 | V |
| 430 | 29 | 43 | 29 | 101 | A |
| 431 | 45 | 47 | 45 | 137 | A |
| 432 | 33 | 37 | 30 | 100 | A |
| 433 | 37 | 31 | 44 | 112 | K |
| 434 | 63 | 48 | 53 | 164 | V |
| 435 | 47 | 40 | 45 | 132 | V |
| 436 | 52 | 42 | 43 | 137 | V |
| 437 | 51 | 35 | 42 | 128 | V |
| 438 | 54 | 53 | 51 | 158 | V |
| 439 | 59 | 33 | 43 | 135 | V |
| 440 | 46 | 35 | 47 | 128 | K |
| 441 | 45 | 42 | 48 | 135 | K |
| 442 | 54 | 52 | 51 | 157 | V |
| 443 | 61 | 52 | 55 | 168 | V |
| 444 | 55 | 56 | 57 | 168 | K |
| 445 | 52 | 45 | 45 | 142 | V |
| 446 | 56 | 50 | 49 | 155 | V |
| 447 | 44 | 39 | 35 | 118 | V |
| 448 | 60 | 53 | 49 | 162 | V |
| 449 | 51 | 44 | 38 | 133 | V |
| 450 | 57 | 49 | 51 | 157 | V |
| 451 | 50 | 39 | 45 | 134 | V |
| 452 | 49 | 43 | 47 | 139 | V |
| 453 | 62 | 48 | 45 | 155 | V |
| 454 | 51 | 44 | 41 | 136 | V |
| 455 | 48 | 42 | 46 | 136 | V |

| अ.क्र. | अध्ययन शैलीनुसार मुलांचे गुण | | | एकूण गुण | अध्ययन शैली |
|--------|------------------------------|----|----|----------|-------------|
| | V | A | K | | |
| 456 | 62 | 48 | 43 | 153 | V |
| 457 | 55 | 40 | 48 | 143 | V |
| 458 | 49 | 52 | 49 | 150 | A |
| 459 | 49 | 53 | 41 | 143 | A |
| 460 | 49 | 45 | 59 | 153 | K |
| 461 | 50 | 45 | 48 | 143 | V |
| 462 | 58 | 48 | 49 | 155 | V |
| 463 | 48 | 36 | 44 | 128 | V |
| 464 | 43 | 35 | 36 | 114 | V |
| 465 | 52 | 37 | 39 | 128 | V |
| 466 | 50 | 37 | 47 | 134 | V |
| 467 | 30 | 38 | 43 | 111 | K |
| 468 | 36 | 36 | 38 | 110 | K |
| 469 | 41 | 28 | 32 | 101 | V |
| 470 | 56 | 48 | 48 | 152 | V |
| 471 | 42 | 32 | 44 | 118 | K |
| 472 | 60 | 47 | 47 | 154 | V |
| 473 | 47 | 45 | 45 | 137 | V |
| 474 | 49 | 40 | 41 | 130 | V |
| 475 | 43 | 41 | 40 | 124 | V |
| 476 | 56 | 42 | 50 | 148 | V |
| 477 | 55 | 53 | 52 | 160 | V |
| 478 | 58 | 51 | 48 | 157 | V |
| 479 | 56 | 45 | 46 | 147 | V |
| 480 | 54 | 41 | 36 | 131 | V |
| 481 | 47 | 50 | 35 | 132 | A |
| 482 | 50 | 41 | 42 | 133 | V |
| 483 | 43 | 40 | 46 | 129 | K |
| 484 | 45 | 47 | 59 | 151 | K |
| 485 | 56 | 48 | 41 | 145 | V |
| 486 | 54 | 43 | 46 | 143 | V |
| 487 | 59 | 41 | 53 | 153 | V |
| 488 | 55 | 48 | 40 | 143 | V |
| 489 | 57 | 39 | 44 | 140 | V |
| 490 | 48 | 44 | 52 | 144 | K |
| 491 | 48 | 48 | 52 | 148 | K |
| 492 | 63 | 56 | 51 | 170 | V |
| 493 | 54 | 45 | 51 | 150 | V |
| 494 | 51 | 34 | 40 | 125 | V |
| 495 | 49 | 48 | 51 | 148 | K |
| 496 | 57 | 50 | 45 | 152 | V |
| 497 | 55 | 50 | 41 | 146 | V |
| 498 | 49 | 48 | 51 | 148 | K |
| 499 | 45 | 43 | 36 | 124 | V |
| 500 | 54 | 51 | 45 | 150 | V |
| 501 | 52 | 45 | 50 | 147 | V |

| अ.क्र. | अध्ययन शैलीनुसार मुलांचे गुण | | | एकूण गुण | अध्ययन शैली |
|--------|------------------------------|----|----|----------|-------------|
| | V | A | K | | |
| 502 | 52 | 42 | 38 | 132 | V |
| 503 | 48 | 48 | 51 | 147 | K |
| 504 | 53 | 50 | 42 | 145 | V |
| 505 | 66 | 40 | 49 | 155 | V |
| 506 | 62 | 40 | 50 | 152 | V |
| 507 | 50 | 48 | 54 | 152 | K |
| 508 | 49 | 48 | 51 | 148 | K |
| 509 | 56 | 52 | 46 | 154 | V |
| 510 | 49 | 44 | 48 | 141 | V |
| 511 | 66 | 54 | 53 | 173 | V |
| 512 | 56 | 58 | 48 | 162 | A |
| 513 | 62 | 55 | 50 | 167 | V |
| 514 | 48 | 51 | 48 | 147 | A |
| 515 | 59 | 53 | 44 | 156 | V |
| 516 | 52 | 44 | 40 | 136 | V |
| 517 | 48 | 49 | 46 | 143 | A |
| 518 | 50 | 38 | 37 | 125 | V |
| 519 | 56 | 52 | 46 | 154 | V |
| 520 | 54 | 45 | 46 | 145 | V |
| 521 | 53 | 59 | 45 | 157 | A |
| 522 | 54 | 48 | 53 | 155 | V |
| 523 | 54 | 44 | 47 | 145 | V |
| 524 | 49 | 42 | 41 | 132 | V |
| 525 | 39 | 46 | 39 | 124 | A |
| 526 | 53 | 50 | 35 | 138 | V |
| 527 | 47 | 38 | 50 | 135 | K |
| 528 | 34 | 37 | 39 | 110 | K |
| 529 | 46 | 41 | 40 | 127 | V |
| 530 | 56 | 50 | 50 | 156 | V |
| 531 | 53 | 49 | 51 | 153 | V |
| 532 | 52 | 41 | 43 | 136 | V |
| 533 | 54 | 41 | 45 | 140 | V |
| 534 | 58 | 54 | 52 | 164 | V |
| 535 | 47 | 46 | 49 | 142 | K |
| 536 | 52 | 46 | 44 | 142 | V |
| 537 | 45 | 42 | 46 | 133 | K |
| 538 | 45 | 44 | 40 | 129 | V |
| 539 | 38 | 32 | 35 | 105 | V |
| 540 | 37 | 30 | 32 | 99 | V |
| 541 | 46 | 39 | 38 | 123 | V |
| 542 | 45 | 31 | 39 | 115 | V |
| 543 | 41 | 42 | 46 | 129 | K |
| 544 | 61 | 53 | 46 | 160 | V |
| 545 | 56 | 45 | 45 | 146 | V |
| 546 | 36 | 47 | 46 | 129 | A |
| 547 | 40 | 43 | 45 | 128 | K |

| अ.क्र. | अध्ययन शैलीनुसार मुलांचे गुण | | | एकूण गुण | अध्ययन शैली |
|--------|------------------------------|----|----|----------|-------------|
| | V | A | K | | |
| 548 | 43 | 41 | 49 | 133 | K |
| 549 | 46 | 34 | 40 | 120 | V |
| 550 | 57 | 47 | 56 | 160 | V |
| 551 | 56 | 44 | 49 | 149 | V |
| 552 | 41 | 38 | 46 | 125 | K |
| 553 | 48 | 41 | 46 | 135 | V |
| 554 | 47 | 38 | 40 | 125 | V |
| 555 | 54 | 47 | 48 | 149 | V |
| 556 | 27 | 28 | 38 | 93 | K |
| 557 | 46 | 42 | 37 | 125 | V |
| 558 | 54 | 46 | 38 | 138 | V |
| 559 | 55 | 52 | 40 | 147 | V |
| 560 | 49 | 44 | 33 | 126 | V |
| 561 | 54 | 52 | 40 | 146 | V |
| 562 | 59 | 47 | 51 | 157 | V |
| 563 | 52 | 45 | 32 | 129 | V |
| 564 | 51 | 41 | 42 | 134 | V |
| 565 | 56 | 37 | 37 | 130 | V |
| 566 | 54 | 40 | 41 | 135 | V |
| 567 | 59 | 46 | 50 | 155 | V |
| 568 | 55 | 34 | 42 | 131 | V |
| 569 | 60 | 39 | 32 | 131 | V |
| 570 | 54 | 46 | 44 | 144 | V |
| 571 | 56 | 48 | 52 | 156 | V |
| 572 | 52 | 39 | 50 | 141 | V |
| 573 | 59 | 49 | 46 | 154 | V |
| 574 | 56 | 41 | 39 | 136 | V |
| 575 | 49 | 38 | 51 | 138 | K |
| 576 | 56 | 44 | 49 | 149 | V |
| 577 | 58 | 57 | 52 | 167 | V |
| 578 | 52 | 48 | 38 | 138 | V |
| 579 | 50 | 41 | 37 | 128 | V |
| 580 | 53 | 37 | 40 | 130 | V |
| 581 | 44 | 36 | 41 | 121 | V |
| 582 | 60 | 50 | 49 | 159 | V |
| 583 | 61 | 54 | 50 | 165 | V |
| 584 | 55 | 46 | 36 | 137 | V |
| 585 | 34 | 29 | 36 | 99 | K |
| 586 | 43 | 40 | 39 | 122 | V |
| 587 | 48 | 41 | 38 | 127 | V |
| 588 | 58 | 43 | 42 | 143 | V |
| 589 | 50 | 50 | 53 | 153 | K |
| 590 | 52 | 47 | 46 | 145 | V |
| 591 | 54 | 45 | 47 | 146 | V |
| 592 | 54 | 49 | 53 | 156 | V |
| 593 | 48 | 43 | 41 | 132 | V |

| अ.क्र. | अध्ययन शैलीनुसार मुलांचे गुण | | | एकूण गुण | अध्ययन शैली |
|--------|------------------------------|----|----|----------|-------------|
| | V | A | K | | |
| 594 | 49 | 46 | 42 | 137 | V |
| 595 | 58 | 46 | 48 | 152 | V |
| 596 | 59 | 44 | 57 | 160 | V |
| 597 | 53 | 31 | 32 | 116 | V |
| 598 | 49 | 44 | 36 | 129 | V |
| 599 | 56 | 46 | 43 | 145 | V |
| 600 | 52 | 41 | 42 | 135 | V |
| 601 | 49 | 48 | 46 | 143 | V |
| 602 | 48 | 49 | 42 | 139 | A |
| 603 | 51 | 35 | 38 | 124 | V |
| 604 | 44 | 37 | 42 | 123 | V |
| 605 | 54 | 44 | 51 | 149 | V |
| 606 | 54 | 44 | 53 | 151 | V |
| 607 | 40 | 44 | 41 | 125 | A |
| 608 | 56 | 54 | 48 | 158 | V |
| 609 | 56 | 52 | 54 | 162 | V |
| 610 | 53 | 51 | 44 | 148 | V |
| 611 | 31 | 30 | 34 | 95 | K |
| 612 | 52 | 32 | 57 | 141 | K |
| 613 | 57 | 52 | 38 | 147 | V |
| 614 | 49 | 48 | 47 | 144 | V |
| 615 | 51 | 44 | 38 | 133 | V |
| 616 | 42 | 39 | 41 | 122 | V |
| 617 | 52 | 44 | 40 | 136 | V |
| 618 | 50 | 44 | 41 | 135 | V |
| 619 | 51 | 50 | 47 | 148 | V |
| 620 | 57 | 54 | 54 | 165 | V |
| 621 | 50 | 45 | 49 | 144 | V |
| 622 | 49 | 46 | 36 | 131 | V |
| 623 | 59 | 52 | 42 | 153 | V |
| 624 | 50 | 38 | 43 | 131 | V |
| 625 | 51 | 44 | 43 | 138 | V |
| 626 | 47 | 45 | 35 | 127 | V |
| 627 | 43 | 40 | 33 | 116 | V |
| 628 | 40 | 35 | 44 | 119 | K |
| 629 | 43 | 40 | 45 | 128 | K |
| 630 | 48 | 47 | 51 | 146 | K |
| 631 | 49 | 42 | 48 | 139 | V |
| 632 | 59 | 46 | 47 | 152 | V |
| 633 | 63 | 56 | 54 | 173 | V |
| 634 | 57 | 49 | 49 | 155 | V |
| 635 | 40 | 47 | 40 | 127 | A |
| 636 | 56 | 46 | 48 | 150 | V |
| 637 | 53 | 44 | 44 | 141 | V |
| 638 | 57 | 50 | 40 | 147 | V |
| 639 | 51 | 32 | 39 | 122 | V |

| अ.क्र. | अध्ययन शैलीनुसार मुलांचे गुण | | | एकूण गुण | अध्ययन शैली |
|--------|------------------------------|----|----|----------|-------------|
| | V | A | K | | |
| 640 | 48 | 51 | 53 | 152 | K |
| 641 | 54 | 47 | 45 | 146 | V |
| 642 | 58 | 43 | 54 | 155 | V |
| 643 | 60 | 50 | 54 | 164 | V |
| 644 | 58 | 52 | 47 | 157 | V |
| 645 | 60 | 50 | 47 | 157 | V |
| 646 | 63 | 54 | 56 | 173 | V |
| 647 | 57 | 55 | 42 | 154 | V |
| 648 | 51 | 46 | 43 | 140 | V |
| 649 | 59 | 42 | 51 | 152 | V |
| 650 | 60 | 51 | 61 | 172 | K |
| 651 | 52 | 39 | 45 | 136 | V |
| 652 | 54 | 49 | 46 | 149 | V |
| 653 | 52 | 41 | 46 | 139 | V |
| 654 | 54 | 52 | 48 | 154 | V |
| 655 | 57 | 53 | 42 | 152 | V |
| 656 | 59 | 50 | 49 | 158 | V |
| 657 | 58 | 48 | 37 | 143 | V |
| 658 | 48 | 40 | 50 | 138 | K |
| 659 | 53 | 49 | 49 | 151 | V |
| 660 | 62 | 37 | 57 | 156 | V |
| 661 | 57 | 36 | 49 | 142 | V |
| 662 | 46 | 54 | 39 | 139 | A |
| 663 | 53 | 60 | 53 | 166 | A |
| 664 | 49 | 51 | 42 | 142 | A |
| 665 | 50 | 42 | 36 | 128 | V |
| 666 | 49 | 48 | 48 | 145 | V |
| 667 | 55 | 60 | 58 | 173 | A |
| 668 | 47 | 51 | 45 | 143 | A |
| 669 | 47 | 43 | 57 | 147 | K |
| 670 | 49 | 43 | 45 | 137 | V |
| 671 | 63 | 48 | 58 | 169 | V |
| 672 | 49 | 41 | 46 | 136 | V |
| 673 | 49 | 45 | 46 | 140 | V |
| 674 | 54 | 45 | 42 | 141 | V |
| 675 | 54 | 25 | 37 | 116 | V |
| 676 | 54 | 25 | 37 | 116 | V |
| 677 | 40 | 62 | 48 | 150 | A |
| 678 | 45 | 31 | 41 | 117 | V |
| 679 | 41 | 33 | 35 | 109 | V |
| 680 | 55 | 49 | 43 | 147 | V |
| 681 | 43 | 42 | 54 | 139 | K |
| 682 | 57 | 47 | 56 | 160 | V |
| 683 | 31 | 37 | 39 | 107 | K |
| 684 | 54 | 43 | 46 | 143 | V |
| 685 | 54 | 30 | 35 | 119 | V |

| अ.क्र. | अध्ययन शैलीनुसार मुलांचे गुण | | | एकूण गुण | अध्ययन शैली |
|--------|------------------------------|----|----|----------|-------------|
| | V | A | K | | |
| 686 | 59 | 52 | 52 | 163 | V |
| 687 | 66 | 50 | 62 | 178 | V |
| 688 | 54 | 27 | 37 | 118 | V |
| 689 | 59 | 46 | 40 | 145 | V |
| 690 | 44 | 43 | 46 | 133 | K |
| 691 | 46 | 50 | 41 | 137 | A |
| 692 | 56 | 57 | 49 | 162 | A |
| 693 | 63 | 50 | 47 | 160 | V |
| 694 | 60 | 48 | 49 | 157 | V |
| 695 | 59 | 41 | 53 | 153 | V |
| 696 | 56 | 45 | 53 | 154 | V |
| 697 | 53 | 33 | 50 | 136 | V |
| 698 | 55 | 53 | 51 | 159 | V |
| 699 | 51 | 52 | 55 | 158 | K |
| 700 | 62 | 65 | 62 | 189 | A |
| 701 | 47 | 42 | 46 | 135 | V |
| 702 | 55 | 51 | 47 | 153 | V |
| 703 | 58 | 54 | 54 | 166 | V |
| 704 | 56 | 55 | 59 | 170 | K |

| अ.क्र. | अध्ययन शैलीनुसार मुर्तीचे गुण | | | एकूण गुण | अध्ययन शैली |
|--------|-------------------------------|----|----|----------|-------------|
| | V | A | K | | |
| 1 | 56 | 43 | 33 | 132 | V |
| 2 | 41 | 44 | 39 | 124 | A |
| 3 | 54 | 63 | 55 | 172 | A |
| 4 | 50 | 35 | 37 | 122 | V |
| 5 | 53 | 40 | 41 | 134 | V |
| 6 | 48 | 53 | 44 | 145 | A |
| 7 | 63 | 55 | 43 | 161 | V |
| 8 | 50 | 42 | 40 | 132 | V |
| 9 | 51 | 46 | 42 | 139 | V |
| 10 | 60 | 54 | 51 | 165 | V |
| 11 | 62 | 62 | 70 | 194 | K |
| 12 | 65 | 60 | 57 | 182 | V |
| 13 | 52 | 40 | 48 | 140 | V |
| 14 | 54 | 47 | 47 | 148 | V |
| 15 | 58 | 50 | 40 | 148 | V |
| 16 | 63 | 51 | 42 | 156 | V |
| 17 | 47 | 52 | 44 | 143 | A |
| 18 | 42 | 44 | 24 | 110 | A |
| 19 | 35 | 36 | 34 | 105 | A |
| 20 | 41 | 44 | 42 | 127 | A |
| 21 | 42 | 37 | 28 | 107 | V |
| 22 | 53 | 47 | 28 | 128 | V |
| 23 | 52 | 44 | 35 | 131 | V |
| 24 | 47 | 43 | 45 | 135 | V |
| 25 | 36 | 39 | 44 | 119 | K |
| 26 | 48 | 49 | 34 | 131 | A |
| 27 | 54 | 48 | 39 | 141 | V |
| 28 | 48 | 49 | 44 | 141 | A |
| 29 | 50 | 48 | 36 | 134 | V |
| 30 | 51 | 47 | 39 | 137 | V |
| 31 | 47 | 48 | 34 | 129 | A |
| 32 | 57 | 50 | 50 | 157 | V |
| 33 | 60 | 39 | 38 | 137 | V |
| 34 | 58 | 48 | 51 | 157 | V |
| 35 | 57 | 45 | 46 | 148 | V |
| 36 | 59 | 49 | 39 | 147 | V |
| 37 | 56 | 50 | 46 | 152 | V |
| 38 | 67 | 54 | 42 | 163 | V |
| 39 | 52 | 54 | 32 | 138 | A |
| 40 | 39 | 35 | 31 | 105 | V |
| 41 | 61 | 57 | 47 | 165 | V |

| अ.क्र. | अध्ययन शैलीनुसार मुर्लीचे गुण | | | एकूण गुण | अध्ययन शैली |
|--------|-------------------------------|----|----|----------|-------------|
| | V | A | K | | |
| 42 | 40 | 45 | 38 | 123 | A |
| 43 | 64 | 57 | 44 | 165 | V |
| 44 | 48 | 52 | 48 | 148 | A |
| 45 | 46 | 41 | 37 | 124 | V |
| 46 | 55 | 40 | 37 | 132 | V |
| 47 | 46 | 55 | 41 | 142 | A |
| 48 | 53 | 49 | 53 | 155 | V |
| 49 | 46 | 54 | 34 | 134 | A |
| 50 | 50 | 38 | 49 | 137 | V |
| 51 | 47 | 30 | 46 | 123 | V |
| 52 | 55 | 40 | 44 | 139 | V |
| 53 | 39 | 40 | 39 | 118 | A |
| 54 | 46 | 35 | 33 | 114 | V |
| 55 | 36 | 40 | 38 | 114 | A |
| 56 | 50 | 42 | 29 | 121 | V |
| 57 | 45 | 36 | 48 | 129 | K |
| 58 | 52 | 37 | 43 | 132 | V |
| 59 | 52 | 37 | 47 | 136 | V |
| 60 | 53 | 35 | 37 | 125 | V |
| 61 | 54 | 42 | 26 | 122 | V |
| 62 | 41 | 32 | 39 | 112 | V |
| 63 | 53 | 49 | 46 | 148 | V |
| 64 | 46 | 37 | 35 | 118 | V |
| 65 | 47 | 41 | 41 | 129 | V |
| 66 | 53 | 33 | 37 | 123 | V |
| 67 | 43 | 42 | 45 | 130 | K |
| 68 | 47 | 36 | 48 | 131 | K |
| 69 | 48 | 45 | 34 | 127 | V |
| 70 | 43 | 37 | 38 | 118 | V |
| 71 | 43 | 39 | 42 | 124 | V |
| 72 | 40 | 43 | 47 | 130 | K |
| 73 | 48 | 35 | 41 | 124 | V |
| 74 | 43 | 38 | 42 | 123 | V |
| 75 | 48 | 48 | 39 | 135 | V |
| 76 | 45 | 50 | 46 | 141 | A |
| 77 | 38 | 47 | 42 | 127 | A |
| 78 | 42 | 40 | 38 | 120 | V |
| 79 | 48 | 41 | 42 | 131 | V |
| 80 | 41 | 31 | 28 | 100 | V |
| 81 | 38 | 36 | 37 | 111 | V |
| 82 | 48 | 39 | 54 | 141 | K |
| 83 | 55 | 47 | 48 | 150 | V |
| 84 | 46 | 39 | 37 | 122 | V |
| 85 | 48 | 56 | 40 | 144 | A |
| 86 | 50 | 41 | 57 | 148 | K |
| 87 | 54 | 45 | 55 | 154 | K |

| अ.क्र. | अध्ययन शैलीनुसार मुर्लीचे गुण | | | एकूण गुण | अध्ययन शैली |
|--------|-------------------------------|----|----|----------|-------------|
| | V | A | K | | |
| 88 | 52 | 49 | 43 | 144 | V |
| 89 | 44 | 41 | 42 | 127 | V |
| 90 | 47 | 32 | 34 | 113 | V |
| 91 | 55 | 53 | 48 | 156 | V |
| 92 | 54 | 48 | 46 | 148 | V |
| 93 | 57 | 54 | 49 | 160 | V |
| 94 | 57 | 49 | 51 | 157 | V |
| 95 | 52 | 52 | 54 | 158 | K |
| 96 | 51 | 38 | 43 | 132 | V |
| 97 | 55 | 44 | 33 | 132 | V |
| 98 | 56 | 43 | 31 | 130 | V |
| 99 | 53 | 50 | 47 | 150 | V |
| 100 | 54 | 33 | 42 | 129 | V |
| 101 | 60 | 49 | 41 | 150 | V |
| 102 | 50 | 53 | 36 | 139 | V |
| 103 | 56 | 59 | 55 | 170 | A |
| 104 | 41 | 34 | 36 | 111 | V |
| 105 | 63 | 58 | 56 | 177 | V |
| 106 | 38 | 46 | 39 | 123 | A |
| 107 | 54 | 56 | 41 | 151 | A |
| 108 | 56 | 49 | 44 | 149 | V |
| 109 | 50 | 51 | 44 | 145 | A |
| 110 | 39 | 31 | 45 | 115 | K |
| 111 | 36 | 38 | 26 | 100 | A |
| 112 | 46 | 48 | 41 | 135 | A |
| 113 | 46 | 44 | 45 | 135 | V |
| 114 | 57 | 53 | 47 | 157 | V |
| 115 | 38 | 31 | 39 | 108 | K |
| 116 | 61 | 45 | 51 | 157 | V |
| 117 | 39 | 49 | 50 | 138 | K |
| 118 | 48 | 42 | 42 | 132 | V |
| 119 | 55 | 58 | 53 | 166 | A |
| 120 | 38 | 32 | 29 | 99 | V |
| 121 | 35 | 30 | 26 | 91 | V |
| 122 | 53 | 48 | 30 | 131 | V |
| 123 | 43 | 48 | 31 | 122 | A |
| 124 | 39 | 28 | 35 | 102 | V |
| 125 | 60 | 50 | 55 | 165 | V |
| 126 | 45 | 41 | 48 | 134 | K |
| 127 | 37 | 30 | 39 | 106 | K |
| 128 | 47 | 48 | 39 | 134 | A |
| 129 | 39 | 39 | 51 | 129 | K |
| 130 | 48 | 30 | 38 | 116 | V |
| 131 | 45 | 42 | 34 | 121 | V |
| 132 | 49 | 39 | 45 | 133 | V |
| 133 | 50 | 52 | 43 | 145 | A |

| अ.क्र. | अध्ययन शैलीनुसार मुर्लीचे गुण | | | एकूण गुण | अध्ययन शैली |
|--------|-------------------------------|----|----|----------|-------------|
| | V | A | K | | |
| 134 | 48 | 33 | 34 | 115 | V |
| 135 | 45 | 22 | 20 | 87 | V |
| 136 | 42 | 43 | 40 | 125 | A |
| 137 | 44 | 40 | 40 | 124 | V |
| 138 | 50 | 32 | 40 | 122 | V |
| 139 | 40 | 30 | 48 | 118 | K |
| 140 | 49 | 39 | 40 | 128 | V |
| 141 | 43 | 37 | 44 | 124 | K |
| 142 | 43 | 42 | 35 | 120 | V |
| 143 | 46 | 52 | 41 | 139 | A |
| 144 | 40 | 30 | 26 | 96 | V |
| 145 | 41 | 44 | 54 | 139 | K |
| 146 | 38 | 46 | 40 | 124 | A |
| 147 | 48 | 32 | 44 | 124 | V |
| 148 | 46 | 48 | 46 | 140 | A |
| 149 | 45 | 33 | 31 | 109 | V |
| 150 | 54 | 50 | 39 | 143 | V |
| 151 | 49 | 43 | 40 | 132 | V |
| 152 | 55 | 50 | 42 | 147 | V |
| 153 | 59 | 55 | 46 | 160 | V |
| 154 | 57 | 50 | 55 | 162 | V |
| 155 | 53 | 51 | 48 | 152 | V |
| 156 | 55 | 61 | 49 | 165 | A |
| 157 | 55 | 60 | 51 | 166 | A |
| 158 | 34 | 40 | 34 | 108 | A |
| 159 | 48 | 46 | 53 | 147 | K |
| 160 | 48 | 52 | 53 | 153 | K |
| 161 | 61 | 45 | 51 | 157 | V |
| 162 | 58 | 54 | 49 | 161 | V |
| 163 | 49 | 57 | 51 | 157 | A |
| 164 | 53 | 49 | 45 | 147 | V |
| 165 | 54 | 47 | 49 | 150 | V |
| 166 | 40 | 38 | 32 | 110 | V |
| 167 | 42 | 36 | 32 | 110 | V |
| 168 | 36 | 30 | 24 | 90 | V |
| 169 | 46 | 42 | 38 | 126 | V |
| 170 | 49 | 47 | 42 | 138 | V |
| 171 | 40 | 43 | 39 | 122 | A |
| 172 | 52 | 47 | 54 | 153 | K |
| 173 | 46 | 44 | 26 | 116 | V |
| 174 | 55 | 57 | 53 | 165 | A |
| 175 | 51 | 45 | 40 | 136 | V |
| 176 | 48 | 47 | 39 | 134 | V |
| 177 | 45 | 43 | 48 | 136 | K |
| 178 | 54 | 47 | 50 | 151 | V |
| 179 | 55 | 37 | 45 | 137 | V |

| अ.क्र. | अध्ययन शैलीनुसार मुर्लीचे गुण | | | एकूण गुण | अध्ययन शैली |
|--------|-------------------------------|----|----|----------|-------------|
| | V | A | K | | |
| 180 | 37 | 50 | 39 | 126 | A |
| 181 | 51 | 48 | 40 | 139 | V |
| 182 | 54 | 40 | 40 | 134 | V |
| 183 | 50 | 45 | 45 | 140 | V |
| 184 | 42 | 40 | 37 | 119 | V |
| 185 | 51 | 39 | 37 | 127 | V |
| 186 | 46 | 38 | 38 | 122 | V |
| 187 | 30 | 34 | 40 | 104 | K |
| 188 | 21 | 28 | 25 | 74 | A |
| 189 | 30 | 32 | 37 | 99 | K |
| 190 | 41 | 35 | 40 | 116 | V |
| 191 | 50 | 33 | 44 | 127 | V |
| 192 | 47 | 38 | 35 | 120 | V |
| 193 | 46 | 40 | 33 | 119 | V |
| 194 | 45 | 39 | 49 | 133 | K |
| 195 | 44 | 43 | 38 | 125 | V |
| 196 | 40 | 43 | 44 | 127 | K |
| 197 | 51 | 41 | 45 | 137 | V |
| 198 | 47 | 29 | 35 | 111 | V |
| 199 | 35 | 32 | 31 | 98 | V |
| 200 | 48 | 53 | 42 | 143 | A |
| 201 | 53 | 55 | 47 | 155 | A |
| 202 | 51 | 45 | 43 | 139 | V |
| 203 | 48 | 39 | 49 | 136 | K |
| 204 | 54 | 56 | 43 | 153 | A |
| 205 | 51 | 50 | 50 | 151 | V |
| 206 | 40 | 39 | 39 | 118 | V |
| 207 | 39 | 43 | 46 | 128 | K |
| 208 | 55 | 46 | 56 | 157 | K |
| 209 | 38 | 34 | 33 | 105 | V |
| 210 | 44 | 37 | 42 | 123 | V |
| 211 | 51 | 50 | 46 | 147 | V |
| 212 | 54 | 47 | 41 | 142 | V |
| 213 | 49 | 43 | 40 | 132 | V |
| 214 | 45 | 46 | 40 | 131 | A |
| 215 | 53 | 54 | 52 | 159 | A |
| 216 | 53 | 37 | 43 | 133 | V |
| 217 | 63 | 42 | 43 | 148 | V |
| 218 | 47 | 29 | 42 | 118 | V |
| 219 | 41 | 38 | 38 | 117 | V |
| 220 | 52 | 47 | 47 | 146 | V |
| 221 | 34 | 28 | 26 | 88 | V |
| 222 | 45 | 40 | 41 | 126 | V |
| 223 | 60 | 55 | 43 | 158 | V |
| 224 | 34 | 39 | 42 | 115 | K |
| 225 | 64 | 58 | 63 | 185 | V |

| अ.क्र. | अध्ययन शैलीनुसार मुर्लीचे गुण | | | एकूण गुण | अध्ययन शैली |
|--------|-------------------------------|----|----|----------|-------------|
| | V | A | K | | |
| 226 | 42 | 34 | 34 | 110 | V |
| 227 | 35 | 28 | 41 | 104 | K |
| 228 | 30 | 30 | 36 | 96 | K |
| 229 | 40 | 54 | 34 | 128 | A |
| 230 | 48 | 38 | 34 | 120 | V |
| 231 | 48 | 46 | 40 | 134 | V |
| 232 | 43 | 40 | 44 | 127 | K |
| 233 | 48 | 45 | 46 | 139 | V |
| 234 | 50 | 42 | 40 | 132 | V |
| 235 | 61 | 52 | 39 | 152 | V |
| 236 | 49 | 42 | 47 | 138 | V |
| 237 | 49 | 46 | 37 | 132 | V |
| 238 | 45 | 36 | 40 | 121 | V |
| 239 | 39 | 42 | 43 | 124 | K |
| 240 | 47 | 44 | 37 | 128 | V |
| 241 | 49 | 40 | 33 | 122 | V |
| 242 | 53 | 47 | 41 | 141 | V |
| 243 | 64 | 50 | 50 | 164 | V |
| 244 | 58 | 56 | 50 | 164 | V |
| 245 | 51 | 41 | 45 | 137 | V |
| 246 | 45 | 34 | 28 | 107 | V |
| 247 | 58 | 50 | 40 | 148 | V |
| 248 | 33 | 30 | 39 | 102 | K |
| 249 | 55 | 46 | 34 | 135 | V |
| 250 | 46 | 39 | 38 | 123 | V |
| 251 | 58 | 50 | 44 | 152 | V |
| 252 | 55 | 48 | 49 | 152 | V |
| 253 | 56 | 47 | 43 | 146 | V |
| 254 | 53 | 38 | 38 | 129 | V |
| 255 | 65 | 57 | 42 | 164 | V |
| 256 | 62 | 49 | 49 | 160 | V |
| 257 | 48 | 33 | 34 | 115 | V |
| 258 | 65 | 57 | 42 | 164 | V |
| 259 | 54 | 46 | 45 | 145 | V |
| 260 | 52 | 44 | 42 | 138 | V |
| 261 | 61 | 47 | 42 | 150 | V |
| 262 | 54 | 41 | 42 | 137 | V |
| 263 | 47 | 39 | 44 | 130 | V |
| 264 | 43 | 41 | 38 | 122 | V |
| 265 | 57 | 47 | 47 | 151 | V |
| 266 | 54 | 44 | 51 | 149 | V |
| 267 | 57 | 46 | 35 | 138 | V |
| 268 | 50 | 36 | 47 | 133 | V |
| 269 | 59 | 50 | 34 | 143 | V |
| 270 | 51 | 44 | 41 | 136 | V |
| 271 | 58 | 52 | 46 | 156 | V |

| अ.क्र. | अध्ययन शैलीनुसार मुर्लीचे गुण | | | एकूण गुण | अध्ययन शैली |
|--------|-------------------------------|----|----|----------|-------------|
| | V | A | K | | |
| 272 | 60 | 51 | 50 | 161 | V |
| 273 | 55 | 50 | 50 | 155 | V |
| 274 | 58 | 50 | 46 | 154 | V |
| 275 | 36 | 32 | 29 | 97 | V |
| 276 | 57 | 44 | 43 | 144 | V |
| 277 | 59 | 36 | 35 | 130 | V |
| 278 | 63 | 49 | 47 | 159 | V |
| 279 | 59 | 50 | 38 | 147 | V |
| 280 | 59 | 50 | 41 | 150 | V |
| 281 | 51 | 33 | 41 | 125 | V |
| 282 | 50 | 45 | 52 | 147 | V |
| 283 | 60 | 48 | 28 | 136 | V |
| 284 | 44 | 36 | 51 | 131 | K |
| 285 | 40 | 46 | 43 | 129 | A |
| 286 | 47 | 33 | 44 | 124 | V |
| 287 | 55 | 44 | 51 | 150 | K |
| 288 | 58 | 50 | 52 | 160 | V |
| 289 | 44 | 45 | 38 | 127 | A |
| 290 | 42 | 44 | 40 | 126 | A |
| 291 | 38 | 50 | 46 | 134 | A |
| 292 | 53 | 45 | 44 | 142 | V |
| 293 | 47 | 37 | 36 | 120 | V |
| 294 | 56 | 54 | 25 | 135 | V |
| 295 | 49 | 53 | 40 | 142 | A |
| 296 | 52 | 46 | 44 | 142 | V |
| 297 | 39 | 42 | 36 | 117 | A |
| 298 | 54 | 40 | 46 | 140 | V |
| 299 | 52 | 41 | 45 | 138 | V |
| 300 | 54 | 42 | 49 | 145 | V |
| 301 | 42 | 40 | 33 | 115 | V |
| 302 | 53 | 40 | 43 | 136 | V |
| 303 | 43 | 48 | 38 | 129 | A |
| 304 | 59 | 41 | 47 | 147 | V |
| 305 | 44 | 47 | 46 | 137 | A |
| 306 | 42 | 29 | 34 | 105 | V |
| 307 | 64 | 44 | 41 | 149 | V |
| 308 | 57 | 48 | 37 | 142 | V |
| 309 | 61 | 46 | 45 | 152 | V |
| 310 | 55 | 46 | 38 | 139 | V |
| 311 | 51 | 41 | 40 | 132 | V |
| 312 | 52 | 38 | 44 | 134 | V |
| 313 | 58 | 44 | 53 | 155 | V |
| 314 | 48 | 37 | 46 | 131 | V |
| 315 | 46 | 43 | 45 | 134 | V |
| 316 | 51 | 42 | 43 | 136 | V |
| 317 | 52 | 53 | 46 | 151 | A |

| अ.क्र. | अध्ययन शैलीनुसार मुर्लीचे गुण | | | एकूण गुण | अध्ययन शैली |
|--------|-------------------------------|----|----|----------|-------------|
| | V | A | K | | |
| 318 | 56 | 48 | 47 | 151 | V |
| 319 | 54 | 53 | 32 | 139 | V |
| 320 | 55 | 52 | 48 | 155 | V |
| 321 | 43 | 36 | 45 | 124 | K |
| 322 | 48 | 45 | 50 | 143 | K |
| 323 | 38 | 44 | 46 | 128 | K |
| 324 | 42 | 49 | 50 | 141 | K |
| 325 | 55 | 53 | 46 | 154 | V |
| 326 | 55 | 51 | 40 | 146 | V |
| 327 | 46 | 38 | 43 | 127 | V |
| 328 | 52 | 35 | 47 | 134 | V |
| 329 | 52 | 47 | 43 | 142 | V |
| 330 | 47 | 40 | 43 | 130 | V |
| 331 | 59 | 57 | 60 | 176 | K |
| 332 | 41 | 37 | 42 | 120 | K |
| 333 | 47 | 39 | 35 | 121 | V |
| 334 | 50 | 37 | 38 | 125 | V |
| 335 | 57 | 37 | 47 | 141 | V |
| 336 | 43 | 41 | 32 | 116 | V |
| 337 | 34 | 35 | 30 | 99 | A |
| 338 | 48 | 44 | 44 | 136 | V |
| 339 | 55 | 42 | 44 | 141 | V |
| 340 | 60 | 52 | 45 | 157 | V |
| 341 | 36 | 36 | 38 | 110 | K |
| 342 | 39 | 34 | 25 | 98 | V |
| 343 | 60 | 56 | 45 | 161 | V |
| 344 | 57 | 48 | 41 | 146 | V |
| 345 | 55 | 44 | 43 | 142 | V |
| 346 | 41 | 45 | 47 | 133 | K |
| 347 | 55 | 54 | 52 | 161 | V |
| 348 | 57 | 53 | 44 | 154 | V |
| 349 | 57 | 37 | 47 | 141 | V |
| 350 | 51 | 44 | 44 | 139 | V |
| 351 | 58 | 40 | 41 | 139 | V |
| 352 | 64 | 42 | 42 | 148 | V |
| 353 | 44 | 38 | 34 | 116 | V |
| 354 | 55 | 34 | 40 | 129 | V |
| 355 | 53 | 41 | 39 | 133 | V |
| 356 | 51 | 45 | 50 | 146 | V |
| 357 | 55 | 34 | 41 | 130 | V |
| 358 | 37 | 31 | 31 | 99 | V |
| 359 | 44 | 46 | 41 | 131 | A |
| 360 | 49 | 45 | 38 | 132 | V |
| 361 | 53 | 52 | 53 | 158 | K |
| 362 | 52 | 38 | 37 | 127 | V |
| 363 | 34 | 36 | 34 | 104 | A |

| अ.क्र. | अध्ययन शैलीनुसार मुर्लीचे गुण | | | एकूण गुण | अध्ययन शैली |
|--------|-------------------------------|----|----|----------|-------------|
| | V | A | K | | |
| 364 | 58 | 56 | 42 | 156 | V |
| 365 | 56 | 47 | 44 | 147 | V |
| 366 | 45 | 42 | 42 | 129 | V |
| 367 | 51 | 39 | 43 | 133 | V |
| 368 | 50 | 45 | 46 | 141 | V |
| 369 | 53 | 43 | 39 | 135 | V |
| 370 | 55 | 38 | 37 | 130 | V |
| 371 | 26 | 32 | 35 | 93 | K |
| 372 | 47 | 45 | 43 | 135 | V |
| 373 | 49 | 39 | 39 | 127 | V |
| 374 | 46 | 36 | 39 | 121 | V |
| 375 | 43 | 45 | 43 | 131 | A |
| 376 | 26 | 31 | 32 | 89 | K |
| 377 | 52 | 43 | 45 | 140 | V |
| 378 | 57 | 39 | 43 | 139 | V |
| 379 | 43 | 32 | 36 | 111 | V |
| 380 | 43 | 32 | 36 | 111 | V |
| 381 | 63 | 40 | 46 | 149 | V |
| 382 | 60 | 40 | 46 | 146 | V |
| 383 | 48 | 39 | 42 | 129 | V |
| 384 | 32 | 30 | 27 | 89 | V |
| 385 | 51 | 43 | 39 | 133 | V |
| 386 | 44 | 35 | 42 | 121 | V |
| 387 | 61 | 45 | 43 | 149 | V |
| 388 | 47 | 35 | 44 | 126 | V |
| 389 | 52 | 42 | 38 | 132 | V |
| 390 | 60 | 44 | 45 | 149 | V |
| 391 | 55 | 41 | 41 | 137 | V |
| 392 | 45 | 44 | 47 | 136 | K |
| 393 | 59 | 44 | 46 | 149 | V |
| 394 | 65 | 47 | 55 | 167 | V |
| 395 | 63 | 38 | 43 | 144 | V |
| 396 | 57 | 40 | 35 | 132 | V |
| 397 | 56 | 43 | 47 | 146 | V |
| 398 | 50 | 40 | 39 | 129 | V |
| 399 | 49 | 47 | 38 | 134 | V |
| 400 | 56 | 47 | 40 | 143 | V |
| 401 | 61 | 38 | 50 | 149 | V |
| 402 | 51 | 48 | 35 | 134 | V |
| 403 | 50 | 35 | 40 | 125 | V |
| 404 | 53 | 39 | 44 | 136 | V |
| 405 | 60 | 46 | 46 | 152 | V |
| 406 | 62 | 51 | 38 | 151 | V |
| 407 | 59 | 49 | 47 | 155 | V |
| 408 | 49 | 43 | 43 | 135 | V |
| 409 | 57 | 53 | 53 | 163 | V |

| अ.क्र. | अध्ययन शैलीनुसार मुर्लीचे गुण | | | एकूण गुण | अध्ययन शैली |
|--------|-------------------------------|----|----|----------|-------------|
| | V | A | K | | |
| 410 | 60 | 36 | 43 | 139 | V |
| 411 | 43 | 36 | 45 | 124 | K |
| 412 | 56 | 50 | 45 | 151 | V |
| 413 | 40 | 38 | 50 | 128 | K |
| 414 | 52 | 41 | 35 | 128 | V |
| 415 | 56 | 48 | 44 | 148 | V |
| 416 | 61 | 47 | 57 | 165 | V |
| 417 | 59 | 50 | 53 | 162 | V |
| 418 | 61 | 44 | 28 | 133 | V |
| 419 | 46 | 36 | 28 | 110 | V |
| 420 | 59 | 55 | 52 | 166 | V |
| 421 | 49 | 42 | 39 | 130 | V |
| 422 | 52 | 47 | 37 | 136 | V |
| 423 | 44 | 39 | 48 | 131 | K |
| 424 | 50 | 32 | 43 | 125 | V |
| 425 | 55 | 44 | 36 | 135 | V |
| 426 | 54 | 55 | 48 | 157 | A |
| 427 | 57 | 43 | 44 | 144 | V |
| 428 | 50 | 55 | 39 | 144 | A |
| 429 | 54 | 47 | 42 | 143 | V |
| 430 | 40 | 43 | 42 | 125 | A |
| 431 | 52 | 42 | 41 | 135 | V |
| 432 | 52 | 41 | 41 | 134 | V |
| 433 | 46 | 35 | 29 | 110 | V |
| 434 | 46 | 56 | 49 | 151 | A |
| 435 | 59 | 46 | 50 | 155 | V |
| 436 | 52 | 48 | 54 | 154 | K |
| 437 | 55 | 44 | 51 | 150 | V |
| 438 | 63 | 50 | 47 | 160 | V |
| 439 | 48 | 46 | 43 | 137 | V |
| 440 | 48 | 42 | 45 | 135 | V |
| 441 | 56 | 46 | 47 | 149 | V |
| 442 | 46 | 37 | 41 | 124 | V |
| 443 | 50 | 38 | 45 | 133 | V |
| 444 | 55 | 44 | 47 | 146 | V |
| 445 | 53 | 42 | 40 | 135 | V |
| 446 | 51 | 47 | 37 | 135 | V |
| 447 | 60 | 48 | 38 | 146 | V |
| 448 | 51 | 46 | 35 | 132 | V |
| 449 | 54 | 44 | 47 | 145 | V |
| 450 | 58 | 48 | 43 | 149 | V |
| 451 | 55 | 52 | 45 | 152 | V |
| 452 | 58 | 48 | 50 | 156 | V |
| 453 | 46 | 35 | 43 | 124 | V |
| 454 | 54 | 48 | 47 | 149 | V |
| 455 | 62 | 48 | 45 | 155 | V |

| अ.क्र. | अध्ययन शैलीनुसार मुर्लीचे गुण | | | एकूण गुण | अध्ययन शैली |
|--------|-------------------------------|----|----|----------|-------------|
| | V | A | K | | |
| 456 | 49 | 39 | 42 | 130 | V |
| 457 | 46 | 43 | 43 | 132 | V |
| 458 | 43 | 43 | 35 | 121 | V |
| 459 | 48 | 39 | 39 | 126 | V |
| 460 | 48 | 45 | 50 | 143 | K |
| 461 | 56 | 39 | 48 | 143 | V |
| 462 | 57 | 36 | 43 | 136 | V |
| 463 | 51 | 39 | 41 | 131 | V |
| 464 | 55 | 49 | 38 | 142 | V |
| 465 | 60 | 50 | 44 | 154 | V |
| 466 | 54 | 49 | 43 | 146 | V |
| 467 | 51 | 45 | 43 | 139 | V |
| 468 | 51 | 45 | 44 | 140 | V |
| 469 | 47 | 43 | 42 | 132 | V |
| 470 | 37 | 38 | 34 | 109 | A |
| 471 | 42 | 39 | 35 | 116 | V |
| 472 | 52 | 53 | 44 | 149 | A |
| 473 | 45 | 42 | 43 | 130 | V |
| 474 | 46 | 44 | 43 | 133 | V |
| 475 | 62 | 48 | 48 | 158 | V |
| 476 | 51 | 43 | 49 | 143 | V |
| 477 | 54 | 44 | 56 | 154 | K |
| 478 | 43 | 38 | 35 | 116 | V |
| 479 | 56 | 44 | 47 | 147 | V |
| 480 | 57 | 41 | 49 | 147 | V |
| 481 | 52 | 42 | 43 | 137 | V |
| 482 | 49 | 42 | 40 | 131 | V |
| 483 | 47 | 43 | 39 | 129 | V |
| 484 | 48 | 44 | 40 | 132 | V |
| 485 | 39 | 33 | 41 | 113 | K |
| 486 | 52 | 46 | 35 | 133 | V |
| 487 | 54 | 35 | 43 | 132 | V |
| 488 | 54 | 42 | 45 | 141 | V |
| 489 | 45 | 40 | 39 | 124 | V |
| 490 | 45 | 45 | 47 | 137 | K |
| 491 | 39 | 43 | 45 | 127 | K |
| 492 | 40 | 43 | 38 | 121 | A |
| 493 | 52 | 54 | 43 | 149 | A |
| 494 | 43 | 41 | 42 | 126 | V |
| 495 | 61 | 51 | 46 | 158 | V |
| 496 | 57 | 52 | 45 | 154 | V |
| 497 | 56 | 43 | 40 | 139 | V |
| 498 | 45 | 53 | 51 | 149 | A |
| 499 | 50 | 43 | 51 | 143 | K |
| 500 | 51 | 45 | 47 | 143 | V |
| 501 | 55 | 43 | 48 | 146 | V |

| अ.क्र. | अध्ययन शैलीनुसार मुर्लीचे गुण | | | एकूण गुण | अध्ययन शैली |
|--------|-------------------------------|----|----|----------|-------------|
| | V | A | K | | |
| 502 | 47 | 44 | 48 | 139 | K |
| 503 | 55 | 49 | 48 | 152 | V |
| 504 | 46 | 44 | 47 | 137 | K |
| 505 | 49 | 50 | 48 | 147 | A |
| 506 | 55 | 47 | 33 | 135 | V |
| 507 | 52 | 49 | 63 | 164 | K |
| 508 | 55 | 46 | 52 | 153 | V |
| 509 | 55 | 44 | 51 | 150 | V |
| 510 | 50 | 41 | 39 | 130 | V |
| 511 | 62 | 47 | 49 | 158 | V |
| 512 | 47 | 36 | 48 | 131 | K |
| 513 | 44 | 27 | 34 | 105 | V |
| 514 | 38 | 45 | 47 | 130 | K |
| 515 | 43 | 48 | 49 | 140 | K |
| 516 | 48 | 53 | 40 | 141 | A |
| 517 | 50 | 48 | 48 | 146 | V |
| 518 | 54 | 40 | 49 | 143 | V |
| 519 | 48 | 47 | 33 | 128 | V |
| 520 | 45 | 56 | 52 | 153 | A |
| 521 | 49 | 41 | 42 | 132 | V |
| 522 | 47 | 40 | 56 | 143 | K |
| 523 | 51 | 35 | 45 | 131 | V |
| 524 | 54 | 37 | 26 | 117 | V |
| 525 | 61 | 39 | 45 | 145 | V |
| 526 | 57 | 39 | 47 | 143 | V |
| 527 | 39 | 35 | 37 | 111 | V |
| 528 | 49 | 45 | 43 | 137 | V |
| 529 | 47 | 41 | 41 | 129 | V |
| 530 | 51 | 53 | 55 | 159 | K |
| 531 | 51 | 52 | 49 | 152 | A |
| 532 | 31 | 33 | 30 | 94 | A |
| 533 | 49 | 42 | 39 | 130 | V |
| 534 | 49 | 39 | 43 | 131 | V |
| 535 | 52 | 42 | 39 | 133 | V |
| 536 | 44 | 35 | 35 | 114 | V |
| 537 | 50 | 38 | 40 | 128 | V |
| 538 | 43 | 45 | 42 | 130 | A |
| 539 | 53 | 36 | 40 | 129 | V |
| 540 | 50 | 44 | 44 | 138 | V |
| 541 | 56 | 39 | 46 | 141 | V |
| 542 | 42 | 48 | 54 | 144 | K |
| 543 | 49 | 46 | 34 | 129 | V |
| 544 | 58 | 52 | 42 | 152 | V |
| 545 | 46 | 50 | 45 | 141 | A |
| 546 | 60 | 48 | 41 | 149 | V |
| 547 | 56 | 43 | 45 | 144 | V |

| अ.क्र. | अध्ययन शैलीनुसार मुर्लीचे गुण | | | एकूण गुण | अध्ययन शैली |
|--------|-------------------------------|----|----|----------|-------------|
| | V | A | K | | |
| 548 | 46 | 42 | 40 | 128 | V |
| 549 | 41 | 43 | 46 | 130 | K |
| 550 | 51 | 43 | 48 | 142 | V |
| 551 | 39 | 42 | 41 | 122 | A |
| 552 | 48 | 49 | 37 | 134 | A |
| 553 | 39 | 40 | 33 | 112 | A |
| 554 | 39 | 51 | 50 | 140 | A |
| 555 | 45 | 46 | 55 | 146 | K |
| 556 | 37 | 32 | 44 | 113 | K |
| 557 | 50 | 52 | 47 | 149 | A |
| 558 | 60 | 49 | 55 | 164 | V |
| 559 | 58 | 43 | 48 | 149 | V |
| 560 | 46 | 41 | 52 | 139 | K |
| 561 | 43 | 40 | 45 | 128 | K |
| 562 | 52 | 60 | 57 | 169 | A |
| 563 | 45 | 39 | 43 | 127 | V |
| 564 | 54 | 42 | 37 | 133 | V |
| 565 | 33 | 35 | 40 | 108 | K |
| 566 | 50 | 48 | 48 | 146 | V |
| 567 | 46 | 41 | 39 | 126 | V |
| 568 | 46 | 54 | 58 | 158 | K |
| 569 | 48 | 41 | 40 | 129 | V |
| 570 | 60 | 43 | 44 | 147 | V |
| 571 | 56 | 57 | 54 | 167 | A |
| 572 | 46 | 42 | 41 | 129 | V |
| 573 | 57 | 50 | 53 | 160 | V |
| 574 | 52 | 53 | 52 | 157 | A |
| 575 | 51 | 45 | 54 | 150 | K |
| 576 | 56 | 45 | 46 | 147 | V |
| 577 | 50 | 44 | 53 | 147 | K |
| 578 | 48 | 50 | 57 | 155 | K |
| 579 | 41 | 56 | 55 | 152 | A |
| 580 | 53 | 47 | 47 | 147 | V |
| 581 | 64 | 47 | 63 | 174 | V |
| 582 | 46 | 44 | 41 | 131 | V |
| 583 | 46 | 49 | 43 | 138 | A |
| 584 | 52 | 51 | 39 | 142 | V |
| 585 | 42 | 53 | 45 | 140 | A |
| 586 | 51 | 52 | 47 | 150 | A |
| 587 | 42 | 39 | 43 | 124 | K |
| 588 | 38 | 39 | 44 | 121 | K |
| 589 | 50 | 54 | 33 | 137 | A |
| 590 | 52 | 39 | 49 | 140 | V |
| 591 | 52 | 45 | 44 | 141 | V |
| 592 | 53 | 52 | 49 | 154 | V |
| 593 | 58 | 47 | 44 | 149 | V |

| अ.क्र. | अध्ययन शैलीनुसार मुर्लीचे गुण | | | एकूण गुण | अध्ययन शैली |
|--------|-------------------------------|----|----|----------|-------------|
| | V | A | K | | |
| 594 | 53 | 54 | 50 | 157 | A |
| 595 | 52 | 57 | 53 | 162 | A |
| 596 | 58 | 57 | 56 | 171 | V |
| 597 | 43 | 42 | 42 | 127 | V |
| 598 | 44 | 40 | 45 | 129 | K |
| 599 | 50 | 51 | 46 | 147 | A |
| 600 | 49 | 45 | 56 | 150 | K |
| 601 | 34 | 44 | 40 | 118 | A |
| 602 | 53 | 56 | 61 | 170 | A |
| 603 | 63 | 66 | 62 | 191 | A |
| 604 | 43 | 41 | 41 | 125 | V |
| 605 | 51 | 49 | 52 | 152 | K |
| 606 | 43 | 55 | 39 | 137 | A |
| 607 | 45 | 52 | 49 | 146 | A |
| 608 | 42 | 38 | 40 | 120 | V |
| 609 | 52 | 41 | 41 | 134 | V |
| 610 | 47 | 46 | 44 | 137 | V |
| 611 | 60 | 52 | 46 | 158 | V |
| 612 | 50 | 43 | 49 | 142 | V |
| 613 | 50 | 48 | 42 | 140 | V |
| 614 | 59 | 60 | 45 | 164 | A |
| 615 | 57 | 50 | 48 | 155 | V |
| 616 | 57 | 56 | 43 | 156 | V |
| 617 | 50 | 47 | 41 | 138 | V |
| 618 | 42 | 45 | 53 | 140 | K |
| 619 | 54 | 53 | 55 | 162 | K |
| 620 | 55 | 46 | 48 | 149 | V |
| 621 | 52 | 54 | 55 | 161 | K |
| 622 | 51 | 52 | 56 | 159 | K |
| 623 | 45 | 47 | 47 | 139 | K |
| 624 | 52 | 50 | 49 | 151 | V |
| 625 | 52 | 48 | 50 | 150 | V |
| 626 | 52 | 49 | 37 | 138 | V |
| 627 | 55 | 49 | 52 | 156 | V |
| 628 | 53 | 48 | 44 | 145 | V |
| 629 | 51 | 43 | 53 | 147 | K |
| 630 | 52 | 42 | 45 | 139 | V |
| 631 | 52 | 48 | 45 | 145 | V |
| 632 | 53 | 40 | 47 | 140 | V |
| 633 | 54 | 33 | 40 | 127 | V |
| 634 | 42 | 38 | 41 | 121 | V |
| 635 | 63 | 58 | 52 | 173 | V |
| 636 | 59 | 43 | 40 | 142 | V |
| 637 | 59 | 42 | 39 | 140 | V |
| 638 | 57 | 52 | 42 | 151 | V |
| 639 | 42 | 38 | 41 | 121 | V |

| अ.क्र. | अध्ययन शैलीनुसार मुर्लीचे गुण | | | एकूण गुण | अध्ययन शैली |
|--------|-------------------------------|----|----|----------|-------------|
| | V | A | K | | |
| 640 | 41 | 39 | 40 | 120 | V |
| 641 | 53 | 25 | 37 | 115 | V |
| 642 | 59 | 48 | 43 | 150 | V |
| 643 | 43 | 42 | 35 | 120 | V |
| 644 | 51 | 51 | 59 | 161 | K |
| 645 | 56 | 46 | 49 | 151 | V |
| 646 | 58 | 44 | 57 | 159 | V |
| 647 | 55 | 48 | 43 | 146 | V |
| 648 | 62 | 60 | 52 | 174 | V |
| 649 | 41 | 38 | 27 | 106 | V |
| 650 | 51 | 36 | 39 | 126 | V |
| 651 | 59 | 48 | 48 | 155 | V |
| 652 | 61 | 45 | 50 | 156 | V |
| 653 | 63 | 46 | 54 | 163 | V |
| 654 | 44 | 43 | 39 | 126 | V |
| 655 | 51 | 45 | 50 | 146 | V |
| 656 | 50 | 41 | 44 | 135 | V |
| 657 | 55 | 43 | 49 | 147 | V |
| 658 | 55 | 45 | 47 | 147 | V |
| 659 | 54 | 32 | 42 | 128 | V |
| 660 | 61 | 52 | 49 | 162 | V |
| 661 | 45 | 35 | 46 | 126 | K |
| 662 | 56 | 44 | 55 | 155 | V |
| 663 | 53 | 42 | 51 | 146 | V |
| 664 | 52 | 39 | 45 | 136 | V |
| 665 | 31 | 30 | 25 | 86 | V |
| 666 | 55 | 59 | 49 | 163 | A |
| 667 | 54 | 58 | 47 | 159 | A |
| 668 | 59 | 55 | 53 | 167 | V |
| 669 | 59 | 55 | 53 | 167 | V |
| 670 | 53 | 50 | 45 | 148 | V |
| 671 | 55 | 61 | 60 | 176 | A |
| 672 | 53 | 34 | 43 | 130 | V |
| 673 | 43 | 37 | 38 | 118 | V |
| 674 | 57 | 54 | 53 | 164 | V |
| 675 | 58 | 51 | 54 | 163 | V |
| 676 | 57 | 48 | 50 | 155 | V |
| 677 | 58 | 55 | 48 | 161 | V |
| 678 | 66 | 57 | 48 | 171 | V |
| 679 | 43 | 42 | 36 | 121 | V |
| 680 | 52 | 44 | 36 | 132 | V |
| 681 | 67 | 53 | 47 | 167 | V |
| 682 | 41 | 42 | 38 | 121 | A |
| 683 | 42 | 46 | 44 | 132 | A |
| 684 | 67 | 57 | 46 | 170 | V |
| 685 | 63 | 57 | 42 | 162 | V |

| अ.क्र. | अध्ययन शैलीनुसार मुर्लीचे गुण | | | एकूण गुण | अध्ययन शैली |
|--------|-------------------------------|----|----|----------|-------------|
| | V | A | K | | |
| 686 | 40 | 34 | 31 | 105 | V |
| 687 | 43 | 39 | 39 | 121 | V |
| 688 | 44 | 43 | 34 | 121 | V |
| 689 | 47 | 32 | 29 | 108 | V |
| 690 | 46 | 33 | 29 | 108 | V |
| 691 | 43 | 34 | 35 | 112 | V |
| 692 | 50 | 40 | 44 | 134 | V |
| 693 | 59 | 46 | 36 | 141 | V |
| 694 | 43 | 43 | 45 | 131 | K |
| 695 | 53 | 46 | 45 | 144 | V |
| 696 | 56 | 49 | 41 | 146 | V |
| 697 | 40 | 32 | 33 | 105 | V |
| 698 | 64 | 53 | 51 | 168 | V |
| 699 | 54 | 45 | 40 | 139 | V |
| 700 | 57 | 56 | 43 | 156 | V |
| 701 | 46 | 45 | 45 | 136 | V |
| 702 | 42 | 38 | 38 | 118 | V |
| 703 | 34 | 32 | 37 | 103 | K |
| 704 | 51 | 40 | 41 | 132 | V |
| 705 | 53 | 49 | 48 | 150 | V |
| 706 | 51 | 32 | 42 | 125 | V |
| 707 | 48 | 44 | 50 | 142 | K |
| 708 | 28 | 31 | 36 | 95 | K |
| 709 | 51 | 33 | 35 | 119 | V |
| 710 | 52 | 35 | 35 | 122 | V |
| 711 | 40 | 35 | 35 | 110 | V |
| 712 | 46 | 35 | 41 | 122 | V |
| 713 | 37 | 26 | 31 | 94 | V |
| 714 | 40 | 39 | 44 | 123 | K |
| 715 | 48 | 35 | 42 | 125 | V |
| 716 | 44 | 41 | 39 | 124 | V |
| 717 | 44 | 44 | 48 | 136 | K |
| 718 | 41 | 41 | 43 | 125 | K |
| 719 | 55 | 50 | 50 | 155 | V |
| 720 | 47 | 41 | 44 | 132 | V |
| 721 | 54 | 49 | 46 | 149 | V |
| 722 | 57 | 36 | 46 | 139 | V |
| 723 | 55 | 38 | 43 | 136 | V |
| 724 | 47 | 34 | 39 | 120 | V |
| 725 | 47 | 42 | 28 | 117 | V |
| 726 | 56 | 48 | 44 | 148 | V |
| 727 | 57 | 48 | 48 | 153 | V |
| 728 | 41 | 36 | 52 | 129 | K |
| 729 | 51 | 44 | 45 | 140 | V |
| 730 | 43 | 45 | 40 | 128 | A |
| 731 | 59 | 48 | 49 | 156 | V |

| अ.क्र. | अध्ययन शैलीनुसार मुर्लीचे गुण | | | एकूण गुण | अध्ययन शैली |
|--------|-------------------------------|----|----|----------|-------------|
| | V | A | K | | |
| 732 | 39 | 42 | 39 | 120 | A |
| 733 | 59 | 46 | 38 | 143 | V |
| 734 | 59 | 46 | 35 | 140 | V |
| 735 | 56 | 37 | 41 | 134 | V |
| 736 | 58 | 45 | 51 | 154 | V |
| 737 | 58 | 52 | 41 | 151 | V |
| 738 | 49 | 43 | 40 | 132 | V |
| 739 | 53 | 42 | 40 | 135 | V |
| 740 | 56 | 43 | 52 | 151 | V |
| 741 | 57 | 46 | 40 | 143 | V |
| 742 | 58 | 48 | 55 | 161 | V |
| 743 | 59 | 52 | 55 | 166 | V |
| 744 | 58 | 49 | 47 | 154 | V |
| 745 | 58 | 49 | 47 | 154 | V |
| 746 | 48 | 45 | 38 | 131 | V |
| 747 | 56 | 48 | 48 | 152 | V |
| 748 | 47 | 46 | 40 | 133 | V |
| 749 | 53 | 48 | 40 | 141 | V |
| 750 | 56 | 48 | 41 | 145 | V |
| 751 | 61 | 47 | 51 | 159 | V |
| 752 | 50 | 43 | 47 | 140 | V |
| 753 | 60 | 47 | 47 | 154 | V |
| 754 | 49 | 45 | 46 | 140 | V |
| 755 | 63 | 50 | 51 | 164 | V |
| 756 | 63 | 51 | 51 | 165 | V |
| 757 | 56 | 46 | 43 | 145 | V |
| 758 | 50 | 42 | 44 | 136 | V |
| 759 | 56 | 42 | 42 | 140 | V |
| 760 | 57 | 50 | 49 | 156 | V |
| 761 | 54 | 49 | 28 | 131 | V |
| 762 | 51 | 40 | 31 | 122 | V |
| 763 | 50 | 41 | 44 | 135 | V |
| 764 | 41 | 41 | 43 | 125 | K |
| 765 | 57 | 45 | 47 | 149 | V |
| 766 | 59 | 47 | 48 | 154 | V |
| 767 | 62 | 51 | 51 | 164 | V |
| 768 | 52 | 40 | 33 | 125 | V |
| 769 | 49 | 40 | 32 | 121 | V |
| 770 | 60 | 45 | 43 | 148 | V |
| 771 | 50 | 39 | 37 | 126 | V |
| 772 | 60 | 53 | 52 | 165 | V |
| 773 | 61 | 42 | 47 | 150 | V |
| 774 | 56 | 40 | 42 | 138 | V |
| 775 | 52 | 51 | 46 | 149 | V |
| 776 | 47 | 39 | 35 | 121 | V |
| 777 | 63 | 50 | 50 | 163 | V |

| अ.क्र. | अध्ययन शैलीनुसार मुर्लीचे गुण | | | एकूण गुण | अध्ययन शैली |
|--------|-------------------------------|----|----|----------|-------------|
| | V | A | K | | |
| 778 | 55 | 40 | 46 | 141 | V |
| 779 | 56 | 43 | 47 | 146 | V |
| 780 | 49 | 40 | 36 | 125 | V |
| 781 | 54 | 38 | 43 | 135 | V |
| 782 | 48 | 50 | 48 | 146 | A |
| 783 | 56 | 49 | 44 | 149 | V |
| 784 | 49 | 47 | 44 | 140 | V |
| 785 | 54 | 51 | 48 | 153 | V |
| 786 | 54 | 38 | 43 | 135 | V |
| 787 | 51 | 37 | 46 | 134 | V |
| 788 | 46 | 39 | 31 | 116 | V |
| 789 | 54 | 38 | 42 | 134 | V |
| 790 | 47 | 50 | 36 | 133 | A |
| 791 | 52 | 43 | 48 | 143 | V |
| 792 | 58 | 49 | 44 | 151 | V |
| 793 | 53 | 52 | 44 | 149 | V |
| 794 | 50 | 49 | 38 | 137 | V |
| 795 | 42 | 43 | 30 | 115 | A |
| 796 | 53 | 47 | 43 | 143 | V |
| 797 | 59 | 44 | 46 | 149 | V |
| 798 | 60 | 49 | 42 | 151 | V |
| 799 | 58 | 52 | 43 | 153 | V |
| 800 | 46 | 42 | 43 | 131 | V |
| 801 | 32 | 42 | 37 | 111 | A |
| 802 | 54 | 38 | 42 | 134 | V |
| 803 | 59 | 49 | 46 | 154 | V |
| 804 | 43 | 47 | 35 | 125 | A |
| 805 | 56 | 41 | 47 | 144 | V |
| 806 | 52 | 49 | 37 | 138 | V |
| 807 | 59 | 45 | 39 | 143 | V |
| 808 | 54 | 52 | 56 | 162 | K |

परिशिष्ट “F”
विद्यार्थ्यांना अंतिम परीक्षेत मिळालेले गुण
(शैक्षणिक संपादनूक)

| अ.क्र. | प्राप्त गुण (मुले) | शेकडेवारी | श्रेणी | अ.क्र. | प्राप्त गुण (मुले) | शेकडेवारी | श्रेणी |
|--------|--------------------|-----------|--------|--------|--------------------|-----------|--------|
| 1 | 455 | 60.67 | B | 42 | 492 | 65.6 | B |
| 2 | 591 | 78.8 | A | 43 | 536 | 71.47 | A |
| 3 | 599 | 79.87 | A | 44 | 495 | 66 | B |
| 4 | 519 | 69.2 | B | 45 | 495 | 66 | B |
| 5 | 409 | 54.53 | B | 46 | 522 | 69.6 | B |
| 6 | 499 | 66.53 | B | 47 | 605 | 80.67 | A |
| 7 | 583 | 77.73 | A | 48 | 509 | 67.87 | B |
| 8 | 423 | 56.4 | B | 49 | 610 | 81.33 | A |
| 9 | 532 | 70.93 | B | 50 | 512 | 68.27 | B |
| 10 | 573 | 76.4 | A | 51 | 646 | 86.13 | A |
| 11 | 548 | 73.07 | A | 52 | 684 | 91.2 | A |
| 12 | 453 | 60.4 | B | 53 | 681 | 90.8 | A |
| 13 | 540 | 72 | A | 54 | 436 | 58.13 | B |
| 14 | 438 | 58.4 | B | 55 | 581 | 77.47 | A |
| 15 | 463 | 61.73 | B | 56 | 581 | 77.47 | A |
| 16 | 501 | 66.8 | B | 57 | 461 | 61.47 | B |
| 17 | 591 | 78.8 | A | 58 | 413 | 55.07 | B |
| 18 | 535 | 71.33 | A | 59 | 415 | 55.33 | B |
| 19 | 588 | 78.4 | A | 60 | 439 | 58.53 | B |
| 20 | 471 | 62.8 | B | 61 | 394 | 52.53 | B |
| 21 | 552 | 73.6 | A | 62 | 464 | 61.87 | B |
| 22 | 356 | 47.47 | C | 63 | 411 | 54.8 | B |
| 23 | 625 | 83.33 | A | 64 | 367 | 48.93 | C |
| 24 | 517 | 68.93 | B | 65 | 452 | 60.27 | B |
| 25 | 475 | 63.33 | B | 66 | 411 | 54.8 | B |
| 26 | 452 | 60.27 | B | 67 | 450 | 60 | B |
| 27 | 460 | 61.33 | B | 68 | 371 | 49.47 | C |
| 28 | 554 | 73.87 | A | 69 | 374 | 49.87 | C |
| 29 | 567 | 75.6 | A | 70 | 398 | 53.07 | B |
| 30 | 606 | 80.8 | A | 71 | 299 | 39.87 | D |
| 31 | 387 | 51.6 | B | 72 | 452 | 60.27 | B |
| 32 | 516 | 68.8 | B | 73 | 394 | 52.53 | B |
| 33 | 574 | 76.53 | A | 74 | 460 | 61.33 | B |
| 34 | 488 | 65.07 | B | 75 | 501 | 66.8 | B |
| 35 | 514 | 68.53 | B | 76 | 404 | 53.87 | B |
| 36 | 385 | 51.33 | B | 77 | 480 | 64 | B |
| 37 | 491 | 65.47 | B | 78 | 380 | 50.67 | C |
| 38 | 572 | 76.27 | A | 79 | 401 | 53.47 | B |
| 39 | 537 | 71.6 | A | 80 | 412 | 54.93 | B |
| 40 | 552 | 73.6 | A | 81 | 404 | 53.87 | B |
| 41 | 582 | 77.6 | A | 82 | 399 | 53.2 | B |

| अ.क्र. | प्राप्त गुण (मुले) | शेकड़ेवारी | श्रेणी | अ.क्र. | प्राप्त गुण (मुले) | शेकड़ेवारी | श्रेणी |
|--------|--------------------|------------|--------|--------|--------------------|------------|--------|
| 83 | 353 | 47.07 | C | 119 | 452 | 60.27 | B |
| 84 | 345 | 46 | C | 120 | 475 | 63.33 | B |
| 85 | 441 | 58.8 | B | 121 | 490 | 65.33 | B |
| 86 | 420 | 56 | B | 122 | 494 | 65.87 | B |
| 87 | 485 | 64.67 | B | 123 | 490 | 65.33 | B |
| 88 | 619 | 82.53 | A | 124 | 406 | 54.13 | B |
| 89 | 398 | 53.07 | B | 125 | 317 | 42.27 | C |
| 90 | 397 | 52.93 | B | 126 | 451 | 60.13 | B |
| 91 | 464 | 61.87 | B | 127 | 315 | 42 | C |
| 92 | 521 | 69.47 | B | 128 | 424 | 56.53 | B |
| 93 | 582 | 77.6 | A | 129 | 377 | 50.27 | C |
| 94 | 609 | 81.2 | A | 130 | 592 | 78.93 | A |
| 95 | 636 | 84.8 | A | 131 | 329 | 43.87 | C |
| 96 | 702 | 93.6 | A | 132 | 466 | 62.13 | B |
| 97 | 703 | 93.73 | A | 133 | 508 | 67.73 | B |
| 98 | 684 | 91.2 | A | 134 | 446 | 59.47 | B |
| 99 | 704 | 93.87 | A | 135 | 330 | 44 | C |
| 100 | 605 | 80.67 | A | 136 | 305 | 40.67 | D |
| 101 | 559 | 74.53 | A | 137 | 423 | 56.4 | B |
| 102 | 613 | 81.73 | A | 138 | 362 | 48.27 | C |
| 103 | 461 | 61.47 | B | 139 | 356 | 47.47 | C |
| 104 | 641 | 85.47 | A | 140 | 344 | 45.87 | C |
| 105 | 521 | 69.47 | B | 141 | 453 | 60.4 | B |
| 106 | 450 | 60 | B | 142 | 483 | 64.4 | B |
| 107 | 428 | 57.07 | B | 143 | 433 | 57.73 | B |
| 108 | 370 | 49.33 | C | 144 | 483 | 64.4 | B |
| 109 | 374 | 49.87 | C | 145 | 449 | 59.87 | B |
| 110 | 339 | 45.2 | C | 146 | 508 | 67.73 | B |
| 111 | 383 | 51.07 | B | 147 | 364 | 48.53 | C |
| 112 | 325 | 43.33 | C | 148 | 530 | 70.67 | B |
| 113 | 390 | 52 | B | 149 | 456 | 60.8 | B |
| 114 | 513 | 68.4 | B | 150 | 405 | 54 | B |
| 115 | 561 | 74.8 | A | 151 | 315 | 42 | C |
| 116 | 418 | 55.73 | B | 152 | 567 | 75.6 | A |
| 117 | 477 | 63.6 | B | 153 | 307 | 40.93 | D |
| 118 | 409 | 54.53 | B | 154 | 410 | 54.67 | B |

| अ.क्र. | प्राप्त गुण (मुले) | शेकडेवारी | श्रेणी | अ.क्र. | प्राप्त गुण (मुले) | शेकडेवारी | श्रेणी |
|--------|--------------------|-----------|--------|--------|--------------------|-----------|--------|
| 155 | 483 | 64.4 | B | 191 | 478 | 63.73 | B |
| 156 | 324 | 43.2 | C | 192 | 488 | 65.06 | B |
| 157 | 403 | 53.73 | B | 193 | 577 | 76.93 | A |
| 158 | 386 | 51.46 | B | 194 | 470 | 62.66 | B |
| 159 | 586 | 78.13 | A | 195 | 488 | 65.06 | B |
| 160 | 452 | 60.26 | B | 196 | 696 | 92.8 | A |
| 161 | 303 | 40.4 | D | 197 | 525 | 70 | B |
| 162 | 491 | 65.46 | B | 198 | 356 | 47.46 | C |
| 163 | 489 | 65.2 | B | 199 | 439 | 58.53 | B |
| 164 | 631 | 84.13 | A | 200 | 518 | 69.06 | B |
| 165 | 316 | 42.13 | C | 201 | 596 | 79.46 | A |
| 166 | 514 | 68.53 | B | 202 | 438 | 58.4 | B |
| 167 | 571 | 76.13 | A | 203 | 464 | 61.86 | B |
| 168 | 396 | 52.8 | B | 204 | 391 | 52.13 | B |
| 169 | 352 | 46.93 | C | 205 | 232 | 30.93 | D |
| 170 | 519 | 69.2 | B | 206 | 327 | 43.6 | C |
| 171 | 417 | 55.6 | B | 207 | 612 | 81.6 | A |
| 172 | 448 | 59.73 | B | 208 | 563 | 75.06 | A |
| 173 | 350 | 46.66 | C | 209 | 546 | 72.8 | A |
| 174 | 425 | 56.66 | B | 210 | 373 | 49.73 | C |
| 175 | 312 | 41.6 | C | 211 | 354 | 47.2 | C |
| 176 | 419 | 55.86 | B | 212 | 375 | 50 | C |
| 177 | 676 | 90.13 | A | 213 | 361 | 48.13 | C |
| 178 | 516 | 68.8 | B | 214 | 321 | 42.8 | C |
| 179 | 626 | 83.46 | A | 215 | 288 | 38.4 | D |
| 180 | 392 | 52.26 | B | 216 | 469 | 62.53 | B |
| 181 | 377 | 50.26 | C | 217 | 497 | 66.26 | B |
| 182 | 324 | 43.2 | C | 218 | 326 | 43.46 | C |
| 183 | 585 | 78 | A | 219 | 281 | 37.46 | D |
| 184 | 381 | 50.8 | C | 220 | 282 | 37.6 | D |
| 185 | 447 | 59.6 | B | 221 | 337 | 44.93 | C |
| 186 | 571 | 76.13 | A | 222 | 299 | 39.86 | D |
| 187 | 550 | 73.33 | A | 223 | 297 | 39.6 | D |
| 188 | 549 | 73.2 | A | 224 | 315 | 42 | C |
| 189 | 543 | 72.4 | A | 225 | 289 | 38.53 | D |
| 190 | 666 | 88.8 | A | 226 | 335 | 44.66 | C |

| अ.क्र | प्राप्त गुण (मुले) | शेकडेवारी | श्रेणी | अ.क्र | प्राप्त गुण (मुले) | शेकडेवारी | श्रेणी |
|-------|--------------------|-----------|--------|-------|--------------------|-----------|--------|
| 227 | 290 | 38.66 | D | 263 | 416 | 55.46 | B |
| 228 | 307 | 40.93 | D | 264 | 584 | 77.86 | A |
| 229 | 404 | 53.86 | B | 265 | 315 | 42 | C |
| 230 | 351 | 46.8 | C | 266 | 488 | 65.06 | B |
| 231 | 373 | 49.73 | C | 267 | 357 | 47.6 | C |
| 232 | 345 | 46 | C | 268 | 462 | 61.6 | B |
| 233 | 389 | 51.86 | B | 269 | 389 | 51.86 | B |
| 234 | 295 | 39.33 | D | 270 | 430 | 57.33 | B |
| 235 | 393 | 52.4 | B | 271 | 388 | 51.73 | B |
| 236 | 691 | 92.13 | A | 272 | 417 | 55.6 | B |
| 237 | 390 | 52 | B | 273 | 334 | 44.53 | C |
| 238 | 679 | 90.53 | A | 274 | 446 | 59.46 | B |
| 239 | 392 | 52.26 | B | 275 | 358 | 47.73 | C |
| 240 | 584 | 77.86 | A | 276 | 388 | 51.73 | B |
| 241 | 596 | 79.46 | A | 277 | 360 | 48 | C |
| 242 | 609 | 81.2 | A | 278 | 320 | 42.66 | C |
| 243 | 584 | 77.86 | A | 279 | 346 | 46.13 | C |
| 244 | 450 | 60 | B | 280 | 443 | 59.06 | B |
| 245 | 352 | 46.93 | C | 281 | 421 | 56.13 | B |
| 246 | 432 | 57.6 | B | 282 | 460 | 61.33 | B |
| 247 | 467 | 62.26 | B | 283 | 602 | 80.26 | A |
| 248 | 446 | 59.46 | B | 284 | 367 | 48.93 | C |
| 249 | 413 | 55.06 | B | 285 | 424 | 56.53 | B |
| 250 | 578 | 77.06 | A | 286 | 414 | 55.2 | B |
| 251 | 373 | 49.73 | C | 287 | 424 | 56.53 | B |
| 252 | 587 | 78.26 | A | 288 | 508 | 67.73 | B |
| 253 | 513 | 68.4 | B | 289 | 431 | 57.46 | B |
| 254 | 533 | 71.06 | A | 290 | 505 | 67.33 | B |
| 255 | 402 | 53.6 | B | 291 | 449 | 59.86 | B |
| 256 | 436 | 58.13 | B | 292 | 394 | 52.53 | B |
| 257 | 385 | 51.33 | B | 293 | 472 | 62.93 | B |
| 258 | 534 | 71.2 | A | 294 | 612 | 81.6 | A |
| 259 | 496 | 66.13 | B | 295 | 526 | 70.13 | B |
| 260 | 487 | 64.93 | B | 296 | 331 | 44.13 | C |
| 261 | 355 | 47.33 | C | 297 | 353 | 47.06 | C |
| 262 | 471 | 62.8 | B | 298 | 363 | 48.4 | C |

| अ.क्र. | प्राप्त गुण (मुले) | शेकड़वारी | श्रेणी | अ.क्र. | प्राप्त गुण (मुले) | शेकड़वारी | श्रेणी |
|--------|--------------------|-----------|--------|--------|--------------------|-----------|--------|
| 299 | 290 | 38.66 | D | 335 | 624 | 83.2 | A |
| 300 | 337 | 44.93 | C | 336 | 460 | 61.33 | B |
| 301 | 290 | 38.66 | D | 337 | 474 | 63.2 | B |
| 302 | 490 | 65.33 | B | 338 | 600 | 80 | A |
| 303 | 359 | 47.86 | C | 339 | 445 | 59.33 | B |
| 304 | 314 | 41.86 | C | 340 | 532 | 70.93 | B |
| 305 | 290 | 38.66 | D | 341 | 477 | 63.6 | B |
| 306 | 174 | 23.2 | D | 342 | 565 | 75.33 | A |
| 307 | 317 | 42.26 | C | 343 | 541 | 72.13 | A |
| 308 | 384 | 51.2 | B | 344 | 459 | 61.2 | B |
| 309 | 340 | 45.33 | C | 345 | 463 | 61.73 | B |
| 310 | 356 | 47.46 | C | 346 | 438 | 58.4 | B |
| 311 | 339 | 45.2 | C | 347 | 441 | 58.8 | B |
| 312 | 370 | 49.33 | C | 348 | 497 | 66.26 | B |
| 313 | 288 | 38.4 | D | 349 | 421 | 56.13 | B |
| 314 | 281 | 37.46 | D | 350 | 460 | 61.33 | B |
| 315 | 170 | 22.66 | D | 351 | 412 | 54.93 | B |
| 316 | 327 | 43.6 | C | 352 | 358 | 47.73 | C |
| 317 | 305 | 40.66 | D | 353 | 402 | 53.6 | B |
| 318 | 307 | 40.93 | D | 354 | 474 | 63.2 | B |
| 319 | 317 | 42.26 | C | 355 | 417 | 55.6 | B |
| 320 | 440 | 58.66 | B | 356 | 383 | 51.06 | B |
| 321 | 295 | 39.33 | D | 357 | 325 | 43.33 | C |
| 322 | 285 | 38 | D | 358 | 340 | 45.33 | C |
| 323 | 288 | 38.4 | D | 359 | 363 | 48.4 | C |
| 324 | 198 | 26.4 | D | 360 | 442 | 58.93 | B |
| 325 | 285 | 38 | D | 361 | 492 | 65.6 | B |
| 326 | 357 | 47.6 | C | 362 | 489 | 65.2 | B |
| 327 | 355 | 47.33 | C | 363 | 444 | 59.2 | B |
| 328 | 347 | 46.26 | C | 364 | 421 | 56.13 | B |
| 329 | 679 | 90.53 | A | 365 | 422 | 56.26 | B |
| 330 | 473 | 63.06 | B | 366 | 443 | 59.06 | B |
| 331 | 487 | 64.93 | B | 367 | 534 | 71.2 | A |
| 332 | 556 | 74.13 | A | 368 | 607 | 80.93 | A |
| 333 | 535 | 71.33 | A | 369 | 403 | 53.73 | B |
| 334 | 428 | 57.06 | B | 370 | 548 | 73.06 | A |

| अ.क्र. | प्राप्त गुण (मुले) | शेकड़ेवारी | श्रेणी | अ.क्र. | प्राप्त गुण (मुले) | शेकड़ेवारी | श्रेणी |
|--------|--------------------|------------|--------|--------|--------------------|------------|--------|
| 371 | 453 | 60.4 | B | 407 | 583 | 77.73 | A |
| 372 | 544 | 72.53 | A | 408 | 398 | 53.07 | B |
| 373 | 347 | 46.27 | C | 409 | 475 | 63.33 | B |
| 374 | 540 | 72 | A | 410 | 493 | 65.73 | B |
| 375 | 462 | 61.6 | B | 411 | 652 | 86.93 | A |
| 376 | 391 | 52.13 | B | 412 | 440 | 58.67 | B |
| 377 | 560 | 74.67 | A | 413 | 602 | 80.27 | A |
| 378 | 438 | 58.4 | B | 414 | 397 | 52.93 | B |
| 379 | 463 | 61.73 | B | 415 | 422 | 56.27 | B |
| 380 | 501 | 66.8 | B | 416 | 505 | 67.33 | B |
| 381 | 591 | 78.8 | A | 417 | 499 | 66.53 | B |
| 382 | 544 | 72.53 | A | 418 | 441 | 58.8 | B |
| 383 | 494 | 65.87 | B | 419 | 606 | 80.8 | A |
| 384 | 535 | 71.33 | A | 420 | 500 | 66.67 | B |
| 385 | 588 | 78.4 | A | 421 | 475 | 63.33 | B |
| 386 | 471 | 62.8 | B | 422 | 511 | 68.13 | B |
| 387 | 552 | 73.6 | A | 423 | 487 | 64.93 | B |
| 388 | 377 | 50.27 | C | 424 | 457 | 60.93 | B |
| 389 | 352 | 46.93 | C | 425 | 498 | 66.4 | B |
| 390 | 602 | 80.27 | A | 426 | 482 | 64.27 | B |
| 391 | 605 | 80.67 | A | 427 | 400 | 53.33 | B |
| 392 | 485 | 64.67 | B | 428 | 470 | 62.67 | B |
| 393 | 682 | 90.93 | A | 429 | 561 | 74.8 | A |
| 394 | 506 | 67.47 | B | 430 | 463 | 61.73 | B |
| 395 | 472 | 62.93 | B | 431 | 515 | 68.67 | B |
| 396 | 506 | 67.47 | B | 432 | 353 | 47.07 | C |
| 397 | 630 | 84 | A | 433 | 437 | 58.27 | B |
| 398 | 669 | 89.2 | A | 434 | 424 | 56.53 | B |
| 399 | 550 | 73.33 | A | 435 | 428 | 57.07 | B |
| 400 | 691 | 92.13 | A | 436 | 356 | 47.47 | C |
| 401 | 576 | 76.8 | A | 437 | 364 | 48.53 | C |
| 402 | 639 | 85.2 | A | 438 | 441 | 58.8 | B |
| 403 | 382 | 50.93 | C | 439 | 646 | 86.13 | A |
| 404 | 530 | 70.67 | B | 440 | 405 | 54 | B |
| 405 | 577 | 76.93 | A | 441 | 463 | 61.73 | B |
| 406 | 624 | 83.2 | A | 442 | 448 | 59.73 | B |

| अ.क्र. | प्राप्त गुण (मुले) | शेकड़ेवारी | श्रेणी | अ.क्र. | प्राप्त गुण (मुले) | शेकड़ेवारी | श्रेणी |
|--------|--------------------|------------|--------|--------|--------------------|------------|--------|
| 443 | 490 | 65.33 | B | 479 | 289 | 38.53 | D |
| 444 | 390 | 52 | B | 480 | 335 | 44.67 | C |
| 445 | 483 | 64.4 | B | 481 | 318 | 42.4 | C |
| 446 | 408 | 54.4 | B | 482 | 345 | 46 | C |
| 447 | 359 | 47.87 | C | 483 | 360 | 48 | C |
| 448 | 373 | 49.73 | C | 484 | 290 | 38.67 | D |
| 449 | 356 | 47.47 | C | 485 | 307 | 40.93 | D |
| 450 | 442 | 58.93 | B | 486 | 404 | 53.87 | B |
| 451 | 340 | 45.33 | C | 487 | 351 | 46.8 | C |
| 452 | 313 | 41.73 | C | 488 | 373 | 49.73 | C |
| 453 | 577 | 76.93 | A | 489 | 345 | 46 | C |
| 454 | 460 | 61.33 | B | 490 | 326 | 43.47 | C |
| 455 | 254 | 33.87 | D | 491 | 389 | 51.87 | B |
| 456 | 401 | 53.47 | B | 492 | 295 | 39.33 | D |
| 457 | 368 | 49.07 | C | 493 | 393 | 52.4 | B |
| 458 | 400 | 53.33 | B | 494 | 306 | 40.8 | D |
| 459 | 392 | 52.27 | B | 495 | 569 | 75.87 | A |
| 460 | 459 | 61.2 | B | 496 | 691 | 92.13 | A |
| 461 | 522 | 69.6 | B | 497 | 390 | 52 | B |
| 462 | 404 | 53.87 | B | 498 | 679 | 90.53 | A |
| 463 | 412 | 54.93 | B | 499 | 392 | 52.27 | B |
| 464 | 227 | 30.27 | D | 500 | 584 | 77.87 | A |
| 465 | 227 | 30.27 | D | 501 | 596 | 79.47 | A |
| 466 | 404 | 53.87 | B | 502 | 609 | 81.2 | A |
| 467 | 448 | 59.73 | B | 503 | 584 | 77.87 | A |
| 468 | 307 | 40.93 | D | 504 | 450 | 60 | B |
| 469 | 310 | 41.33 | C | 505 | 352 | 46.93 | C |
| 470 | 299 | 39.87 | D | 506 | 432 | 57.6 | B |
| 471 | 297 | 39.6 | D | 507 | 467 | 62.27 | B |
| 472 | 360 | 48 | C | 508 | 446 | 59.47 | B |
| 473 | 370 | 49.33 | C | 509 | 413 | 55.07 | B |
| 474 | 378 | 50.4 | C | 510 | 578 | 77.07 | A |
| 475 | 328 | 43.73 | C | 511 | 373 | 49.73 | C |
| 476 | 364 | 48.53 | C | 512 | 587 | 78.27 | A |
| 477 | 360 | 48 | C | 513 | 513 | 68.4 | B |
| 478 | 315 | 42 | C | 514 | 600 | 80 | A |

| अ.क्र. | प्राप्त गुण (मुले) | शेकड़ेवारी | श्रेणी | अ.क्र. | प्राप्त गुण (मुले) | शेकड़ेवारी | श्रेणी |
|--------|--------------------|------------|--------|--------|--------------------|------------|--------|
| 515 | 597 | 79.6 | A | 551 | 334 | 44.53 | C |
| 516 | 457 | 60.93 | B | 552 | 446 | 59.47 | B |
| 517 | 649 | 86.53 | A | 553 | 358 | 47.73 | C |
| 518 | 563 | 75.07 | A | 554 | 388 | 51.73 | B |
| 519 | 469 | 62.53 | B | 555 | 360 | 48 | C |
| 520 | 533 | 71.07 | A | 556 | 320 | 42.67 | C |
| 521 | 402 | 53.6 | B | 557 | 346 | 46.13 | C |
| 522 | 436 | 58.13 | B | 558 | 443 | 59.07 | B |
| 523 | 385 | 51.33 | B | 559 | 421 | 56.13 | B |
| 524 | 454 | 60.53 | B | 560 | 460 | 61.33 | B |
| 525 | 534 | 71.2 | A | 561 | 602 | 80.27 | A |
| 526 | 496 | 66.13 | B | 562 | 367 | 48.93 | C |
| 527 | 487 | 64.93 | B | 563 | 424 | 56.53 | B |
| 528 | 453 | 60.4 | B | 564 | 414 | 55.2 | B |
| 529 | 198 | 26.4 | D | 565 | 424 | 56.53 | B |
| 530 | 432 | 57.6 | B | 566 | 508 | 67.73 | B |
| 531 | 374 | 49.87 | C | 567 | 431 | 57.47 | B |
| 532 | 355 | 47.33 | C | 568 | 505 | 67.33 | B |
| 533 | 471 | 62.8 | B | 569 | 449 | 59.87 | B |
| 534 | 416 | 55.47 | B | 570 | 394 | 52.53 | B |
| 535 | 373 | 49.73 | C | 571 | 472 | 62.93 | B |
| 536 | 450 | 60 | B | 572 | 612 | 81.6 | A |
| 537 | 584 | 77.87 | A | 573 | 460 | 61.33 | B |
| 538 | 315 | 42 | C | 574 | 526 | 70.13 | B |
| 539 | 525 | 70 | B | 575 | 331 | 44.13 | C |
| 540 | 460 | 61.33 | B | 576 | 353 | 47.07 | C |
| 541 | 630 | 84 | A | 577 | 301 | 40.13 | D |
| 542 | 642 | 85.6 | A | 578 | 293 | 39.07 | D |
| 543 | 488 | 65.07 | B | 579 | 341 | 45.47 | C |
| 544 | 532 | 70.93 | B | 580 | 363 | 48.4 | C |
| 545 | 357 | 47.6 | C | 581 | 290 | 38.67 | D |
| 546 | 462 | 61.6 | B | 582 | 337 | 44.93 | C |
| 547 | 389 | 51.87 | B | 583 | 290 | 38.67 | D |
| 548 | 430 | 57.33 | B | 584 | 490 | 65.33 | B |
| 549 | 388 | 51.73 | B | 585 | 359 | 47.87 | C |
| 550 | 417 | 55.6 | B | 586 | 314 | 41.87 | C |

| अ.क्र. | प्राप्त गुण (मुले) | शेकड़ेवारी | श्रेणी | अ.क्र. | प्राप्त गुण (मुले) | शेकड़ेवारी | श्रेणी |
|--------|--------------------|------------|--------|--------|--------------------|------------|--------|
| 587 | 290 | 38.67 | D | 623 | 571 | 76.13 | A |
| 588 | 174 | 23.2 | D | 624 | 534 | 71.2 | A |
| 589 | 317 | 42.27 | C | 625 | 492 | 65.6 | B |
| 590 | 384 | 51.2 | B | 626 | 530 | 70.67 | B |
| 591 | 340 | 45.33 | C | 627 | 529 | 70.53 | B |
| 592 | 356 | 47.47 | C | 628 | 501 | 66.8 | B |
| 593 | 339 | 45.2 | C | 629 | 464 | 61.87 | B |
| 594 | 370 | 49.33 | C | 630 | 562 | 74.93 | A |
| 595 | 288 | 38.4 | D | 631 | 602 | 80.27 | A |
| 596 | 281 | 37.47 | D | 632 | 483 | 64.4 | B |
| 597 | 170 | 22.67 | D | 633 | 679 | 90.53 | A |
| 598 | 327 | 43.6 | C | 634 | 473 | 63.07 | B |
| 599 | 305 | 40.67 | D | 635 | 487 | 64.93 | B |
| 600 | 307 | 40.93 | D | 636 | 556 | 74.13 | A |
| 601 | 317 | 42.27 | C | 637 | 535 | 71.33 | A |
| 602 | 440 | 58.67 | B | 638 | 428 | 57.07 | B |
| 603 | 295 | 39.33 | D | 639 | 624 | 83.2 | A |
| 604 | 285 | 38 | D | 640 | 460 | 61.33 | B |
| 605 | 288 | 38.4 | D | 641 | 474 | 63.2 | B |
| 606 | 198 | 26.4 | D | 642 | 600 | 80 | A |
| 607 | 285 | 38 | D | 643 | 445 | 59.33 | B |
| 608 | 368 | 49.07 | C | 644 | 532 | 70.93 | B |
| 609 | 166 | 22.13 | D | 645 | 477 | 63.6 | B |
| 610 | 357 | 47.6 | C | 646 | 565 | 75.33 | A |
| 611 | 282 | 37.6 | D | 647 | 541 | 72.13 | A |
| 612 | 394 | 52.53 | B | 648 | 459 | 61.2 | B |
| 613 | 355 | 47.33 | C | 649 | 463 | 61.73 | B |
| 614 | 347 | 46.27 | C | 650 | 438 | 58.4 | B |
| 615 | 481 | 64.13 | B | 651 | 441 | 58.8 | B |
| 616 | 508 | 67.73 | B | 652 | 497 | 66.27 | B |
| 617 | 466 | 62.13 | B | 653 | 421 | 56.13 | B |
| 618 | 459 | 61.2 | B | 654 | 460 | 61.33 | B |
| 619 | 553 | 73.73 | A | 655 | 412 | 54.93 | B |
| 620 | 622 | 82.93 | A | 656 | 350 | 46.67 | C |
| 621 | 659 | 87.87 | A | 657 | 135 | 18 | D |
| 622 | 629 | 83.87 | A | 658 | 397 | 52.93 | B |

| अ.क्र. | प्राप्त गुण (मुले) | शेकडेवारी | श्रेणी | अ.क्र. | प्राप्त गुण (मुले) | शेकडेवारी | श्रेणी |
|------------|--------------------|-----------|--------|------------|--------------------|-----------|--------|
| 659 | 419 | 55.87 | B | 682 | 443 | 59.07 | B |
| 660 | 510 | 68 | B | 683 | 584 | 77.87 | A |
| 661 | 636 | 84.8 | A | 684 | 647 | 86.27 | A |
| 662 | 560 | 74.67 | A | 685 | 507 | 67.6 | B |
| 663 | 395 | 52.67 | B | 686 | 594 | 79.2 | A |
| 664 | 389 | 51.87 | B | 687 | 548 | 73.07 | A |
| 665 | 389 | 51.87 | B | 688 | 634 | 84.53 | A |
| 666 | 442 | 58.93 | B | 689 | 540 | 72 | A |
| 667 | 384 | 51.2 | B | 690 | 608 | 81.07 | A |
| 668 | 358 | 47.73 | C | 691 | 571 | 76.13 | A |
| 669 | 402 | 53.6 | B | 692 | 455 | 60.67 | B |
| 670 | 474 | 63.2 | B | 693 | 591 | 78.8 | A |
| 671 | 417 | 55.6 | B | 694 | 599 | 79.87 | A |
| 672 | 383 | 51.07 | B | 695 | 519 | 69.2 | B |
| 673 | 325 | 43.33 | C | 696 | 409 | 54.53 | B |
| 674 | 340 | 45.33 | C | 697 | 499 | 66.53 | B |
| 675 | 363 | 48.4 | C | 698 | 583 | 77.73 | A |
| 676 | 442 | 58.93 | B | 699 | 423 | 56.4 | B |
| 677 | 492 | 65.6 | B | 700 | 532 | 70.93 | B |
| 678 | 489 | 65.2 | B | 701 | 573 | 76.4 | A |
| 679 | 444 | 59.2 | B | 702 | 440 | 58.67 | B |
| 680 | 421 | 56.13 | B | 703 | 327 | 43.6 | C |
| 681 | 422 | 56.27 | B | 704 | 657 | 87.6 | A |

| अ.क्र. | प्राप्त गुण (मुली) | शेकडेवारी | श्रेणी | अ.क्र. | प्राप्त गुण (मुली) | शेकडेवारी | श्रेणी |
|--------|--------------------|-----------|--------|--------|--------------------|-----------|--------|
| 1 | 460 | 61.333 | B | 35 | 453 | 60.4 | B |
| 2 | 554 | 73.867 | A | 36 | 470 | 62.667 | B |
| 3 | 386 | 51.467 | B | 37 | 529 | 70.533 | B |
| 4 | 625 | 83.333 | A | 38 | 407 | 54.267 | B |
| 5 | 614 | 81.867 | A | 39 | 525 | 70 | B |
| 6 | 720 | 96 | A | 40 | 554 | 73.867 | A |
| 7 | 442 | 58.933 | B | 41 | 668 | 89.067 | A |
| 8 | 601 | 80.133 | A | 42 | 574 | 76.533 | A |
| 9 | 639 | 85.2 | A | 43 | 397 | 52.933 | B |
| 10 | 473 | 63.067 | B | 44 | 422 | 56.267 | B |
| 11 | 602 | 80.267 | A | 45 | 505 | 67.333 | B |
| 12 | 583 | 77.733 | A | 46 | 499 | 66.533 | B |
| 13 | 363 | 48.4 | C | 47 | 441 | 58.8 | B |
| 14 | 362 | 48.267 | C | 48 | 606 | 80.8 | A |
| 15 | 448 | 59.733 | B | 49 | 500 | 66.667 | B |
| 16 | 552 | 73.6 | A | 50 | 475 | 63.333 | B |
| 17 | 543 | 72.4 | A | 51 | 511 | 68.133 | B |
| 18 | 434 | 57.867 | B | 52 | 487 | 64.933 | B |
| 19 | 642 | 85.6 | A | 53 | 457 | 60.933 | B |
| 20 | 495 | 66 | B | 54 | 498 | 66.4 | B |
| 21 | 565 | 75.333 | A | 55 | 482 | 64.267 | B |
| 22 | 567 | 75.6 | A | 56 | 400 | 53.333 | B |
| 23 | 419 | 55.867 | B | 57 | 470 | 62.667 | B |
| 24 | 299 | 39.867 | D | 58 | 561 | 74.8 | A |
| 25 | 528 | 70.4 | B | 59 | 463 | 61.733 | B |
| 26 | 490 | 65.333 | B | 60 | 515 | 68.667 | B |
| 27 | 602 | 80.267 | A | 61 | 353 | 47.067 | C |
| 28 | 648 | 86.4 | A | 62 | 437 | 58.267 | B |
| 29 | 662 | 88.267 | A | 63 | 424 | 56.533 | B |
| 30 | 521 | 69.467 | B | 64 | 428 | 57.067 | B |
| 31 | 578 | 77.067 | A | 65 | 356 | 47.467 | C |
| 32 | 470 | 62.667 | B | 66 | 364 | 48.533 | C |
| 33 | 389 | 51.867 | B | 67 | 441 | 58.8 | B |
| 34 | 629 | 83.867 | A | 68 | 646 | 86.133 | A |

| अ.क्र. | प्राप्त गुण (मुली) | शेकड़ेवारी | श्रेणी | अ.क्र. | प्राप्त गुण (मुली) | शेकड़ेवारी | श्रेणी |
|--------|--------------------|------------|--------|--------|--------------------|------------|--------|
| 69 | 405 | 54 | B | 106 | 335 | 44.667 | C |
| 70 | 463 | 61.733 | B | 107 | 340 | 45.333 | C |
| 71 | 448 | 59.733 | B | 108 | 313 | 41.733 | C |
| 72 | 490 | 65.333 | B | 109 | 577 | 76.933 | A |
| 73 | 390 | 52 | B | 110 | 499 | 66.533 | B |
| 74 | 483 | 64.4 | B | 111 | 460 | 61.333 | B |
| 75 | 408 | 54.4 | B | 112 | 554 | 73.867 | A |
| 76 | 359 | 47.867 | C | 113 | 386 | 51.467 | B |
| 77 | 373 | 49.733 | C | 114 | 625 | 83.333 | A |
| 78 | 356 | 47.467 | C | 115 | 614 | 81.867 | A |
| 79 | 442 | 58.933 | B | 116 | 720 | 96 | A |
| 80 | 346 | 46.133 | C | 117 | 442 | 58.933 | B |
| 81 | 433 | 57.733 | B | 118 | 601 | 80.133 | A |
| 82 | 340 | 45.333 | C | 119 | 639 | 85.2 | A |
| 83 | 406 | 54.133 | B | 120 | 473 | 63.067 | B |
| 84 | 557 | 74.267 | A | 121 | 602 | 80.267 | A |
| 85 | 478 | 63.733 | B | 122 | 583 | 77.733 | A |
| 86 | 546 | 72.8 | A | 123 | 363 | 48.4 | C |
| 87 | 516 | 68.8 | B | 124 | 362 | 48.267 | C |
| 88 | 335 | 44.667 | C | 125 | 448 | 59.733 | B |
| 89 | 375 | 50 | C | 126 | 552 | 73.6 | A |
| 90 | 348 | 46.4 | C | 127 | 543 | 72.4 | A |
| 91 | 455 | 60.667 | B | 128 | 434 | 57.867 | B |
| 92 | 407 | 54.267 | B | 129 | 642 | 85.6 | A |
| 93 | 325 | 43.333 | C | 130 | 495 | 66 | B |
| 94 | 314 | 41.867 | C | 131 | 565 | 75.333 | A |
| 95 | 300 | 40 | D | 132 | 567 | 75.6 | A |
| 96 | 378 | 50.4 | C | 133 | 419 | 55.867 | B |
| 97 | 418 | 55.733 | B | 134 | 299 | 39.867 | D |
| 98 | 475 | 63.333 | B | 135 | 528 | 70.4 | B |
| 99 | 158 | 21.067 | D | 136 | 490 | 65.333 | B |
| 100 | 402 | 53.6 | B | 137 | 602 | 80.267 | A |
| 101 | 323 | 43.067 | C | 138 | 648 | 86.4 | A |
| 102 | 422 | 56.267 | B | 139 | 662 | 88.267 | A |
| 103 | 403 | 53.733 | B | 140 | 521 | 69.467 | B |
| 104 | 444 | 59.2 | B | 141 | 578 | 77.067 | A |
| 105 | 443 | 59.067 | B | 142 | 470 | 62.667 | B |

| अ.क्र. | प्राप्त गुण (मुली) | शेकड़ेवारी | श्रेणी | अ.क्र. | प्राप्त गुण (मुली) | शेकड़ेवारी | श्रेणी |
|--------|--------------------|------------|--------|--------|--------------------|------------|--------|
| 143 | 389 | 51.867 | B | 180 | 463 | 61.733 | B |
| 144 | 629 | 83.867 | A | 181 | 448 | 59.733 | B |
| 145 | 453 | 60.4 | B | 182 | 490 | 65.333 | B |
| 146 | 470 | 62.667 | B | 183 | 390 | 52 | B |
| 147 | 529 | 70.533 | B | 184 | 483 | 64.4 | B |
| 148 | 407 | 54.267 | B | 185 | 408 | 54.4 | B |
| 149 | 525 | 70 | B | 186 | 359 | 47.867 | C |
| 150 | 554 | 73.867 | A | 187 | 373 | 49.733 | C |
| 151 | 668 | 89.067 | A | 188 | 356 | 47.467 | C |
| 152 | 574 | 76.533 | A | 189 | 442 | 58.933 | B |
| 153 | 397 | 52.933 | B | 190 | 346 | 46.133 | C |
| 154 | 422 | 56.267 | B | 191 | 433 | 57.733 | B |
| 155 | 505 | 67.333 | B | 192 | 340 | 45.333 | C |
| 156 | 499 | 66.533 | B | 193 | 406 | 54.133 | B |
| 157 | 441 | 58.8 | B | 194 | 557 | 74.267 | A |
| 158 | 606 | 80.8 | A | 195 | 478 | 63.733 | B |
| 159 | 500 | 66.667 | B | 196 | 546 | 72.8 | A |
| 160 | 475 | 63.333 | B | 197 | 516 | 68.8 | B |
| 161 | 511 | 68.133 | B | 198 | 335 | 44.667 | C |
| 162 | 487 | 64.933 | B | 199 | 443 | 59.067 | B |
| 163 | 457 | 60.933 | B | 200 | 584 | 77.867 | A |
| 164 | 498 | 66.4 | B | 201 | 647 | 86.267 | A |
| 165 | 482 | 64.267 | B | 202 | 507 | 67.6 | B |
| 166 | 400 | 53.333 | B | 203 | 594 | 79.2 | A |
| 167 | 470 | 62.667 | B | 204 | 548 | 73.067 | A |
| 168 | 561 | 74.8 | A | 205 | 634 | 84.533 | A |
| 169 | 463 | 61.733 | B | 206 | 540 | 72 | A |
| 170 | 515 | 68.667 | B | 207 | 608 | 81.067 | A |
| 171 | 353 | 47.067 | C | 208 | 571 | 76.133 | A |
| 172 | 437 | 58.267 | B | 209 | 440 | 58.667 | B |
| 173 | 424 | 56.533 | B | 210 | 327 | 43.6 | C |
| 174 | 428 | 57.067 | B | 211 | 657 | 87.6 | A |
| 175 | 356 | 47.467 | C | 212 | 495 | 66 | B |
| 176 | 364 | 48.533 | C | 213 | 605 | 80.667 | A |
| 177 | 441 | 58.8 | B | 214 | 448 | 59.733 | B |
| 178 | 646 | 86.133 | A | 215 | 522 | 69.6 | B |
| 179 | 405 | 54 | B | 216 | 562 | 74.933 | A |

| अ.क्र. | प्राप्त गुण (मुली) | शेकड़ेवारी | श्रेणी | अ.क्र. | प्राप्त गुण (मुली) | शेकड़ेवारी | श्रेणी |
|--------|--------------------|------------|--------|--------|--------------------|------------|--------|
| 217 | 618 | 82.4 | A | 254 | 625 | 83.33 | A |
| 218 | 534 | 71.2 | A | 255 | 489 | 65.2 | B |
| 219 | 607 | 80.93 | A | 256 | 396 | 52.8 | B |
| 220 | 403 | 53.73 | B | 257 | 476 | 63.47 | B |
| 221 | 544 | 72.53 | A | 258 | 488 | 65.07 | B |
| 222 | 347 | 46.27 | C | 259 | 486 | 64.8 | B |
| 223 | 462 | 61.6 | B | 260 | 481 | 64.13 | B |
| 224 | 391 | 52.13 | B | 261 | 536 | 71.47 | A |
| 225 | 560 | 74.67 | A | 262 | 442 | 58.93 | B |
| 226 | 544 | 72.53 | A | 263 | 670 | 89.33 | A |
| 227 | 494 | 65.87 | B | 264 | 524 | 69.87 | B |
| 228 | 377 | 50.27 | C | 265 | 614 | 81.87 | A |
| 229 | 352 | 46.93 | C | 266 | 623 | 83.07 | A |
| 230 | 548 | 73.07 | A | 267 | 654 | 87.2 | A |
| 231 | 377 | 50.27 | C | 268 | 581 | 77.47 | A |
| 232 | 418 | 55.73 | B | 269 | 629 | 83.87 | A |
| 233 | 365 | 48.67 | C | 270 | 654 | 87.2 | A |
| 234 | 473 | 63.07 | B | 271 | 644 | 85.87 | A |
| 235 | 555 | 74 | A | 272 | 644 | 85.87 | A |
| 236 | 527 | 70.27 | B | 273 | 414 | 55.2 | B |
| 237 | 354 | 47.2 | C | 274 | 516 | 68.8 | B |
| 238 | 481 | 64.13 | B | 275 | 443 | 59.07 | B |
| 239 | 395 | 52.67 | B | 276 | 367 | 48.93 | C |
| 240 | 389 | 51.87 | B | 277 | 412 | 54.93 | B |
| 241 | 384 | 51.2 | B | 278 | 662 | 88.27 | A |
| 242 | 461 | 61.47 | B | 279 | 495 | 66 | B |
| 243 | 485 | 64.67 | B | 280 | 357 | 47.6 | C |
| 244 | 633 | 84.4 | A | 281 | 414 | 55.2 | B |
| 245 | 686 | 91.47 | A | 282 | 390 | 52 | B |
| 246 | 318 | 42.4 | C | 283 | 439 | 58.53 | B |
| 247 | 589 | 78.53 | A | 284 | 358 | 47.73 | C |
| 248 | 435 | 58 | B | 285 | 335 | 44.67 | C |
| 249 | 538 | 71.73 | A | 286 | 288 | 38.4 | D |
| 250 | 440 | 58.67 | B | 287 | 345 | 46 | C |
| 251 | 564 | 75.2 | A | 288 | 386 | 51.47 | B |
| 252 | 490 | 65.33 | B | 289 | 453 | 60.4 | B |
| 253 | 626 | 83.47 | A | 290 | 435 | 58 | B |

| अ.क्र. | प्राप्त गुण (मुली) | शेकडेवारी | श्रेणी | अ.क्र. | प्राप्त गुण (मुली) | शेकडेवारी | श्रेणी |
|--------|--------------------|-----------|--------|--------|--------------------|-----------|--------|
| 291 | 476 | 63.47 | B | 328 | 578 | 77.07 | A |
| 292 | 530 | 70.67 | B | 329 | 359 | 47.87 | C |
| 293 | 442 | 58.93 | B | 330 | 612 | 81.6 | A |
| 294 | 404 | 53.87 | B | 331 | 636 | 84.8 | A |
| 295 | 452 | 60.27 | B | 332 | 699 | 93.2 | A |
| 296 | 452 | 60.27 | B | 333 | 645 | 86 | A |
| 297 | 437 | 58.27 | B | 334 | 640 | 85.33 | A |
| 298 | 331 | 44.13 | C | 335 | 537 | 71.6 | A |
| 299 | 586 | 78.13 | A | 336 | 580 | 77.33 | A |
| 300 | 511 | 68.13 | B | 337 | 639 | 85.2 | A |
| 301 | 490 | 65.33 | B | 338 | 671 | 89.47 | A |
| 302 | 592 | 78.93 | A | 339 | 513 | 68.4 | B |
| 303 | 452 | 60.27 | B | 340 | 700 | 93.33 | A |
| 304 | 603 | 80.4 | A | 341 | 576 | 76.8 | A |
| 305 | 604 | 80.53 | A | 342 | 552 | 73.6 | A |
| 306 | 653 | 87.07 | A | 343 | 656 | 87.47 | A |
| 307 | 622 | 82.93 | A | 344 | 640 | 85.33 | A |
| 308 | 576 | 76.8 | A | 345 | 681 | 90.8 | A |
| 309 | 665 | 88.67 | A | 346 | 670 | 89.33 | A |
| 310 | 496 | 66.13 | B | 347 | 600 | 80 | A |
| 311 | 627 | 83.6 | A | 348 | 612 | 81.6 | A |
| 312 | 481 | 64.13 | B | 349 | 700 | 93.33 | A |
| 313 | 595 | 79.33 | A | 350 | 713 | 95.07 | A |
| 314 | 475 | 63.33 | B | 351 | 564 | 75.2 | A |
| 315 | 557 | 74.27 | A | 352 | 643 | 85.73 | A |
| 316 | 601 | 80.13 | A | 353 | 602 | 80.27 | A |
| 317 | 509 | 67.87 | B | 354 | 522 | 69.6 | B |
| 318 | 632 | 84.27 | A | 355 | 587 | 78.27 | A |
| 319 | 670 | 89.33 | A | 356 | 569 | 75.87 | A |
| 320 | 681 | 90.8 | A | 357 | 442 | 58.93 | B |
| 321 | 489 | 65.2 | B | 358 | 490 | 65.33 | B |
| 322 | 518 | 69.07 | B | 359 | 552 | 73.6 | A |
| 323 | 349 | 46.53 | C | 360 | 518 | 69.07 | B |
| 324 | 719 | 95.87 | A | 361 | 539 | 71.87 | A |
| 325 | 619 | 82.53 | A | 362 | 413 | 55.07 | B |
| 326 | 561 | 74.8 | A | 363 | 566 | 75.47 | A |
| 327 | 502 | 66.93 | B | 364 | 615 | 82 | A |

| अ.क्र. | प्राप्त गुण (मुली) | शेकडेवारी | श्रेणी | अ.क्र. | प्राप्त गुण (मुली) | शेकडेवारी | श्रेणी |
|--------|--------------------|-----------|--------|--------|--------------------|-----------|--------|
| 365 | 660 | 88 | A | 402 | 614 | 81.87 | A |
| 366 | 591 | 78.8 | A | 403 | 646 | 86.13 | A |
| 367 | 534 | 71.2 | A | 404 | 629 | 83.87 | A |
| 368 | 442 | 58.93 | B | 405 | 672 | 89.6 | A |
| 369 | 602 | 80.27 | A | 406 | 506 | 67.47 | B |
| 370 | 536 | 71.47 | A | 407 | 531 | 70.8 | B |
| 371 | 573 | 76.4 | A | 408 | 346 | 46.13 | C |
| 372 | 385 | 51.33 | B | 409 | 561 | 74.8 | A |
| 373 | 508 | 67.73 | B | 410 | 374 | 49.87 | C |
| 374 | 526 | 70.13 | B | 411 | 667 | 88.93 | A |
| 375 | 479 | 63.87 | B | 412 | 590 | 78.67 | A |
| 376 | 500 | 66.67 | B | 413 | 590 | 78.67 | A |
| 377 | 553 | 73.73 | A | 414 | 546 | 72.8 | A |
| 378 | 582 | 77.6 | A | 415 | 381 | 50.8 | C |
| 379 | 502 | 66.93 | B | 416 | 390 | 52 | B |
| 380 | 528 | 70.4 | B | 417 | 535 | 71.33 | A |
| 381 | 547 | 72.93 | A | 418 | 370 | 49.33 | C |
| 382 | 573 | 76.4 | A | 419 | 550 | 73.33 | A |
| 383 | 672 | 89.6 | A | 420 | 581 | 77.47 | A |
| 384 | 559 | 74.53 | A | 421 | 522 | 69.6 | B |
| 385 | 612 | 81.6 | A | 422 | 535 | 71.33 | A |
| 386 | 685 | 91.33 | A | 423 | 505 | 67.33 | B |
| 387 | 634 | 84.53 | A | 424 | 548 | 73.07 | A |
| 388 | 657 | 87.6 | A | 425 | 576 | 76.8 | A |
| 389 | 378 | 50.4 | C | 426 | 555 | 74 | A |
| 390 | 458 | 61.07 | B | 427 | 642 | 85.6 | A |
| 391 | 324 | 43.2 | C | 428 | 470 | 62.67 | B |
| 392 | 534 | 71.2 | A | 429 | 437 | 58.27 | B |
| 393 | 382 | 50.93 | C | 430 | 578 | 77.07 | A |
| 394 | 545 | 72.67 | A | 431 | 460 | 61.33 | B |
| 395 | 531 | 70.8 | B | 432 | 596 | 79.47 | A |
| 396 | 604 | 80.53 | A | 433 | 494 | 65.87 | B |
| 397 | 493 | 65.73 | B | 434 | 411 | 54.8 | B |
| 398 | 577 | 76.93 | A | 435 | 415 | 55.33 | B |
| 399 | 468 | 62.4 | B | 436 | 535 | 71.33 | A |
| 400 | 528 | 70.4 | B | 437 | 575 | 76.67 | A |
| 401 | 600 | 80 | A | 438 | 532 | 70.93 | B |

| अ.क्र. | प्राप्त गुण (मुली) | शेकड़ेवारी | श्रेणी | अ.क्र. | प्राप्त गुण (मुली) | शेकड़ेवारी | श्रेणी |
|--------|--------------------|------------|--------|--------|--------------------|------------|--------|
| 439 | 482 | 64.27 | B | 476 | 407 | 54.27 | B |
| 440 | 479 | 63.87 | B | 477 | 327 | 43.6 | C |
| 441 | 455 | 60.67 | B | 478 | 377 | 50.27 | C |
| 442 | 595 | 79.33 | A | 479 | 456 | 60.8 | B |
| 443 | 565 | 75.33 | A | 480 | 358 | 47.73 | C |
| 444 | 487 | 64.93 | B | 481 | 433 | 57.73 | B |
| 445 | 481 | 64.13 | B | 482 | 455 | 60.67 | B |
| 446 | 674 | 89.87 | A | 483 | 346 | 46.13 | C |
| 447 | 588 | 78.4 | A | 484 | 491 | 65.47 | B |
| 448 | 559 | 74.53 | A | 485 | 444 | 59.2 | B |
| 449 | 566 | 75.47 | A | 486 | 371 | 49.47 | C |
| 450 | 681 | 90.8 | A | 487 | 291 | 38.8 | D |
| 451 | 495 | 66 | B | 488 | 452 | 60.27 | B |
| 452 | 505 | 67.33 | B | 489 | 407 | 54.27 | B |
| 453 | 525 | 70 | B | 490 | 405 | 54 | B |
| 454 | 701 | 93.47 | A | 491 | 431 | 57.47 | B |
| 455 | 482 | 64.27 | B | 492 | 322 | 42.93 | C |
| 456 | 649 | 86.53 | A | 493 | 517 | 68.93 | B |
| 457 | 307 | 40.93 | D | 494 | 363 | 48.4 | C |
| 458 | 494 | 65.87 | B | 495 | 342 | 45.6 | C |
| 459 | 466 | 62.13 | B | 496 | 364 | 48.53 | C |
| 460 | 419 | 55.87 | B | 497 | 634 | 84.53 | A |
| 461 | 422 | 56.27 | B | 498 | 564 | 75.2 | A |
| 462 | 373 | 49.73 | C | 499 | 353 | 47.07 | C |
| 463 | 445 | 59.33 | B | 500 | 559 | 74.53 | A |
| 464 | 472 | 62.93 | B | 501 | 380 | 50.67 | C |
| 465 | 556 | 74.13 | A | 502 | 551 | 73.47 | A |
| 466 | 496 | 66.13 | B | 503 | 539 | 71.87 | A |
| 467 | 630 | 84 | A | 504 | 527 | 70.27 | B |
| 468 | 532 | 70.93 | B | 505 | 349 | 46.53 | C |
| 469 | 319 | 42.53 | C | 506 | 388 | 51.73 | B |
| 470 | 366 | 48.8 | C | 507 | 318 | 42.4 | C |
| 471 | 331 | 44.13 | C | 508 | 423 | 56.4 | B |
| 472 | 357 | 47.6 | C | 509 | 379 | 50.53 | C |
| 473 | 399 | 53.2 | B | 510 | 520 | 69.33 | B |
| 474 | 419 | 55.87 | B | 511 | 416 | 55.47 | B |
| 475 | 415 | 55.33 | B | 512 | 496 | 66.13 | B |

| अ.क्र. | प्राप्त गुण (मुली) | शेकड़ेवारी | श्रेणी | अ.क्र. | प्राप्त गुण (मुली) | शेकड़ेवारी | श्रेणी |
|--------|--------------------|------------|--------|--------|--------------------|------------|--------|
| 513 | 322 | 42.93 | C | 550 | 384 | 51.2 | B |
| 514 | 514 | 68.53 | B | 551 | 392 | 52.27 | B |
| 515 | 678 | 90.4 | A | 552 | 365 | 48.67 | C |
| 516 | 505 | 67.33 | B | 553 | 399 | 53.2 | B |
| 517 | 534 | 71.2 | A | 554 | 281 | 37.47 | D |
| 518 | 450 | 60 | B | 555 | 352 | 46.93 | C |
| 519 | 474 | 63.2 | B | 556 | 442 | 58.93 | B |
| 520 | 405 | 54 | B | 557 | 358 | 47.73 | C |
| 521 | 454 | 60.53 | B | 558 | 320 | 42.67 | C |
| 522 | 392 | 52.27 | B | 559 | 344 | 45.87 | C |
| 523 | 476 | 63.47 | B | 560 | 331 | 44.13 | C |
| 524 | 379 | 50.53 | C | 561 | 228 | 30.4 | D |
| 525 | 241 | 32.13 | D | 562 | 373 | 49.73 | C |
| 526 | 415 | 55.33 | B | 563 | 367 | 48.93 | C |
| 527 | 462 | 61.6 | B | 564 | 654 | 87.2 | A |
| 528 | 518 | 69.07 | B | 565 | 358 | 47.73 | C |
| 529 | 363 | 48.4 | C | 566 | 310 | 41.33 | C |
| 530 | 463 | 61.73 | B | 567 | 396 | 52.8 | B |
| 531 | 411 | 54.8 | B | 568 | 373 | 49.73 | C |
| 532 | 452 | 60.27 | B | 569 | 518 | 69.07 | B |
| 533 | 628 | 83.73 | A | 570 | 386 | 51.47 | B |
| 534 | 406 | 54.13 | B | 571 | 431 | 57.47 | B |
| 535 | 559 | 74.53 | A | 572 | 342 | 45.6 | C |
| 536 | 531 | 70.8 | B | 573 | 399 | 53.2 | B |
| 537 | 602 | 80.27 | A | 574 | 479 | 63.87 | B |
| 538 | 398 | 53.07 | B | 575 | 395 | 52.67 | B |
| 539 | 445 | 59.33 | B | 576 | 536 | 71.47 | A |
| 540 | 655 | 87.33 | A | 577 | 369 | 49.2 | C |
| 541 | 434 | 57.87 | B | 578 | 436 | 58.13 | B |
| 542 | 617 | 82.27 | A | 579 | 347 | 46.27 | C |
| 543 | 490 | 65.33 | B | 580 | 452 | 60.27 | B |
| 544 | 406 | 54.13 | B | 581 | 344 | 45.87 | C |
| 545 | 596 | 79.47 | A | 582 | 384 | 51.2 | B |
| 546 | 409 | 54.53 | B | 583 | 220 | 29.33 | D |
| 547 | 363 | 48.4 | C | 584 | 379 | 50.53 | C |
| 548 | 394 | 52.53 | B | 585 | 205 | 27.33 | D |
| 549 | 304 | 40.53 | D | 586 | 299 | 39.87 | D |

| अ.क्र. | प्राप्त गुण (मुली) | शेकड़ेवारी | श्रेणी | अ.क्र. | प्राप्त गुण (मुली) | शेकड़ेवारी | श्रेणी |
|--------|--------------------|------------|--------|--------|--------------------|------------|--------|
| 587 | 362 | 48.27 | C | 624 | 522 | 69.6 | B |
| 588 | 473 | 63.07 | B | 625 | 404 | 53.87 | B |
| 589 | 444 | 59.2 | B | 626 | 412 | 54.93 | B |
| 590 | 212 | 28.27 | D | 627 | 227 | 30.27 | D |
| 591 | 439 | 58.53 | B | 628 | 227 | 30.27 | D |
| 592 | 244 | 32.53 | D | 629 | 404 | 53.87 | B |
| 593 | 342 | 45.6 | C | 630 | 448 | 59.73 | B |
| 594 | 376 | 50.13 | C | 631 | 307 | 40.93 | D |
| 595 | 265 | 35.33 | D | 632 | 310 | 41.33 | C |
| 596 | 363 | 48.4 | C | 633 | 360 | 48 | C |
| 597 | 457 | 60.93 | B | 634 | 370 | 49.33 | C |
| 598 | 306 | 40.8 | D | 635 | 378 | 50.4 | C |
| 599 | 314 | 41.87 | C | 636 | 328 | 43.73 | C |
| 600 | 316 | 42.13 | C | 637 | 364 | 48.53 | C |
| 601 | 342 | 45.6 | C | 638 | 360 | 48 | C |
| 602 | 244 | 32.53 | D | 639 | 318 | 42.4 | C |
| 603 | 363 | 48.4 | C | 640 | 345 | 46 | C |
| 604 | 312 | 41.6 | C | 641 | 360 | 48 | C |
| 605 | 257 | 34.27 | D | 642 | 326 | 43.47 | C |
| 606 | 358 | 47.73 | C | 643 | 306 | 40.8 | D |
| 607 | 416 | 55.47 | B | 644 | 569 | 75.87 | A |
| 608 | 370 | 49.33 | C | 645 | 600 | 80 | A |
| 609 | 375 | 50 | C | 646 | 597 | 79.6 | A |
| 610 | 383 | 51.07 | B | 647 | 457 | 60.93 | B |
| 611 | 414 | 55.2 | B | 648 | 649 | 86.53 | A |
| 612 | 497 | 66.27 | B | 649 | 563 | 75.07 | A |
| 613 | 397 | 52.93 | B | 650 | 469 | 62.53 | B |
| 614 | 230 | 30.67 | D | 651 | 454 | 60.53 | B |
| 615 | 351 | 46.8 | C | 652 | 453 | 60.4 | B |
| 616 | 522 | 69.6 | B | 653 | 198 | 26.4 | D |
| 617 | 460 | 61.33 | B | 654 | 432 | 57.6 | B |
| 618 | 254 | 33.87 | D | 655 | 374 | 49.87 | C |
| 619 | 401 | 53.47 | B | 656 | 373 | 49.73 | C |
| 620 | 368 | 49.07 | C | 657 | 450 | 60 | B |
| 621 | 400 | 53.33 | B | 658 | 525 | 70 | B |
| 622 | 392 | 52.27 | B | 659 | 460 | 61.33 | B |
| 623 | 459 | 61.2 | B | 660 | 630 | 84 | A |

| अ.क्र. | प्राप्त गुण (मुली) | शेकड़ेवारी | श्रेणी | अ.क्र. | प्राप्त गुण (मुली) | शेकड़ेवारी | श्रेणी |
|--------|--------------------|------------|--------|--------|--------------------|------------|--------|
| 661 | 642 | 85.6 | A | 698 | 389 | 51.87 | B |
| 662 | 532 | 70.93 | B | 699 | 442 | 58.93 | B |
| 663 | 460 | 61.33 | B | 700 | 384 | 51.2 | B |
| 664 | 301 | 40.13 | D | 701 | 584 | 77.87 | A |
| 665 | 293 | 39.07 | D | 702 | 647 | 86.27 | A |
| 666 | 341 | 45.47 | C | 703 | 507 | 67.6 | B |
| 667 | 368 | 49.07 | C | 704 | 594 | 79.2 | A |
| 668 | 166 | 22.13 | D | 705 | 548 | 73.07 | A |
| 669 | 282 | 37.6 | D | 706 | 634 | 84.53 | A |
| 670 | 394 | 52.53 | B | 707 | 540 | 72 | A |
| 671 | 481 | 64.13 | B | 708 | 608 | 81.07 | A |
| 672 | 508 | 67.73 | B | 709 | 571 | 76.13 | A |
| 673 | 466 | 62.13 | B | 710 | 455 | 60.67 | B |
| 674 | 459 | 61.2 | B | 711 | 591 | 78.8 | A |
| 675 | 553 | 73.73 | A | 712 | 599 | 79.87 | A |
| 676 | 622 | 82.93 | A | 713 | 519 | 69.2 | B |
| 677 | 659 | 87.87 | A | 714 | 409 | 54.53 | B |
| 678 | 629 | 83.87 | A | 715 | 499 | 66.53 | B |
| 679 | 571 | 76.13 | A | 716 | 583 | 77.73 | A |
| 680 | 534 | 71.2 | A | 717 | 423 | 56.4 | B |
| 681 | 492 | 65.6 | B | 718 | 532 | 70.93 | B |
| 682 | 530 | 70.67 | B | 719 | 573 | 76.4 | A |
| 683 | 529 | 70.53 | B | 720 | 440 | 58.67 | B |
| 684 | 501 | 66.8 | B | 721 | 327 | 43.6 | C |
| 685 | 464 | 61.87 | B | 722 | 657 | 87.6 | A |
| 686 | 562 | 74.93 | A | 723 | 495 | 66 | B |
| 687 | 602 | 80.27 | A | 724 | 605 | 80.67 | A |
| 688 | 483 | 64.4 | B | 725 | 448 | 59.73 | B |
| 689 | 350 | 46.67 | C | 726 | 522 | 69.6 | B |
| 690 | 135 | 18 | D | 727 | 562 | 74.93 | A |
| 691 | 397 | 52.93 | B | 728 | 618 | 82.4 | A |
| 692 | 419 | 55.87 | B | 729 | 670 | 89.33 | A |
| 693 | 510 | 68 | B | 730 | 440 | 58.67 | B |
| 694 | 636 | 84.8 | A | 731 | 540 | 72 | A |
| 695 | 560 | 74.67 | A | 732 | 534 | 71.2 | A |
| 696 | 395 | 52.67 | B | 733 | 585 | 78 | A |
| 697 | 389 | 51.87 | B | 734 | 663 | 88.4 | A |

| अ.क्र. | प्राप्त गुण (मुली) | शेकड़ेवारी | श्रेणी | अ.क्र. | प्राप्त गुण (मुली) | शेकड़ेवारी | श्रेणी |
|--------|--------------------|------------|--------|--------|--------------------|------------|--------|
| 735 | 667 | 88.93 | A | 772 | 470 | 62.67 | B |
| 736 | 713 | 95.07 | A | 773 | 529 | 70.53 | B |
| 737 | 529 | 70.53 | B | 774 | 407 | 54.27 | B |
| 738 | 460 | 61.33 | B | 775 | 525 | 70 | B |
| 739 | 554 | 73.87 | A | 776 | 554 | 73.87 | A |
| 740 | 386 | 51.47 | B | 777 | 668 | 89.07 | A |
| 741 | 625 | 83.33 | A | 778 | 574 | 76.53 | A |
| 742 | 614 | 81.87 | A | 779 | 346 | 46.13 | C |
| 743 | 720 | 96 | A | 780 | 433 | 57.73 | B |
| 744 | 442 | 58.93 | B | 781 | 340 | 45.33 | C |
| 745 | 601 | 80.13 | A | 782 | 406 | 54.13 | B |
| 746 | 639 | 85.2 | A | 783 | 557 | 74.27 | A |
| 747 | 473 | 63.07 | B | 784 | 478 | 63.73 | B |
| 748 | 583 | 77.73 | A | 785 | 546 | 72.8 | A |
| 749 | 363 | 48.4 | C | 786 | 516 | 68.8 | B |
| 750 | 362 | 48.27 | C | 787 | 335 | 44.67 | C |
| 751 | 448 | 59.73 | B | 788 | 375 | 50 | C |
| 752 | 552 | 73.6 | A | 789 | 348 | 46.4 | C |
| 753 | 543 | 72.4 | A | 790 | 455 | 60.67 | B |
| 754 | 434 | 57.87 | B | 791 | 407 | 54.27 | B |
| 755 | 642 | 85.6 | A | 792 | 325 | 43.33 | C |
| 756 | 495 | 66 | B | 793 | 314 | 41.87 | C |
| 757 | 565 | 75.33 | A | 794 | 300 | 40 | D |
| 758 | 567 | 75.6 | A | 795 | 378 | 50.4 | C |
| 759 | 419 | 55.87 | B | 796 | 418 | 55.73 | B |
| 760 | 299 | 39.87 | D | 797 | 475 | 63.33 | B |
| 761 | 528 | 70.4 | B | 798 | 158 | 21.07 | D |
| 762 | 490 | 65.33 | B | 799 | 402 | 53.6 | B |
| 763 | 602 | 80.27 | A | 800 | 323 | 43.07 | C |
| 764 | 648 | 86.4 | A | 801 | 422 | 56.27 | B |
| 765 | 662 | 88.27 | A | 802 | 403 | 53.73 | B |
| 766 | 521 | 69.47 | B | 803 | 444 | 59.2 | B |
| 767 | 578 | 77.07 | A | 804 | 443 | 59.07 | B |
| 768 | 470 | 62.67 | B | 805 | 335 | 44.67 | C |
| 769 | 389 | 51.87 | B | 806 | 499 | 66.53 | B |
| 770 | 629 | 83.87 | A | 807 | 470 | 62.67 | B |
| 771 | 453 | 60.4 | B | 808 | 529 | 70.53 | B |

परिशिष्ट “G”

सारणी t-मूल्य

(Table of t, for use in determining the significance of statistics)

| Degrees of Freedom | Probability (P) | | | |
|--------------------|-----------------|------------------|-----------|-----------|
| | 0.10 | 0.05 | 0.02 | 0.01 |
| 1 | t = 6.34 | t = 12.71 | t = 31.82 | t = 63.66 |
| 2 | 2.92 | 4.30 | 6.96 | 9.92 |
| 3 | 2.35 | 3.18 | 4.54 | 5.84 |
| 4 | 2.13 | 2.78 | 3.75 | 4.60 |
| 5 | 2.02 | 2.57 | 3.36 | 4.03 |
| 6 | 1.94 | 2.45 | 3.14 | 3.71 |
| 7 | 1.90 | 2.36 | 3.00 | 3.50 |
| 8 | 1.86 | 2.31 | 2.90 | 3.36 |
| 9 | 1.83 | 2.26 | 2.82 | 3.25 |
| 10 | 1.81 | 2.23 | 2.76 | 3.17 |
| 11 | 1.80 | 2.20 | 2.72 | 3.11 |
| 12 | 1.78 | 2.18 | 2.68 | 3.06 |
| 13 | 1.77 | 2.16 | 2.65 | 3.01 |
| 14 | 1.76 | 2.14 | 2.62 | 2.98 |
| 15 | 1.75 | 2.13 | 2.60 | 2.95 |
| 16 | 1.75 | 2.12 | 2.58 | 2.92 |
| 17 | 1.74 | 2.11 | 2.57 | 2.90 |
| 18 | 1.73 | 2.10 | 2.55 | 2.88 |
| 19 | 1.73 | 2.09 | 2.54 | 2.86 |
| 20 | 1.72 | 2.09 | 2.53 | 2.84 |
| 21 | 1.72 | 2.08 | 2.52 | 2.83 |
| 22 | 1.72 | 2.07 | 2.51 | 2.82 |
| 23 | 1.71 | 2.07 | 2.50 | 2.81 |
| 24 | 1.71 | 2.06 | 2.49 | 2.80 |
| 25 | 1.71 | 2.06 | 2.48 | 2.79 |
| 26 | 1.71 | 2.06 | 2.48 | 2.78 |
| 27 | 1.70 | 2.05 | 2.47 | 2.77 |
| 28 | 1.70 | 2.05 | 2.47 | 2.76 |
| 29 | 1.70 | 2.04 | 2.46 | 2.76 |
| 30 | 1.70 | 2.04 | 2.46 | 2.75 |
| 35 | 1.69 | 2.03 | 2.44 | 2.72 |
| 40 | 1.68 | 2.02 | 2.42 | 2.71 |
| 45 | 1.68 | 2.02 | 2.41 | 2.69 |
| 50 | 1.68 | 2.01 | 2.40 | 2.68 |
| 60 | 1.67 | 2.00 | 2.39 | 2.66 |
| 70 | 1.67 | 2.00 | 2.38 | 2.65 |
| 80 | 1.66 | 1.99 | 2.38 | 2.64 |
| 90 | 1.66 | 1.99 | 2.37 | 2.63 |

| | | | | |
|----------|------|-------------|------|------|
| 98 | 1.66 | 1.98 | 2.36 | 2.63 |
| 100 | 1.66 | 1.98 | 2.36 | 2.63 |
| 125 | 1.66 | 1.98 | 2.36 | 2.62 |
| 150 | 1.66 | 1.98 | 2.35 | 2.61 |
| 200 | 1.65 | 1.97 | 2.35 | 2.60 |
| 208 | 1.65 | 1.97 | 2.35 | 2.60 |
| 211 | 1.65 | 1.97 | 2.35 | 2.60 |
| 300 | 1.65 | 1.97 | 2.34 | 2.59 |
| 400 | 1.65 | 1.97 | 2.34 | 2.59 |
| 421 | 1.65 | 1.97 | 2.34 | 2.59 |
| 500 | 1.65 | 1.96 | 2.33 | 2.59 |
| 594 | 1.65 | 1.96 | 2.33 | 2.58 |
| 600 | 1.65 | 1.96 | 2.33 | 2.58 |
| 695 | 1.65 | 1.96 | 2.33 | 2.58 |
| 704 | 1.65 | 1.96 | 2.33 | 2.58 |
| 1000 | 1.65 | 1.96 | 2.33 | 2.58 |
| 1297 | 1.65 | 1.96 | 2.33 | 2.58 |
| 1300 | 1.65 | 1.96 | 2.33 | 2.58 |
| ∞ | 1.65 | 1.96 | 2.33 | 2.58 |

[Garrett, H. E. & Woodworth, R. S. (1969). *Statistics in Psychology and Education*.
Bombay: Vakils, Feffer and Simons Private LTD. P. 461]

परिशिष्ट “H”

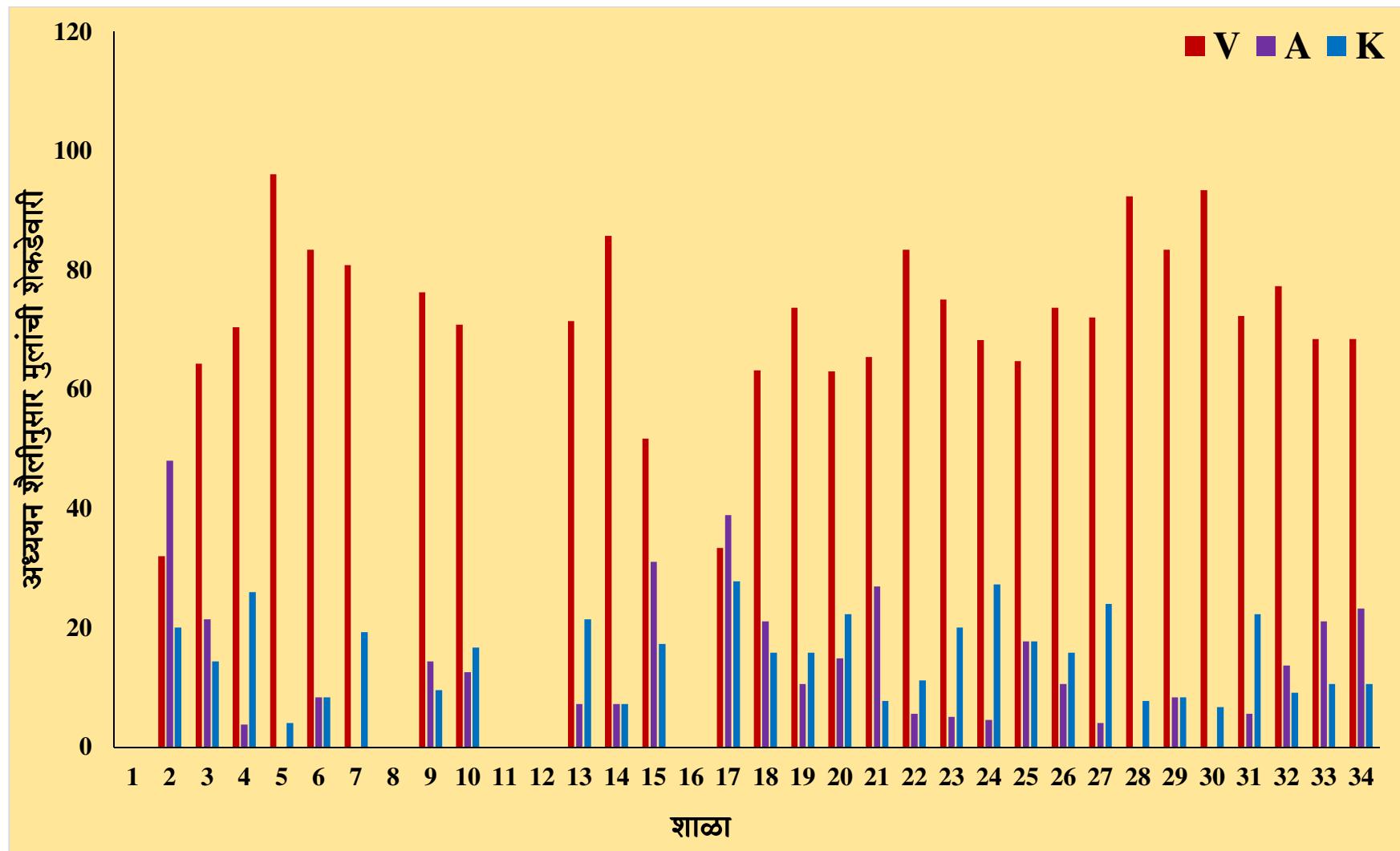
सारणी F-मूल्य

(Table of F, for use in determining the significance of statistics)

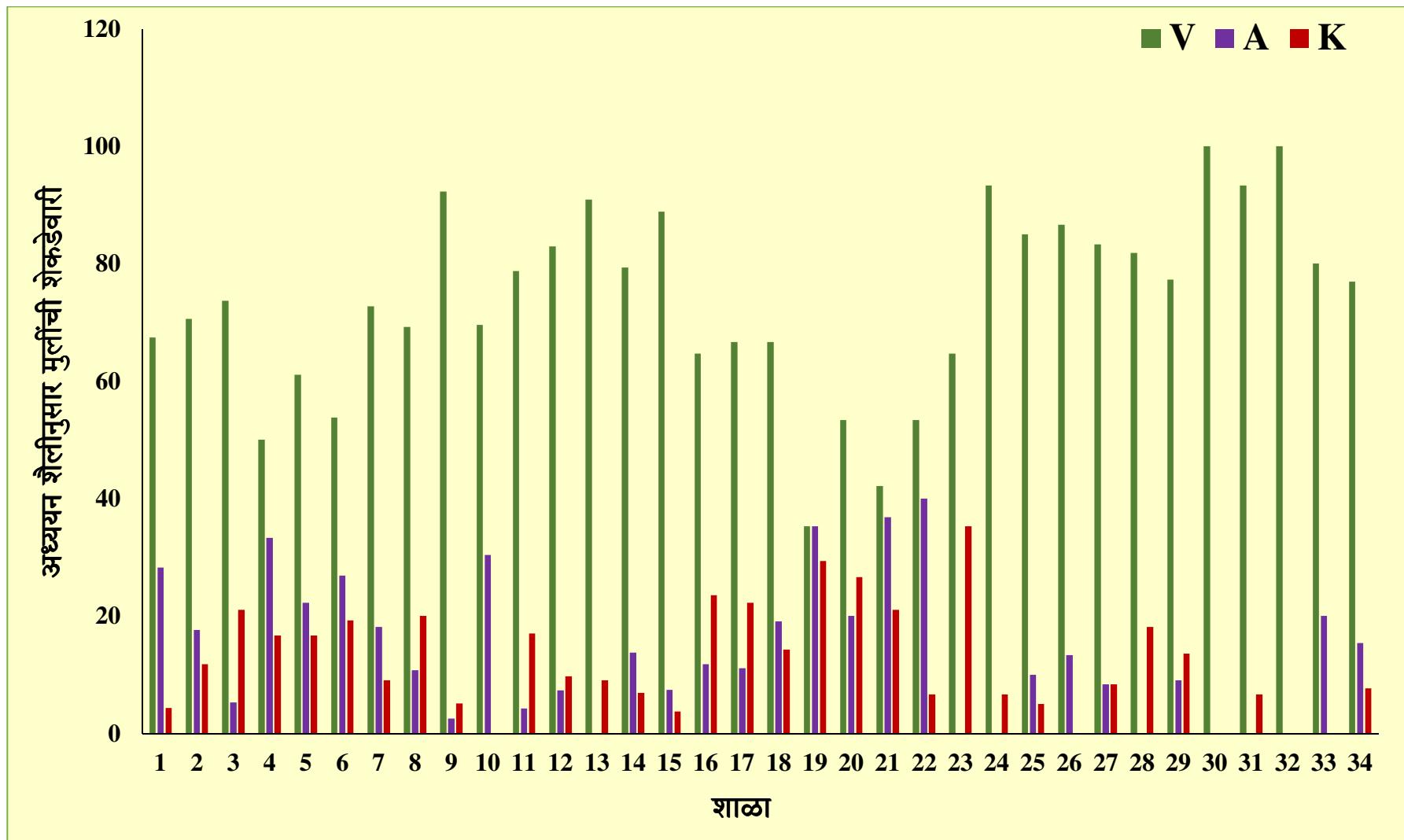
Upper 5% points

| $v_1 \backslash v_2$ | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 12 | 15 | 20 | 24 | 30 | 40 | 60 | 120 | ∞ |
|----------------------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|----------|
| 1 | 161.4 | 199.5 | 215.7 | 224.6 | 230.2 | 234.0 | 236.8 | 238.9 | 240.5 | 241.9 | 243.9 | 245.9 | 248.0 | 249.1 | 250.1 | 251.1 | 252.2 | 253.3 | 254.3 |
| 2 | 18.51 | 19.00 | 19.16 | 19.25 | 19.30 | 19.33 | 19.35 | 19.37 | 19.38 | 19.40 | 19.41 | 19.43 | 19.45 | 19.45 | 19.46 | 19.47 | 19.48 | 19.49 | 19.50 |
| 3 | 10.13 | 9.55 | 9.28 | 9.12 | 9.01 | 8.94 | 8.89 | 8.85 | 8.81 | 8.79 | 8.74 | 8.70 | 8.66 | 8.64 | 8.62 | 8.59 | 8.57 | 8.55 | 8.53 |
| 4 | 7.71 | 6.94 | 6.59 | 6.39 | 6.26 | 6.16 | 6.09 | 6.04 | 6.00 | 5.96 | 5.91 | 5.88 | 5.80 | 5.77 | 5.75 | 5.72 | 5.69 | 5.66 | 5.63 |
| 5 | 6.61 | 5.79 | 5.41 | 5.19 | 5.05 | 4.95 | 4.88 | 4.82 | 4.77 | 4.74 | 4.68 | 4.62 | 4.56 | 4.53 | 4.50 | 4.46 | 4.43 | 4.40 | 4.36 |
| 6 | 5.99 | 5.14 | 4.76 | 4.53 | 4.39 | 4.28 | 4.21 | 4.15 | 4.10 | 4.06 | 4.00 | 3.94 | 3.87 | 3.84 | 3.81 | 3.77 | 3.74 | 3.70 | 3.67 |
| 7 | 5.59 | 4.74 | 4.35 | 4.12 | 3.97 | 3.87 | 3.79 | 3.73 | 3.68 | 3.64 | 3.57 | 3.51 | 3.44 | 3.41 | 3.38 | 3.34 | 3.30 | 3.27 | 3.23 |
| 8 | 5.32 | 4.46 | 4.07 | 3.84 | 3.69 | 3.58 | 3.50 | 3.44 | 3.39 | 3.35 | 3.28 | 3.22 | 3.15 | 3.12 | 3.08 | 3.04 | 3.01 | 2.97 | 2.93 |
| 9 | 5.12 | 4.26 | 3.88 | 3.63 | 3.48 | 3.37 | 3.29 | 3.23 | 3.18 | 3.14 | 3.07 | 3.01 | 2.94 | 2.90 | 2.86 | 2.83 | 2.79 | 2.75 | 2.71 |
| 10 | 4.96 | 4.10 | 3.71 | 3.48 | 3.33 | 3.22 | 3.14 | 3.07 | 3.02 | 2.98 | 2.91 | 2.85 | 2.77 | 2.74 | 2.70 | 2.66 | 2.62 | 2.58 | 2.54 |
| 11 | 4.84 | 3.98 | 3.59 | 3.36 | 3.20 | 3.09 | 3.01 | 2.95 | 2.90 | 2.85 | 2.79 | 2.72 | 2.65 | 2.61 | 2.57 | 2.53 | 2.49 | 2.45 | 2.40 |
| 12 | 4.75 | 3.89 | 3.49 | 3.26 | 3.11 | 3.00 | 2.91 | 2.85 | 2.80 | 2.75 | 2.69 | 2.62 | 2.54 | 2.51 | 2.47 | 2.43 | 2.38 | 2.34 | 2.30 |
| 13 | 4.67 | 3.81 | 3.41 | 3.18 | 3.03 | 2.92 | 2.83 | 2.77 | 2.71 | 2.67 | 2.60 | 2.53 | 2.46 | 2.42 | 2.38 | 2.34 | 2.30 | 2.25 | 2.21 |
| 14 | 4.60 | 3.74 | 3.34 | 3.11 | 2.96 | 2.85 | 2.76 | 2.70 | 2.65 | 2.60 | 2.53 | 2.46 | 2.39 | 2.35 | 2.31 | 2.27 | 2.22 | 2.18 | 2.13 |
| 15 | 4.54 | 3.68 | 3.29 | 3.06 | 2.90 | 2.79 | 2.71 | 2.64 | 2.59 | 2.54 | 2.48 | 2.40 | 2.33 | 2.29 | 2.25 | 2.20 | 2.16 | 2.11 | 2.07 |
| 16 | 4.49 | 3.63 | 3.24 | 3.01 | 2.85 | 2.74 | 2.66 | 2.59 | 2.54 | 2.49 | 2.42 | 2.35 | 2.28 | 2.24 | 2.19 | 2.15 | 2.11 | 2.06 | 2.01 |
| 17 | 4.45 | 3.59 | 3.20 | 2.96 | 2.81 | 2.70 | 2.61 | 2.55 | 2.49 | 2.45 | 2.38 | 2.31 | 2.23 | 2.19 | 2.15 | 2.10 | 2.06 | 2.01 | 1.96 |
| 18 | 4.41 | 3.55 | 3.16 | 2.93 | 2.77 | 2.66 | 2.58 | 2.51 | 2.46 | 2.41 | 2.34 | 2.27 | 2.19 | 2.15 | 2.11 | 2.06 | 2.02 | 1.97 | 1.92 |
| 19 | 4.38 | 3.62 | 3.13 | 2.90 | 2.74 | 2.63 | 2.54 | 2.48 | 2.42 | 2.38 | 2.31 | 2.23 | 2.16 | 2.11 | 2.07 | 2.03 | 1.98 | 1.93 | 1.88 |
| 20 | 4.35 | 3.49 | 3.10 | 2.87 | 2.71 | 2.60 | 2.51 | 2.45 | 2.39 | 2.35 | 2.28 | 2.20 | 2.12 | 2.08 | 2.04 | 1.99 | 1.95 | 1.90 | 1.84 |
| 21 | 4.32 | 3.47 | 3.07 | 2.84 | 2.68 | 2.57 | 2.49 | 2.42 | 2.37 | 2.32 | 2.25 | 2.18 | 2.10 | 2.05 | 2.01 | 1.96 | 1.92 | 1.87 | 1.81 |
| 22 | 4.30 | 3.44 | 3.05 | 2.82 | 2.66 | 2.55 | 2.46 | 2.40 | 2.34 | 2.30 | 2.23 | 2.15 | 2.07 | 2.03 | 1.98 | 1.94 | 1.89 | 1.84 | 1.78 |
| 23 | 4.28 | 3.42 | 3.03 | 2.80 | 2.64 | 2.53 | 2.44 | 2.37 | 2.32 | 2.27 | 2.20 | 2.13 | 2.05 | 2.01 | 1.96 | 1.91 | 1.86 | 1.81 | 1.76 |
| 24 | 4.26 | 3.40 | 3.01 | 2.78 | 2.62 | 2.51 | 2.42 | 2.36 | 2.30 | 2.25 | 2.18 | 2.11 | 2.03 | 1.98 | 1.94 | 1.89 | 1.84 | 1.79 | 1.73 |
| 25 | 4.24 | 3.39 | 2.99 | 2.76 | 2.60 | 2.49 | 2.40 | 2.34 | 2.28 | 2.24 | 2.16 | 2.09 | 2.01 | 1.96 | 1.92 | 1.87 | 1.82 | 1.77 | 1.71 |
| 26 | 4.23 | 3.37 | 2.98 | 2.74 | 2.59 | 2.47 | 2.39 | 2.32 | 2.27 | 2.22 | 2.15 | 2.07 | 1.99 | 1.95 | 1.90 | 1.85 | 1.80 | 1.75 | 1.69 |
| 27 | 4.21 | 3.35 | 2.96 | 2.73 | 2.57 | 2.46 | 2.37 | 2.31 | 2.25 | 2.20 | 2.13 | 2.06 | 1.97 | 1.93 | 1.88 | 1.84 | 1.79 | 1.73 | 1.67 |
| 28 | 4.20 | 3.34 | 2.95 | 2.71 | 2.56 | 2.45 | 2.36 | 2.29 | 2.24 | 2.19 | 2.12 | 2.04 | 1.96 | 1.91 | 1.87 | 1.82 | 1.77 | 1.71 | 1.65 |
| 29 | 4.18 | 3.33 | 2.93 | 2.70 | 2.55 | 2.43 | 2.35 | 2.28 | 2.22 | 2.18 | 2.10 | 2.03 | 1.94 | 1.90 | 1.85 | 1.81 | 1.75 | 1.70 | 1.64 |
| 30 | 4.17 | 3.32 | 2.92 | 2.69 | 2.53 | 2.42 | 2.33 | 2.27 | 2.21 | 2.16 | 2.09 | 2.01 | 1.93 | 1.89 | 1.84 | 1.79 | 1.74 | 1.68 | 1.62 |
| 40 | 4.08 | 3.23 | 2.84 | 2.61 | 2.45 | 2.34 | 2.25 | 2.18 | 2.12 | 2.08 | 2.00 | 1.92 | 1.84 | 1.79 | 1.74 | 1.69 | 1.64 | 1.58 | 1.51 |
| 60 | 4.00 | 3.15 | 2.76 | 2.53 | 2.37 | 2.25 | 2.17 | 2.10 | 2.04 | 1.99 | 1.92 | 1.84 | 1.75 | 1.70 | 1.65 | 1.69 | 1.63 | 1.47 | 1.39 |
| 120 | 3.92 | 3.07 | 2.68 | 2.45 | 2.29 | 2.17 | 2.09 | 2.02 | 1.96 | 1.91 | 1.83 | 1.75 | 1.66 | 1.61 | 1.55 | 1.50 | 1.43 | 1.35 | 1.25 |
| ∞ | 3.84 | 3.00 | 2.60 | 2.37 | 2.21 | 2.10 | 2.01 | 1.94 | 1.88 | 1.83 | 1.75 | 1.67 | 1.57 | 1.52 | 1.46 | 1.39 | 1.32 | 1.22 | 1.00 |

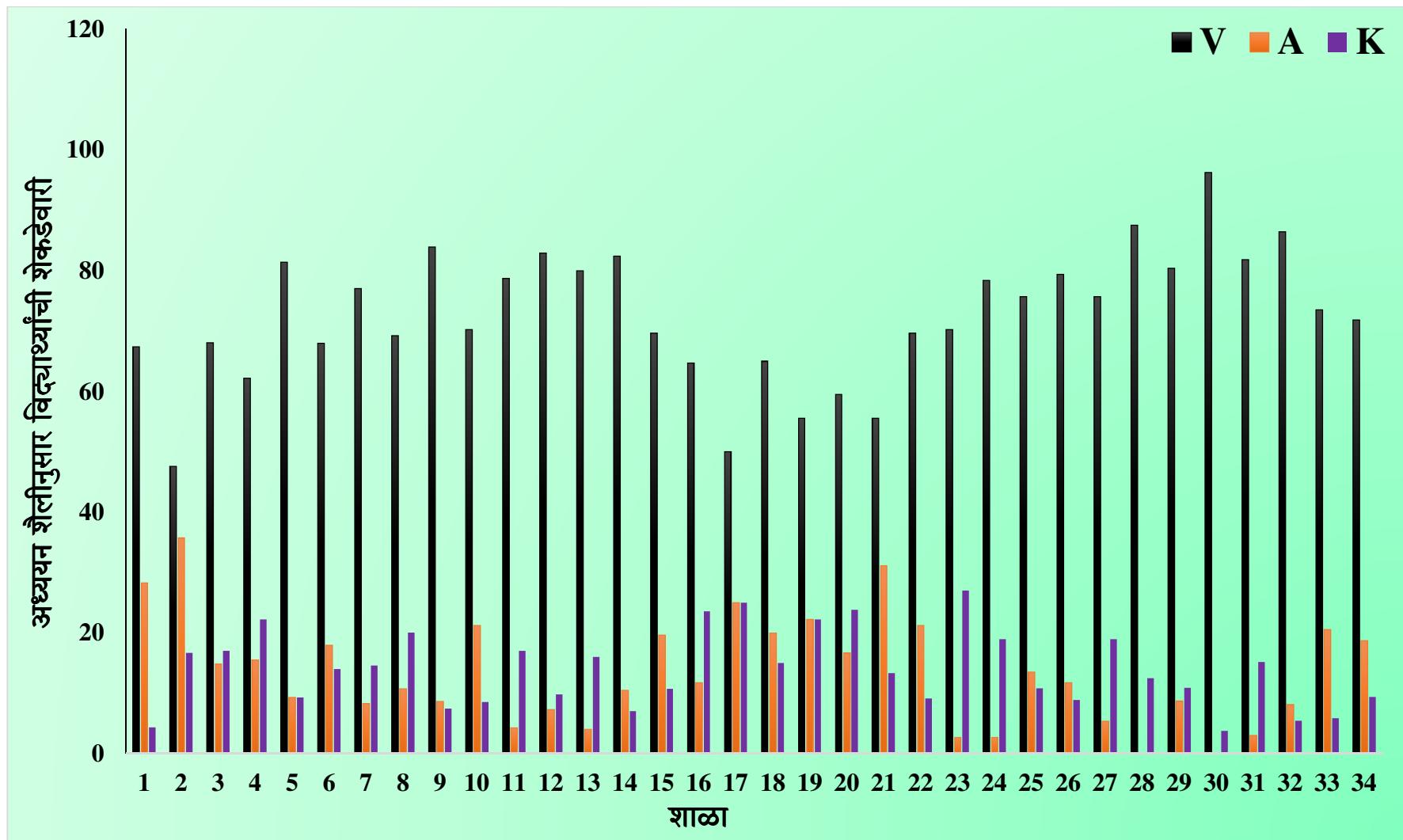
$F = \frac{s_1^2}{s_2^2} = \frac{S_1}{S_2}$, where $s_1^2 = S_1/v_1$ and $s_2^2 = S_2/v_2$ are independent mean squares estimating a common variance σ^2 and based on v_1 and v_2 degrees of freedom, respectively.



आलेख क्रमांक 5 : अध्ययन शैलीच्या संदर्भात शाळानिहाय एकूण मुलांची शेकडेवारी दर्शवणारा स्तंभालेख



आलेख क्रमांक 6: अध्ययन शैलीच्या संदर्भात शाळानिहाय एकूण मुर्लीची शेकडेवारी दर्शवणारा स्तंभालेख



आलेख क्रमांक 7 : अध्ययन शैलीच्या संदर्भात शाळानिहाय एकूण विद्यार्थ्यांची शेकडेवारी दर्शवणारा स्तंभालेख